[। इकि ०८। ५८४८। विश्व	2152 901220215
------------------------	----------------

				į	Da statement de Strict de				
				Name of Street		は、このは、は、日本の日本の日本の日本の日本の日本の日本の日本の日本の日本の日本の日本の日本の日			
18	10				लोबी छाअवि	পণ বাজনগৰ হাণ গোৱা ভাঙাৰি	2256	1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1	
40	4,611	:			রভিরমণ চক্রবন্তা	জোৎ রাজনগর হাৎ রভিরমণ চক্রতী	क्ष्यक ।		
14U	14/1	***		:	वाश्वादाय तमन	সাবেক ছজুরি ভাণীবাঝারাম সেন	6620	for the	
8/5	38/3			M	কালীকিশোর ছোয়	কিশোর ঘোষ	を を の	日本 は 日本 大小	
10000000000000000000000000000000000000						খাৎ জোৎ বিলগৰ্ড ভাৎ রাধাকান্ত বসু নিৎ কালী-	6550 .	fe/	
181	11/8/11	1	:	:	वकाव थी	ভাৎ বজার খাঁ	8463	Say	
₹ 1.78	& V 8	:		:	কালাশস্থর ধর	নিশ্বং কালীশস্ত্র ধ্র			
	Calescenting				,	থারিজা তৎ সকীপুর থোদি ভাৎ রামনাথ চৌৎ	6463	ía:	
, 162/P	11 2/3	:	:	:	महत्त थी	和原文语 卷1			
						থারিজা তৎ পাড়ীন তাৎ চরিনারায়ণ সেন নিথৎ	6420	fe/	
2/4	19/6		:		গোপীকান্ত গুৰ	ধারিজাত ব্যস্পুর তাৎ গোপীকার ওণ	4599	le/	
311/21	112/90	:	:	:	दिख्टामद दमन	(A)			
						থারিজ। পৎ সীলীমপ্রকাপ সদরপুর তাৎ বিষ্ণুদেব	4885	for	
りからり	112/90	:	:	:	রামগোবন্দ	ভালুক রামগোরিন্দ	8609	fb/	
1 4/4	0 40	:	::	B	পদ্মলোচন চাটাতি	নিশ্রং পত্মলোচন চাটাতি			
		- State			10000	থারিজা পণ সুজারাদ কৃষ্ণপুর তাৎ রামেষর জনার্দন	8450	20	
97	>0 II 9				রামরুক্স ছোষ	ভালুক রামর্জ্ন ঘোষ	0220	le/	
01/5011	I oc Mos		:	201	গোবিন্দপ্রসাদ রার	নিধা গোবিদাপ্রসাদ রায়			
THE RESERVE OF THE PARTY OF THE	The state of the s				10 17 This	থারিজা গাং জালালপুর তাং উদয়নারায়ণ ঘোষ	6460	ZV.	
MJ2 II	1 2/4 by S	:	:	:	গোপীনাথ ছোষ	রুল। মুনশী নিএৎ গোপীনাথ ঘোষ			
		-				থারিলা পা বৈকৃষ্ঠপুর ছিং ৸/ আমী তাং জহ-	0000	Þ/	
1 66/40	اا دورها هد	***	to at on the state of		মতেশচনা ধর	কুন্ত দাস নিধাং মহেশচন্দ্র ধর			
				1 486	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	ধারিলা তৎ রামকুলপুর হিং । আনী তাৎ রাধা-	2862	ig/	
8 /h/8	40110	:	:	:	খীহুরি হাজুরা	ভাৎ রহমত থানিং প্রহির হাজরা	8465	মহাল	
4/41 6	20400			89	अववास सर्मृतन छन	থারিলা পণ দোহার তাৎ লাব্রাম মধুসুদন গুণ		এত্তমুরারি ধার্যহওয়া	
বৈশাঝের পাওনা বাকী				11. 30.	Charles and San		यद्राटलत नस्त		
३१६८ जानह लागांड ३	नम्द्र स्था	4	মহালের লিখিত মালিক	त नि	মহাতে	মহালের নাম	बिलाइ टिंबीइ	महारल द त्थानी	শ্রেণির নমূর

নয়ুর ভর্তিব	श्रहत्लात् होज	नशृत्र एत्राक्षकेति	शहरमात्र मात्र	F.		মালিকের নাম		अकर	मन्द्र छत्र। ब्रांश भूलिम	दाकी मन ३२६8
					2 0 0 0		•			मारलड़ ला९ रेडा
	+									চ্চের আজানা মার পুলিস
						· 有 · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	17			
3 ग्रंथ	কাইমি ভৌজন্তক	R. O	त्या श्रीकृदि	:		व्रायद्रक्य यूरथानाथाय	¥IT		ANARE	17/12
/ G g	/kg	R82	त्यात मन्द्रशाय	:	***	(शामायक्र नाहा थै।	-	***	0 78	2/6
19	Λg	260	:: /ag		***	व्याज्ञिमकीन त्मका			6	[1]
(A)	/ 5	296	/9		***	क्षिक्रममीन भाषा	***	:	6/9/9	84/20
A	C)	286	: /0j		***	त्हारमम खानि	***		90/0	6/10
/53	/bj	486	:- /g	:		ভোরাপ শাহা	****	**	6	96
•	/eg	26.0	:- ∕og	:		91			06	6 P
/ G J	Λg	348	 Ag		***	कुष्टेन भाषा			8/10	10/0
/4	Æ	694	 /eg	::					2 44/33	66/33
/cg	Æ	843	त्यार त्वामाह	:		डाइग्रीम अक्रीठार्थ	:		2941	50h/
/9	Æ	0.0	মোৎ ফভেপুর	:	***			:	28.40	& 1/8
/cr	/g	940	त्यार कार क्रांक्रमा			भूनमी क्किलमीन		:	2/2	2/00
		The state of the s	• 10 10 10 10 10 10 10 10 10 10 10 10 10							
/ar	কাইমি সওগায় ভৌজী	नेमी ६२৯	त्यां ९ अधिषान दाशी			न्तायदीष ठक्रवहीं ६ त्वादिमध्य घक्रवहीं	8 क्लाहिक्स	ठम् ठम्द	4/122 1	3812
/84	/ব্য	/kg	: ⁄¤	**	***	मर्थठल ७ निहीन ठल ठक्वही	क्ष ठक्रवही	:	445	२४ ५५
/OII	/kg	28.9	त्या , जिसी मन्त्र	:	- 12	her	टानि मिनाइ	***	34.48	42/20
/ bg	/g	844	त्या श्वाडे शांडिला			माध्यक्य मूक्ती			RER	/11.43
/45	₹	STORY SECTION	त्यां अस्त्रायश्रेत		***	কালাটাদ ব্যয়			Mo/G	.40
/SJ	Ag	00%	व्याप्रमह			প্ৰলোচন মলিক	•		(¢ 181)	II 81 30
/eg	P	~	व्यात्राम्ह	***	***	कुखरन ठक्रवरी	***		N 61 0	MP1 0
/g .	A .	Ą	ज्याशमङ्	*		हीव्रामान मृष्या			0/II ac.	2.6 11/0
Cal.	/cg	2466	त्यार कालयश्व			कखनान (शायात्री			8113	1/114
The Party of the P	一年 一日	一日 一日 日本			The Party of the P				White of the state of the state of	0117 4

दाकी मन ১২६8 मारल व जार रेंडा	চের থাজানা মার পুলিস	0 0	2811/20	92 148	4,7486	340/301	II SIN SS	II Ch D	N 51 8	10/112	50 lb/2	59 150	Aroz	55/0/40	2002	2000	817	0 6 6 V	6/8	R/R8	Aonos	\$6(3)	2000/2	8118	\$0105	8/89	8/1 05
मम्द्र क्या योह श्रीलम		30100	324G	05/4	SS/MAS.	16/3	11 57 45 11	46.00	7.3	41/41	10/100	30	78	116/115	37496	22 146	/al-8	9 15 .	8/9	6/442	+ 562hJ2	20,23	OR 10/20	\$115	8/155 .	32 11/8	3. 1/8
महत्र ।					***			:	:	***			:	:		***						ग्रहेका		****	***		To the same
			***	***	:			:	:	:		:	***		:			:			****	हक्त्रमाहाज्ञ ठाष्ट्रया	•••	***			The second
মালিকের নাম		त्वानीत्याच्य ग्रदशाया	शास्त्रभाइम्ब शर्यायम	डिक दिशीम	श्रिव किवामिन	हड़लाल दिशाम	ইথক মির	আয়ির মানিতা	शत्र बाबिडा	छिक् दिशाम	श्रीक मानिका	विद्याम यनि दम्या	इत्बाइया त्मर्गा	सन्दर्भाष्ट्रम देष्ट्रिया	রামকান্ত বাড়য	मीननाथ डाउँ। ग्री	গোবিশচন বায়	वकीमान मृत्याया	रूद्रु के मुर्थाया	त्राथानठच्यु मदकाव	इक्टबानि गी	डुक्सा ख	मिल	ह्यायकत कड़ीहारी	রামকিমর ভটাচার্য	রাছগতি আচার্য	রামকানাই ভট্টাচর্য্য
Tilla II.		. 5	****	***	***	**	:	:	:	***	400	:	***	***		:	:	:	****		:		:				
			.00		***		:	:	***	:	:	***	:		***	***	:	***	***		:						Same a
ब्रहरमात्र नाम		Sat		त्योः त्ववाहे	1			RI	d			(所配	:		Samp		काडमवे	त्कावानि	Same and the	किछिलेद	अंशेव		सम्बद्ध	अव्यक्ति			, / u j
		S IS		100	-	79		- 7		7-9	749	75		ETS	N. Call		10	nta	79	818	1016	arte	31.5	a la		A CAR	19
मग्र्य (इएक्स्केडि		200	, cg	0.0	/63	/aj	Лaj	2820	/g	/s)	/6	0.00	/49	2892	2842		5.83.0	5.48	/6)	000	583	20.0	808	52.42	/4)	/5	1 /9
মহলের হাল		misto monto calal	1000 MADE 117 17	Į A	1.09	· /9	, A	A	/sj	~		1.79	. ~	1.79		1 /9	1 14	. ~	1.49	1.79	~	20.1	, .	7 19	, 15	1 14	1 /03
নছর ভর্ডিব	মেন্ট গোনে	- A		, A	, rg	14	1.0	1/9	Ag		1 /0	, Al	1/9	1 /9	19	A	7.0	1 /9		1/9	1 /9	7 7	5 A	7 (9	g Au	70	7 1

नक्त उत्रक्ति	श्रहरजांत्र हाज	मश्रव द्वरक्षमित्र	ं महत्त्र मध	III III			मानित्हरू साम			महरू छया	दाकी मन ३२६8 मालिस लार
										माङ्ग्रह्मम	रैजार केर बाझाना मान्नुलिन
× 35 ×	कार्डिय मत्रक्षात रहोशी	44.4	त्यार कूला				त्नीहरुख रम्		:	20.62	2000
~	/Gy	∕el.	4		****		दिसामाथ दम्	South		8 / 8	\$ 10 kg
/4	Ag .	Αŋ	79	**	******	***	व्यानमञ्जू दन्	.,		400	
/s	/5	Λij	reg	200			मधुमुहन दमु	Same of		50 10/2	1.76
/49	P	/9	/4g		***		कानीरव् स्थाय			. 3/0	
/s	M	. 440	(मां कश्रम मध्र		STATE OF STREET	***	वनाश्व श्रीतक	111		236/3	0.25.6
/9	*	> • • •	त्यार कुड़ामिशाकि	III			শ্ৰীকাম বার	***		808	0,00
/4	/9	/g	79			:	व्यक्तिक्षि वृत्ति	***		2040	El ACO
শ্ব	/4	∕o l	A				विकृष्टि द्राव			n = n	860
/Gj	Per	Ace	कृष्णनगर	Bel	भोका	:	वामधनाम वाम			2011/2	0000
/sj	A	20	त्याः क्षत्रवाध्युत्				মহারাজা শিন্তিশ হার	****	:	235640	333 M30
/S	A	623	त्रायानदाक्	गुर्भ		1	गर्रमाठ्या ८ मानाच्यम ठक्रविसिश्	विवित्रिव्	:	8/49	0.00
/53	/95	শ্বে	Лg			1	श्रमसक्यात् दीक्या।	*****		2 00	7.
/4	~ 9	2665	अवव्याव्य			:	द्रांकठल 8 दक्तांक्र द्रांव		***	63/2	8/40
G.	√ 9 ·	452	व्याहेमश्रानि	नि	:	:	वित्नामत्वद्यादी		:	26 143	ANI bo
Λij	/ ⁶ J	650	अक्डांद्रशूद			:	लेटबनाठच्य कर्ताहार्या	:		2430/3	2.0369
/sq	/9	2020	श्रीम्		***	:	रैयक्षीमाथ मृत्याशा			4/445	s) cs
/ख	/ - 9	5069	शाङ्खाहै।	··· [8]		:	कामीकिष्टत्र स्कुाठार्थ			28 13 4	30 13•
/sj	Λij	0.0	त्या कानावाम			1	महाद्रांका शिलाहस्र वृत्ति		:	>6 f.	563 · V3
/4	/GJ	888	वीमारकाव			***	मीलग्रां छड़ेग्डार्थ			3402	841423
/dg	/kg	524.	<u>हानुका</u>	:		:	न्यायावाढ क्रोडार्य किर	of Line of the		. /60	67H C8
S	4	2.9	माक्रुम			***	द्राज्या माध्याम्द्रकच्या द्राय		188	2830/50	3.07kJ3.
Ag ,	æ	840	शम्बानि	***		***	नीलग्रशि दाइ			39340	6 - 10/2
/g	OF .	609	P			:	कामीकांख वात्र		40.00	28 %	820
र म्	त्मशमी	.84	54 CH	हत्र ह्याणामञ्दर्	रेकशान		त्यः अग्राष्ट्रिमम मारहत	Contract of	Section 1	E/8 498 .	Ach
/kg	A	223	इ.चाड्डा ममे	ा मनी	****		ब्हादाम श्रिमाठक दोहामृत	***		. 548 19	5/4 PC
9	4315	eno	মোণ ভুষুর্তলা	1	Selection of the last		डेमाकाब मृत्यामा मिर	4	100	240	6/10
~	9	2080	प्रकृत थे व		100		डाहिबीबंडच् मृत्याया		***	P. 10 10	2240/50

[Government Gazette, 13th July, 1847.]

	-		200
eo.		reason and	
100	0	ra	-m
	m II	ы	

दाशांति क्षांत्र २/ तिया खो को ज्या को ज्या को ज्या का ज्य
--

मन ३२६5 मारलत्

न्याकी अध्राप्त

दाकी ३७५३३.

नाधास ...

मन ३२६ ॰ मारज्ञ ह

टमज़ टब्बंड	এই মহালের মধ্যে কুটর কৃষ্ণনারায়ণ রায় ও প্রোনারায়ণ রায় জনীদারের জা, মানির প্রভিবজ্জি ব্যুহক্ষ বিলাম ছইবেক।	J. S. Tornens, Collector.	বৈক বাঞ্চলা সন ১২৫৪ সালের ১১ আবিণ । সাল ভারিখ ২২ জাঘাঢ়।	मुख्ता कथी	এই মহাল লাখারাজ ংজেয়াগ্রী মালিক সহিত নিক্ষীজ্মাতে বন্দোবক্ত হটগাছে এথান ওক দদরে বন্দোবক্ত মঞ্জুর হল নাই বন্দোবন্তুদার- দিগের বন্দোবন্তী সাম্যক হকুক নীলাম হইবেক আরু এহি মহাল সদরে যে প্রণালীতে বন্দোবন্ত মঞ্জুর হইবেক পরিদার্কে ভাহা আমলে আ- নিঙে হইবেক ইতি।	~
সদর জ্বয়া সন ১৮৪৭ সালের কোম্পানি ২৯ জুন ভারিখের বাকী	888 lè		সালের ২৬ জুলাই মোড বাই মোডাবেক সন ১২৫৪	ह्या मन ३२६८ माल्ब् माधायम देशार्फ्ड् दाकी	मन ३२६७ मारलब् दाकी ७०/১১	मन ३१६७ मारलह
মহালের লিখিত মালিকের নাম	প্য কাশীয়োড়া মহাল উত্তর উদ্ধুত্ব আনন্দকিশোর রায় ও কৃজনারায়ণ রায় ও প্রেনা- রায়ণ পাত্র ও পাতায়র নন্দ ও লালীনারায়ণ পাত্র ও চণ্ডচিত্রণ পাত্র ও আনন্দনাথ মাইভি ও মধুসুদন মাইভি ও হরিয়োহন মাইভি ও রভিনারায়ণ মাইভি ও চণ্ডাচ্বণ পাত্র ও মোহন পাত্র ও রভিনারায়ণ মাইভি ও চণ্ডাচ্বণ পাত্র ও মোহন পাত্র ও ল্লাবায়ণ জ্বি ১৫/		কাছারী কালেক্টার জিল জেলার অধীন নীচের চি ম বিক্রী হইবেক ইডিসন	মহালের লায় নদ্র জয়া মালিকের নাম	১০১/ বিহা মেস্কৈ দক্ষিণ শহর পরগণে বীরেখরী দেব্যা ও কৈলাস ১২ ৯/১১ গৌরহন্ত নাথ ভট্টাচার্য	२०১/ छत्रक काखाद्रभ मिशत शत्रारभ त्याताकमाथ नाम्। मूरचा २५५5)
भ्रहारमञ्जू नाम	भ९ कामीत्वाफा ग्रहाम উवड् উमुद्भूद् १९ वे त्यो९ टेमकमभूद मधादाक भ्राप्त २६/ दिया	100	এন্ধাহ ১৮৪৫ সালের ১ আহিনের ৬ ধারাসু, রীতে নীলামে ধুরা ঘাইবেক এবং নিশচয়	জেলার জোজির মহালের নমুর	• ১०১/ दिया जोरेत लोइएख ···	क सम्भूष्ट १००० व्यक्त
त्मनाइ त्लो त्मन्न क्षित्र महारम्भन्न नी नश्र	3		ওয়া ঘাইডেছে যে সন বারু কালেক্টরির কাছা	মহালের শ্রেণা	এন্তুনারি জ্বা ধার্চ নাহওয়া মহাল	
त्त्रभीत्र महारमत् समूत्र त्यांनी			मधाम हैन स्मायदाज़ अहे एक	শ্ৰেণাই নমূহ		

[Government Gazette, 13th July, 1847.]

1260 64		এই জোভ জনা ভ্ৰেফ কুজহুব জনাদারের জনাদারির আন্তঃপ্ না গৌডুগড় টোলা নিশিচৰ জামানতী আস মহালের ইন্ মণ্ডলের একরারের লিখিত কালেক্টারের নাজিরের ভ্রেম। কালেক্টারের নাজিরের ভ্রেম। স্থানিতে মোহরদী মঞ্জুরের	কে উক্ত জোডেৰ খাজান। রের নিকট দাখিল করিছে উক্ত ইজারদশ্রম জামিন লিখিয়া দেওরা জামিনর সর
मम ३१७८ माल्य ह नाशाबम रैकारफेड़ दाली	मन ३२६७ मारबाद् वाकी २३५७ ४ कोद्धीवमित्र, कीश्व थ्यामाभी सङ्ग मन ३२६० । ६३ माल	०५ ५०४८ मन २२६० माजित् दाकी ७, मन ३७६६ माजित् रैयमाथ रैजाएक्ट्र राकी ६०, अकून ६७,	Ą
मस्द अग्र	8 % % 8	33.4	Seko
बहादन्त्र जिथिक योशिदकृत नाय	नीनकथन रत्मान्यित	আহর্দী মুখল জোভদার	धूम मिश्ड हम्मरडमाव कांबीसमाव
্ সহালের নাম	২৭৯/ বিছা তর্ক শোডীদিগর গর্গণে গৌরহক	তরফ কুওরপুরু বাফুইপাড়া প্রগণে ভা- ভিয়া গোপালপুর ১০১/ বিঘা জোত জামিন	্টোলা নিকিন্তপুর পরগণে ভাতিয়া গো পালপুর লাএগীর মাদারে সিংহ
জেলার জৌজর মহালের নযুর		র বাজীর বিজ্ঞী	•
। महारम् ह्यांनी	এমুদুরারি জমা ধার্য নাহওয়া মহাল	জ্বন্য মহাজের বাকীর নিমিত্ত মহাল বিক্রী	

চন্তপুরের মরকারি ইজারদার মোহরদী চ উক্ত জারদাদ এই চরপুর বাফ্ইপাড়ার চেপাতী ইৎলিশ থা-हेड़ त्य खुळा छाड़। हर बोलाय शहिमाद कीकारक खेक त्या-ने महारमह महिमा जारक देक त्वांक इस्टाबक सिक

नमाइ क्ष्य मिश्रहत মের ভারা মঞ্জুর হয় নাই এই বন্দোবন্ধ যে প্রণালিতে মঞ্জুর হউবেক অরিদার্কে ভাষা রত খোডাবেক এই वमवत्री आधनीएत धूम मित्रक्त या बक्क डावा সায়্ত নীলাম হইবেক আরু জামান যায় যে এই মহালের বন্দবন্ত্রিথনতত,উপরি হাকি-क्षांशल कानित्र हरेत्वर

西山南河 …

F. B. KEMF, Deputy Collector.

त्यानीत् नमुख

	м		p.		a
8	8	2	W		ij
		nc.			

हामीनश्र अग्रहाइव न्यान्य क्षाया ब्रिडिंगि मार्डात क्षियात् मार्डित मन ३२89 मालत दाकी देक मेका जामाप्त काइन देक त्वमाभीएक अदिम करत् भे सभीएक ३ अक शुक्कदिनी ७ शुक्र मिरन ১ এक श्लाका दीमा-घाট माड दीन ७ व्यामुनाष्ट्र हेराट रमन-विष्या सभी यार्था सभावाम कवित्रास्त्र मिक् दाकीमारवृत् त्यहाओं ष्याम्माओं आ॰ तम् J. H. YOUNG, Actg. Collector. मिट्ड्र एवं हक्। मारलड़ ना॰ रेकार्फ किछि मारला व ना९ २३ खूम किछित त्याः मम ३१६8 90245 मिक्का हेर खरा द नाग काष्ट्रा दि कारल कहेदि छला छाशल भूत। প্ কলিকাতা মৌঃ পলতা ১॥॰ ... 0

यहाम

दाकी थांकामा मन ३৮89

महत् छत्र। तहार

गालिक्द्र नाग

श्रहीरलह नाश

त्वाक्षकित्व नम्त

श्रमादि श्रहान

क्षशादि मध्द

সন ১৮৪৫ সালের প্রথম আইনের ৬ দফার মতে ইত্তেরে দেওরা ঘাইতেছে যে জেলা ভাগলপুরের অস্তঃপাতি নাচের লিখিত মহাল দকল ঘাহা ভা৭ ২৮ স্থুনের পরিবত্তে ধর্মান দনের ২৯ স্থন লাগাই। সরকারের বাকী মালগুলারি দাখিল হওয়া উচিত ছিল ভাষা বর্ষান সনের ২৪ জুলাই শনিবার দিবনে জেলা ভাগলপুরের কালেক্টরি কাছারিডে নালাম করা ঘাইবেক।

জুনুবার। জি	8 २ 8 १० / ३ । भगूमस मीजागृष्ट्रहादक	मगूमग्र दरमावद्धी दक्ष मीलाग्र इकेटवरू	Æ.	জেলা মালদহের জলকর গঙ্গাপত ইনলায় জামিনদার ও মোন্ধাজের ত্রিলোচন দাসের হতীয়ত		मीलाय इष्टेरतळ ।
दाकी मन ३৮८९ माल इ ला९ कीडि		5.08 10/2	85 €8		E MEES 8	
अस्ति अध्य	1 5/1 2264	C1 669	र्वा 468	1 C/1 9884	भना ६८६8	
মাজিকের নাম	लाष्ट्रदशम देखामि ৮७६६ Wo 1	मिड्दाय शहिमाद्	र्भाइनाइनाम्य थाः मेछसाम् क्षेत्राम्	(acolon #17 beec 1/2)	প্ৰাওখেন क	
ম্হাজের নাম	কিম্মত প্ৰ কাগলাল	बार्ड क्रिकेट करक्य दल्यमांडा		म किर श्र	कैं।श्रिकाल ड्रंक माङ्क त्वध्य में ड्रंक कविशक्षा	
(त्राक्ष के ।इ.व. न९	ه	≈ \$			n 4	
महामित्र त्यमी	हास्मानीनी	ना इंडब्रा बहाल	ष्ट्रम् शहीरलब्रु दावी	द खत्मा महाली महल मीलाध्यद	जीए र बे	
मग्रुरक्द त्यांनी	•	· •	, «		/sy	

मिश्रुएड़ इ क कड़क मधरहड़ (निश्चिक

J. G. CAMPBELL, Collector.

रहर्ट मन ३१ ६८ मारम ह मानाइङ कीखि छिम्प ह नाधना दाकी मानधनादी बर न बनार मधिना है जिल जामारस द निर्मितम ममूत द्वार्ड्ड मन ३৮८६ मेमदसी व एक्ट्रजाति ६ र महदी अरुनामार दर्द्यान

	_ (AL SHE	9)	10 P	N. (5. 16	lo lo i
ার্ব্বেয়তে এল্লোনেড্ড্যে ব্রুয়ার ব্রুয়ার ব্রুয়ার ব্যালার ব্যালার ব্যালার ব্যালার ব্যালার ব্রুয়ার ব্রুয়ার ব্রুয়ার ব্রুয়ার ব্রুয়ার ব্রুয়ার ব্রুয়ার ব্রুয়ার ব্যালার ব্রুয়ার ব্যালার ব্যালা	হোলজান। মহাল নীলাম হউবেক ইতি।	^	ठेडू व घटत्य निविज्ञ छानूक मध्य इदिक्षण पूलगात्राध्नामन- मछित्र हर हरू।	ठकुर्थ घरत्रत्र निश्चिष्ठ डाजूक अरूरा डेक्ट आगिममारद्रद्र रच ठळ।	চতুৰ্থ ঘরের লিখিত মহালের হিং ৮ আনার মধ্যে রুদানি ও রাজমণি চৌধুরাইন ও রাজ	তুনার হণ লামনদারের যে হক। চতুর্থ মরের লিখিত মহানের হিন। আনা মধ্যে উক্ত লা-
त्रक बर्ग मिठाई दि	श्रीक्षीता दाव सम ३२६७ दाव 8२8५8 दादास समाडी सम	3343 819 339 IV 3 II	कारमङ्ग्रेहित डह विल ड्यूक्रभी ७३३8४॥३		*	\ ^
জনর জমা কোন্সানি	14/14-4	IICAII ACO	33294°	11.711288	01880 01880 01480	२३२३ V ७३५७ वा भारे ग्रहका माक
10	1			1	E s	•
बिक मा	1	# VI	25. Pr	1		i
মহালের লিখিত মালিক	জানকীনাথ মৈত্ৰ মেত্ৰ	জানকীনাথ হৈত্ৰ	अस्टन्स मूज्या		উদ্যন্ত্রায়ণ ক্রায়	版 で で で で で
श्रद्धारमञ्जू नाग	শাজানা প্রগনে বোভরগো ওমেদপুর গদ। গোবি নাগ ও তাশীনাথ দভ ডাং	अहिसा भट्टगरन द्वासद्दरना स्टाममपूत द्वाय त्याहम माम छात	পারিকা পরগণে বেজিরগো ওমেদপুর রাধানাথ গাঙ্গলি ডালুক	आहिका भदेशदन बे द्राम्हस्म ठाष्ट्रिया सानुक	ल्यः मिरणयाताम अप हित्यः । गणा	भन् हे हिरम् ३० गंडा
दमनात ओक्षिड ग्रहारमत् नमृत	4,84	3821	6430	. 822	. 1840	0.840
भद्दारमह ट्यापी	দেওয়ানী আদালভের্ভৈত্য ক্লেম ক্লোকছওয়া মহাল	/Ng	বাকী মালগুলারী যেকপে আদায়হর সেইজপে দাওয়া নিমিতে বিজয় হওয়া মহাল			
त्थानीत् न पृत्	•	/63				

38.3/2#

मस्रा कथा	চতুৰ্ধ ঘরের লিখিত মহালের হি ৩। কড়া মধ্যে শর্মচন্দ্র রায় জায়িনদারানের যে হক।	ठेडू व घटत्र जिथिक प्रशासन्त हिमा १ ८ कांत प्रदश् में आ- मिनमारह द ए र क।		ठेडूर्थ घटड़ड़ जिबिक महाटलड़ मध्ये द्रामहरू रेगडाशमुद्र	म्ब नग्राप्त प्र १५ १७ इन्जूर्थ घटत्र निश्चित प्रशासन्त साथ उक्त मथीनकाद्रात्त्र (य	
4 9	ইফাল্পের ভহবিল উছ্তরপী বাবভ ১০৭৪ ৮১০ পাই	**************************************		दावटम अद्रियामा ১७०५	4	
मस्द्र क्षणा द्रहाम्लानि	०३३०८ १ ॥ सङ्कृष मक्षम् ०३३५५/४	৩১০১/১॥ পাই ৩২৪৮৬/০ মহকুপ,নম্ক ৩১৯॥ ০	7 6565	i c/oll.40A	114/11.400	
महारमत् निबिक मानिक	ব্ৰজ্মণি চৌধুরাইন হিং ও।কড়া ও ব্ৰমণি চৌধুরাইন ও রাজ মণি চৌধুরাইন হিং ৪৬৬	হিম ৪ ৮০ কাল ব্ৰলমণি চৌধুৱাইল হিম ২ ৮ কাগ ও রসমণি চৌধুৱাইল ও রাজমণি চৌধুৱাইল ও	১০ কাপ ও উদলনারায়ণ রায় হিম ৩ ৮/১০ কাগ	ওমেদপুর গঞ্চা জাবকীনাথ মৈত্র ভেডা৲	লানকানাথ মৈত্র	
ग्रह्मिळ द्र	न्त्र मीटनवादावन्त्र हित् ३७ नथा	भू औ हिर ३। में था		थादिका भड़गए। त्विकद्वाभी अधमभूद भक्षा त्वादिक्य नाथ ७ काणीनाथ मृह छात	थातिका शहरीत्व बेटकमलाठह्वमाम छात् कानकीनाथ रैमक	
त्ममात् क्षोक्त ब्राम्बर्ग मध्य	8	68 40		& & & & & & & & & & & & & & & & & & &	1766	
मह त्यांगी						

जाज भूटम डेशहडेक अम्डह मत्मद टीयम कामूदमद ह धा-दाद विधिमट अदिमामा ज्ञा-दि जामदन ज्ञामिहाट हैंडि। F. E. Read, Collector.

8

P

NOTIFICATION.

In modification of the rules for bonding Salt, promulgated on the 28th September, 1841, under the authority of the Board of Customs, Salt and Opium, it is hereby notified, that parties, desirous of bonding imported Salt in private Warehouses, may apply to the Collector of Customs for a license in the Form C. appended to Act No. XXV. of 1836.

If the Board are satisfied, on the Collector's report, that the Warehouses mentioned in the application are well adapted for the secure custody of the Salt, a license will be granted under Section XIX. of the above mentioned Act, and Salt may then be bonded therein under the restrictions provided by the Act in respect of any other Article of Merchandize bonded in a private Warehouse.

A portion of the Government Golahs at Sulkea will be set apart from the 15th Proximo, as a public Warehouse for the reception of Salt on the same terms at a fixed rent, and will continue to be available for that purpose until required by Government.

The rate of wastage allowed upon Salt, so warehoused, will be at the rate of four per cent. per arnum, upon the quantity weighed over the ship's side, but the import duty will be settled on the quantity so delivered, according to the provisions of Section XVIII. Act XXV. of 1836.

Warehouses, licensed for the reception of Salt under bond, will not be available for goods of any other description.

All expenses attending the receipt, storage, custody and delivery of Salt at Warehouses licensed as above, or in the Sulkea Golahs, will be borne by the parties availing themselves of the privilege.

Parties who are unable to provide Warehouses so constructed and situated as, in the opinion of the Board, effectually to provide for the secure custody of Salt while under bond, will be allowed, as before, to warehouse their Salt under the Rules of the 28th September, 1841, which otherwise remain in full force, except in so far as they are modified by this Notification.

By order of the Board of Customs, Salt and Opium, the 30th June, 1847.

(Signed) C. Beadon, Offg. Secretary.

বিজ্ঞাপন ৷

হাসিল ও নিম্নত ও আফানের বোর্ডের প্রক্মক্রমে ১৮৪১ সালের ১৮ সেপ্টেম্বর তারিখে একরারনামাঅনুসারে লবণ রাখণের যে বিধি প্রকাশ হইয়াছিল তাহা মতান্তর হইল এবং ইহার হারা সম্বাদ দেওয়া যাইতেছে
যে যে ব্যক্তিরা সামান্য প্রদামে আমদানীহওয়া লবণ একরার করিয়ারাখিতে চাহেন তাঁহারা ১৮০৬ সালের ২৫
আইনের নীচের লিখিত C চিহ্নিত পাঠানুসারে অনুমতিপত্র পাইবার জন্যে হাসিলের কালেক্টর সাহেবের নিকটে
দর্খান্ত করিতে পারেম।

কালেক্টর সাহেবের রিপোর্টের ছারা যদি বোর্ডের সাহেবেরদের এমত ছলোধ হয় যে ঐ দর্থান্তের নিক্রিষ্ট প্রদাম লবণ নির্কিল্পে থাকিবার উপযুক্ত তবে উপরের উক্ত আইনের ১৯ ধারানুসারে তাঁহারা অনুমতিপত্র
দিবেন এবং সামান্য প্রদামে অন্য যে কোন বাণিজ্ঞা দুব্য একরার্মতে রাখা যায় তাহার বিষয়ে উক্ত আইনেতে যে
নিরম্ভ নিরেধ আছে তদনুসারে লবণ একরার্মতে সেই প্রদামে রাখা যাইতে পারে।

আগামি মাসের ১৫ তারিথঅবধি শালিথার সরকারী গোলার এক ভাগ সেই নিয়মমতে নির্দিষ্ট ভাড়। দিরা লবণ রাথিবার জন্যে সরকারী গোলার ন্যায় ধার্য হইবেক এবং তাহাতে সরকারের যাবং প্রয়োজন না হয় ভাবং সাধারণ লোকেরদের লবণ রাথিবার জন্যে ব্যবহার হইতে পারিবেক।

এইসতে গোলাজাত যত লবণ জাহাজহইতে ওজন করিয়া উবরা করা যার তাহার পরিমাণানুসারে বংশরে শতকরা ৪১ টাকার হারে কমী ধরা যাইবেক কিন্তু এইমতে যত লবণ দাঝিল হয় তাহার উপর আমদানীর মাসুল ১৮৩৬ সালের ২৫ আইনের ১৮ ধারার নির্দিন্ট বিধিমতে ধরা যাইবেক।

একরারক্রমে যে ওদামে লবণ রাখিবার অনুমতি হয় দেই ওদামে অন্য কোন প্রকার দুব্য রাখা যাইতে পারিবেক না।

উক্ত প্রকারে অনুমতিহওয়া ওদামে কিয়া শালিখার গোলাতে লবণের আমদানী করণ ও ওদামঞ্জাত করণ ও রক্ষা করণ ও র্ডানী করণে যত খর্চ হয় তাহা যে ব্যক্তি ঐ গোলাতে লবণ রাখেন সেই ব্যক্তির দিতে হই-বেক।

শে গুলাম এমত নির্মিত হয় এবং এমত স্থানে থাকে যে বোর্ডের বিরেচনায় একরারী অবস্থার লবণ দেখানে নির্মিল্লে থাকিতে পারে এমত গুলাম বাঁহারা পাইতে পারেন্ না ওাঁহারা ১৮৪১ সালের ২৮ সেপ্টেয়র তারিশের বিধিয়তে লবণ গোলাজাত করিতে পৃর্ফের নায় অনুমতি পাইবেন। এবং ঐ বিধিয় যে২ বিষয় এই বিজ্ঞাপনেই য়ায়া মতাত্তর করা গোল না তাহা পূর্ফবং নম্পূর্ণরূপে প্রবল থাকিবের।

হাসিল ও নিমক ও আফীনের বোর্ডের তক্মক্রমে। ১৮৪৭। ৩০ জন।

সি বীডন। একটিৎ সেকেটারী

NOTICE.

The Supreme Government having sanctioned the holding of a Fair on the British side of the Bootsu Frontier, for the revival and encouragement of Trade, and peaceable intercourse between the inhabitants of Bootan, Sikim, and Nipal, and the people of Rungpoor, Dinajpoor, Malda, Purneah, and of the British Provinces generally, it is hereby notified for general information, that the Fair will take place annually at Titalya, during the full moon of the Hindu month of Pous, and that every protection to the persons,



গবৰ্ণযেণ্ট গোজেট্

গবর্ণমেন্টের আজাক্রমে প্রকাশিত।

CALCUTTA, TUESDAY, JULY 20, 1847.

কলিকাত। মঙ্গলবার ১৮৪৭ সাল ২০ জুলাই।

REPORTS OF SUMMARY CASES DETER-MINED IN THE COURT OF SUDDER DEWANNY ADAWLUT.

May 11th, 1847.—A mere omission to do a particular act, while the Plaintiff is otherwise engaged in carrying on his suit, does not incur the penalty of dismissal under Act XXIX. 1841.

Musst. Zoboida Khanum, Plaintiff—Petitioner versus

Lutfonissa Begum and others-Defendants.

This was a summary appeal from an order of the Principal Sudder Ameen of Backerguage, dated 14th December, 1846, declaring the suit of the petitioner to be dismissed by reason of default under the provisions of Act XXIX. 1841.

The suit had been pending in the Court of the Principal Sudder Ameen, for a period of two years when the defendants urged that the plaintiff had been guilty of various defaults in the earlier stages of the proceedings, and claimed a dismissal under the Act abovementioned. This they succeeded in obtaining.

The particular instances in which the penalty for default was alleged to have been incurred, as set forth in the decree of the Principal Sudder Ameen, are as follows:

First,—that the answer of one of the defendants, Mehronissa, was filed on the 5th October, 1844, but the reply on the part of the plaintiff, was not filed till the 20th December following.

Secondly,—that the answer of another defendant, Sookmye, was filed on the 31st March, 1845, but the reply was not put in till the 28th August following.

Thirdly,—that the answer of the third and the principal defendant, Lutfonissa, was filed on the 1st July, 1845, but the reply was not put in till the 28th August following.

সদর দেওয়ানী আদালতে নিক্পত্তিহওয়া সরামরী মোকদ্দমার রিপোট।

১৮৪৭ সাল ১১ মে ৷

ফরিয়াদী যদি জন্যান্য প্রকারে আপনার মোকদ্মা চালাইতেক্তে তবে কোন বিশেষ কার্য্য করিতে কটি ছাই-লে তাহাতে ১৮৪১ নালের ২৯ আইনমতে মোকদ্ময়া ডিনমিন হইবার যোগ্য হয় না।

মসমাৎ জোবেদা খানম ফরিরাদী দর্থান্তকারিবী। লৎফউল্লেছা বেগমগুগার্বহ। আসামী।

বাকরগঞ্জের প্রধান সদর আমীন ১৮৪৬ সালের ১৪ ডিসেম্ব তারিখে দ্রথান্তকারিগীর মোকদ্ম। ফটিপ্রযুক্ত ১৮৪১ সালের ২৯ আইনের বিধানানুসারে ভিনমিন করিলেন তাঁহার সেই ছকুমের উপর এই স্রাস্রী আপীল হব।

এই মোকল্মী দুই বংসর অবধি প্রধান সদর আমিনের আদালতে উপস্থিত থাকনের পর আসামীরা কহিল
যে এই মোকল্মা করকারের আদি সময়ে ফরিয়াদী
নানা বিষয়ে ফটি করিয়াছে অতএব উক্ত আইনমতে
মোকল্মা ডিসমিস করণের দাওরা করিল তদনুসারে
মোকল্মা ডিসমিস হইল।

যেং বিশেষ বিষয়ে কথিত হইল যে ফ্রিয়ানী ক্রটি করিয়াছে এবং তংপ্রযুক্ত আপন মোকদমা ডিসমিসের দঙ্গের যোগ্য হইরাছে সেইং বিষয় প্রধান সদর আমী-নের ডিক্রীতে এইকুপে নিদিউ আছে।

প্রথম। মেংকরেছানারী এক জন আসামীর জপ্তরাব ১৮৪৪ সালের ৫ অক্টোবর তারিখে দাঝিল হয়
কিন্তু করিয়াদীর সেই জওয়াবের জওয়াব তাহার পর ২০
ডিসেম্ব তারিখের পূর্বে দাঝিল হইল না।

বিতীয়। সুধ্মন্নায়ক আনা আদামীর জওরাব ১৮৪৫ সালের ৩১ মার্চ তারিখে দাখিল হর কিন্ত ভাহার জওরাবের জওরাব তৎপরে ২৮ আগেই তারিখের পুর্বে দাখিল হইল না।

তৃতীয়। লংকউল্লেছানালী তৃতীয় এবং মুখ্য আসামীর জন্তরার ১৮৪৫ সালের ১ জুলাই তারিখে সাখিল হয় কিন্তু তাহার জন্তরাবের জন্তরাব তৃৎপরে ২৮ আগই তা. রিখের পুর্বে লাখিল হইল না। The plaintiff then appealed Summarily to the Sudder Dewanny Adawlut, from the order of the Principal Sudder Ameen.

By the Court (present Mr. J. Hawkins, Officiating Temporary Judge.)

"On an examination of the record of the case (which has been called up from the Court of the Principal Sudder Ameen,) I find that the petition of plaint was filed on the 16th August, 1844; that the notices issued to the defendants, were served upon some of them and not upon others; that one of those upon whom notice was served, appeared and filed an answer on the 5th October, 1844; that the plaintiff was sedulously and actively engaged in having the proclamation prescribed by law, served with regard to the absent defendants, and that the last return of the Nazir announcing the completion of this necessary preliminary part of the proceedings, is dated the 29th November, 1844. That five days after, that is, on the 4th December, the Principal Sudder Ameen took up the case and called upon the plaintiff for her reply to the one answer that had been filed; the reply was filed on the 20th of the same month."

"The case then proceeded in due course. On the 31st March, 1845, another of the defendants, viz. Sookmye, filed an answer which was recorded."

"On the 2nd April, the Principal Sudder Ameen holds a proceeding calling upon the plaintiff to file a particular document, viz. a copy of the proceeding of the Sudder Dewanny Adawlut, and gives the plaintiff a month to comply with the order, but says not a word about the defendant's answer or about the filing of a reply by the plaintiff."

"On the 1st May, the plaintiff gives in a petition stating that she had not been able to procure the copy, and praying for further time; another mouth was granted."

"On the 3rd June, the plaintiff filed another petition, urging that she had done all in her power to procure the copy, but that unavoidable delay, for which she was not responsible had occurred, and praying for further time. Ten days were granted."

"Another petition to the same effect was prescuted by the plaintiff, on the 21st June, which was ordered to be recorded."

"The Principal Sudder Ameen then holds a proceeding on the 28th June, desiring the plaintiff in general terms to file her evidence in 10 days. This order was tantamount to saying that the case was to proceed exparte with regard to the absent defendants."

"However on the 1st July, 1845, the principal defendant, Lutfonissa, appears and files an answer which is recorded."

"On the 10th July, 1845, the plaintiff with reference to the order of the 28th June, files her documentary evidence, together with a list of witnesses residing in Dacca and Backergunge, and prays that measures might be taken for having the

তাহাতে প্রধান সদর আমীনের উক্ত অকুমের উপর ফরিরাদী সরাসরীমতে সদর দেওয়ানী আদালতে আ-পীল করে।

দদর আদাপতের একটিৎ ক্লণেক কালের জন্ত প্রায়ত ছকিলা সাহের এই তুকুম করিলেন " প্রধান সদর আমী-নের আদালতহইতে এই মোকদ্মার মিছিল তলব চই-য়াছে তাহা দুটি করিয়া অবগত হইলাম যে নালিশের আর্জী ১৮৪৪ মালের ১৬ আগফী তারিখে দাখিল হয় এবং আসামীরকের নামে যে এত্তেলানামা বাহির হয় তাহা কাহাক্য উপর জারী হইল কাহাক্ত্য উপর জারী হইল না। কিন্তু যাহারদের উপর জারী হইল ভাহারদের এক জন হাজির হইয়া ১৮৪৪ সালের ৫ অক্টোবর ডা-রিখে জওয়াব দাখিল করিল এবং গরহাজির আসামীর-দের উপর আইনের নির্দিষ্ট ইশতিহারনামা জারী করণের বিষয়ে ফরিয়াদী অতিশয় মনোযোগী ও উদ্যোগী ছিল এবং মোকদমা ফ্রকার হওনের পূর্বে এই অভ্যাবশাক কর্মা সম্পন্ন হওনের বিষয়ে নাজিরের যে শেষ রিপোর্ট তাহা ১৮৪৪ সালের ২৯ নবেমূর তারিখে লেখা গেল। তাহার পাঁচ দিন পরে অর্থাৎ ৪ ডিদেয়র তারিখে প্রধান সদর আমীন মোকদ্দমা শ্বনিতে আরম্ভ করিলেন এবং যে এক জওয়াব দাখিল হইয়াছিল ভাহার জওয়া-द्वत अक्षांत मिट्ड कृतिशामीटक अक्रम कृतिहास । बे জওয়াব ঐ মানের ২০ তারিখে দাখিল হয়।

তৎপরে মোকলমা রীতিমতে চলিল। ১৮৪৫ সালের ৩১ মার্চ তারিখে সুখ্যরনামক অন্য এক জন আসামী আপনার জওয়াব দাখিল করিলে তাহা নথীর শামিল করা গেল।

২ আপ্রিল তারিথে প্রধান সদর আমীন মোকদমা কবকার করিয়া করিয়াদীকে এক বিশেষ দলীল অর্থাৎ দদর দেওরানী আদালতের কবকারীর নকল দাখিল করিতে অকুম করিলেন এবং সেই অকুমমতে কার্য্য করিতে করিয়াদীকে এক মাস মিয়াদ দিলেন কিন্তু আসামীর জওয়াবের বিষয়ে কিয়া ফরিয়াদীর জওয়াবের জওয়াব দাখিল করণের বিষয়ে এক কথামাত্র কহিলেন না।

> মে তারিথে করিলাদী এই দরথান্ত করিল যে আমি ঐ নকল পাইতে পারিলাম না অতএব অধিক মিয়াদের প্রার্থনা করি তাহাতে আর এক মাস মিয়াদ দেওর।

৩ জুন তারিখে ফরিয়াদী পুনরার এই আর্জী করিল বে আমি ঐনকল পাইতে সাধ্যপর্যান্ত উল্লোগ করি-রাছি কিন্ত অনিবার্যা বাধাপ্রযুক্ত তাহা পাইতে পারি-লাম না এই বিলয়ের বিষয়ে আমি দায়ী নহি অভএব অধিক সময় প্রার্থনা করি। তদনুসারে আর দশ দিন দেওয়া গেল।

ফরিরাদী ২১ জুন তারিথে দেই অভিপ্রারের আর এক দর্থায় করিল এবং তাহা নগীর শামিল করিবার হকুম হইল।

তৎপরে ২৮ জুন তারিঝে প্রধান সদর আমীন মোকলমা ক্রকার করিয়া ফরিয়াদীকে দশ দিনের মখো আপন সাজ্য দাঝিল করিতে সাধারণ তুকুম করিলেন এই তুক্মতে এই বোধ হইল যে গরহান্তির আসামীরদের সম্পর্কে মোকলমার একতর্কা বিচার হইবেক।

কিন্ত ১৮৪৫ সালের ১ জুলাই তারিখে মুখ্য আসামী লংফউরেছা হাজির হইয়া জপ্তয়াব দাখিল করে তাহা নথীর শামিল করা গেল।

১৮৪৫ সালের ১০ জুলাই তারিখে ফরিয়াদী ২৮ জুন তারিখের তকুমানুসারে আপন দলীলী সাজ্য এবং ঢাকা ও বাকরগঞ্জনিবাদি সাক্ষিরদের ইসমনবীসী দাখিল করিয়া প্রার্থনা করিল যে ঢাকানিবাদি সাক্ষিরদের

taken by the Judge of Dacca."

" On the same day the Principal Sudder Ameen holds a proceeding recording the evidence, and passing necessary orders respecting the examination of the witnesses. This proceeding concludes with desiring the plaintiff to file, within 10 days, any further evidence she might wish to adduce."

" On the 23rd July, the defendant, Sookmye, who had filed his answer on the 31st March, files his evidence."

"On the same day the Principal Sudder Ameen holds a proceeding, directing that certain documents be received in evidence from the parties, and that the plaintiff file her further evidence on the following day."

"On the 4th August, the defendant, Lutfonissa, presents a petition, requesting that instructions may be issued for taking the evidence of the witnesses, to be examined at Dacca, in the presence of her vakeel."

" An order was issued accordingly on the same

"On the 6th August, the Principal Sudder Ameen calls upon the plaintiff for a reply to the answer of Lutfonissa, which he appears up to this time to have overlooked, notwithstanding that he had held various proceedings in the case since the answer was filed.'

"On the 12th August, the plaintiff presents a petition, stating that some of her witnesses had arrived at Burrisaul, and praying that they might be examined."

" On the 28th August, the plaintiff files her replies to the answers of the defendants Sookmye and

" Such is a narrative of the proceedings, down to the date of the last alleged default in a case which has been struck off under the provisions of Act XXIX. 1841. The Principal Sudder Ameen appears to me to have entirely misapprehended the purport of the Act. It declares that a penalty attaches in the case of a plaintiff neglecting to proceed with his case, but it does not say that a mere omission or oversight, while the plaintiff is otherwise proceeding with his case, shall incur the penalty of dismissal. To incur the penalty the plaintiff must absolutely neglect his case for a period of six weeks; but in the present instance there was nothing like neglecting to proceed on the part of the plaintiff from first to last."

"In regard to the first answer and reply, the plaintiff was intermediately engaged in carrying out those measures which are essential as preliminaries to the hearing of a case, and in regard to the second and third, she was engaged in producing evidence of her claim, in compliance with orders passed by the Principal Sudder Ameen himself; she does not appear to have remained beyond a month at any one time, without taking some steps towards the further progress of the suit; and so far from neglecting to proceed, she has been diligent

evidence of those residing in the former district, | জোবানবন্দী ओ जिलाज जल मार्ट्य बाहा लक्ष्यत् উদ্যোগ হয়।

> দেই দিবদে প্রধান **দদর আমীন মোকদমা কৃবকার** করিয়া ঐ দলীলসকল নথীর শামিল করিলেন এবং সা-ফির্দের জোবানবন্দী লইবার বিষয়ে উপযক্ত ছক্ম দিলেন। এই কুর্বকারের শেষে ফরিয়াদীর প্রতি অকুম হইল যে অধিক যে২ সাজ্য উপস্থিত করিতে চাহ ভাহা দশ দিনের মধ্যে দাখিল কর।

> দুখ্যমুনামক যে আদামা ৩১ মার্চ ভারিথে জওয়াব দাখিল করিয়াছিল দে আপন সাক্ষা ২৩ জুলাই ভারিখে माथिल करव।

> সেই দিনে প্রধান সদর আমীন মোকদমা রুবকার করিয়া অকুম করিলেন যে উভয় পক্ষের সাক্ষার্কপ কএক দলীল গ্রাহ্য হয় এবং ফরিয়াদী অবশিষ্ট দাক্ষ্য शत मित्र माश्रिल करत्।

> ৪ আগট তারিখে লংফউলেছানানী আসামী দর্থাত হইবেক ভাহারদের জোবানবন্দী আমার উকীলের সা-ক্ষাতে লইবার হুকুম হয়।

তদনুসারে সেই দিনে ত্কুম জারী হইল।

৬ আগ্রুট তারিখে প্রধান সদর আমীন লৎফউল্লেছার জওয়ারের জওয়ার দাখিল করিতে করিয়াদীকে ছবুর করিলেন ইহাতে বোধ হয় যে ঐ জওয়াব দাখিল হওনের পর যদিও প্রধান সদর আমীন মোকদ্মার বিষয়ে নানা কার্যা করিয়াছিলেন তথাপি সেই জওয়াবের বিষয় দেই তারিঅপ্রয়ন্ত তাঁহার ঝরণ হইল না।

১২ আগ্রফ তারিখে ফরিয়ানী দর্থান্ত দাখিল করিয়া জানাইল যে আমার পক্ষের কএক জন সাক্ষী বরিশালে পঁছছিয়াছে অতএব তাহারদের জোবানবদী লওয়া याग्र ।

२৮ आशके जातिएश कतिशामी मुश्रमत ও लब्कडेमि-मानामक जामामीवरम्द अध्यादित अध्याद मानिल करव ।

যে শেষ তারিখে ফটি হওনের অভিযোগ হইয়াছিল দেই তারিখপর্যান্ত উক্ত মোকদ্দমার নানা কার্যোর বৃত্তান্ত এইরূপে উপরে লেখা গেল এবং সেই আে-কদ্মা ১৮৪১ ফালের ২৯ আইনের বিধানমতে জিল-মিস হইয়াছে। আমার বোধ হয় যে প্রধান সদর আমীন ঐ আইনের অভিপ্রায় বৃথিতে পারেন নাই। তাহাতে ভকুম আছে যে ফরিয়াদী আপন মোকদমা ঢালাইতে ফটি করিলে মোকদ্মমা ডিসমিস হইবেক কিন্তু ভাহাতে এমত ত্তম নাই ষেফবিরাদী অন্যান্য বিষয়ে আপনার মোকদমা চালাইতেই কেবল এক বিময়ে তা-হার চুক বা ভুল হইলে মোকক্ষ। ডিসমিস হইকে। যদি ফ্রিয়াদী ছয় সপ্তাহপ্যান্ত আপন মোকদমার বিষয়ে নিভান্ত কোন কাই্য না করে তবে ডিসমিসের দও হইবেক কিন্তু উক্ত মোকদমার আরম্ভ অবধি শেষপর্যান্ত क्रविशानीत উদ্যোগের কোন कृषि मुखे इश्र ना।

প্রথম দুষ্ট হইতেছে যে জওয়াব দাখিল করণের সময়-অবধি জওয়াবের জওয়াব দাখিল করণপর্যস্ত মোকদ্দমা ন্তুননির জন্যে প্রকৃত হওনার্থ যে২ উদ্যোগনা হইলে নয় দেইং উল্লোগ ফবিরাদী কবিতেছিল। দ্বিতীয় ও ততীয় अध्याद्यत विचार मधी श्रेटिक हा करियामी अधान मनत আমীনের করা নিজ ছেকুমানুসারে আপনার দাওয়ার পোষক সাজ্য আনাইতে উদ্যুক্ত ছিল। কিন্তু দুই হয় না যে কোন কালে আপনার মোকলমা চালাইবার জনো এক মানের অধিক কাল উদ্যোগহীন ছিল অতএব মো-কল্মা চালাইতে যে ক্রটি না করিয়াছিল এমত কেবল নহে কিন্তু ভাহা চালাইতে অত্যন্ত মধ্যোগী ছিল। অতএর

in proceeding. The order of the Principal Sudder | প্রধান সমর আমানের জক্ম জন্মা করা গেল ৷ ভিমি Ameen is reversed. He will readmit the suit on his file, and decide it upon its merits."

May 18th, 1847 .- Under the Circular Order of 26th January, 1844, a suing out of attachment is essential to a decree-holder being permitted to share in the proceeds of sale. It is competent to the Courts to exercise a discretion in awarding costs of execution before distribution of assets.

Ram Lall-Petitioner.

This was an appeal from an order of the Judge of Sarun, dated 21st May, 1846, amending that of the Principal Sudder Ameen of the district of the 7th idem, passed on the application of the peti-

The petitioner had obtained a decree against one Munglo Koonwur, and on execution had caused the sale of her property, which realized a considerable sum of money. While the execution was in course of progress, a number of other decreeholders also applied for execution and attachment, some also applied to share in the proceeds after the sale had been effected. The Principal Sudder Ameen ordered a rateable distribution among those who had applied for execution before the sale; but rejected the applications of those who had only applied for a share in the proceeds after the sale. On appeal this order was amended by the Judge, who directed a rateable distribution among all the applicants on the ground that, under the Circular of the 26th January, 1844, all were entitled to share without reference to the fact of their having sued out attachment or not. From this order the petitioner appealed to the Sudder Dewanny Adaw-

By the Court (Messrs. Tucker and Hawkins.)

"The Circular requires an attachment, and if the judgment creditor fails to take out an attachment of the property, he cannot come in after the sale, merely upon an application to be permitted to share in the assets. The order of the Principal Sudder Ameen is, therefore, confirmed, and so much of the Judge's order as reverses that of the Principal Sudder Ameen, in regard to the applications of those who came in after the sale, set aside. We further think the petitioner entitled to all the expences of execution before distribution is made." Order accordingly.

May 25th, 1847 .- In a case in which a Principal Sudder Ameen ordered the attachment of a share in certain shops and mercantile establishments under Section 5, Regulation II. 1806, he was instructed to limit himself to the issue of notices forbidding the alienation of the share.

Musst. Parbuttea Dessea and others-Petitioners. This was an appeal from an order of the Prinअंडे स्माक्त्रमा श्रमहात मधित शामिल कहिता अडे स्मा-कमगात माथ छन विरवहना कतिया निकासि कतिरवन ।

३৮৪१ माल ३৮ मा।

১৮৪৪ माल्य २७ मानुचाति छातित्थत महकालव অর্ডরক্রমে ডিক্রীদার যদি সম্পত্তি ক্রোকের এনো দর-ঝান্ত না করে তথে নালামের উৎপদ টাকার কোন অংশ পাইতে পর্গরিকেনা। ঐ নীলামের টাকাককীন করণের পুর্বের আদালতের বিচারকেরা ডিক্রী ভারীর পরচার বিষয়ে আপনারদের বিবেচনামতে তকুম করিতে পারেন্।

दाश्लाल मृद्धां ख्वादी।

किला मात्रभद्र প্রধান मनद आधीन मद्रशासकादित প্রার্থনামতে ১৮৪৬ দালের ৭ মে তারিখে যে তক্ম कदिरलन ठाहा से जिलाद जल मारहद डेक मरनद २३ वा তারিখে মতান্তর করেন। জয় সাহেবের ঐ ছক্মের उभद्र अहे जाशील हरा।

মঙ্গলু কুঙার নায়ী জীর বিরুদ্ধে দর্থান্তকারী ভিক্রী পাইয়াছিল এবং ঐ ডিক্রী মারী করিয়া ভাহার সম্পত্তি নীলাম করাইল ভাহাতে অনেক টাকা উৎপন্ন হইল। बे जिली बादी इटेंटिंर जनगाना जलक जिलीमात जिली জারী ও সম্পত্তি ক্রোকের নিমিত্ত দর্খার করিল অন্য कबक राक्ति से नीलाम रहेला शत डाहात उरशम होकात অংশ পাইতে প্রার্থনা করিল। ভাষাতে প্রধান সর্ব আমীন ছকুম করিলেন যে নীলামের পুর্বেষ যাহারা ডিক্রী জারীর দর্থান্ত করিরাছিল ভাহারদের মধ্যে ঐ টাকা তা-হারদের দাওরার অনুসারে বতীন করা ঘাইবেক কিন্দু নী-লাম হউলে পর যাহার৷ টাকার অংশ পাইবার দর্থাত করিল ভাহারদের দরখান্ত অগ্রাহা করিলেন। এই विषय अब मार्ट्यत निकरणे आशील दहेल जिनि এ ততুম মতাত্তর করিয়া ততুম করিলেন যে সকল দর্থান্তকারির দাওয়াঅনুদারে তাহারদের মধ্যে ঐ টাকা বলীন করা যায় যেছেতক ১৮৪৪ সালের ২৬ জানু-चांति ভातित्थत नत्कालत चाईतकाम डिक्रीमारतता সম্পত্তি জোকের জনো দর্থান্ত করিলে কি না করিলে সকলেরই ঐ টাকার অংশ পাইবার অধিকার আছে। अहे छक्ष्यत उपद मत्थासकाती मनत (मध्यांनी आमा-लाउ जाशील कात्।

ममत् आमालाउत् अस जीवृत्त वेकत् मारश्य । श्रीवृत ছকিন্দ সাহের ত্রুম করিলেন যে উক্ত সর্কুলর অর্ভর অনুসারে সম্পত্তি জোকের আরশ্যক আছে এবং ডিক্রীপ্রাপ্ত মহাজন যদি সম্পত্তি ক্লোকের তক্ম वाहित कतिरक काँगी करत करव मन्मशि नीलाम श्रेरल পর ভাহার উৎপন্ন টাকার অংশের দর্থান্ত করিলে ভাহা পাইতে পারে না। অতএব প্রধান সদর আমী-न्तत छकुम मधुत दहेल अव भीलारमत श्राद गाहात मत्थास कृतिल ভाषात्रामत मत्थारस्त विषय सम সাহেবের ছকুমের যে অংশে প্রধান সদর আয়ীনের তকুম মতাতর হইল সেই অংশ নামশুর হইল। আরো আমরা বোধ করি যে ঐ টাকা বর্তন করণের পূর্বে ডিক্রী জারী করণের সকল খরচা দর্থান্তকারিট रक शास्ता। जमनुमाद्य छकुम रहेल।

১৮৪९ माल २६ ता।

প্রধান সদর আমীন ১৮০৬ সালের ২ আইনের ই ধারানুসারে কএক দোকান ও বাণিজ্ঞা কুঠীর আংশ কোক করণের অকুম করিলেন ভাছাতে ভাঁহাকে অকুম मिंडरा लाम या से आभा किरम हड़ा छत्र निवान भारत अरहला (सम्।

मममाथ शार्का मामी अनवहर मत्थासकाती। रि भाक्षमगाट विभाग मानी कृदिशानी अव मत्था ह-

[शदर्वामके शास्त्रे। २४८१। २० ख्नारे।]

"the Nazir's peons in all cases; but it may be " doubted, first, whether the practice is not oppos-" ed to Section VII. Regulation XXVIII. of 1814. " which declares that all processes shall be served "through the Chaprassees of the Court without " any expence to the pauper, and secondly, whether " sums due or realized on this account should be in-"cluded in a Statement intended to show only " the amount leviable on account of Government." Since writing this, I have learnt that these fees though realized under the head of costs of process, do not go to the Nazir of the Civil Court, but are credited to Government.* As Government are at no expense on account of the issue of processes in those cases in which they are not themselves concerned, I conceive the practice only requires to be known to ensure an order for its abandonment.

Extract from a letter from the Offg. Under Secretary to the Government of Bengal, in the Revenue Department, to the Offg. Secretary to the Sudder Board of Revenue, No. 390, dated the 19th May, 1847.

Para. 2. With reference to the remark in paragraph 115, on the subject of the fees of Nazir's Peons in Pauper suits, His Honor is of opinion that their realization, being opposed to the existing law, should be at once prohibited, and the Board are requested accordingly to convey instructions to that effect to the Subordinate Revenue Authorities. A communication on the subject has been addressed to the Sudder Court.

(Signed) G. PLOWDEN, Offg. Secretary.

Sudder Board of Revenue, Fort William, the 29th May, 1847.

No. 11.

From the Officiating Secretary to the Sudder Board of Recenue, to the Commissioner of Revenue for the Division of ———.

Under instructions from Government, I am desired by the Sudder Board of Revenue to request, that the Revenue Authorities, in their communications with Rajah Suttchurn Ghosal Bahadoor, will observe the style of address to which he is entitled, viz. Rajah Suttchurn Ghosal Bahadoor.

(Signed) G. PLOWDEN,
Offg. Secretary.

Sudder Board of Revenue, Fort William, the 10th June, 1847.

* The practice with regard to the realization and crediting of these fees appears to vary considerably in different Collectorates, but this I understand to be the general rule.

"করিয়া থাকেন ইহা আমি অবগত আছি কিন্ত প্রথমতঃ "১৮১৪ দালের২৮ আছিনের ৭ ধারাতে ত্রুম আছে যে "দকল প্রকুমনামা আদালতের চাপরাদীরদের বারা জারী "হইবেক এবৎ ভাহাতে যোত্রীনের কোন থরচা লাগি-"বেক না অতএব এই ছকুম কালেক্টর সাহেবেরদের "উক্ত ব্যবহারের বিপরীত কি ন। এই বিষয়ে সন্দেহ হইতে "পারে এবং দ্বিতীয়তঃ যে কৈফিয়তের অভিপ্রায় গবর্ণমে-"ভের নিমিত্তে উদুল কর্ণের যোগ্য টাকা দর্শান এইমত 'কৈফিয়তে উক নিমিত যে টাকা পাওনা হয় বা আদায় "হয় তাহা লেখা উচিত কি না এই বিষয়েও দলেহ হইতে "পারে।" এই পত্র লিখনের পরে আমি অবগত হইলাম যে এই বৃদ্য যদ্যপি তকুমনামার থর্চা বলিয়া উদুল হয় তথাপি তাহা দেওয়ানী আদালতের নাজিরতে দে-ওয়া যায় না কিন্তু সরকারের নামে জমা হয়*। পরন্তু যে২ মোকদ্দমাতে সরকারের কোন সম্পর্ক নাই এমত মো-কলমাতে অকুমনামা জারী করিবার কোন ধারচা গ্রেণ্-মেন্টের লাগে না এইপ্রযুক্ত বোধ করি যে এই ব্যবহার প্রকাশ হইলেই তাহা রহিত করিবার ত্রুম অবশ্য দে-ওয়া যাইবেক।

সদর বোর্ড রেবিনিউর প্রীযুত এক্টিং সেক্রেটারী সাহেবের প্রতি রেবিনিউ ডিপার্টমেন্টে বাঙ্গলী দৈশৈর গবর্ণমেন্টের প্রীযুত এক্টিং ছোট সেক্রেটারী সাহেবের ১৮৪৭ সালের ১৯ মে তারিখের ৩৯ • নমুরী পরের চুযুক।

২ দফা। যোত্রহীনেরদের মোকদমাতে নাজিরের পেল্রাদারদের রসুমের বিষয়ি ১১৫ দফার যাহা লেখা আছে তদ্বিয়ে প্রীয়ুত বোধ করেন বে দেই রসুম উসুলকরা চলিত আইনের বিরুদ্ধ অতএব অগৌণে তাহা নিবারশ করিতে হইবেক এবং বোর্ডের সাহেবদিগকে আদেশ করা যাইতেছে যে তাঁহারা রাজয়সম্পর্কীর অধীন কার্যকারকদিগকে তদ্বিয়রে প্রকৃষ দেন্। সেই বিষয়ের এক প্রক্ষাদার আদালতে পাঠান গিয়াছে।

জি প্লৌডন। এক্টিং সৈক্রেটারী।

সদর বোর্ড রেবিনিউ। ফোর্ট উলিয়ম ১৮৪৭। ২৯ মে।

১১ नमूत्।

Salaran even formality a few name from the

অমুক এলাকার রাজস্বের এযুত কমিদানর সাহেবের প্রতি সদর বোর্ড রেবিনিউর এযুত এক্টিৎ সেক্টোরী সাহেবের পত্ত।

গবর্ণমেন্টের আজাক্রমে আমি সদর বোর্ড রেবিনি-উর অকুমমতে আদেশ করিতেছি যে রাজদ্বের কার্যাকা-রকেরা যথন প্রীযুত রাজা সত্যচরণ ঘোষাল বাহাদুরের নিকটে পত্র লেথেন তথন তাঁহার উপযুক্ত থ্যাতি অথাৎ "রাজা সত্যচরণ ঘোষাল বাহাদুর" এই শির্নামা দেন।

> জি প্লৌডন। এক্টিৎ সেক্রেটারী।

সদর বোর্ড রেবিনিউ। ফোর্ট উলিরম। ১৮৪৭। ১০ জুন।

JOHN C. MARSHMAN, Bengalee Translator.

* বোধ হয় যে এই রসুম আনায় করণ ও জমা করণের বিষয়ে নানা কালেক্টরীতে নানা প্রকার ব্যবহার আছে কিন্তু উপরে যাহা লিখিলাম সেইচ্সাধারণ নিয়ম। CIRCULAR ORDERS OF THE SUD- | সদর দেওয়ানী আদালতের সরকুলের অর্তর | DER DEWANNY ADAWLUT.

No. 17.

To the Zillah Judges in the Lower Provinces.

The Court are pleased to promulgate for general information the following rule which has received the sanction of the Supreme Government.

Suits for the proprietary right in Musfee estates in cases where the jumma, payable by the proprietors to the Muafeedar, has been fixed by the Government Officer, may be instituted according to the Rule laid down in Note 1, Article 8, to Schedule B, Regulation X. 1829.

W. KIRKPATRICK, Deputy Register. Fort William, the 4th June, 1847.

No. 20.

To the Civil Authorities in the Lower Proninces.

The Courts of Sudder Dewanny Adawlut for the Lower and North Western Provinces direct that the following be substituted for the 4th Paragraph of a letter, addressed by the Presidency Sudder Dewanny Adawlut, to the Judge of Zillah Jungul Mehals, under date the 16th July, 1819, and printed in Appendix to Circular Order Sudder Dewanny Adawlut, No. 61, dated 31st August, 1832.

Para. 4. " Should the original bend be brought into question, and its validity need to be determined, the Moonsiff cannot have jurisdiction, unless the sum, which forms the subject of suit, together with the sum of all instalments, subsequently claimable under the Bond, be within the legal competence of a Moonsiff. If the suit be instituted to recover the balance of Principal with interest, due on a Bond, for more than 300 Rs., and the amount claimed be within the competence of a Moonsiff, the Moonsiff will have jurisdiction, and the plaint will be engrossed on a stamp of value, sufficient to cover the claim; if the suit be instituted for the recovery of an instalment, with or without interest, and the sum thereof, together with the sum of all other instalments, subsequently claimable under the Bond, be within the competence of a Moonsiff, the Moonsiff will have jurisdiction, and the plaint will be engrossed on a stamp equal to the aggregate amount of the instalment and interest claimed, and of the sum of all instalments subsequently due."

W. KIRRPATRICK, Deputy Register. Fort William, the 14sh May, 1847.

39 RV8 1

বাসলাপ্রভৃতি দেশের আয়ত জিলার জন্ধ সা-दश्य बहाबद्वम् ।

मीराज्य लिथिक या विधारम मृश्चिम शवर्गमास्केत मम्माक হইরাভে ভাহা সাবে আদালতের সাহেবেরা সকল লোক-কে জানাইবার নিমিত্তে প্রকাশ করিতেছেন।

माकी मराजित या अमा माकीमात्रक मालिकत्रमत् দিতে হয় সেই জমা যদি সরকারী কর্মাকারকের ভাষা নির্দ্ধার্য চইয়াছে ভবে দে মাফী মহালের মালিকী যজ-বিষয়ক মোকদামা ১৮২৯ সালের ১০ আইনের B ডিছিড ভফ্সীলের ৮ দফার ১ মন্তব্য কথার লিখিত বিধানমতে উপস্থিত করা যাইবেক।

ভবলিউ কর্কপাত্রিক। ডেপুটী রেজিষ্টর। कार्ड डेलिस्स। ३৮३१। ६ खून।

२० समृत्।

বান্নলাপ্রভৃতি দেশের ত্রীযুত দেওয়ানীর কার্যাকা-दक मार्ट्स बदाबरद्य ।

বাললাপ্রভৃতি বেশের এবং উত্তর পশ্চিম দেশের ममत (मध्यांनी आमानद्वत माद्यत्त छक्य कहि-टिएकन य जिला जन्म महात्लव सस मार्ट्यव शिह कलिकाजात मनत (मध्यामी आमालाउत ১৮১১ मा-লের ১৬ জুলাই তারিখের পত্রের ৪ দফার পরিবর্তে नीटहत लिथिङ मका शांठे कहा याग्र। सम्बे 8 मधा मन्द्र सिंख्यांनी जामानरखंद ১৮०२ मारलंद ७५ जाशके ভারিখের ৬১ নম্বরী সরকালর অর্ডরের আপেডি-ক্লের মধ্যে ছাপা হইরাছে।

৪ দফা। যদি আদল খতের বিষয়ে বিরোধ হয় এবং তাহার মাতবরীর বিষয় নিশ্চয় করিতে হয় তবে যে টাকা লইয়া মোকদমা হয় তাহা এবং দেই থডঅনুসায়ে তৎপরে হত কিন্তীর দাওয়া হইতে পারে সেই সমুদর টাতার মোর্ট যদি মুনদেফের আইনমতে বিচার্যা যো-কল্মার মুলোর মধ্যে না পড়ে ভবে মনসেভ ভাষা শ্বনিতে পারেন না। যে খতের সংখ্যা ৩০০ টাতার অধিক হর এইমত থতের আদল টাকার বাকী মায় সুদ পাইবার বিষয়ে যদি মোকদ্মা উপস্থিত করা যায় এবং যে টাকার দাওয়া হয় ভাহা যদি মুনদেকের বিচার্যা মোকসমার মূলোর মধ্যে পড়ে তবে মুনদেক দেই মোকদ্দমা স্থানিতে পারেন এবং দেই দাওরার টাকার উপযুক্ত মুল্যের ইন্টাম্প কাগছে মালিশী আর্ম্ভী লি-बिट्ड इडेटरक। यम से स्थाकनमा मास मून दो मून श्रीकी এক কিন্তী ফিবিয়া পাইবার নিমিত্তে উপস্থিত করা যার এবং যদি সেই কিন্তীর সংখ্যা এবং তৎপরে সেই খত-অনুসারে যত কিন্তীর দাওয়া হইতে পারে সেই সকলের মোট যদি মুনসেফের বিচার্য্য মোকদমার মুল্যের মধ্যে পড়ে তবে মূৰলেফ সেই মোকদমা শুনিতে পারেন্ এবং य किसीत व भूमत मावश हम अद९ उपलाद य मक्न কিন্তীর পাওনা হইবেক ভাহার সংখ্যার মোটের ভুলা ইক্টাম্প কাগজে নালিশের আর্ঞ্জী লিখিতে হটবেক।

ডবলিউ কর্বপাত্রিক। ডেপুটা রেছিফর।

कार्षे डेलिश्य। ३৮৪५ माल ३८ व्य।

JOHN C. MARSHMAN, Bengalee Translator.

[शदर्बाम हो लाइ । ३৮८१ । ३ व व्यक्ति ।]

CIRCULAR ORDERS OF THE SUDDER | NIZAMUT ADAWLUT.

No. 6.

To the Several Session Judges in the Lower Provinces.

The Courts of Nizamut Adawlut for the Lower and Western Provinces notify for general information that it has been ruled by them, that Assistants with special powers, are competent to dispose of cases under Regulation VII. of 1819.

W. Kirkfatrick, Deputy Register.
Fort William, the 21st May, 1847.

NOTIFICATIONS.

ORDERS BY THE SUDDER DEWANNY ADAWLUT.

A Service (All y the way the literal will) was

LEAVES OF ABSENCE.

The 2d July, 1847.

Moonshee Ally Neaz, Moonsiff of Bhutteearee, Zillah Chittagong, for six days from the 22d, in extension of that granted on the 25th ultimo.

The 9th July, 1847.

The leave of absence for seven days granted on the 18th ultimo to Munmohun Baboo, Moonsiff of Nowabgunge, Zillah 24-Pergunnahs, is cancelled at his own request.

The 15th July, 1847.

Moonshee Khodabuksh, Moonsiff of Mungulcote, for 4 months, from 11th instant.

B. J. Colvin, Register.

রাজকর্মে নিয়োগ।

১৪৬° নয়র। বাফলা দেশের শ্রীযুত অন্ত্রিল ডেপুটা গ্রহন্ত্ সাহেবের ছকুম। নিরোগ।

১৮৪৭ সাল ৩০ জুন।

শ্রীযুত এ ই র্দেল সাহেব (Mr. A. E. Russel,) ও
শ্রীযুত বাবু শিবচন্দ্র দেব ও শ্রীযুত বাবু মহেন্দ্রনাথ বসু
দেনিশীপুরে বিদ্যাধ্যাপনের কমিটির মেয়র হইবেন।

শ্রীযুত জি জি বালফোর সাহেব (Mr. G. G. Balfour,)
ও শ্রীযুত ডবলিউ টি টকর সাহেব (Mr. W. T. Tucker,) বেহারে প্রদারার নৌকার দ্বারা প্রাপ্ত ফাজিল টাকা ব্যয় করণের কমিটির মেমুর হইবেন।

মন্মুনসিংহের মাজিট্রেট ও কালেক্টর সাহেবের আসিফাট প্রাযুত জি ই লাল সাহেব (Mr. G. E.

সদর নিজামৎ আদালতের সরকালর অর্ডর।

७ समृत्।

বাদলাপ্রভৃতি দেশের জ্ঞীযুত দেশন জ্ঞা দাহেব বরাবরেম্ব।

বাঙ্গলাপ্রভৃতি দেশের ও উত্তর পশ্চিম দেশের নিজামং আদালতের সাহেবেরা সকল লোককে জানাইবার নিমিত্ত প্রকাশ করিতেছেন যে ওঁহোরা নির্মারণ করিছেনে যে বিশেষ ক্ষমতাপ্রাপ্ত আসিষ্টান্ট সাহেবেরা ১৮১৯ সালের ৭ আইনানুসারে মোকলমার নিষ্পৃত্তি করিতে পারেন।

ডবলিউ ক্র্কপাত্রিক। ডেপুটা রেজিউর। ফোর্ট উলিয়ম। ১৮৪৭ সাল ২১ মে।

JOHN C. MARSHMAN, Bengalee Translator.

বিজ্ঞাপন।

সদর দেওয়ানী আদালতের ছকুম।

छूमि।

১৮৪৭ সাল ২ জুলাই।

জিলা চাটিগাঁর ভটিয়ারীর মুনদেফ শীযুত মুনশী আলী নিয়াজ গত মাদের ২৫ তারিখে যে ছুটা পান তদ্ভিরিক ২২ তারিথঅবধি ছয় দিনের ছুটা পাইয়াছেন।

১৮৪৭ সাল ৯ জুলাই।

জিলা চরিশে প্রগনার ন্বাবগঞ্জের মুন্সেফ শ্রীযুত মন্মোহন বাবু গত মাসের ১৮ তারিখে যে দাত দিনের ছুটা পান তাহা তাঁহার প্রার্থনায় রহিত ছইয়াছে।

১৮৪৭ मान ১৫ खुनाहे।

মঙ্গলকোটের মুনসেফ জীযুত মুনশী খোদাবকশ বর্তমান মানের ১৩ তারিখাঅবধি চারি মানের ছুটা পা-ইরাছেন।

वि स्त क्लविन । द्वक्तिकेत ।

Lance,) ঐ জিলাতে জাইন্ট মাজিক্ট্রেট ও ডেপুটা কা-লেক্টরের ক্ষমতাপ্রাপ্ত হইয়াছেন।

> ভূটী। ১৮৪৭ মাল ৩০ জুন।

গোবিন্দপুরের ডেপুটা মাজিট্রেট প্রীযুত বি উড সা-হেব (Mr. B. Wood,) পনের দিনের ছুটা পাইয়া-ছেন।

চিরিশপরগনার অতিরিক্ত প্রধান সদর আমীন শীযুত মৌলবী ময়নউদ্দীন সফদর খাঁকে গত মাসের ২৩ তারিখে যে ছুটী দেওয়া যায় তাহার অবশিষ্ট কাল ঐ মাসের ২৬ তারিখে রহিত হইল। সেই তারিখে তিনি আপন কর্মের ভার পুনর্গ্রহণ করেন্।

বিজ্ঞাপন।

১৮৪৭ माल १ खुलाई।

চাকার মাজিউ্টে এযুত আরু আবরক্রমি সাহেত

[Gavernment Gazette, 20th July, 1847.]

(Mr. R. Abercrombie,) বর্ষমান মাসের > তারিখে। বিজ্ঞাপন। আপন কর্মের ভার গ্রহণ করেন্।

রাজশাহীর সিবিল ও সেশন জজ এীযুত জি সি চীপ मारहत (Mr. G. C. Cheap,) मारत्वमारत्वी कर्ष्य शय-ন থ গত মাদের ২৮ তারিখে আপন দিরিশ্তার চলিত কর্মের ভার ঐ জিলার প্রধান সদর আমীনের প্রতি অর্পণ করেন্।

দিনাজপুরের সিবিল ও দেশন জজ তীযুত জেম্ম গ্রাট मारहर (Mr. James Grant,) मारब्रुमारब्री कर्फा গমনার্থ গত মামের ২৯ তারিখে আপন দিরিশ্তার চলিত कर्मात छात वे किलात প্রধান मनत आशीरनत প্রতি অর্পণ করেন্।

ঢাকার দিবিল ও দেশন জন্ধ প্রীয়ত হেনরি সুইটনহাম मारहत (Mr. Henry Swetenham,) मारबद्रमारख्दी कर्या গমনার্থ গভ মানের ২৬ ভারিখে আপন সিরিশ্তার চলিত কর্মের ভার ঐ জিলার প্রধান সদর আমীনের প্রতি অর্পণ করেন্।

- ভালপুরের সিবিল ও সেশন জজ প্রীয়ত ডবলিউ এস আলেকজাওর সাহেব (Mr. W. S. Alexander,) দারের-সারেরী কর্মে গ্রমার্থ বর্তমান মাসের ২ তারিখে আপন দিরিশতার চলিত কর্মের ভার ঐ জিলার প্রধান দদর আমীনের প্রতি অর্পণ করেন।

বাললা দেশের এমুত অনরবিল ডেপুটা গবর্নর্ সাহেবের ছকুমঞ্মে।

জ্ঞান্ত প্ৰায় কৰা কৰা কৰা জে হালিছে। স্থা বাঙ্গলা দেশের গবর্ণমেন্টের সেক্রেটারী।

১৪৭৬ নমুর ৷

বাজলা দেশের প্রাযুত অনরবিল ডেপুটা গবর্নর সাহেবের ছকুম।

> निरमान । अ**४८९ मान १ जुना**है।

শ্রীরামপুরের সদর আমীন শ্রীযুক্ত এ ডেবিডসন সাহেব (Mr. A. Davidson,) ১৮২১ সালের ৩ আইনের ২ ধারার ও প্রকরণের নিদিষ্ট ক্ষমতা প্রাপ্ত হইয়াছেন।

১৮৪৭ माल १ खुलाई।

बीयुड रे जा नि विषाईनन मारक्रवत (Mr. E. J. C. Richardson,) অনুপস্থান কিয়া অন্য তকুম না হওন-পর্যান্ত ছিলটের কালেক্টর আযুত এ এম আনাও মা-হেব (Mr. A. S. Annand,) ঐ জিলার মাজিস্টো কর্মন্ত निकां कि कितिक।

ঢাকার কালেক্টর সাহেবের আসিফান্ট প্রীয়ত আর . জে বিচার্ডসন সাহেব (Mr. R. J. Richardson,) ১৮৩১ मारलत् ৮ आहरतत् २১ धातात् निर्मिखे कमजाशाश हहे-

প্রীযুত দি এ কুদ সাহের (Mr. C. A. Bruce,) আদা-মের কমিদানর দাহেবের দব-আদিক্টান্ট হইবেন।

প্রীয়ত ডাকুর গ্রিন সাহেবের (Dr. Green,) পরিবর্তে হাবড়ার সিবিল আসিফান্ট চিকিৎসক প্রীয়ত ডাক্তর এ मि बादक माट्य (Dr. A. C. Macrae,) बे जिलाट নাগর্য কার্য্য নির্বাহার্থ কমিটির মেমুর হইবেন।

> कृष्टी। ' ১৮৪৭ मान १ खुनारे।

আসামের কমিসানর সাহেবের সব-আসিফ্টান্ট শীঘৃত দি কুদ দাহেব (Mr. C. Bruce,) আপনার কর্ম স্থানে গমনের পূর্নের ধীর কর্মোপলক্ষে দুই মানের ছুটা পাই-য়াছেন।

३५८९ मान ३० जुलाहै।

ত্রিপুরার সিবিল ও দেশন জজ ত্রীযুত টি কুস সাহের (Mr. T. Bruce,) मारस्त्रमारस्त्री कत्या शमनार्थ वर्दमान মাদের ৩ তারিখে আপন সিরিশতার চলিত কর্মের ভার ঐ জিলার প্রধান দদর আমীনের প্রতি অর্পণ

राजना मार्नुद अयुक अनवरित एअपूरी शरहमह मा-হেবের ভকুমক্রমে।

> এফ জে হালিডে। वाक्ता मार्ग्य शवर्गपालेव मार्कियो।

३८३३ समृद्र ।

বাঙ্গা দেশের প্রিয়ত অনরবিল ডেপুটা গবরুনর সাহেবের হুকুম।

नियांश।

১৮৪৭ সাল ১২ জুলাই।

অন্য ত্তুম না হওনপ্যান্ত আযুত বি এচ কুপর দা-হেব (Mr. B. H. Cooper,) ছিলটের মাজিট্টো কর্মা

প্রীযুত কাপ্তান টানর সাহেতের (Captain Tanner,) পরিবর্তে মুদ্দেরের সিবিল আসিফান্ট চিকিৎসক এযত ि ट्रिकिश्म मार्ट्य (Mr. T. Hastings,) के किलारड নাগর্য্য কার্য্য নির্ব্বাহার্থ কমিটির মেম্বর হইবেন।

THE STATE OF THE PARTY AND ADDRESS OF THE PART

১৮৪৭ সাল ১০ জুলাই।

ছিলটের সাবেক এক্টিৎ মাজিট্টেট প্রায়ত ই জে নি রিচার্ডসন সাহেব (Mr. E. J. C. Richardson,) গভ মাদের ১৬ তারিখে যে ছুটা পান্ তদতিরিক চিকিৎন-কের সটিফিক্টক্রমে পাঁচ মাসের ছুটা পাইয়াছেন।

১৮৪৭ माल ১२ खुलाई।

মুরশিদাবাদের দিবিল ও দেশন জয় প্রিযুত এচ পি র্নেল সাহেব (Mr. H. P. Russell,) গত মে মানের ২৬ তারিখে যে ছুটা পান তদতিরিক চারি দিনের ছুটা পাইয়াছেন।

कितामश्रदात कारे के माजिए हुए । एए श्री कारनव-টরের ক্ষয়তানুসারে কার্য্যকারি আসিকটাট প্রিয়ত এল এদ ছাক্সন সাহেব (Mr. L. S. Jackson,) গভ ছানের ৭ তারিখে যে ছুটা পান্ তাহার অবশিষ্ট কাল বর্তমান মানের ৭ তারিখঅবর্ধি রহিত হইল সেই তারিখে ড্নি আপন কর্মের ভার পুমর্গ্রহণ করেন।

বিজ্ঞাপন 1

১৮৪৭ माल ১৪ खुलाई।

আসামের কমিসানর সাহেবের ছিতীয় শ্রেণীর প্রধান व्यामिकी के श्रिष्ठ लाल्लेटमले हे हैं डाल्लेम माहर (Lieut. E. T. Dalton,) उद्यान शास्त्र > छातित्थ ली হাটী এলাকার অধাক্ষতা কর্মা গ্রহণ করেন্।

দিনাজপুরের সিধিল ও দেশন জল প্রযুত জেম্স গ্রাত সাহেব (Mr. James Grant,) বস্তুমান মাসের ও তারিবো আপন কর্মের ভার পুনর্গ্রহণ করেন্।

বাললা দেশের প্রযুক্ত অনরবিল ডেপুটা গবর্নর সাহেরের হরুমক্রমে।

अयह एक दानिए । বাসলা দেশের গ্রগ্মেটের দেকেটারী।

[शदर्गमिक रशस्त्रहे । ১৮৪१ । २० खुलाई ।]

SALT.

নিমক।

NOTIFICATION.

In modification of the rules for bonding Salt, promulgated on the 28th September, 1841, under the authority of the Board of Customs, Salt and Opium, it is hereby notified, that parties, desirous of bonding imported Salt in private Warehouses, may apply to the Collector of Customs for a license in the Form C. appended to Act No. XXV. of 1836.

If the Board are satisfied, on the Collector's report, that the Warehouses mentioned in the application are well adapted for the secure custody of the Salt, a license will be granted under Section XIX. of the above mentioned Act, and Salt may then be bonded therein under the restrictions provided by the Act in respect of any other Article of Merchandize bonded in a private Warehouse.

A portion of the Government Golahs at Sulkea will be set apart from the 15th Proximo, as a public Warehouse for the reception of Salt on the same terms at a fixed rent, and will continue to be available for that purpose until required by Government.

The rate of wastage allowed upon Salt, so warehoused, will be at the rate of four per cent. per annum, upon the quantity weighed over the ship's side, but the import duty will be settled on the quantity so delivered, according to the provisions of Section XVIII. Act XXV. of 1836.

Warehouses, licensed for the reception of Salt under bond, will not be available for goods of any other description.

All expenses attending the receipt, storage, custody and delivery of Salt at Warehouses licensed as above, or in the Sulkea Golahs, will be borne by the parties availing themselves of the privilege.

Parties who are unable to provide Warehouses so constructed and situated as, in the opinion of the Board, effectually to provide for the secure custody of Salt while under bond, will be allowed, as before, to warehouse their Salt under the Rules of the 28th September, 1841, which otherwise remain in full force, except in so far as they are modified by this Notification.

By order of the Board of Customs, Salt and Opium, the 30th June, 1847.

(Signed) C. Beadon, Offg. Secretary.

ে নাম কৰা কৰা কৰা কৰা কৰা কৰিছাপন।

হাসিল ও নিমক ও আফীনের বোর্ডের ছকুমক্রমে ১৮৪১ সালের ২৮ সেপ্টেম্বর তারিখে একরারনামাঅনুসারে কবণ রাখণের যে বিধি প্রকাশ হইরাছিল তাহা মতান্তর হইল এবং ইহার ছারা সম্থাদ দেওয়া যাইতেছে
যে যে ব্যক্তিরা সামান্য প্রদামে আমদানীহওয়া লবণ একরার করিয়া রাখিতে চাহেন তাঁহারা ১৮৩৬ সালের ২৫
আইনের নীচের লিখিত টিছিত পাঠানুসারে অনুমতিপত্র পাইবার জন্যে হাসিলের কালেক্ট্র সাহেবের নিকটে
দর্খান্ত করিতে পারেন।

কালেক্টর সাহেবের রিপোর্টের ছারা যদি বোর্ডের সাহেবেরদের এমত ছলোধ হয় যে ঐ দর্থান্তের নিশিক্ট ওদাম লবণ নির্মিয়ে থাকিবার উপযুক্ত তবে উপরের উক্ত আইনের ১৯ ধারানুসারে ওঁহোরা অনুমতিপ্র
দিবেন এবং সামান্য ওদামে অন্য যে কোন বাণিভ্য দ্বুব্য একরার্মতে রাখা যায় তাহার বিষয়ে উক্ত আইনেতে যে
নিয়ম্ ও নিষ্কে আছে তদনুসারে লবণ একরার্মতে সেই ওদামে রাখা যাইতে পারে।

আগামি মানের ১৫ তারিথঅবধি শালিখার সরকারী গোলার এক ভাগ সেই নিয়মমতে নির্দিষ্ট ভাড়া দিয়া লবণ রাখিবার জন্যে সন্তকারী গোলার ন্যায় ধার্য হইবেক এবং তাহাতে সরকারের যাবৎ প্রয়োজন না হয় তবিং সাধারণ লোকেরদের লবণ রাখিবার জন্যে ব্যবহার হইতে পারিবেক।

এইমতে গোলাজাত যত লবণ জাহাজহইতে ওজন করিয়া উবরা করা যায় তাহার পরিমাণানুসারে বংসরে শতকর। ৪১ টাফার হারে কমী ধরা ঘাইবেক কিন্তু এইমতে যত লবণ দাখিল হয় তাহার উপর আমদানীর মাসুল ১৮৩৬ সালের ২৫ আইনের ১৮ ধারার নিন্দিষ্ট বিধিমতে ধরা ঘাইবেক।

একরারক্রমে যে গুলামে লবণ রাখিবার অনুমতি হয় দেই ওলামে অন্য কোন প্রকার দুব্য রাখা যাইতে পারিবেক মা।

উক্ত প্রকারে অনুমতিহওয়া ওদামে কিয়া শালিথার গোলাতে লবণের আমদানী করণ ও ওদামজাত করণ ও রক্ষা করণ ও রক্তানী করণে যত থরত হয় তাহা যে ব্যক্তি ঐ গোলাতে লবণ রাখেন সেই তাজিব দিতে হই-বেক।

নে প্রদাম এমত নির্মিত হয় এবং এমত স্থানে থাকে যে বোর্ডের বিবেচনার একরারী অবস্থার লবণ দেখানে নির্মিয়ে থাকিতে পারে এমত প্রদাম যাঁহারা পাইতে পারেন্ না তাঁহারা ১৮৪১ সালের ২৮ লেপ্টেয়র তারিখের বিধিমতে লবণ গোলালাত করিতে পূর্বের ন্যায় অনুমতি পাইবেন। এবং ঐ বিধির যেং বিষয় এই বিজ্ঞাপনের বারা মতাস্তর করা গোল না তাহা পূর্বেবং সম্পূর্ণ্রপে প্রবল থাকিবেক।

हामिल ७ निमक ७ आफीरनद द्वार्ड्ड छकुम्बरम । ১৮৪१। ७० खून।

দি বীডন। এক্টিং দেক্ষেটারী।

MALE WATER

ward to the first of the file of product of the state of

अडे प्रकाल त्यांन प्रामा नीम

×	œ	×	ĸ.	
ð	<u> </u>	я	ĸ	
m			в	۱
-				

	м	16	8	α	
	ŏ	в	¥	з	К
	83				я
	9				

त्य विक्री श्रेरवर

श्री होका व्यामाग्र काव्य श्रह

वाना प्रहारलज् त्यांनावृष्ठ नीला

हिमा। नीलाय दिक्री हर्ड

। कूमिदियम् हेन्छिहात।

এৱলানামা কাছারী কালেক্টরী জিলা ফশোহর। ১০০৮

LAND ADVERTISEMENT.

২৮ জুলাই মোভাবেক বাল্লা সন ১২৫৪ সালের ১৩ জাবেণ রোজবুধবার নিরমিত সময়ে বিনা ওজরে নীলামে ধরা ঘাইবেক ইতি সন ১৮৪৭ মাল্ডীরিথ ৮,জুলাই বোভাবেক বাল্লানীসন ১২৫৪ সাল ভারিথ ২৫ জাঘাদ। ভারিথ ২৫ জাঘাদ। বেশীরুন্ময়র মহালের প্রকার কৌলিকে যহা মহালের নাম মালিকের নাম সদর জমা ভাঞান বাকী লাং কৈফিলং শ্ন ১৮৪৫ সালের প্রথম আইনের ৬ ধারামত সমুদ দেওরা যাইতেছে যে নীচের দিখিত রাজ্য বাকীপড়া মহালাত এই কালেক্টরী,কাছারিতে প্রযুক্ত কালেক্টর সাহেবের তাজুরে সন, ১৮৪৭ নালের ু শ্রেণীরনমূর মহালের প্রকার কৌজতে মহা সের নমূর

महारम् द नाम

৪ ইন্তমুরারি জয়া ধার্য্য না হওলা মহাল

চক পরগণে গোবিদ্দপুর বিনাম মন্ত্রফাপুর কিশ্যত শিবরামপুর পণ, মামুদ শাহী শামিলে ডাপুকদার ...

দ ভদসবুরি আবাদকারি দেহাদী পাউদার চৈত্বচন্দ্র রায় ... দ গাতি ক্ষমা কলিয়ন্দী বি

[शदर्गको लास्त्रहे । ১৮৪९ । २० खूनाहे ।]

NOTICE.

The Supreme Government having sanctioned the holding of a Fair on the British side of the Booten Frontier, for the revival and encouragement of Trade, and peaceable intercourse between the inhabitants of Bootan, Sikim, and Nipal, and the people of Rungpoor, Dinajpoor, Malda, Purceah, and of the British Provinces generally, it is hereby notified for general information, that the Fair will take place annually at Titalya, during the full moon of the Hindu month of Pous, and that every protection to the persons; and property of Foreigners, and our own subjects will be secured by the contemplated arrangements, as well as every facility afforded to Trade, and Barter at this new Mart.

The Fair will commence on Saturday, the 18th December, 1847, and continue till Saturday, the 25th idem.

Duties or taxes will not be levied on persons or merchandize coming to the Fair which will be in all respects a Free Mart.

A. CAMPBELL, M. D.,

Superintendent of Darjeeling, and in charge of Bootan Frontier.

Darjeeling, 9th June, 1847.

ইশভিহার।

इक्ल्यूद ও मिनाक्रियूद ও मालम् । शृद्रिमहा अव । माधाद्रममण हेक्लिकीरहद्दमत अधीन रमेनीरहद्दमत मरक ভোটান ও দিকীয় ও নেপালীয় লোকেরদের বাণিজ্য এবং শান্তিপূর্বক ব্যবদা পুনঃ তাপন করিবার ও ভাষাতে উৎসাহ দিবার অভিপ্রায়ে সুপ্রিম গবর্ণমেন্ট অনুমতি দিহাছেন যে ভোট দেশের দীয়াবর্ত্তি ইন্সলভীয়েরদের অধি-কারে এক মেল। স্থাপন হয়। অতএব দর্ম দাধারণ লোককে জানাইরার নিমিতে ইহার ছারা দয়াদ দেওয়া যাইতেছে যে বৎদরে২ পৌর মাদের পূর্ণিমাতে ভিতালিয়া স্থানে মেলা হইবেক এবং যে নির্ম কর। যাইবৈক ভাছার हाता विरामनीय राष्ट्रास्क्रवरम् व अव केन्नजीय शामावरम्य ও छात्रावरम्य मन्नाहित वक्षा कहेरतक अव अके मुक्त মেলাভে যাহাতে বাণিজাবাবদার দুগম হয় এমত উপায় করা যাইবেক।

এ মেলা ১৮৪৭ সালের ১৮ ডিসেম্র তারিখ শনিবারে আরম্ভ হইরা ঐ মাসের ২৫ তারিখ শনিবারপর্যান্ত शांकिटरक ।

যে লোকেরা মেলাতে গমন করে তাহারদের কিয়া তাহারদের স্থানে কি তাহারদের মালের বাবৎ কোন মাসুল কি টাক্ল লওয়া যাইবেক না দকল বিষয়ে ঐ মেলা সম্পূর্ণরূপে মাসুল রহিত হইতে।

এ কাছেল।

দার্জিলিফের মুপরিভেতিও ও ভোটান অঞ্লের অধ্যক।

मात्किलिक ১৮৪५। ১ जुन।

INSOLVENT COURT.

যোত্রহীনেরদের আদালত।

IN THE COURT FOR THE RELIEF OF INSOLVENT DEBTORS AT CALCUTTA

NOTICE is hereby given, that by an order of the said Court, bearing date the 30th day of the said month of June last, the Schedule of RADAMOHUN MITTER, of Gurranhattah, in the I Calcutta, and now residing at Barnagore in the district of 24-Pergunnahs, in the Province of Bengal, Merchant and Trader, and late a Writer in the service of Messieurs Colvin, Ainslie, Cowie and Company, of Calcutta, Merchants and Agents, against whom an adjudication of Insolvency was made, and pronounced by the said Court, on the 21st day of the said month of June, on the application of one Sumboo-chunder Doss, a creditor of the said Radamohun Mitter, has been filed in the said Court, and that the matters of the said Schedule and application are appointed to be heard on Saturday, the 4th day of September next, at the hour of 11 o'clock in the forenoon.

The names of the creditors of the said RADAMOHUN MITTER appear in his said Schedule filed

in the Office of the Chief Clerk of the said Court, to which any creditor may refer.

Calcutta, 13th July, 1847.

PAUL and SMELT, Insolvent's Attornies.

Calcutta, 13th July, 1847.

শহর কলিকাতার অক্ষম ঋণিরদিগের পরিত্রাণার্থ আদালত।

পুর্বের কলিকাতা নগরের সওদাগরী ও এজেটা কর্মকারি কলবিন এন্সলি কৌই কোম্পানির ছেরাণী পরে বাললা দেশের জিলা চল্লিশপরগনার বরাহনগর নিবাদি সওদাগর ও ব্যবসায়ী কলিকাতা নগরের গরানহাটার রাধামোহন মিত্র যোত্রহীন বটেন এমত নির্দ্ধারণ উক্ত রাধামোহন মিতের মহাজন শন্তুতন্ত্র দানের দর্থাভ্যতে গভ जून मारमह २> जावित्थ जेक जामालाउ इहेन जाउ अव हेश व बाता ममाम स्मन्ता महित्वा स रेक खून मारमह ৩০ তারিখের উক্ত আদালতের হকুমঞ্জে উক্ত রাধামোহন মিত্রের তফদীল উক্ত আদালতে দাখিল হয় এবং উক্ত उक्तील छ छेक मत्थारख्त मर्म आशामि मार्ल्डे मृत्र मारमत 8 छात्थि मनिदान रतला अशात घरोत ममरह छना याह-(तक ।

উক্ত রাধামোহন মিত্রের মহাজনেরদের নাম তফ্সীলে লিখিত হইয়া প্রধান ক্লার্ক সাহেবের দক্তর্থানায় দা-খিল হটয়াছে মহাজনেরা ভাহা দেখিতে পারেন।

कनिकाछ। ১৮৪৭। ১৩ खनाहै।

भाउँन ८ स्मल्छ। साजहीत्मत् उकीन।

NOTICE is hereby given, that by an order of the said Court, bearing date the third day of the present month of July instant, the matters of the petition of WILLIAM JOHN TWENTYMAN, sned by the name of "W. John Twentymen," late of Jaun Bazar First Lane in Jaun Bazar, in the town of Calcutta, heretofore Head Master in the English Department of the Calcutta Mahomedan College, and late a prisoner confined for debt in the Common Jail of Calcutta, seeking the benefit of the Act of the minth year of the Reign of his late Majesty King George the Fourth, entitled "an Act to provide for the Relief of

[Government Gazette, 20th July, 1847.]

Insolvent Debtors in the East Indies," are appointed to be heard on Saturday, the fourth day of September next.

The names of the creditors of the said WILLIAM JOHN TWENTYMAN appear in a Schedule filed in the Office of the Chief Clerk, to which any creditor may refer.

Calcutta, 13th July, 1847.

PAUL and SMELT, Insolvent's Attornies.

কলিকাতা নগরের মহম্মদী কালেজের ইঙ্গরেজী ডিপার্টমেন্টে প্রধান শিক্ষক কলিকাতা নগরের জানবাজারের প্রথম গলিনিবাসি ডবলিউ জান টুএণ্টিয়ান নামে সফীনাহওলা উলিলম জান টুএণ্টিয়ান সাহেব ভারতবর্ষে ঘোত্রহীন গুণিরদের উপকারার্থ আইন নামক মৃত চতুর্থ এর্জ রাজার অধিকারের নবম বাংসরের আইনের দারা উপকার প্রার্থন। করিতেছেন অভএব ইহার ছারা স্থাদ দেওয়া যাইতেছে যে উক্ত আদাদতে বর্ত্তমান জুলাই মাসের ও তারিখে তুকুম হইল যে তাঁহার দর্থাত্তের মর্ম আগামি সেপ্টেম্বর মাদের ৪ তারিথ শনিবারে শুনা যায়।

* উক্ত উলিয়ম জান টুএণ্টিমান সাহেবের মহাজনেরদের নাম তক্সীলে লিখিত হইয়া প্রধান ক্লার্ক সাহেবের দক্তরখানার দাখিল হইরাছে মহাজনেরা তাহা দেখিতে পারেন।

কলিকাতা। ১৮৪৭। ১৩ জলাই।

পাউল ও ফোল্ট। যোত্রহীনের উকীল।

NOTICE is hereby given, that by an order of the said Court, bearing date the 5th day of July instant, the matters of the Petition of HENRY JACOB TONSON, formerly of Meredith's Lane in Calcutta, and lately of Sibtollah Lane in Calcutta, (sued by the name of H. Tonson,) an Assistant in the Office of the Government Lithographic Press, and late a Prisoner confined in the Common Gaol of Calcutta, seeking the benefit of the Act of the ninth year of the Reign of his late Majesty King George the Fourth, entitled an "Act to provide for the Relief of Insolvent Debtors in the East Indies," are appointed to be heard in the said Court, on Saturday, the 4th day of September next, and that in and by the said order it was (amongst other things) also directed that personal service of the Notice of the day so appointed for hearing as aforesaid be dispensed with in respect to all former creditors of the said Insolvent, whose names are inserted in the Schedule of the said Insolvent, filed on the 1st day of July instant, and in lieu thereof Notice of the day so appointed as aforesaid be published once in each of the instant, and in lieu thereof Notice of the day so appointed as aforesaid be published once in each of the English and Bengallee Newspapers of Calcutta.

The names of the creditors of the said HENRY JACOB TONSON appear in the Schedule filed by

him in the Office of the Chief Clerk of the said Court, to which any creditor may refer.

4, Old Post Office Street, Calcutta, 17th July, 1847. W. G. Campion, Insolvent's Attorney.

পূর্ব্বে কলিকাতা গনতে মেরিডিথলেন নিবাসী পরে কলিকাতা নগরে শিবতলা গলি নিবাসী গবর্ণমেঞ্টের পা-ওরিয়া ছাপাথানার আসিফাটে এচ টনসন নামে সফীনা হওয়া হেনরি জেকব টনসন সাহেব সম্পুতি কলিকাতা নগরের সাধারণ জেলখানায় কয়েদ হইয়া ভারতবর্ষে যোত্তীন গুণিরদের উপকারার্থ আইন নামক মৃত চতুর্থ জর্জ রাজার নবম বৎসরের আইনছার। উপকার প্রার্থনা করিয়াছেন অতএব ইহার ছারা সন্থাদ দেওয়া যাইতেছে যে रहमान खुलाहे मात्मत ६ जातित्थ जेक जामालत्ज छकुम हहेल त्य जीहात मत्थात्सत मर्म जानामि तमत्थेमून মাদের ৪ তারিখ শনিবারে উক্ত আদালতে শুনা যায়। আরো অন্যান্য বিষয়ের মধ্যে এই বিষয়ের জ্বুম হইয়া-ছিল যে বর্তমান জুলাই মাদের ১ তারিখে উক্ত যোত্রহীনের যে তফদীল দাখিল হয় তাহাতে উক্ত যোহীনের যে সকল পুর্বাকার মহালনেরদের নাম লিখিত হইয়াছিল ভাহারদের প্রতি ছনের নিকটে উক্ত অননির দিবসের বিষয়ে ষ্বতন্ত্র এতেলা না দেওরা যায় কিন্তু তাহার পরিবর্তে উক্ত নিরূপিত দিবদের বিষয়ি সমাদ কলিকাতা নগরের ইঞ্চরেলী ও বাঙ্গা সমাদপরেতে একবার প্রকাশ করা যায়।

উক্ত হেনরি জেকর টনসন সাহেবের মহাজনেরদের নাম তফ্সীলে লিখিত ছইয়া উক্ত আদালভের প্রধান ক্লার্ক সাহেবের দক্তর্থানায় দাখিল হইরাছে মহাল্পনেরা ভাহা দেখিতে পারেন। ৪নমূর ওসং পোট্ট আফিদ ট্রিট। কলিকাডা ১৮৪৭ সাল ১৭ জুলাই। ভবলিউ জি কাম্পিয়ন যোত্রহীনের উকীল।

In the matter of GEORGE URE ADAM and JAMES STEWART BLAIKIE SCOTT, lately carrying on business together in copartnership at Calcutta, under the style or firm of Adam, Scott and

Company.

NOTICE is hereby given, that Saturday, the 7th day of August next, is appointed for the further hearing in this matter, for the purpose of declaring a Dividend and that an account in detail of receipts and disbursements of the Assignee from the 1st day of June, 1846, to the 30th day of June last, has been filed, and may be inspected in the Office of the Chief Clerk. Any creditor or other person interested who is the companion of the companion of the chief Clerk. Any creditor or other person interested who may intend to establish or oppose any claim upon the Estate of the said Insolvents will be heard, Notice having been given at the Office of the Chief Clerk three days before the hearing.

FRITH and SANDES, Attornies.

আড়ায় স্কট কোম্পানির নামে কলিকাতা নগরে যৌতায় কর্মকারী জর্জ ইউর আড়ম সাহেব ও জেম্স ফুলাট ক্লেকি শুট সাহেবের বিষয়ে

ইহার বারা সম্বাদ দেওয়া ঘাইতেছে যে ডিবিডেও প্রকাশ করণের জন্যে এই বিষয়ের শুন্নি আগামি আগট মাদের ৭ তারিখ শনিবারে হউবেক এবং ১৮৪৬ সালের ১ জুন তারিখঅবধি গত জুন মাদের ৩০ তারিখ-পর্যাপ্ত আদৈনি সাহেতের সকল জমাধরতের হিমাব দাঝিল হইয়াছে প্রধান ক্লাই সাহেতের দস্তর্থানায় দেখা যাইতে পারে। যে কোন মহাজন কিয়া এই বিষয়েতে লিগু আন্য যে কোন ব্যক্তি উক্ত যোত্রহীনেরদের ইক্টেটের উপর কোন দাওয়া স্থাপন বা প্রতিবছকতা করিতে চাতেন তিনি স্থানীর দিবসের তিন দিন পুরে প্রধান রাক मारहरूरत मसुद्रशानाम मधाम मितन डीटांत कथा खना चाहरदक ।

বৰ্জমানের রাজনাটীর এলাকার যে সকল পত্তনি ও মোকর্বি হতল আসত্তসীলে আছে তথাখো নীচের লিখিত মহলাত আগামি প্রান্ত মাহার মধ্যে লুতন বন্দবস্ত হউবেক অভএব সর্ব সাধারণের জ্ঞাপনার্থে প্রকাশ করা ঘাইতেছে যে কেহ লণ্ডনেল্ফুক থাকেন ষ্যুৎ বা মোকারের বারা বর্জমানের রাজনাটাতে উপস্থিত হইয়া বন্দবস্ত করিয়া লাউবেন প্রতি সপ্তাহের বুধ ও শনিবারে বন্দবস্তের দিন স্থির হইয়াছে।

		दशना श्रृशना -	, ,		160	RIGINIO TOOL	b	टेंबला वर्श्वमान	क्षित्र। दश्चेशान	ه	८झला छशली	क्ला दक्ष्यान	त्म्रमा छ्डामी	Cसला दक्षमान	ís.	Ð	fa)	জেলা জঙ্গলমহল	(Tale)	A S	Calair States	(बन्ध कडानी	त्मला वाद्याम	८अला खुशली	क्षिला दश्चमान	Eq.	EV.	fb/	८ खला क्शनी	•	ь	£γ	८क्रमा दक्षमान	Es/	त्मला रीत् स्थि	£,			त्स्रामा दक्ष्याम ।			150	ফেলার শামিল	
£	/ So	, fe	/ fc	भवन	श्रा अर्थ	त्याकरवा जाकरवा	মহাল	श्वन	Í	fs/	B	fs/	b	fay	E	fa/	ы	fg/	শ্রহণ নহগ্র	9 6	v 5	ě.	ь	· fa	Б	fg/	fey	b	ь	ĺα	fs/	ja,	Бv	50	ís/	8	A STATE OF THE PARTY		পত্তনি মহল			মহল	त्य वक्राव्	THE REPORT OF THE PARTY OF THE
লাট মোহনপুর	वाह वृत्तावनश्रव	लाव खान्न	लाइ उमत्र्य		लाडे निश	वाष्ट्र दसहाधा		ना हे व्योल ड भूव	लांडे श्रेक्ट्यांब्यवांडी >	লাট পাত্ৰ	লাট জলকর মারান	लाहे रलदामभूत	লাট বাকুইপাড়া	লাট বেডুগ্রাম	नाडे काड्यभूत	लाहे शुक्रकाना	नां रानिकां	लाडे शांजिलुक्कदिंशी >	216 VICE 34 VIV	লাচ আলুছ	alla Callal	शूर्व विश्व	আয়ুমা বাধামোহন	লাট পৰিচয়পাড়া	লাট কানপুর	लाहे डिक्सहाडी	লাট কিৎ সাঙ্জা	লাট ছত্ৰশালী	লাট শ্যামসুন্দর্চক	লাট যোভভবানী	লাট আমডালা	ला है हड़ी शूर	नाचे भीडाहाजी	লাট কৃত্তবাটী	লাট তেওড়া	লাট পিণ্ডিরা			लां नार्श्वता		•		মহলের নাম	
v	v	v	v		v	v		v	v	v	v	v	v	v	v	v	v	v	U		·	, ,		v	v	v	v	v	v	v	v	v	v	v	v	v			v					
26	0	0	v	opport more	v	v				v	4	9	82	2940	ó	v	80	٧.	U	22		, ,		v	v	00		v	v	v	0	A	,,	89	22		Second Second		v	4	ছে ভাহার সং	यङ त्योजा जा	बद्दल व नाबिल	
6/5423	81 .929 . C. PI 2089	0 C F 4336	30.TH		20405	CC/48662		000000	1996	8/1 5260	10.84	दिना करेंद्र	CC/10C48C	क्रा ८५०।	10086	G/11 CD	10480	16885	609	10.20	68097	8/21 00		5/645	יכישאבט	23601	40000	1000	100A	3921102	C/11 465C	22801	8/1 446	12201	V. 280	DOOR HU	PROPERTY OF		270/5			षा गालकाना	955	
C/446 + 30	81 0928	8/1 4688	A/11 CZO		52@W/ o	5548635		(189 II)	Chad		30° 11≥6	300 ld2	10066	6/11 82CD	A 000	•1 0.4	716.45	\$89/3	20200	0 5/01 0 DAE	3/411 667 8	4/488	S. S	1080	23010	S884 III	328 lle	8220	874 868	F4.4	. १४४८६	8 0 8 48 4	61 650	5674290	0809/0 .	C/846	Date of the Land		कता दरद					
প্রনি বিলি হইবেক	ь	वस रहारक	S. S.	रहेरदक	প্ৰতি বিলি	भूमाभी रक्ष	क्राहक	शवित दिलि	62	Бy	3	B	fe	Ь	to the	h	Ey	By .	প্রান বিল হউবেক	1	/ E	o lo		19 /	*	fey	£.	€	Ь	۴	b	fs/	b /	b	6	fe.	र्डेट्रक	পত্তনি বিলি	मेर्ड घटन			×	म रिकः	

রিশীবের আফিন।
তালুকাতদিগর ইঞার।
তালুকাতদিগর ইঞার।
আগতোষ দেদিগর বাদী ভোলানাথ রায় চকুবর্তাদিগর প্রভিবাদী।
সকলকে জাত করা যাইতেছে যে আগায়ী ২১ জুলাই বুধবার বেলা দুই প্রহুর এক ঘটার নমন্ত শ্রীতুত রাবর্ত প্রভৌতা সাকেব হিশীবর তীহার আফিনে উপরোক্ত প্রতিবাদী ভোলানাথ রায় চক্রবঙ্গির নীচের লিখিত ভালুকদিগরের ইঞারার ডাক লইবেন হাঁহার। ইঞারা লওনেচ্ছুক হরেন এ বয়য় ভাঁহার আফিনে উপস্থিত হুইবেন ইতি।

জেলা ভ্রমনী মোভালক প্রগনে বোরো ভালুক মান্কুঙদিগর রক্ষ ৸৹ বারো আনা

[Government Gazette, 20th July, 1847.]

ছেল। নদীয়া মোভালক প্রণনে মূলঘড় ভিহি কাগল পুখুরিয়ার দুই নীলের কুঠা পালপাড়া ও হমকুড়া ১ জেলা চকিশপরগনা মোতালক তালুক হাতিয়াড়া হায় তাবং কিসমত রকম 🗸১৬॥ গণ্ড। ঐ জেলা মোডালক প্রগনে বালিয়া তালুক আকৃষ্ণপুর মায় তাবং কিসমত রক্ম ॥ • আনা

২ বাঙা। ঐ জেলা মোভালক মোকাম বরাহনগর এক বসত বাটী জমী ॥৪৮ কাটা

ঐ মোকাম এক বসত বাটা জমী ১/২ বিছা

আরং বৃহান্ত রিশীবর আফিনে তব্দ করিলে জানিতে পারিবেন ইতি সন ১৮৪৭ সাল তারিথ ৭ জুলাই।

[গ্ৰন্মেন্ট গেজেট। ১৮৪৭। ২০ জুলাই।]

প্রিরামপুরের মন্ত্রালয়ে প্রযুত জান কাশমন সাহেবকর্ত্ক মুদ্রিত হইল।



श्वनंद्यन् दशद्बर्

, গ্রণমেণ্টের আজ্ঞাক্রমে প্রকাশিত।

CALCUTTA, TUESDAY, JULY 27, 1847.

কলিকাতা মঙ্গলবার ১৮৪৭ সাল ২৭ জ্লাই।

DRAFTS OF ACTS.

FORT WILLIAM, HOME DEPARTMENT, LEGISLATIVE,

THE 26TH JUNE, 1847.

The following Draft of a proposed Act was read in Council for the first time on the 26th of June, 1847.

ACT No. --- or 1847.

An Act for repealing parts of Section III. Regutation IV. 1793, and Section III. Regulation III. 1808, of the Bengal Code.

It is hereby enacted, that so much of Section III. Regulation IV. 1793, and of the corresponding part of Section III. Regulation III. 1803, of the Bengal Code, as requires the transcription of plaints, be repealed.

Ordered, that the Draft now read be published for general information.

Ordered, that the said Draft be re-considered at the first Meeting of the Legislative Council of India after the 26th day of August next.

> G. A. Bushby, Secy. to the Govt. of India.

FORT WILLIAM, HOME DEPARTMENT, LEGISLATIVE.

THE 30 JULY, 1847.

The following Draft of a proposed Act was read in Council for the first time on the 3d of July, 1847:

ACT No. --- OF 1847.

An Act for remedying a defect in the Law regarding undiscovered defaults in the prosecution of Suits.

Whereas inconvenience has resulted from the [Government Gazette, 27th July, 1847.]

আইনের মুদাবিদা।

ফোর্ট উলিরম। দেশীর ডিপার্টমেন্ট 1 লেজিসলেটিব।

हेक दिली २४४९ मान १७ जुन।

প্রস্তাবিত আইনের নীচের লিখিত মুসাবিদা ইঙ্গরেজী ১৮৪৭ নালের ২৬ জুন ভারিখে হজুর কৌন্সেলে প্রথম-বার পাঠ করা গোল।

देवदाकी ১৮৪१ माल - आकृषे।

বাঙ্গলা দেশের চলিত ১৭৯৩ সালের ৪ আইনের ৩ ধারার এবং ১৮০৩ সালের ৩ আইনের ৩ ধারার কতক ভাগ রদ করণের আইন।

ইহাতে গুকুম হইল যে বাজলা দেশের চলিত ১৭৯৩ নালের ৪ আইনের ৩ ধারার এবং তদনুষারি ১৮০৩ নালের ৩ আইনের ৩ ধারার যে ভাগে নালিশের আর্জীর নকল বহীতে লেখা যাইবার গুকুম আছে ভাহা রন হইল ইতি।

হুকুম হইল যে এক্ষণে পাঠ করা মুদাবিদা দর্ম দাধা-রণ লোককে জানাইবার নিষিত্তে প্রকাশ হয়।

ভকুম হইল যে আগামি ২৬ আগফী তারিখের পর ভারতবর্ষের বাবস্থাপক কৌলেলের যে প্রথম বৈঠক হয় তাহাতে এই মুসাবিদা পুনরায় বিবেচনা করা যায়। জি এ বুশবি।

ভারতবর্ষের গবর্ণমেন্টের সেক্রেটারী।

জোর্ট উলিরম। দেশীর ডিপার্টমেন্ট লেজিসলেটিব।

हेब्राद्रकी ३৮৪५ माल ७ क्लाहै।

প্রয়াবিত আইনের নীচের লিখিত মুসাবিদা ইল্ড্ডেন ১৮৪৭ সালের ও জুলাই তারিখে হজুর কৌন্দেলে প্রথম-বার পাঠ করা গেল।

ইপরেজী ১৮৪৭ দাল - আরুট।

মোকদ্রমা নির্ধাহকরণের সমরে প্রকাশ না হওরা ঞটির বিষয়ে আইনে যে দোহ আছে তারা ওধরাইবার আইন।

যেহেতৃক এমত বিধান আছে যে রাজনা ও মালোল

rule that the discovery of defaults in the prosecution of suits and appeals brought in any Court of the East India Company, within the Territories subject to the Presidencies of Bengal and Madras, invalidates all proceedings in such suits and appeals, which may have been had since the occurrence of such default :

It is hereby enacted, that in the said Courts every default of a plaintiff or appellant, in all suits or appeals now pending or hereafter to be brought, and in all suits which have been decided but are still open to appeal, shall be held to be cured whenever the opposite party, passing over the default, shall have taken any step in the suit or appeal, and whenever the Court shall have passed judgment in the suit or appeal, whether such opposite party shall or shall not have taken any such step.

Ordered, that the Draft now read be published for general information.

Ordered, that the said Draft be re-considered at the first Meeting of the Legislative Council of India after the 3d day of October next.

> G. A. Bushby, Secy. to the Govt. of India.

FORT WILLIAM. HOME DEPARTMENT, LEGISLATIVE, THE RESERVE

THE 3D JULY, 1847.

The following Draft of a proposed Act was read in Council for the first time on the 3d of July 1847.

ACT No. --- OF 1847.

An Act to amend the Law regarding the taking of Mochulkas or Penal Recognizances.

It is hereby enacted, that Section 4, Regulation IV. of 1825, of the Bengal Code, is repeal-

And it is hereby enacted, that in the Territories subject to the Presidency of Bengal, it shall be lawful for the Zillah and City Magistrates and Joint Magistrates to take Mochulkas or Penal Recognizances according to established usage in all cases wherein it may appear just and necessary to require the same for the maintenance of the peace in their respective jurisdictions, although the party to he bound in such recognizances may not have been convicted of any specific offence, provided that the amount of the recognizance in all such cases shall be proportionate to the condition in life of the said party and to the circumstances of

III. And it is hereby enacted, that in cases of an aggravated nature wherein it may appear necessary to require security for keeping the peace in addition to the recognizance of the party, it shall be lawful for such Magistrates to direct the same and to fix a reasonable amount for the security bond to be executed by the surety or sureties.

IV. And it is hereby enacted, that whenever

রাজধানীর অধীন দেশস্থ কোম্পানি বাহাদ্রের কোন আ-দালতে উপস্থিত হওয়া কোন মোকনমার কিয়া আপীলের বিষরে যদি এমত দৃষ্ট হয় যে তাহা নির্বাহ করণেতে ক্রটি হইয়াছিল তবে ঐ ক্রটি হওনের পরে ঐ যোকদমার কিয়া আপীলের যে সকল কার্যা হয় তাহা অমিদ্ধ এবং যেতেত্র এই বিধানেতে আনেক ক্লেশ হইতেছে।

অভএব ইহাতে ত্রুম হইল যে উক্ত আমালতে যে সকল যোকক্ষমা কিয়া আপীল এক্ষণে উপস্থিত আছে কিয়া উত্তর কালে উপস্থিত করা যার এবং যে সকল মোকদ্ময়া নিক্পত্তি হইয়াছে কিন্তু তাহার উপর আপীল হইতে পাবে সেই সকল মোকদ্মার ফরিয়াদী কিয়া আপেলাই কোন জাটি করিলে যদি অন্য পক্ষ দেই জাটি না ধরিয়া মোকলমার কিয়া আপীলের কোন কার্য্য করে আথবা দেই অন্য পক্ষ দেইমত কোন কাৰ্য্য করিলে বা না করিলে যদি দেই মোকদর্মায় কিয়া আপীলে আদালত ডিক্রী করিয়াছেন তবে ঐ ক্রটি থণ্ডন হইয়াছে এমত জান করিতে হইবেক ইতি।

ছকুম হইল যে এক্ষণে পাঠকরা মুসাবিদা সর্কা সাধা-রণ লোককে জানাইবার নিমিত্তে প্রকাশ হয়।

ছকুম হইল যে আগামি ৩ অক্টোবর তারিখের পর ভারতবর্ষের ব্যবস্থাপক কৌন্দেলের যে প্রথম বৈঠক হয় তাহাতে এই মুসাবিদা পুনরায় বিবেচনা করা যায়।

জি এ বৃশবি।

ভারতবর্ষের গবর্ণমেন্টের সেক্রেটারী।

कार्षे डेलियम। प्रभीम जिलाई पार्के । लिखिमलिटि ।

ইলরেজী ১৮৪৭ সাল ও জুলাই।

প্রস্তাবিত আইনের নীচের লিখিত মুসাহিদা ইঞ্রেছী ১৮৪৭ সালের ৩ জুলাই তারিখে হলুর জৌলেলে প্রথমবার পাঠ করা গোল।

डेब्रद्रकी ১৮৪৭ माल - बाक्टें। মুচলকা লওনের বিষয়ি আইন ওধরিবার আইন।

১ ধারা । ইহাতে ছকুম হইল যে বাজলা দেশের ठलिङ ১৮२৫ मालित 8 आहेरनद ६ धाता दम दहेल ইভি ৷

২ ধারা। এবং ইহাতে ত্তুম হইল যে বাজলা রাজ-ধানীর অধীন দেশে জিল। ও শহরের মাজিট্রেট ও ক্লাইন্ট মাজিট্রেট সাহেবেরা আপনং এলাকার মধ্যে যে সকল গতিকে শান্তি, রক্ষা করিবার নিমিত্তে মুচলকা ल छता यथार्थ छ जारनाक ताथ करत्न महन গতিকে চলিত ব্যবহারমতে মুচলকা লইতে পারেন্ এবং যে ব্যক্তির স্থানে দেই মচলকা লওয়া যায় ভাছার বিশেষ কোন অপরাধের প্রমাণ না হইলেও তাতা লইতে পারেন किन में मुहलकात लिथिन होर। मुहलकारमधीमहात चारही ও মোকদ্মার বিষয় বিবেচনা করিলা ধার্য্য করিতে হইবেক

० थाता। এবং ইहाट छक्म हडेल स सनि এমত কোন ভারি অপরাধ হয় যে দেশের শান্তি রক্ষা পাইবার নিমিত্তে ঐ অপরাধির মুচলকার অভিরিক্ত তাহার স্থানে ঐ নিমিত্তে জামিনী লওয়াও আবশাক বোধ হয় তবে উক্ত মাজিট্রেট সাহেবেরা ঐ জামিনী লইবার স্তকুম দিবেন এবং লামিন জিয়া জামিনেবদের জামিনীতে যত টাকার নিয়ম লেখা ঘাইবেক তাহার উপযুক্ত মংখ্যা নিরূপণ করিবেন ইতি।

৪ ধারা । এবং ইহাতে ছকুম হইল যে মাজিস্টেট

[भवर्गस्ये लाक्षरे। ३৮८९। २१ खुलाई ।]

it shall appear to the Magistrate that the period for which the party should be bound to keep the peace with or without additional security, need not exceed one year, it shall be lawful for him without reference to superior authority to give directions accordingly, and in default of such recognizance or additional security, to commit the party to prison in the Civil Jail until he shall do what has been required of him.

V. And it is hereby enacted, that whenever it shall appear to the Magistrate that the period for which the party should be bound to keep the peace with or without additional security ought to exceed the period of one year, the Magistrate shall record his opinion to that effect with an order specifying the amount of recognizance and security as well as the number of sureties which should in his judgment be required, and the period for which the recognizance and security should be required, which however shall in no case exceed three years. If the party shall not furnish the recognizance and security so required, the proceedings shall be laid before the Sessions Judge, who after examining them and calling for any further information which he may think necessary, shall pass orders on the case confirming, modifying or annulling the orders of the Magistrate, and if the orders so passed by the Sessions Judge confirm to any extent the requisition for recognizance or securities the Sessions Judge shall direct the Magistrate to commit the party to prison in the Civil Jail until he shall do what has been required of him.

VI. Provided always and it is hereby enacted, that no party shall be kept in prison under this Act for a longer period than that for which the recognizance and securities have been required from him

VII. And it is hereby enacted, that the Provisions contained in Sections 5, 6 and 7, of Regulation VIII. of 1818, of the Bengal Code, shall be applicable to all persons confined under this Act, and to all sureties who shall have given security under this Act.

VIII. And it is hereby enacted, that all sentences and orders passed under this Act shall be appealable subject to the general provisions which regulate appeals.

Ordered, that the Draft now read be published for general information.

Ordered, that the said Draft be reconsidered at the first meeting of the Legislative Council of India after the 3d day of September next.

> G. A. Bushby, Secy. to the Govt. of India.

REPORTS OF SUMMARY CASES DETER-MINED IN THE COURT OF SUDDER DEWANNY ADAWLUT.

1st June, 1847.—A having borrowed money in one district, dies without leaving any property in

সাহেবের ষথম বোধ হয় যে অভিরিক্ত জামিনী লাইয়া কিয়া না লাইয়া শান্তি রক্ষা পাইবার জন্যে দেই অপবাদ-গ্রন্থ ব্যক্তির স্থানে এক বংশরের অধিক কালপর্যান্ত মুচলকা লপ্তনের আবশ্যক নাই তথন ঐ সাহেব উপরিস্থ কার্য্যকারক সাহেবের নিকটে কিছু জিজাসা না করিয়া তদনুসারে ছকুম করিতে পারেন। এবং অপবাদগ্রন্থ ব্যক্তি ঐ মুচলকা কিয়া অভিরিক্ত জামিনী না দিলে ভাষার প্রতি যে কার্য্য করিবার গুকুম হয় তাহা যাবং না করে ভাবং মাজিট্রেট সাহেব ভাষাকে দেওয়ানী জেলখানার কয়েদ করিতে পারেন ইতি।

৫ ধারা। এবং ইহাতে ত্রুম হইল যে যদি মাছি-ট্রেট সাহেবের এমত বোধ হয় যে অতিরিক্ত জামিনী লইয়া কি না লইয়া অপবাদগ্রস্ত হাক্তির স্থানে এক বৎস-বের অধিক কালপর্যান্ত শান্তি রক্ষা পাইবার জন্যে মচলকা লওনের আবশ্যক আছে ভবে মাজিভৌট সাহেব সেই বি-ষয়ে আপনার মত এক ত্রুম সমেত লিখিবেন সেই ত্রু-মের মধ্যে মুচলকা ও জামিনীর সংখ্যা এবং তাঁহার বি-বেচনাতে যত জামিন লইতে হইবেক তাহারদের সংখ্যা। এবং যত কালের মুচলকা ও জামিন লইতে হয় তাহা লিখিবেন কিন্তু তিন বংসরের অধিক কালপর্যান্ত মুচ-লকা কি জামিনী লইতে হইবেক না। যদি সেই তাক্তি खेक श्रकार्व छक्म दश्या मुहलका अ सामिनी ना स्वत তবে তাহার রুবকারী দেশন জন্ত সাহেবর নিকটে অর্পণ হইবেক ডিনি সেই বিষয়ের তল্পবীয়া করিয়া এবং অতিরিক্ত যে বৃত্তান্ত আবশাক বোধ করেন তাহা ভলব করিয়া সেই বিষয়ের অকুম দিয়া মাজিট্রেট সাহেবের ত্কুম বহাল কি মতাভর কিয়া বাতিল করিবেন। এবং দেশন জজ দাহেব যে তুকুম করেন তাহাতে যদি মুচলকা কিয়া জামিনীর বিষয়ে মাজিট্টেট সাহেবের তকুমের অনেক অংশ মশুর হর তবে দেশন জজ দাহেব মাজিট্টেট দাহেবকে এমত তকুম দিবেন হে ঐ ব্যক্তিকে যে কর্মা করিবার ত্রুম হইয়াছে তাহা যাবৎ मा करत जारक एम अशानी दिल्लाथी मात्र करतम करतम ইতি ।

৬ ধারা। পরন্ধ জানা কর্ত্য এবং ইহাতে অকুম হইল যে যত কালের মুচলকা এবং জামিনী ঐ ব্যক্তির স্থানে লওয়া যায় তাহার অধিক কালপ্র্যান্ত সেই ব্যক্তিকে এই আইনমতে কয়েনে রাখিতে হইবেক নাইতি।

৭ ধারা। এরং ইহাতে ত্কুম হইল যে এই আইনানুসারে যে সকল ব্যক্তি কয়েদ হয় তাহারদের বিষয়ে
এবং এই আইনানুসারে জামিনীদেওনিয়া সকল জামিনের বিষয়ে বাজলা দেশের চলিত ১৮১৮ সালের ৮ আইনের ৫ ও ৬ এবং ৭ ধারার বিধান থাটিবেক ইতি।

৮ ধারা। এবং ইহাতে ত্রুম হইল যে এই আইনানুসারে যে সকল দণ্ডের ত্রুম ও অন্যান্য ত্রুম হয়
তাহার উপর আপীল করণের সাধারণ নিয়মমতে আপীল হইতে পারিবেক ইতি।

ত্তুম ইইল যে একণে পাঠকরা মুসাবিদা সর্বা দাধা রণ লোককে জানাইবার নিমিত্তে প্রকাশ হয়।

ত্তুম হইল যে আগামি ও সেপ্টেম্র ডারিখের পর ভারতবর্যের ব্যবস্থাপক কৌন্সেলের যে প্রথম বৈঠক হয় তাহাতে এই মুদাবিদা পুনরায় বিবেচনা করা যায়।

> জি এ বুশবি। ভারতবর্ষের গবর্ণমেন্টের সেক্টোরী। John C. Marshman, Bengalee Translator.

সদর দেওয়ানী আদালতে নিক্সাত্তিহ ওয়া সরাসরী মোকজ্মার রিপোট।

১৮৪৭ দাল ১ জুন। A নামক ব্যক্তি এক জিলাতে টাকা করে

[Government Gazette, 27th July, 1847.]

ed by heirs resident in another district. Held that the heirs may be sued either in the locus contractus, or in that of their domicile.

Kali Tara Mujmoadar and another-Petitioners.

This was an appeal from an order of the Judge of 24-Pergunnahs, dated 3d February, 1847, confirming that of the Principal Sudder Ameen of the same district, of the 26th November, 1846, nonsuiting the petitioners in an action for debt, preferred by them under the following circumstances.

One. Muddun Mohun Roy, had borrowed a sum of money from the petitioners, within the local jurisdiction of the 24-Pergunnahs. He died, and was succeeded by his brother, Punchanun Roy, (against whom the action was brought,) who resided in the district of Hooghly. It did not appear that the present defendant had succeeded to any property of the borrower within the jurisdiction of the 24-Pergunnahs. Under these circumstances, the Principal Sudder Ameen and Zillah Judge were of opinion, that the Courts of the 24-Pergunnahs had no jurisdiction in the matter.

Mr. Hawkins (Temporary Judge,) by whom the case was heard, submitted the question of jurisdiction for the opinion of the Court at large.

The Court were of opinion, that, under Section 8, Regulation III. 1793, the suit might be heard either in the district in which the debt was incorred, or in that in which the defendant resided. The order of the Zillah authorities was accordingly reversed.

1st June, 1847 .- In a case in which the principals, who had obtained an order for possession of property under Regulation V. 1799, made over such property temporarily to their sureties, it was held that the Civil Court could not summarily interfere in a dispute between the principals and sureties, in regard to the proper discharge of the trust.

Divarha Doss-Petitioner.

The petitioner appealed from an order of the Judge of Patna, dated 12th February, 1847, confirming that of the Principal Sudder Ameen of the 28th March, 1846.

The petitioner, together with his brothers, had obtained an order for possession of the estate of one Asoon Bibi, on her death, under the provisions of Regulation V. 1799, on giving security to stand the result of an action, about to be brought against them by certain other parties, who claimed an interest in the property. It appears that the sureties stipulated with their principals, that they should have the possession and management of the property while the litigation was pending. The action was dismissed; and it was now alleged by

the district in which he borrowed, and is succeed- । এবং যে জিলাতে কর্ম করে ভাষাতে কোন নম্পত্তি ना दाशिता भारत अर्थ अना किलानियामि छाहात उँवता-ধিকারির। তাহার সম্পরির অধিকার প্রাপ্ত হয়। তা-হাতে বিধান হইল যে যে জিলাতে কর্জ হইরাছিল অথবা যে জিলাতে উত্তরাধিকারিরা বাদ করে ভাহার কোন এক জিলাতে ভাহারদের নামে নালিশ হইতে পারে।

> कालीजाता मस्मात अद्य आस्माता सत्थासकाती। চজিলপ্রগনার প্রধান সদর আমীন ১৮৪৬ সালের-২৬ নবেমুর তারিখে কর্জের বাবৎ যে নালিশ পশ্চাৎ লি-থিত গতিকে উপস্থিত করা গেল ভাহাতে দর্থাস্কারির-मिश्राटक सम्मुष्टे कविरालम । ১৮৪৭ मारलव ७ एक्टक्कार्वि जातित्थ से किलाद अब जात्रद अधान महत् आशीरनद छक्म दहाल दाशिलान । खडा मार्ट्स्टर वे छक्माद डेल्ड এই আপীল হয়।

> চক্তিশপ্রগনার বিশেষ এলাকার মধ্যে মদনমোহন রায়নামক ব্যক্তি দর্থান্তকারিরদের স্থানে কিছু টাকা কর্জ করিয়াছিল পরে দে মরিল এবং তাহার ভাতা যে পঞ্চা-নন রাষের নামে এই নালিশ হইল দে ভাহার উত্তরাধি-কারী হইল। পঞ্চানন রায় জিলা ছগলীতে বাস করে। তা-হাতে দুষ্ট হইল না যে এই মোকক্ষমার আসামী চলিশ-প্রথনার এলাকার মধ্যে ঐ থাতকের (অর্থাৎ আপনার ভাতার) কোন সম্পত্তির অধিকারী হুইয়াছিল। এইয়ত গতিকে প্রধান সদর আমীন ও জিলার জল সাহেবের মত এই হইল যে এই বিষয়ে চারিশপর্গনার আদা-লতের কোন এলাকা নাই।

> ভাহাতে জংগক কালের জল এয়ত হকিবা সাহেব এই মোক্ষম। छनिल्लम এবং সমরের সকল জন্ত সাহেরের মত পাইবার জনো এলাকাবিবয়ক জিজাসা ওাঁহারদের নিকটে অর্পণ করিলেন।

> आमानएउत अस मार्टरवृद्धत् अहे विर्वटनी हहेन त्य ১৭৯৩ সালের ৩ আইনের ৮ ধারানুসারে ঐ মোকক্ষমা ষে জিলাতে কর্জ হইয়াছিল তাহাতে অথবা যে জিলাতে আসামী বাস করে ভাছাতে স্তনা যাইতে পারে। অভএর बे जिलात जानालर्डत जज मार्ट्य ও প্রধান मनत आशीसित छक्त जनाथा हहेल।

३৮८१ माल ३ खुन।

যে গতিকে কর্তা ব্যক্তিরা ১৭৯১ সালের ৫ আইনান দারে সম্পত্তির দখলের বিষয়ে তক্ম পাইয়াছিল এবং কিছু কালের জন্যে ঐ সম্পত্তি আপনারদের জামিনের-দের হাতে অর্পণ করিয়াছিল সেই গতিকে এই বিধান হইল যে কটা ব্যক্তিরদের ও তাহারদের জামিনেরদের মধ্যে গভিতে বিষয়ের উচিত মত সর্বরাহ করণের বিষয়ে বিরোধ হইলে দেওয়ানী আদালত স্রাস্রীমতে তাহাতে হস্ত ক্ষেপ করিতে পারেন না।

দারকাদাস দর্থারকারী।

১৮৪৬ সালের ২৮ মার্চ ভারিখে পাটনার প্রধান সদর আমীন যে জ্কুম করিলেন তাহা ১৮৪৭ সালের ১২ ফেব্রুআরি তারিখে পাটনার জল সাহেব বহাল রাখি-লেন। পাটনার জজ সাহেবের ঐ তক্ষের উপর দর-थासकाही जाशील कदिल।

আসুন বিবিনামক এক জীর মরণোত্তর ভাহার সক্র্য-छित् मथालंत सामा मत्थासकाती अद९ जाहात जाजाती এক প্রকৃষ ১৭৯৯ দালের ৫ আইনের বিধির অনুসারে मिडे मल्लिहिट वालमाइएम् लास्त्र विश्वत्य माध्या कतियां के खाँ । इस्मत नाय नालिन कहिएक छेमाङ किन দেই মোকজ্মার ছকুম প্রতিপালনের জম্মে দর্থান্তকারি-প্রভৃতি জামিন দিয়াছিল। দৃষ্ট হইল যে ঐ জামিনেরা করা राक्तित मान कर रान्नारस करियाधिम वा भावसमा यह काल प्रलिटिक उठ काल जे मुल्लासित मधल स मत्रहरी কার্য্য আমারদের প্রতি থাকিবেক। পরে ঐ মোকদমা

prayed they might be compelled to do.

The Principal Sudder Ameen and Zillah Judge held, that the Civil Court could not interfere summarily between the principals and their sureties; and that the proper remedy was a regular action. The Court (present Mr. Hawkins,) concurred with the Zillah Authorities and rejected the appeal.

CIRCULAR ORDERS OF THE AC-COUNTANT GENERAL.

No. 727. To the Collectors of the Districts of Cuttack S. D., Cuttack N. D., Cuttack C. D., Backergunge, Tipperah, Chittagong, Rungpore, Rajshahye, Moorshedabad, Beerbhoom, Shahabad, Sarun, Behar, Patna, Burdwan, Hooghly, Jessore, Nuddea, Bhaugulpore, Tirhoot, Monghyr, Purneah, Dinagepore, Gowalparah, Sylhet, Mymensing, Dacca, Maldah, Bograh, Pubnah, Bultooah, Furreedpore, Barraset, Bancoorah, Hazarechaugh, Lohardugga Dn., Singbhoom Dn., Maunbhoom Dn., Calcutta, 24-Pergunnahs.

In continuation of Mr. Acett. Walker's Circular letter of the 21th November last, No. 715 A, I have the honor to acquaint you, that Government has approved of a proposition submitted by the Accountant, through the Superintendent and Remembrancer of Legal Affairs, to the effect that you should furnish to that functionary, annually, a statement of the demands, collections, and balances, on account of law expences over and above those on account of stamp duty recoverable from suitors in forma pauperis under the provisions of Section 9, Regulation XXVIII. of 1814. This statement is to be drawn up in a form similar to that prescribed for the stamp duty leviable in such suits, and the results contained in it are, after examination in the Remembrancer's Office, to be incorporated in a General Abstract to be forwarded to this Department for eventual check. You are accordingly requested, in bringing to credit in your Treasury Account the recoveries on this account, to enter them separately under the head of " Profit and Loss" in the manner shewn in the margin," taking care that the collections, as per your Treasury Accounts, invariably correspond with those shewn in your Annual Returns.

(Signed) W. MAPLES, Offg. Extra Assistt. Acett. Govt. of Bengal. Fort William, Acett's. Office, Revenue Departt., the 8th July, 1847.

* "To Profit and Loss" - Amount received from suitors in forma pauperis on account of law expences under Section 9, Regulation 28, of 1814, ... Rs. 00 0 0

the petitioner, that the sureties had failed to ren- ডিসমিস হ'ছল এবং দর্থাস্কর্নরী একতে এই প্রার্থনা der a faithful account of the property, which he করিল যে ই ছামিনেরা লম্পত্তির বিশাস্থোগ্য হিসাব मिए जारि कतिहास अड धर डाहा नियात विषय डाहा तू त्मत् श्रंडि छकुम हत् ।

ভাহাতে প্রধান সদর আমীন ও জিলার জল সাহের অকুম করিলেন যে কর্ত্তা ব্যক্তি ও ভাছার জামিনেরদের मध्या विद्राध इडेटल मिड्यांनी आमालङ नवामदीमङ তাহাতে হস্তক্ষেপ করিতে পারেন না এবং জাবেতাম্ভ মোকদ্মা তাহার উপযক্ত প্রতিকার। সমর দেওয়ানী আদালতের জজ ত্রীযুত হকিন্স সাহেব প্রধান সদর আমীন ও জিলার জল সাহেবের মতে একা হইয়া আপীল जिमिम कवित्नम।

JOHN C. MARSHMAN, Bengalee Translator.

A Very State

আকৌণ্টেণ্ট জেনরল সাহেবের সরকালর পত্র।

१२१ समुद्र।

কটকের দক্ষিণ অংশ ও উত্তর অংশ ও মধ্যম অংশ ও বাকরগঞ্জ ও ত্রিপুরা ও চাটিগাঁ ও রঙ্গপুর ও রাজশাহী ও মুরশিদাবাদ ও বীরভূম ও শাহাবাদ ও मात्र ६ दरहात ६ शाहेन। ६ दर्खमान ६ छश्की ६ যশোহর ও নদীয়া ও ভাগলপুর ও বিহুত ও মুঙ্গের ও পুর্ণিয়া ও দিনাজপুর ও গোআলপাড়া ও ছিলট ও ময়মুনসিংহ ও ঢাকা ও মালদহ ও বওড়া ওপা-रमा ६ रलुया ६ कतिनश्र ६ राहामङ ६ दौक्छा ও হাজারীবাগ ও লোহারডগা এলাকা ও দিংহভূম এলাকা ও মানভূম এলাকা ও কলিকাতা ও চলিকপর-গনার এীযুত কালেক্টর সাহেব ব্রাবরেষু।

প্রীযুত আকেকান্টেন্ট ওয়াকর সাহেবের গত ২৪ নবেয়র তারিখের ৭১৫ A নমুরী সর্কালর পাত্রের অনুক্রমে ভোমাকে জাত করিভেছি যে জীয়ত আকেটাটেট মা-হের মোকলমার সুপরিভেত্তেও ও রিমেয়াকার সাহেরের ৰারা যে প্রস্তাব করিরাছিলেন তাহাতে গবর্ণমেন্ট সমাত हरेगाएम मिट शहार धरे रा रेखे। स्भार मामूल ছাড়া ও ভাহার অভিরিক্ত আদালভসম্পর্কীয় যে থর্চী याजधीन कतिशामीत सारन ১৮১৪ मारलत २৮ आहे-নের ৯ ধারানুদারে আদায় হইতে পারে তাহার माहता. ९ आमात रहता होका ९ दाकी हेकाद अक কৈফিয়ৎ বৎসরেং ভূমি ঐ কর্মকারক সাহেবের নিক্টে পাঠাও। ঐ প্রকার মোকদ্মাসম্পর্কীর ইফ্টাম্পের भागुरलत विषया ये शाह निषिक्षे আছে এই কৈফিরং সেই পাঠানুসারে প্রস্তুত করিতে হইতেক এবং সেই কৈফিয়তের বৃত্তান্ত যোকসমার সুপরিভৌডেন্ট সাহেবের দস্তর্থানায় ভজরীজ হইলে পর এক সাধারণ খোলাসার মধ্যে অর্পণ করিতে হইবেক এবং তৎপরে চড়ান্ত তজবীজ হইবার জন্যে এই সিরিশতার পাঠাইতে হই-বেক। অভএর ভোমার প্রতি ছকুম হইতেছে যে ভোষার পাজনাথানার হিসাবে এই বাবং প্রাপ্ত সকল টাকা জমা করণের সময়ে নীচের নিদিউমতে তাহা" লাভ নোকসানের" থাতার স্বতন্ত্র করিয়া লেখ। এবং ত্রি এই বিষয়ে সার্থান হইবা যে তোমার থাজানাথানার হিসাবে আদার হওয়া যে টাকা লেখা যার তাহা নিরত ভোমার বার্ষিক কৈফিয়তে লিখিত ছিদাবের সঙ্গে द्यादन । ডবলিউ মেপলুস।

वाक्रमा म्हिन्द शर्मकारकेत् चारककारकेके मार्ट्टर्ड এক্টিৎ অভিব্রিক্ত আদিফার্টা । कार्षे উलियम। आरक्कोत्लेले मार्टरत् महुद्रशाना। রেবিনিউ ডিপার্টমেন্ট ১৮৪৭।৮ জুলাই। JOHN C. MARSHMAN, Bengalee Translator.

* "লাভনোকামান" -- ১৮১৪ মালের ২৮ आहेरनद > शहानुमाद्द साकक्षमात बत्ठात ब्रान्त रवाबदीन कविद्यातीत द्यारन श्रीख ... छोडा ०००

[Government Gazette, 27th July, 1847.]

CIRCULAR ORDERS OF THE SUDDER BOARD OF REVENUE.

No. 9 A.

From the Secretary to the Sudder Board of Revenue, to the Commissioner of Revenue for the Division of ----

The Sudder Board of Revenue, having had under their consideration the important subject of the proper treatment of Law suits in the Country Courts connected with the Land Revenue Department, have directed me to issue the following Rules for your future observance. You will perceive that they have mostly been in force hitherto, and are now only brought together, and rendered more complete in some respects.

2d. Whenever you receive notice of an action against Government in any Zillah Court, if you should be of opinion that it would not be proper or advisable to defend it, you will submit the Plaint and papers of the case, together with a circumstantial report, giving your opinion thereon, to the Superintendent and Remembrancer of Legal Affairs. If on the other hand, you should be of opinion that the action admits of being, and ought to be, defended, you will, in addition, submit a draft of the Pleading you would file, as well as an abstract, in English, of the Plaint, and your proposed reply in parallel columns.

3d. In like manner, whenever you desire to institute an action on behalf of Government in any Zillah Court, you will submit, to the same Officer, the papers of the case, with a circumstantial report giving the grounds of your opinion, and a draft of your proposed Pleading.

4th. Whenever a suit, Regular or Miscellaneous, is decided against Government in a Zillah Court, which is open to an appeal to the Zillah Judge, you will, without loss of time, report on the merits of the decision to the Legal Remembrancer, stating whether in your opinion, an appeal should be preferred or not, and submitting a copy of the decree, or, if a Miscellaneous case, of the order.

5th. Whenever an appeal is instituted to the Zillah Judge against a decision passed by a lower tribunal in favor of Government, and the Government, as respondent, is summoned by the Court to answer the appeal, you will immediately report on the appeal to the Legal Remembrancer, submitting a copy of the Court's proceeding and a copy of your proposed reply.

6th. Whenever a decision, passed by a lower tribunal in favor of Government, is reversed in appeal by the Zillah Judge or the Principal Sudder Ameen to whom the appeal may have been referred, you will immediately report to the Legal Re- । বিপোর্ট- মোক্ষমার সুপরিক্তেওক সাহেত্বের নিক্টে

সদর বোর্ড রেবিনিউর সরকালর অর্ডর।

অমৃক এলাকার রাজবের প্রায়ত কমিদানর সাহেবের প্রতি সদর বোর্ড রেবিনিউর প্রায়ত সেক্রেটারী সাহে-

ভুমির রাজয়ের সিরিশভাসম্পর্কীর যে মোকন্দমা লে-শীয় আদালতেশ্রপস্থিত হয় তাহার উপযুক্তমতে নির্কাহ-করণের অভিগ্রন্থতর বিষয় সদর বোর্ড রেবিনিউর পাছে-বেরদের বিবেচনার অধীন হওয়াতে ভাঁহারদের আদেশ-ক্রমে পশ্চাৎ লিখিত বিধি তোমার উত্তর কালে কার্যা সাধনের জন্যে পাঠাইডেছি। ভোমার দৃষ্ট হইবেক যে এই বিধির অধিকাৎশ পূর্বাবিধি চলন আছে এফনে क्टल मर्गुर करा शाल खदर कामर दिवस श्रक्षा-পেका অধিক मण्लूर्व रहेल।

২। কোন জিলা আদালতে সরকারের বিফল্পে না-লিশ উপস্থিত হওনের এবেলা ভোমার নিকটে প্রছিলে যদ্যপি ভোমার এমত বোধ হয় যে ডাহার জওয়াত দেওয়া উপযুক্ত অথবা প্রামশ্সিদ্ধ নহে তবে তমি मिडे शाकसभात मालिमी आहसी अवर मकल कानस्रभंड এবং তরিষয়ে আপনার অভিপ্রায় এক বেওরাযুক্ত রি-পোর্টে লিখিরা মোকদমার সুপরিকেন্ডেক ও রিমেমাুক্সর সাহেবের নিকটে পাঠাইবা। পক্ষাস্তরে যদাপি তোমার এমত বোধ হয় যে ঐ নালিশের জওয়াত দেওয়া যাইতে পারে এবং ভাহার জওয়াব দেওয়া উচিত তবে উক্ত কাগলপত্তের অতিরিক্ত যে সওয়াল লওয়ায দাখিল করিতে চাহ ভাহার এক মুসাবিদা এবং নালিশী আর্জীর ইঙ্গরেজী ভাষায় লিখিত এক স্থলাৎশ এবং ভাহার পাশাপাশি ভোমার প্রস্তাবিভ উछत् निथिय।

 । এবং দেইরুপে যথন জিলার কোন আদালতে সরকারের পক্ষে তুমি কোন নালিশ উপস্থিত করিতে ইচ্ছা কর তথ্ম তমি উক্ত সুপরিন্টেণ্ডেন্ট সাহেবের নিকটে ঐ মোক্দমার কাগজপত এবং তোমার মতের হেত এক বেওরাযুক্ত রিপোর্টে লিখিরা তাহা এবং ভোয়ার প্রস্তা-विভ नालिभी आहमोह এक ममादिमा शाहीहरा।

৪। যথান কোন জাবেতায়ত অথবা মুৎফুরুক্তা মো-কদ্মা, কোন জিলার মধ্যস্থিত আদালতে সরকারের হি-ক্রছে ডিক্রী ধর এবং জিলার জন্ত সাহেবের নিকটে ভাহার আপীল হইতে পারে তথন তুমি অগৌণে ঐ নিঞ্চির लावधानत तिर्लाई साकममात मूलिहिल्हेखके ध हि-মেয়ালার সাহেবের নিকটে পাঠাইবা এবং ভাহাতে লিখিবা যে ভোমার মতে ভাহার উপর আপীলকরা উচিত कि ना धर थे, तिस्मार्टित मरम से फिक्नीत धक নকল অথবা মৃৎকর্কনা মোকদ্যমা হইলে ঐ ভ্কৃমের এক নকল পাঠাইবা।

e । যথান কোন অধস্থ আদালতে সর্কারের পলে নিম্পাত্তি হয় এবং ভাহার উপর আপীল জিলার 🕬 मार्ट्स्टर निकारे देश अर्थ से खालीरन संस्थात संस्थ-नार्थ शवर्वायर हेत्र द्रिक्शार छेत्रक्रश से जानामा छ जनव হয় তথ্ন ত্যি ঐ আপীলের বিষয়ি এক রিপোর্ট এবং আদালতের সুবকারীর এক নকল এবং ভোমার প্রস্তাবিত उद्यद्भ এक नकल जालील शाकनमात्र मुश्रविक्ति। उक ও রিমেয়ালার সাহেতের নিকটে পাঠাইবা।

ও। ধর্থন অধন্থ আদালতে গবর্ণমেন্টের পক্ষে হওয়া कान जिल्लीत जेलत श्रधान महत्र आधीरनत् अवरा जिलाइ जब मार्क्टरूर निकटि जाशील दश अवर से जिली তাঁহারদের হারা অন্যথা করা যায় তথ্ন তুমি তথ্লনাং ओ अनाथा कत्रावत छक्रमत स्नावशावत रियातत अक

mbrancer on the merits of the reversal, submitting a copy of the decree passed in appeal.

7th. In all the foregoing categories, if the Legal Remembrancer should concur in the opinion expressed by yourself, the course in which you both agree may at once be followed, without the necessity of any previous reference to or communication with the Board. If, on the other hand, the Legal Remembrancer should see reason to differ from your view of the case and of the course proper to be pursued, he will report on the case for the orders of the Board; provided always, that every case shall be reported to the Board by the Legal Remembrancer, in which, in consequence of the reversal by the Zillah Judge of the decision passed by a lower tribunal in favor of Government, it may be considered advisable to proceed in the Sudder Dewanny Adawlut.

Sth. In like manner, during the progress of a suit, or an appeal, in any of the Zillah Courts, you will advise with the Legal Remembrancer in regard to all interlocutory orders which may be passed, or any petitions which it may be deemed advisable to file, or to answer, and be guided by his instructions on such occasions, as well as in the conduct of the suit, or appeal generally.

が成分の世 数 は まかつかる

9th. It may sometimes be necessary, in cases decided by an Uncovenanted Judge, that you should lodge an appeal in the Judge's Court at once, without waiting for a reply to your reference to the Remembrancer, only thirty days being allowed for appealing to the Zillah Judge against the decision of a lower tribunal, but on such occasions the appeal can be withdrawn if, in reply to your reference, it should be ruled that an appeal ought not to be preferred.

against Government in the Court of the Zillah Judge, or in that of the Principal Sudder Ameen, if the appeal from his decision lies to the Sudder Dewanny Adawlut, you will immediately report on the merits of the decision, and submit a copy of the decree, and the draft of a petition of appeal, if you should be of opinion that an appeal ought to be preferred to the Legal Remembrancer who will take the orders of the Board as to whether an appeal shall or shall not be instituted.

11th. In like manner, whenever the Board may receive notice of an appeal in the Sudder Dewanny Adawlat against an original decision passed in favor of Government in the Court of the Zillah Judge or Principal Sudder Ameen, you will be required by the Legal Remembrancer to report on the merits of the decision, and to submit a copy of the decree and the draft of a reply to that officer, who will take the orders of the Board as to whe, ther the appeal shall be defended or not—and all suits and proceedings in the Sudder Dewanny Adawlat will be conducted by the Legal Remembrancer under the direction and contrapt of the Board.

পাঠাইবা এবং ঐ আপীলমুখে যে ডিক্রী হয় তাহার এক নকলপ্ত পাঠাইবা i

৭। উপরের উক্ত কমল গতিকে যদি মোকলমার মূপ-রিভেডেন্ট সাহের ভোমার মতে একা হন ভবে কার্য্যের যে রীতির বিষয়ে তোমরা উভয়ে সমত হইরাছ তদনুসারে একেবারে কার্য্য আরম্ভ করিতে পার এবং কার্য্য করণের পুর্বে বোর্ডের লাছেবেরদের নিকটে দেই বিষয় অর্পণ क्रद्राव्य अथेदा जे मार्ट्स्ट्रिस्स महम क्लाम निवासनेहरू কর্ণের আবশাক হইবেক না। কিন্তু পক্ষান্তরে হদি দেই মোক্ষমায় এবং ভাহাতে যাহা কর্ত্তা সেই বিষয়ে মোকদ্মার সুপরিভেত্তের দাহেব ভোমার বিবেচনাতে সমাত না হওনের কোন কারণ দেখেন তবে তিনি সেই মোকদমার বোর্ডের সাহেবেরদের ছকুম পাইবার নিমিত্তে তথার রিপোর্ট করিবেন। কিন্তু কোমার ইয়া বিশেষ লান। কর্ত্বর যে যে প্রত্যেক গতিকে অধীন আদালতের সরকারের পক্ষে করা নিষ্পত্তি জিলার জজ দাহেবের স্বারা অন্যথা হওয়াপ্রযুক্ত সেই বিষয় সদর দেওয়ানী আদা-লতে উপস্থিত করা উপযুক্ত বোধ হয় এমত প্রত্যেক গতিকে মোকলমার সুপরিভেতিওটে সাহের বোর্ডেরি-পোর্ট করিবেন।

৮। দেইরপে জিলার কোন আদালতে কোন মোন কলমা বা কোন আপীলের নির্মাহ হওনের সময়ে যে দকল ছকুম দেওরা যার অথবা যে কোন দর্থান্ত দা-থিল করিতে বা যে কোন দর্থান্তের জওয়াব দিতে উপ-যুক্ত বোধ হয় দেই দকল বিষয়ে মোকদমার মুপরিটে-ওেট সাহেবের দক্ষে তুমি পরামর্শ করিবা এবং দেইং বিষয়ে এবং সামানতঃ মোকদমা কি আপীল চালাও-নের বিষয়ে ভাঁহার উপদেশানুসারে কার্য্য করিবা।

১। কোনং গতিকে অচিহ্নত বিচারকের বারা মোকদমার নিম্পন্তি হইলে মোকদমার সুপরিক্টেণ্ডেন্ট সাহেবের নিকটে তুমি যাহা জিল্ঞাসা করিয়াছ ভাহার উত্তরের অপেক্ষা না করিয়া একেবারে আপীল দাখিল করণের আবশাক হইতে পারে যেহেতুক অধস্থ আদালতের নিম্পন্তির উপর জিলার জল্প নাহেবের নিকটে আপীল করণার্থ কেবল বিশ দিন মিয়াদ নির্দিষ্ট আছে কিন্তু এইং গতিকে ভোমার জিল্ঞাসার উত্তরে যদি আপীল না করণের আদেশ হয় ভবে দেই আপীল উঠান ঘাইতে পারে।

১০। কোন আসল মোকদ্দমা জিলার জঞ্জ সাহেবের অথবা প্রধান সদর আমীনের আদালতে সরকারের বিহুদ্ধে ডিক্রী হইলে যদি ঐ নিশ্পন্তির উপর্
আপীল সদর দেওয়ানী আদালতে করিতে হয় এবং
যদাপি ডোমার বোধে সেইরপ আপীলকরা উপযুক্ত
তবে তুমি আগৌলে ঐ নিশ্পন্তির দোষওণ এবং ডিক্রীর
নকল এবং আপীলী আরজীর এক মুসাবিদা মোকদ্দ
মার সুপরিন্টেণ্ডেন্ট সাহেবের নিকটে পাঠাইবা এবং
আপীল উপন্থিত করণ কি না করণের বিষয়ে তিনি বোতেঁর সাহেবেরদের হুকুম চাহিবেন।

321 मिहेक्स श्रिश्च वार्डित माहरत्त्रम् किरिं विहेश माम श्रीहर्ष विवाद क्ष माहरत्त्र क्षथेवा अधान ममृत व्याधीत्त्र व्यामानाउ महकारत्व श्राक्ष हर्धना काम विकीद उभद्र ममृत स्वाधी व्यामानाउ व्याप्त श्रीहर्ष विकीद विश्व ममृत स्वाभी व्यामानाउ व्याप्त व्याप्त हिन्दि विकास विकास क्ष्या माहर विकास विकास विवाद विवाद विवाद विकास वि

12th. These rules imply of course previous communication between yourself and the Collector, with whom the immediate conduct of suits in the Zillah Courts, subject to your supervision and controul, lies and you will be pleased to issue such instructions to the several Collectors subordinate to you, as may be necessary to enable you to act up to the present rules, giving them specially to understand that all drafts of Plaints, Pleadings, and Petitions are to be prepared by the Government Pleader from materials furnished by the Collector, the latter being responsible for the facts, and the former for the law and style. But the Collector, of course, will always be at liberty to submit also a draft of his own, if he should disapprove of the one furnished by the Pleader.

13th. A copy of this Circular will be forwarded to the Legal Remembrancer for his information and guidance.

(Signed) G. PLOWDEN, Secretary.

Sudder Board of Revenue, Fort William, the 29th May, 1847.

CIRCULAR ORDER OF THE SUD-DER DEWANNY AND NIZAMUT ADAWLUT.

No. 19.

To the Civil and Criminal Authorities in the Lower Provinces.

The Court anticipating that prosecutions for forgery brought to light in the course of Civil Judicial proceedings, may become more frequent, as the expediency of using every lawful means for the suppression of that offence becomes more obvious, think it useful to notify, that the provisions of Section 4, Regulation III. of 1804, have been held by both Courts of Nizamut Adawlut, to be capable of enforcement by the Civil Judges against any party who may abscond, being at the time under a charge of forgery, brought to light in the course of Civil Judicial proceedings. It will be the duty of the Civil Judge, in such cases, to call upon the Magistrate of the district to perform the acts described in Section 4, Regulation III. of 1804, and the corresponding Section of Regulation XX. of 1817, with a view to the apprehension of the absconding party, and it will be incumbent on the Magistrate to obey such requisitions, and to proceed as he would do, were the absconding party in question charged with a Criminal offence, primarily cognizable in his Court. The principle, set forth in the 3rd Para. of Construction No. 648, is declared applicable to attachment of property directed to be made under the sanction of the law above cited, and these instructions.

W. KIRRPATRICK, Deputy Register.
Fort William, the 17th May, 1847.

[नर्व्यके लाक्ति। ३४८१। २१ कुनाहै।]

১২। এই বিধির ছারা সুতরাৎ এই কোধ হইতেছে 🕸 ভোমার ও কালেকটর সাহেবের মধ্যে মোকক্ষমা হওনেত পুরে লিখনপটন হইবেক যেহেত্র জিলা আদালতে সকল যোকসমার নির্বাহ করণের ভার কালেকটর সাহেরেত প্রতি আছে। কিন্তু ভাষা তোমার দৃষ্টি ও কর্তৃত্বের অধীন অভএর এই বিধির অনুসারে ভোষার কার্য্য করিতে পারিবার নিমিত্ত ভোষার অধীন নানা কালেকটর সা-হেবকে যে২ উপন্দেশ দেওয়া আবশ্যক বোধ হয় ভাছা ভাঁহারদিগকে দিয়া এবং ভাঁহারদিগকে বিশেষরূপে ছা-नाइंदा रा मकल नालिनी चात्रकीत ए मछहाल अध्याद्य ও দর্থান্তের মুসাবিদা কালেক্টর সাহেবের দেওয়া উপ দেশান্সারে স্রকারের উকীল প্রস্তুত করিবেন তথাগ্যে বৃতাত্তের বিষয়ে কালেক্টর সাহের দায়ী কিন্তু আইন ও कथात विमातमत विश्वता से डेकील माग्री। शहल मुख्ता कालक्षेत्र मारश्यः यमि खेकीलात् श्रव्यक कता মুসাবিদাতে সমতে না হন তবে আপনার লিখিত এক মুসাবিদা দাঝিল করিতে পারেন।

১৩। এই সর্কুলের অর্ডরের এক নকল মোকদমার সুপরিকেতেও ও রিমেয়ুশের সাহেরের উপদেশ ও বি-জাপনের নিমিত্তে পাঠান ঘাইবেক।

खि स्नोडन। स्मद्धिनेती।

নদর বোর্ড রেবিনিউ। « ফোর্ট উলিরম। ১৮৪৭। ২৯ মে।

JOHN C. MARSHMAN, Bengalee Translator.

সদর দেওরানী ও নিজামৎ আদালতের দর-কুলর অর্ডর।

১৯ নমুর ৷

বাঙ্গলাপ্রভৃতি দেশের শ্রীযুত দেওয়ানী ও ফৌজদারীর কার্য্যকারক বরাব্রেষ্

সদর আদালতের সাহেবেরা বোধ করেন যে ভাল कर्ण माघ निराद्ध करियात स्था गर्स श्रकात स्थाइ উপার করা উচিত এই বিষয় যেমন সকলের অধিক বোধ হয় তেমন দেওয়ানী মোকদ্মার নির্বাহ হওন সময়ে ধর। পড়া সেই দোষের বিষয়ে নালিশ ক্রমেং বাড়িবেক অতএব ভাঁহারা ইহা জানাইডে উচিড বোধ করেন বে বাজলাপ্রভৃত্তি দেশের এবং উত্তর পশ্চিম দেশের নিজামং আদালতের সাহেবেরা নির্দ্ধারণ করিয়াছেন যে দেওয়ানী মোকদমার নির্কাহ হওন সময়ে জাল কর্ণ দোষ ধরা পড়িলে যে ব্যক্তির প্রতি অভিযোগ হয় সে ব্যক্তি বনি নালিশগ্রন্ত হইয়া পলায়ন করে তবে দেওয়ানীর জন্ম মা-হেব ১৮০৪ দালের ৩ আইনের ৪ধারামতে কার্যা করিতে পারেন। এমত গতিকে দেওয়ানীর জল সাহেতের কর্ত্তর ষে ঐ রপোশহওয়া ব্যক্তিকে গ্রেম্বার করিবার জন্যে ঐ क्षिनात शाकिरकेष मारहराक ১৮०८ मारनत ७ आहरमत 8 थाता ७ ১৮১१ माल्यु २० आहेत्मत् कननुशति धाहात निक्षिणे कार्या कतिए छकुम करतन अत्र क्षेष्ट छकुममण्ड मामिट्यु हे मारहरत्त् काश्चा कविर्द्ध इटेरक अव क्लोनना वी त्य त्नाय প्रथमतः वे माजित्कृते माह्यत्व जानामण्ड বিচার্য্য হয় সেই দোষে অভিযুক্ত ব্যক্তি রূপোশ হইজে যে প্রকার করিতেন মাজিক্টেট লাহের দেই প্রকার কায়ি कतिरवन। আরো ছকুম হইল যে উক্ত আইনানুসারে নম্পত্তি ক্লোক করিবার বিষয়ে যে হাকুম আছে ভাছার প্রতি এবং এই বিধানের প্রতি ৬৪৮ নমুরী আইনের দর্থের ও দফার মূল নিয়ম খাটে।

ভবলিউ কর্কপাত্রিক। ডেপুটা রেজিইর। ফোর্ট উলিয়ম ১৮৪৭। ১৭ মে।

JOHN C. MARSHMAN, Bengales Translator,

NOTIFICATIONS

ORDERS BY THE SUDDER DEWANNY ADAWLUT.

The 16th July, 1847. APPOINTMENT.

Baboo Doorgapersad Bose to be Acting Moonsiff of Sooksagur, Nuddea, until further orders.

LEAVE OF ABSENCE.

Baboo Kassissur Mitter, Moonsiff of Sooksagur, Zillah Nuddea, for one month from the 23d instant, in extension of that granted on the 24th ul-

B. J. COLVIN, Register.

রাজকমে নিয়োগ।

० ००० मध्त। বাঞ্চলা দেশের আযুত অন্তবিল ডেপ্টা গবর্নর সাহেবের হুকুম। निरवांग।

১৮৪৭ माल ১৪ खुलाई।

ঢাভার মাজিটেট ও কালেকটর সাহেবের আসিফান্ট প্রিয়ত আর জে বিচার্ডদন সাতের (Mr. R. J. Richardson,) बे क्रिनारड कारे के बाकि खेरिहें ड रड पूर्ण कारनक-টরের ক্ষমতাপ্রাপ্ত হইয়াছেন।

আযুত সি টি ইমলে সাহেব (Mr. C. T. Imlay,) মৌল-মেনের সব-আসিফার্ট চিকিৎসক হইবেম।

সর-আসিটানী চিকিৎসক ত্রীযুত বাবু হরনাথ মিত্র राक्रशरৠ व्यदेवजनिक शामिश्रील ও ঔषधालस्त्र অধ্যক্ষত। ক্ষে নিযুক্ত হইয়াছেন।

জিলা চিকিশপর্গনার জরিপী কর্মে নিযুক্ত ডেপুটা কালেক্টর এবুত বাবু তারাচাদ ঘোষ বিতায় এেণী जुक रहेशांद्रका।

১৮৪৭ সাল ১৯ জুলাই।

প্রীপৃত টেট সাহেবের (Mr. Tait,) পরিবর্ধে প্রীপৃত ডি कि मर्छन माद्य (Mr. D. T. Morton,) त्योलदम्दन व সিবিল আসিফাট চিতিৎসক হইবেন।

. मत-व्यामिकोले छिकि भक श्रीयुक वाव रेतमानाथ वक्त ठाष्ट्रिगीस्य भवर्गप्रस्कृत खेशशानस्त्र ज्ञाशका वस्य নিযুক্ত হ'ইয়াছেন ।

छूंगे।

১৮৪৭ मान ১৯ जुनारे। যশোহরের সিবিল আসিফাট চিকিৎসক এবৃত ভাক্তর ভবলিউ এচ বি इस सार्ट्य (Dr. W. H. B. Ross,) क्रोक फिल्बर खुणे शाहेशास्त्र ।

वारनश्रद्धत मन्द्र आयोन, उ युन्टमक श्रद्ध ध्योनदी মহমাদ ফারুক খাঁ গড় যে মাদের ২৬ ডারিখে যে ছুটা পান্ তদতিরিক চারি দিনের ছুটা পাইয়াছেন।

३৮४१ माल २३ खुलाई।

পুলোপিনাক ও সিংহপুর ও মলাকার শ্রীযুত গবর্-नर माध्य भनाकात ठिकिश्मक थीयुक रस अ दाएँम मा-হেবকে (Mr. J. A. Ratton,) মে ছুটা দেন ভাছা বাজলা দেশের আযুত অমর্থিল ডেপুটী গবর্নর সাহেব ১৮৪৭ শালের ৩১ মার্চ ও ৯ জুন ভারিথে মখুর করেন্ তাতার অবশিষ্ট কাল গত আপ্রিল মাদের ২৮ তারিখাঅবধি রহিত হইল সেই তারিখে জীবৃত রাটন সাহেব আপন ক্ষের ভার পুনর্গ্রহণ করেন।

বিজ্ঞাপন ৷

১৮৪৭ মাল ১০ জুলাই।

শীৰত ই সি জাউর সাহেব ও জীযুত এচ রোস সাহেব (Messrs. E. C. Craster, and H. Rose,) প্রায়ুত অন-इतिन कार्ड खाक रिएट्स्क्डेम माट्ट्ट्स्ट्रिस बाहा राक्ला ज्ञार्गत् मितिलमण्यकीय मितिलाजास सियुक्त रहेसा। বিজ্ঞাপন।

मन्त (म उरानी आमान एउत् एक्स। ১৮৪৭ माल ১৬ জुलाई। बिद्यांश ।

वियुक्त वांदू मुजी श्रमाम वमु व्याग क्यूम ना इंडनश्री ह নদীয়াতে সুখ্যাগরের এক্টি৭ মূন্সেফ হইবেন। कृति।

জিলা নদীয়ার সুখসাগরের মুনসেফ প্রীযুত বাসু কাশীখর মিত্রকে গত মাদের ২৪ তারিখে যে ছটি সে-ওয়া যার তদভিরিক বর্তমান মাসের ২৩ ভারিপআর্থি এক মাসের ছুটী দেওয়া গেল।

वि एक कलविन। दिक्कित।

বর্তমান মাদের ৬ তারিখে পঁছছিয়াছেন এমত বিপোর্ট

১৮৪৭ मान २३ जुनाई ।

মুরশিদাবাদের দিবিল ও দেশন জল প্রীযুক্ত এচ পি त्रामन मार्ट्य (Mr. H. P. Russell,) वर्डमान मारमव ১৪ তারিখে আপন কর্মের ভার পুনর্গ্রহণ করেন।

বাললা দেশের এমুত অনরবিল ডেপুটা সংগ্রনর সাহেবের হুরুমক্রমে।

এফ জে হালিডে। বাঙ্গলা দেশের গরণ্যেটের মেক্রেটারী।

১৫৭৬ নমুর।

到1960年期

বাঙ্গলা দেশের এযুত অনরবিল ডেপুটা গবর্নর সাহেবের হুকুম।

नियां ।

১৮৪৭ माल ১৯ खुलाई।

প্ৰীয়ত ডি বিচাৰ্ডিশন সাহেব (Mr. D. Richardson,) किला छशनीरक ১৮৪० माल्न ১৫ আইबानुमारत राष्ट्री भाजिए ए इंटर्स्स।

১৮৪৭ मान २० जुनाई।

व्येषु ठारू नरीनठन मुथ्या जिला मूर्शिमादारम ১৮৪৩ माल्य ১৫ आहेगानुमात् उल्लूषे शासिट्युषे

১৮৪१ मोल १३ खुलाहै।

श्रिपुछ जि जि दोलटकांत् माट्टर (Mr. G. G. Balfour,) ও জীবৃত ভবলিউ টি টকর সাহেব (Mr. W. T. Tucker,) গয়াতে বিদ্যাধ্যাপনের কমিটির মেমূর হইবেন।

वीयुङ त्योलती इकतामूल इक शन्त्रिम वर्षभारमत कड-ওয়াদায়ক হইবেন।

कृषी।

১৮৪१ माल २० खुलाहै।

গোবিলপুরের ডেপুটা মাজিফুট প্রীযুত বি উড মা-হেব (Mr. B. Wood,) গত মাসের ৩০ তারিখে যে ছুটা পান ডদতিরিক্ত পাঁচ দিনের ছটা পাইয়াছেন।

১৮৪৭ माल २३ खुलाहे।

কলিকাতার ডেপুটা কালেক্টর এযুত ডি ডবলিউ ফেলুর সাত্তব (Mr. D. W. Fraser,) চিকিৎসকের দটিফিকটক্রমে চারি মাদের ছুটী পাইয়াছেন।

বিজ্ঞাপন।

১৮৪৭ मान ১৯ जुलाई।

প্রীবৃত জে এম দেশকি মাহের (Mr. J. S. Spankie,) প্রীয়ত অনুরবিল কোর্ট অফ ডেরেক্টর্স সাহেবেরনের দারা বাললা দেশের সিবিলসম্পরীয় সিরিশ্ভার নিযুক্ত হট্রা ব্রমান মাদের ১৫ তারিখে প্তছিরাছেন এমত রিপোর্ট করেন।

> ३४४७ मध्य । নিয়োগ।

३৮৪৭ माल २८ खुलाई। প্রীয়ত পাদরি এফ ভবলিউ বক্স সাহের (Reverend

[Government Gazette, 27th July, 1847.]

F. W. Vaux,) মুঙ্গেরে ও ভাগলপুরে ধর্মোপদেশক

প্রীযুত পাদরি জে এচ এ রড সাহেব (Reverend J. H. A. Rudd,) চুঁচড়ার পর্মোপদেশক হউবেন।

প্রীযুত পাদরি টি উড সাহের (Reverend T. Wood,) কিঞ্জিৎ কালপর্যান্ত কলিকান্তা নগরের সেন্ট জেমসনামক ভজনালয়ের একটিৎ ধর্মোপদেশক হইবেন

আহত পাদরি জে বেল সাহেব (Reverend d. Bell,) হারড়ার ধর্মোপদেশক হইবেন।

প্রীযুক্ত পাদরি এচ এস ফিশর সাহের (Reverend II. S. Fisher,) ও প্রায়ুত পাদরি টি উড় সাহেব (Rev. T. Wood,) আগামি অক্টোবর মাদের ৮ তারিখঅবধি অথবা দেওঁ পালনামক প্রধান গ্রিজাঘরের প্রতিষ্ঠা হওনের তারিথঅবধি তথাকার ধর্মোপদেশক হই-द्वम ।

বাঞ্লা দেশের প্রীযুত অনরবিল ডেপুটা গবর্নর না-হেবের হুকুমক্রমে। धक रक्ष शामिए। वाक्षण। प्राप्त शदर्वायत्वेत रमाक्षणेति।

INSOLVENT COURT.

যোত্রহানেরদের আদালত।

IN THE COURT FOR THE RELIEF OF INSOLVENT DEBTORS AT CALCUTTA

NOTICE is hereby given, that by an order of the said Court, bearing date the fifteenth day of the present month of July, the matters of the petition of DAVID PITCAIRN THOMS, lately of Doomtollah Street in the town of Calcutta, and who carried on business in the same place as a Merchant and Agent, in copartnership with one Edward Touche, under the style and firm of Thoms, Touche and Company, and late of Moocheeparrah Lahe, in Calcutta aforesaid, and now a prisoner confined for debt in the Common Gaol of Calcutta, seeking the benefit of the Act of the ninth year of the Reign of his late Majesty George the Fourth, entitled "an Act to provide for the Relief of Insolvent Debtors in the East India," are appointed to be heard in the said Court, on Saturday, the fourth day of September next, at the hour of eleven o'clock in the forenoon.

The names of the creditors of the said DAVID PITCAIRN THOMS appear in a Schedule filed by him in the Office of the Chief Clerk of the said Court, to which any creditor may refer.

Calcutta, 20th July, 1847.

Shaw and Lyons, Attornies for the Insolvent.

শহর কলিকাতার অক্ষম ঋণিরদিগের পরিত্রাণার্থ আদালত।

हे म्म हैं में काम्मानित नाम अवार्ड हैं में मार्टरत मक्ष कलिकाना नगरत मसमागरी से अरक्षकी कर्मकाति পূর্বে ঐ কলিকাতা নগরের মুটিপাড়া গলিনিবানি পরে ডোমতলার রাম্তানিবাদি ডেবিড পিটকের্ণ টম্স সাহেব কলিকাতা নগরের সাধারণ জেলখানায় ধণপ্রযুক্ত কয়েদ হইয়া ভারতবর্ষের যোত্রহীন গ্রণিরদের উপকারার্থ আইন-নামক মৃত চতুর্থ জর্জ রাজার নবম বৎদরের আইনের দারা উপকার প্রার্থনা করিতেছেন অতএব ইহার দারা সম্বাদ দেওরা ঘাইতেছে যে বর্তমান জুলাই মাদের ১৫ তারিখে উক্ত আদালতে ত্কুম হইল যে ওাঁহার দর্থান্তের মর্মা আগামি সেপ্টেম্বর মাদের ৪ তারিথ শনিবার বেলা এগার ঘন্টার সময়ে উক্ত আদালতে শুনা যায়।

উক্ত ডেবিড পিটকের্ণ টম্স সাহেবের মহাজনেরদের নাম তফসীলে লিখিত হইরা উক্ত আদালতের প্রধান ক্লার্ক সাহেতের দক্তর্থানার দাখিল হইরাছে মহাজনেরা তাহা দেখিতে পারেন্।

कनिकाठा ১৮৪৭।२० जुलाहै।

শা ও লারকা। যোত্রহীনের উকীল।

In the matter of GEORGE FRASER RAILEY, heretofore carrying on trade, and business in Waterloo Street in Calcutta, in copartnership with William Newson, late of Calcutta aforesaid, and now residing in Great Britain under the name, style and firm of W. Newson and Company, as Wine Merchants and Commission Agents, and since carrying on trade and business as a Wine Merchant and Commission Agent, in Waterloo Street aforesaid, on his own account under the said name, style and firm of W. Newson and Company, and now residing in the French Settlement of Chandernagore, in the Province of Bengal.

NOTICE is hereby given, that by an order of this Court, made on this nineteenth day of July instant, it was adjudged that the Petition of John Holmes, a creditor of the said GEORGE FRASER RAILEY, presented to the said Court, was true, and that the said George Fraser Railey had committed an Act of Insolvency, and by another order of the said Court, made in this matter, and bearing date the said 19th July instant, Robert O'Dowda, Esquire, was duly appointed Assignee of the estate and effects of the said George Fraser Railey.

W. D. H. Oebme, Solicitor for John Holmes, Petitioning Creditor and for Robert O'Dowda, Esq. Assignee of the said Estate. 19th July, 1847, 8, Old Post Office Street, Calcutta.

ভবলিউ নিউদন কোম্পানির নামে পূর্বে কলিকাতা নগরনিবাসি এক্ষণে গ্রেটব্রিটনদেশ নিবাসি উলিয়ম निष्ठमन मार्ट्यद मरण कलिकांडा नगरत्त्र अवाहेर्ल खिटि मतायश्वाला अ क्विमान अरक्षी कर्माकाती शरू जेक ভবলিউ নিউসন কোম্পানির নামে উক্ত ওয়াটর্লু ফ্রিটে আপনার তরফে সরাবওয়ালা ও কমিস্যন এজেনী কর্মা-कारी अक्तरण वाक्रणा स्मरणाइ उन्मननशहनामक कुल्लीरमहराम् इ अधीन नशहनिवामि सर्क रकुक्र रहिन नार्ट्यक

हैरात बादा मश्चाम म्बद्धा गाहेरलस् स दर्शमान सुमाहे मारमद ३३ जातिर्थ छेक जामानस्ड निक्षीत्र হইল যে উক্ত জর্জ ফুেজর রেলি সাহেবের মহাজন জান হোম্স সাহেব যে দর্থান্ত উক্ত আদালতে দাঝিল করেন ভাহা মত্য এবং উক্ত জর্জ ফুেজর রেলি সাহেব যোৱহীন বটেন এবং বর্তমান জুলাই মাসের ১৯ তারিখে উক্ত আদালতের অন্য তকুমক্রমে শ্রীযুত রাবর্ট ওড়ৌড়া সাহেব উক্ত ডর্জ ফেজর রেলি সাহেবের মাল ও সম্পত্তির আ रेमनि शाम नियुक्त इन।

১৮৪৭ **मान ১৯ जुलाहै। क**निकाछ।। পুরাতন ডাক্ছরের রাস্তার ৮ নং।

ডবলিউ ডি এচ ওমি। দর্থাত্তারি মহাজন জান হোম্স সাহেবের

এবং উক্ত ইফ্টেটের আদৈনি প্রীযুত রাবর্ট প্রডৌডা সাহেরের উকীল। [गदर्वामके दशरकारे । ३४८१। २५ ख्लारे ।]



গবৰ্ণমেণ্ট গোজেট

গ্রণ্মেটের আজ্ঞাক্রমে প্রকাশিত। :

CALCUTTA, TUESDAY, AUGUST 3, 1847.

কলিকাতা মঙ্গলবার ১৮৪৭ সাল ৩ আগফী।

DRAFTS OF ACTS.

FORT WILLIAM,
HOME DEPARTMENT,
LEGISLATIVE,

THE 10TH JULY, 1847.

The following extract from the proceedings of the Honourable the President of the Council of India in Council, in the Legislative branch of the Home Department, under date the 10th July, 1847, is published for general information:

Read a second time the Draft of a proposed Act, dated the 7th November, 1846, and published in the Bengales Government Gazette of the 8th December, 1846, for the Survey and Assessment of Lands in the Town of Calcutts, within the local limits of the jurisdiction of Her Majesty's Supreme Court of Judicature.

Resolution.—The Honourable the President in Council resolves, that the following amended Draft on the subject be published for general information.

ACT No. -- OF 1847.

An Act for the Survey of Lands in the Town of Culcutta, within the Local Limits of the Jurisdiction of Her Mojesty's Supreme Court of Julicature.

Whereas it is expedient that a correct Survey should be made of all lands in the Town of Calcutta within the local limits of Her Majesty's Supreme Court of Judicature:

It is therefore hereby enacted, that it shall be lawful for the Governor of Bengal to appoint an Officer to survey the lands situate within the said local limits, and such Officer shall proceed to survey tile same and to register the names of the owners and occupiers thereof as far as they can be ascertained, and such Officer shall, by public notification, invite

व्यादेश्वत मुनाविमा।

ফোর্ট উলিরম। দেশীর ডিপার্টমেন্ট। লেজিদলেটির।

हेक्द्राकी ১৮৪৭ माल ১० खुलाहै।

দেশীয় ডিপার্টমেটের লেজিসলেটির সিরিশ্ভায় দ্রা-রভবর্থের কৌন্দেলের শ্রীবৃত অনরবিল প্রদীডেন্ট সাহে-বের হজুর কৌন্দেলে ইন্সরেজী ১৮৪৭ সালের ১০ জুলাই তারিথের কার্য্যের নীচের লিখিত চুমুক সকল লোককে জানাইবার নিমিতে প্রকাশ হইডেছে।

১৮৪৬ সালের ৭ নবেম্বর তারিখের শ্রীশ্রমতী মহারা-গীর সুপ্রিম কোর্টের এলাকার বিশেষ সীমাসরহদ্ধের মধ্যে কলিকাতা শহরের ভূমির জরিপ ও কর ধার্যা করণের বিষরি প্রভাবিত আইনের যে মুলাবিদা ১৮৪৬ নালের ৮ ডিসেম্বর তারিখের বাঙ্গলা গবর্ণমেন্ট গোজেটে প্রকাশ হর তাহা বিতীয়বার পাঠ করা গেল।

निश्चात्व।

প্রীযুক্ত জানরবিল প্রানীডেন্ট সাহেব হলুর কৌন্দেলে নির্দ্ধারণ করিরাছেন যে সেই বিষয়ে নীচের লিখিত শ্বধর। মুসাবিদা সকল লোককে জানাইবার নিমিত্তে প্রকাশ হর।

हैक्ट्रकी ১৮৪৭ माल - आक्षे।

জ্ঞিমতী মহারাণীর সুপ্রিম কোর্টের এলাকার বিশেষ দীমানরহদ্দের মধ্যে কলিকাত। শহরের ভূমির জরিপ কর-ণেব আইন।

বেহেতুক জীজীয়তী মহারাণীর সুপ্রিম কোর্টের বিশেষ সীমাসরহদের মধ্যে কলিকাত। শহরের সকল ভূমির যথার্থ জরিপ করা উচিত বোধ হইয়াছে।

অতএব ইহাতে ত্কুম হইল বে উক্ত বিশেষ দীয়াদরহদ্যের মধ্যন্তিত ত্মি জবিপ করিবার নিমিত্তে বাজলা
দেশের জীযুত গবস্নর সাহেব একজন কর্মকারককে নিযুক্ত করিতে পারেন এবং ঐ কর্মকারক ঐ ভূমি জবিপ
করিবেন এবং ঘেপর্যান্ত জানা বাইতে পারে দেইপর্যান্ত ঐ" ভূমির মালিকেরদের ও দ্থীলকারেরদের নাম রেজিক্টরী করিবেন এবং ঐ কর্মকারক ঘোষণার দারা ঐ
বিশেষ দীমাসরহদ্যের মধ্যন্তি,ভূমি ও বাদীর মালিক ও

[Government Guzette, 3d August, 1817.]

all persons owning or occupying lands and tenements within the said local limits, to appear before him in person or by duly constituted attorney at whatever place within the said limits his Office may be held, and to bring with him all Pottahs, Ground Rent Bills, Bills of Sale, or other writings requisite for the ascertainment of the past and present boundaries of such lands.

II. And it is hereby enacted, that the said Officer shall for the purposes of this Act have full power and authority at all seasonable hours in the day time to enter or to direct his subordinate Officers to enter into and upon any land or tenement within the said local limits, and in and upon the land on which any house, building or other erection is built or building or intended to be built, and into and upon any buildings or any part thereof without being liable to any action at law or suit in equity, or any other legal proceedings or molesertion whatsoever, for or on account of such entry into, or of any thing done or to be done in any part thereof in pursuance of this Act. Provided, that such Officer or subordinate Officers shall not enter upon any lands or tenements which may be occupied at the time unless with the consent of the occupier thereof, without previously giving the said occupier reasonable notice of his or their intention to do so. Provided also, that if any action shall be commenced in the Supreme Court against any such Officer or subordinate Officer for any entry made or other thing done under the authority of, or in pursuance of this Act, it shall be lawful for him or them to plead the general issue and to give the special matter in evidence.

III. And it is hereby enacted, that if any person at any time shall obstruct of molest the said Officer, or any of his subordinate Officers, in the performance and execution of his or their duty, or any thing which they are required to do by or by virtue or in consequence of this Act, every such person so offending shall be guilty of a misdemeanour and shall on conviction before a Magistrate for the Town of Calcutta, forfeit and pay for every such offence any sum not exceeding 200 Rupees.

IV. And whereas such notification as is directed by Section 1 of this Act, may not in all cases be effectual, it is therefore hereby enacted, that it shall be lawful for the Surveying Officer to cause any person owning or occupying lands or tenements within the said local limits, or his Agents or representatives, to be served with a special notice under his official seal and signature, stating the purpose for which the attendance of such person is required, and any document essential for the purposes of this Act which such person is to bring with him and the period within which such person is to attend, and if such person cannot be found the notice shall be affixed to his usual place of residence if that be within the said local limits, or if

দথীলকার সকল ব্যক্তিকে উক্ত দীমার মধ্যে যে তোন ছানে তাঁহার দত্তরখানা স্থাপন হর দেই স্থানে তাঁহার দক্ষ্যথে রহং উপস্থিত হইতে কিয়া উপস্থিত হওনার্থ রীতি-মতে কোন মোপ্তারকে নিযুক্ত করিতে এবং উক্ত জমীর পূর্বকার ও বর্ত্তমান দীমানা নিশ্চর করণের জন্যে যে দকল পাট্টা ও ভূমির খাজানার বিল এবং বিক্ররপত্র কিয়া অন্য যে কোন দলীলের আবশাক হর ভাহা আ. পনারদের সঙ্গে খানিতে ত্লব করিবেন ইতি।

২ ধারা। এই ইহাতে তকুম হইল যে এই আই-নের অভিপ্রায়ের নিমিত্তে উক্ত কর্মাকারকের এই সম্পূর্ন শक्ति है क्रमण थाकित्वक स्य जैक वित्यक मोमामव्यस्मव মধাৰিত কোন ভুমি অথবা বাটীতে এবং যে ভূমিতে কোন ঘর বাবাটা কি অনা এমার্থ গাঁথা হইয়াছে বা গাঁথা ঘাইতেছে কি গাঁথিবার কম্পনা আছে ভাষার মধ্যে এবং কোন এমারতে কি এমারতের কোনভাগে দিবাভাগে সকল উপযুক্ত ঘঞীয় প্রবেশ করেন অথবা ভাঁছার ভাবেদার কর্মকারককে প্রবেশ করিবার ভক্ম দেন এবং দেইরপে প্রবেশ করণের জন্যে বা নিমিতে অথবা সেই স্থানের কোন ভাগে এই আইনানুসারে যে কোন কর্মা করেন বা করিতে উদাত হন্ ভাহার জনো আইনক্ষে এবং এক্টিক্সমে ভাঁহার নামে কোন নালিশ হইতে পাবে না অথবা তাঁহার প্রতিকূলে আইনসম্পর্কীয় অন্য কোন কাহ্য বা ব্যাঘাত হইতে পারিবেক না। কিন্তু জানা কর্ত্ব্য যে যদি ঐ ভূমি বা বাটাতে তৎসময়ে কোন ব্যক্তি থাকে ভবেদেই ব্যক্তির অনুমতি না পাইলে অথবা ভাঁহার বা ভাঁহারদের প্রবেশ করণের সান্দের डेशयङ अहिला डेक राक्तिक मा मिला ने कर्माकारक कि তাঁহার তাবেদার আমলারা ঐ ভুমি অথবা বাটীতে প্রদেশ করিতে পারিবেন না। আরো জানা কর্তব্য যে এই আইনের ক্ষমভাক্রমে কিয়া এই আইনের ভক্ষমতে কোন স্থানে প্রবেশ করণ কিয়া জন্য কোন কার্য্য করণপ্র-रङ डेक कान कर्मकातक किया अधीन कर्मकाहरकत নামে যদি সুপ্রিম কোর্টে নালিশ আরম্ভ হয় ভবে দেই কর্মকারক কিয়া ভাবেদার কর্মকারক ভাহার "জেমরল ইসা" নামক জওয়াব দিতে পারেন এবং বিশেষ বিষয়ের দাক্ষা দিতে পারেন ইতি।

ও ধারা। এবং ইহাতে প্রকুম হইল যে ঐ কর্মাকারক অথবা ওাঁহার ভাবেদার কোন আমলারদের কর্ত্বর কার্যা করণের সময়ে অথবা এই আইনক্রমে অথবা গ্রাহার শক্তিক্রমে কি এই আইনপ্রযুক্ত ওাঁহারদের যে কোন কার্যা করিছে হয় ভাহা করণ এবং নির্মাহকরণ সময়ে যদি কোন বাক্তি উক্ত কর্মাকারককে অথবা ভাহার ভাবেদার আমলারদিগকে অবরোধ করে কি উত্তাক্ত করে হাসে দেই ব্যক্তি অপরাধী জান হইবেক এবং ভাহার দোহ শহর কলিকাভার কোন, মাজিস্ট্রেট সাহেবের সম্মুখে সাবান্ত হইলে প্রভাক অপরাধের নিমিতে দেই ব্যক্তি ২০০১ টাকার অধিক না হয় এম্ভ জ্বীমানা দিবেক ইতি।

৪ ধারা। এবং যেহেতুক এমত হইতে পারে যে এই আইনের ১ ধারার নিক্পিত এরেলা প্রত্যেক গতিকে সফল হন না অতএব ইহাতে তকুম হইল মেজরিপক্রণিরা কর্মকারক উক্ত বিশেষ সীমার মধ্যন্তিত ভূমি বা বাটার মালিক কি দক্ষীলকার ব্যক্তিকে কিয়া তাহার মোপ্তার কি প্রতিনিধিকে আপনার পদোপলক্ষে মোহর ও দত্তপহসূক্ত এক বিশেষ এরেলা দিতে পারেন্ এবং যে নিমিত্তে ঐ ব্যক্তির হাজির হওনের আইশ্যুক্ত আছি তাহা এবং এই আইনের কার্য্য সিদ্ধ হওনের জন্যে যে ক্যান দলীল ঐ ব্যক্তির আপনার মঙ্গে আনিতে প্রয়োজন হইবেক তাহা এবং যে মিয়াদের মধ্যে ভাহার হাজির হাইতে হইবেক তাহা এবং যে মিয়াদের মধ্যে ভাহার হাজির হাইতে হইবেক তাহা এবং যদি সেই ব্যক্তিকে না পাওয়া মান্ত তবে ভাষার সামান্য বাসন্থান উক্ত বিশেষ সীমান্ত মধ্যে থাকিলে সেই বাসন্থানে ভাহা লট্ডান যাইবেক কিয়া

not then on the premises to be surveyed. Provided always, that no person shall be required to produce any title deed which such person may object

V. And it is hereby enacted, that for any investigation connected with the purposes of this Act it shall be lawful for the Surveying Officer by writing under his hand to summon any person whatsoever to attend as a witness at a time and place to be specified in such Summons, and that every witness so duly summoned to attend as aforesaid, who shall not attend, or who attending shall refuse to give evidence on bath or solemn affirmation or declaration, or to answer all such questions as the Surveying Officer may logally demand, shall be liable to be attached in the Supreme Court, upon complaint made in like manner as if such witness had neglected to attend on any trial in such Supreme Court.

VI And it is hereby enacted, that any witness examined before such Surveying Officer shall be examined upon oath, which such Surveying Officer is hereby authorized to administer. Provided always, that in all cases wherein a solemn declaration or affirmation would be allowed in Her Majesty's Courts of Judicature to be substituted for an oath, the said Surveying Officer shall substitute such solemn declaration or affirmation for an oath.

VII. And it is hereby enacted, that any witness wilfully and knowingly giving false testimony on oath or solemn declaration or affirmation before such Surveying Officer, shall be deemed guilty of wilful and corrupt perjury.

Ordered, that the Draft be re-considered at the first Meeting of the Legislative Council of India after the 10th day of September next.

> G. A. BUSHBY, Secy. to the Govt. of India.

CIRCULAR ORDERS OF THE AC-COUNTANT GENERAL.

No. 728.

To the Post Masters of the Lower Provinces.

1st. It being necessary that credit for Steam and British Packet Postage realized at the several Bengal Post Offices, on letters received and sent via Madras per the Peninsular end Oriental Company's Steamers, should be afforded to that Presidency, I have the honour to request that you will, on receipt of this Circular, open in your monthly Cash Accounts, commencing from July, 1847, a new head to be styled " Fort Saint George Presidency," to which you will be pleased to credit all receipts of Postage of the above two descriptions separately. In bringing these sums to credit you will bear in mind the instructions conveyed in the যদি তাহার বাসভান সেই সীমার মধ্যে না থাকে তবে যে ভুমির জরিপ হউবেক ডাহাতে এতেলা লট্কান যাইবেক। কিন্তু জানা কইবা যে কোন ব্যক্তির কোন দলীল দেখাইতে যদি জোন ওলবু থাকে তবে তাহা দেখাইতে ভাহাকে ত্কুম দেওয়া যাইবেক না ইতি।

৫ ধারা। এবং ইহাতে জক্ম হটল যে এই আইনের অভিপ্রার্থপারীয় কোন ওজরীজ কর্ণের জন্যে জরিপ-কর্ণিরা কর্মকারক কোন ব্যাক্তকে সালিষ্কুপ ভাঁহার নি-কটে হাজির হইতে আপনার দত্তবংকরা এক লিপির ছারা তলব করিতে পারেন এবং যে সময়ে ও যে ভানে হাজির হইতে হইবেক তাহা ঐ তলবচিঠীতে লেখা থা-কিবেক এবং যে প্রভোক দাক্ষী সেইমতে রীভানুসারে তলবচিঠী পাইরা হাজির না হয় অথকা হাজির হইরা শপথ অথবা সুকৃতি কি প্রতিজ্ঞাক্রমে দাক্ষ্য দিতে অথবা জরিপকর্ণিয়া কর্মকারক, আইনমতে যে সকল জিজাসা করিতে পারেন্ তাহার উত্তর দিতে ঘীকার না করে সেই দাক্ষী সুপ্রিম কোর্টে কোন মোকলমায় হাজির হইতে ক্রটি করিলে যেরপ হইত সেইরপে সুপ্রিম কোর্টে मिहे वाकि करत्रमत् साधा इदेशक देखि।

৬ ধারা ৷ এবং ইহাতে ভকুম হইল যে যে কোন সাক্ষির ঐ জারপকরণিয়া কর্মকারকের সম্মুখে জোবান-तमी मिर्छ इव मिर्ड माक्तित क्यारामहमी मश्रथ श्रुकंक লওয়া যাইতেক এবং ঐ জবিপকর্ণিয়া কর্মাকারকের সেই-রূপ শপথ করাওণের ক্ষমতা ইহার ছারা দেওরা গেল। কিন্ত জানা কর্ত্তব্য যে যে সকল গতিকে শীশীঘতী মহারাণীর সুপ্রিম কোর্টে শপথের পরিবর্ত্তে প্রতিজ্ঞা অথব। সুকৃতি করণের অনুমতি হইতে পারে এইমত সকল গতিকে এ জরিপকরণিয়া কর্মাকারক শপথের পরিবর্তে প্রতিজ্ঞা অথবা সুকৃতি করাইরেম ইতি।

৭ ধারা। এবং ইহাতে ত্কুম হইল যে কোন সাক্ষী যদি এ স্করিপকরণিয়া কর্মকারকের সম্প্রতা শপথ অথবা প্রতিজ্ঞা কি সুকৃতিক্রমে থামখা ও লানিয়া স্থনিরা মিথ্যা দাক্তা দেয় তবে দেই সাক্ষী ঝামথা ও দূষণীয় মিথা। শপথের অপরাধী জান হইবেক ইভি।

তক্ম হইল যে আগামি ১০ সেপ্টেম্ব তারিখের পর ভারতবর্ষের ব্যবস্থাপক কৌন্দেলের যে প্রথম বৈঠক হয় তাহাতে এই মুসাবিদা পুনরায় বিবেচনা করা যায়।

জি এ বশবি। ভারতবর্ষের গবর্গেনেটর সেক্টোরী। JOHN C. MARSHMAN, Bengalee Translator.

আকৌণ্টেণ্ট জেনরল সাহেবের সর্কালর পত।

१२४ महुत्।

বাজলাপ্রভৃতি দেশের শীযুত ডাকের অধ্যক্ষ সাহেব वदावद्वयु ।

১। পেনিমসুলার এবং ওরিএটেলনাম্ক কোম্পানিব বাঞ্গীর জাহাজের দারা মান্তাজ দিয়া আগত এবং প্রেরিত পত্রের যে বাষ্পীয় মানুল এবং "ব্রিটিন পাকেট" মানুল বাঙ্গলাপ্রভৃতি দেশের নানা ডাক-ঘরে আদার হয় তাহা ঐ হান্দ্রাজ রাজধানীর নামে জমা করা আবশ্যক হওয়াতে ভোমাকে আদেশ করিতেছি যে এই সরকালর অর্ডর পহছিলে ১৮৪৭ দালের জুলাই মাদঅবধি তুমি আপনার মাদিক নগদ টাকার হিদাবে "ফোটদেন্ট ভার্জ রাজধানীর" नाम् अक नृष्य थांडा कर अद९ ऐक मृष्टे श्रकार मानू-লের বাবং বত টাকা পাওরা হার তাহা আলাহিদা করি-রা দেই থাতার জমাকর। এই টাকা জমাকরণের সময়ে চালানের ভারিখের বৈওরা লিখনের বিষয়ে এবং ভো-Circulars of this Office of the numbers and dates | মার হিসাবে "ব্রিটিন" মাসুল অথবা "বিদেশীর" মাসুল

		British or S	Southampton	Foreign o	r Red Sea	Postage sent per Oriental amers via	editable to reorge ou s received Peninsular Company's Madras.	
Months,	Amount erroneously credited in the Cash Accounts.	Postage on prepaid letters sent for Pe- ninsular and Oriental Com pany's Steam ers via Mad- ras.	Postage on bearing letters received per Peninsular and Oriental Com- pany's Steam- ers via Mad- ras,	Postage on prepaid letters sent per Pe- ninsular and Oriental Com- pany's Steam- ers via Mad- ras.	Postage on bearing letters received per Peninsular and Oriental Com- pany's Steam- ers via Mad- ras.	British Packet Post received and sent Peninsular and Orie Company's Steamers Madras.	Total Postage creditable t Fort Saint George of account letters receive and sent for Peninsula and Oriental Company, Steamers via Madras.	Remarks.
								N. B. The sums Columns 2 and 8 sho
day. {Under the head of —}								egree.
fune. {Under the head of}								

FORM OF STATEMENT.

N. B. Columns 1 and 2 will exhibit entries as per Cash Accounts for May and June, 1847. Columns 3 to 7 will exhibit the details of the sum entered in Column 2, as they are to be readjusted under " Fort Saint George Presidency."

(Signed) W. MAPLES,
Offg. Extra. Assistant Acett. to the Goot, of Bengal.

অর্ত্তরের প্রতি দৃষ্টি রাখিবা।

২। মান্দ্রাজ দিরা আগত বাক্সীর জাহাজের "ব্যা-রিৎ পোন্টের" পত্তের মাসুলের বিষয়ে ভোমার নগদ টাকার হিশাবের নিমু ভাগে এক লিপি দিভে হইবেক अतः राक्शीय बाहारकत रह द्याति भरवत मामूल दासाहिएक नाम अव अधिवती महावानीव नवर्गमानिक নামে লমা হয় তাহার বিষয়ে যে পাট নিৰ্দিষ্ট আছে দেই পাঠানুসারে ইহাও প্রস্তুত করিব। 🤏

বলিয়া ভাষা ভিন্ন রাখিবার আবশাকভার বিষয়ে পশ্চাৎ। ৩। ১৮৪৭ নালের মে ও জুন মানে ভোমার নগন লিখিত " নম্রী ও ভারিশমুক্ত এই দত্তরের সরক্লের টালার হিসাবে উক্ত প্রকার যে ভাকমানুল পাইয়। তুমি অন্যান্য থাতার জমা করিয়াছ তাহা আমি নিশ্চর করিতে পারি এই নিমিরে ইহার সঙ্গে প্রেরিত পাঠানুসারে প্রস্তুত হওয়া এক কৈফিয়ৎ আমার নিকটে পাঠাইবা।

ভবলিউ মেপলুস। বাঙ্গলা দেশের গবর্গমেন্টের আবেকান্টেন্ট সাহেতের এক্টিং অভিরিক্ত আসিকাক। कार्ड डेलियम । जारक्कोत्से से मारहरदत मसुद्रशामा । রেবিনিউ ডিপার্টমেন্ট ১৮৪৭। ২০ জুলাই।

				रैक्छिक्र	কৈভিয়তের পাঠ।			
	Į	द्विष्टिम ष्यश्रा मोधाशहेस	। त्नोधीयक्रेन	दिएम्मीक्र काथदा मूलमपूम	धेदा मृश्रममुम्			
Ę	নগদ টাকার বিপাবে যে টাব ভূমপুর্বক জন্ম হউগাছে	लिकिन्यूनाव क अद्वाक्ति वाकीम क्यामित वाकीम अश्राक्षित वाहा याचाइ किश ८% दिङ भएवत वा	নমূলার ও পোনন্দুলার ও বিএটেল কোর রাজ্যার জ্বাক্রিরটেল কোর বাজ্যার জ্বাক্রিরটেল কোর বাজ্যার জ্বার লাহারের বার লাহারের বার লাহারের বার লাহারের বার লাহারের বার লাহার দিয়া ও মান্দুল বার কি পাত্র বার কি পাত্র বার লাহার কার কার কার বার লাহার লাহার কার কার কার বার লাহার নামূল বার মানুল বার মানুল বিং মানুল	পেনিম্মুলার ও ওরিএটেল কো শানির হাঞ্বীয় লাহাজের ছারা মান্ডান্ত দিরা প্রে রিড পত্রের আ	अभिनम्भूवाइ उ ६६ंब्राक्केव दक्ष कामिद्र दक्ष्मीह बाहारखद्र बादा शक्तामां बाहा का विक्र भाजून	পেনিন্মুলার ও পিনিন্মুলার ও পিনিন্মুলার ও বিএকেল কে বিএকেল কোলালির একেল কোলালির একেল কোলালির একেল কোলালির বাহ্নীয় জাহান্তের জাহান্তের হালালালির হাহ্নীয় জাহান্তের হালালালির বাহান্তের হালালালালির বাহান্তের হালালালালির কালালালালালালালালালালালালালালালালালালাল	পেনিন্মুলার ও পেনিন্মুলার ও পেনিন্মুলার ও পেনিন্মুলার ও পেনিন্মুলার ও পেনিন্মুলার ও গোনন্মুলার ও ও রি এটেল্ব কোপানির বাজ্যানির বাজ্যানার লিয়া আমার লিয়ালা মান্ত্র বাল্লানার ব	मुख्य छवा
•	*	0	Ø	ð	n	σ.	رطاله ک	
্ৰয়ুক শি- কে (কুডোগের শীচে –								२ जद ्र म राइड्र म्थ्याधिनिद्दक
अपूरु नि- (ज्ञांचार्यः) सीएड —								•
সন্তর্য কথা। ১ এবং ২ ঘরে ১৮ দুটি স্টরেক। ৩ অব্ধি ৭ পর্যক্ত ঘরে ২৪ দেউ ফলি বাজধানীর এংকার সভে ঘোটাইলা	े जहरू २ हि. व महाज	এবং ২ হারে ১৮৪৭ সালের মে ও জুন মালে নগদ টাকার হিসাবে যাহা কেখা হার ভাহা ৭ পরিজ হারে ২ হারের লিখিড স৲খ্যার বেওরা দেখা খালিবেক ডাহা ফোট যে সকে যোটারিলা করা ঘাইবেক।	লের মে ও জুন মা এত সংখ্যার বেং ইবেক।	स्म मधम है।कांद्र अहा त्मथा थाक्टि	হিনাবে যাহা কে বক ভাহা ফোট	শুমুর ভাছা		
					दाश्रमा (मृत्र	इ ज्यास्कोधकेके भारक Jous C	उद्भिन्ते त्यास्कृत्वेके मार्ट्ट्ट् क्वृडिं व्युडिंहक व्यक्तिके। John C. Manshan, Bengalee Translator.	 (所動) Translator,

ু ১৮৪৩ সালের ২৪ জুন তারিখের ৬৬৬ নম্বরী। ১৮৪৬ সালের ৩০ জানুআরি তারিখের ৭০২ নম্বরী। ১৮৪৬ সাজের ১২ অক্টোবর তারিখের ৭১২,নঘুরী। [Government Gazette, 3d August, 1847.]

CIRCULAR ORDERS OF THE SUDDER BOARD OF REVENUE.

No. 12.

From the Secretary to the Sudder Board of Revenue, to the Commissioner of Revenue for the Division of ———.

With reference to the Circular No. 21, issued by the Sudder Dewanny Adawlut under date the 6th August, 1830, by which the Mofussil Courts are required to report whenever there may be a delay of more than six weeks in replying to references under Regulation II. of 1814; I am directed by the Sudder Board of Revenue to request that, when a final return cannot be made to such references within the period in question, a proceeding may be transmitted to the Court issuing the precept explaining the cause of the delay and stating when the final return will probably be submitted.

(Signed) G. PLOWDEN,

Secretary.

Sulder Board of Revenue, Fort William, the 9th July, 1847.

No. 13.

From the Secretary to the Sudder Board of Revenue, to the Commissioner of Revenue for the Division of ———.

It being understood, that Distrainers for arrears of rent not unfrequently so conduct their proceedings as to keep the party whose property they attach in ignorance of the attachment, and so deprive him of his remedy of replevin in the mode prescribed in Sections XV. and XVI. Regulation V. of 1812, and in Act X. of 1846, I am desired by the Sudder Board of Revenue to request, that you will ascertain and report what is the form of proceeding observed in each District of your Division by Distrainers in attaching property for arrears of rent, and what checks the Collector employs to secure bonå fide attachments.

(Signed) G. PLOWDEN,

Sudder Board of Revenue,

Fort William, the 16th July, 1847.

No. 15.

From the Secretary to the Sudder Board of Revenue, to the Commissioner of Revenue for the Division of ———.

• With reference to the concluding portion of paragraph 3, of the Circular Order of the 19th of May last No. 8, I am directed by the Sudder Board of Revenue to request, that you will desire the several Collectors of your Division not to take any measures for carrying out the changes, directed in their Circular in question, until they are furnished with specific instructions for their guidance by the Accountant to the Government of Bengal.

2d. This was of course always intended, but, it appears from correspondence which has been before the Board, not to be sufficiently understood.

(Signed) G. PLOWDEN, Secretary.

Sudder Board of Revenue, Fort William, the 27th July, 1847.

[নবর্ণমেন্ট গেছেট। ১৮৪৭। ৩ আগেটা।]

সদর বোর্ড রেবিনিউর সরকুলর অর্জর।

३२ समुद्र 1

অমুক এলাকার রাজ্যবার শ্রীযুত কমিদানর সাহেবের প্রতি সদর বোর্ড রেবিনিউর শ্রীযুত সেক্রেটারী সাহেবের পত্র।

সদর দেওয়ানী আদালতের ১৮৩০ সালের ও আগন্ট তারিখের ২১ নম্বরী সরকালর অর্ডরে মফঃসল আদালতের প্রতি এই ইকুম দেওয়া গিয়াছিল যে ১৮১৪ সালালের ২ আইনার্শিরে তাঁহারা যে বিষর অর্পণ করের যাদ ছয় সপ্তাহের অধিক কালপর্যান্ত তাহার উরর না পাওয়া যায় তবে তাঁহারা তিহিহয়ের রিপোর্ট করেন। মেই সরকালর অর্ডরের উপলক্ষে সদর বার্ড রেবিনিউর সাহেবেরা আদেশ করিতেছেন যে ঐ নির্দ্দির্ট মিয়াদের মধ্যে যথন এই প্রকার অর্পিত বিষয়ের চূড়ান্ত উরর দেওয়া ঘাইতে পারে না তথন প্রিসেপ্ট প্রেরণকর্বিশ্লা আদালতে এক রুবকারী পাঠাইতে হইবেক তাহাতে ঐ বিলয়্বে কারণ এবং যে সময়ে চূড়ান্ত রিপোর্ট পাঠাওনের সম্ভাবনা আছে তাহা লেখা থাকিবেক।

জি প্লৌডন। সেকেটারী।

সদর বোর্ড রেবিনিউ। ফোর্ট উলিয়ম। ১৮৪৭। ১ জ্লাই।

১৩ নমূর।

অমুক এলাকার রাজ্যের শ্রীযুত কমিদানর দাহেরের প্রতি দদর বোর্ড রেবিনিউর শ্রীযুত দেক্রেটারী দাহে-বের পত্র।

অবগত হওয়। গেল যে বাফী খাজানার নিমিছে জোককর্ণিয়া ব্যক্তিরা বারয়ার আপনারদের ঐ কার্য্য এইরপে নির্মাহ করেন্ যে যে ব্যক্তির সম্পত্তি ক্রোক হয় সেই ব্যক্তি ক্রোকের বিষর কিছু জানিতে পারে না এবং সেইপ্রযুক্ত ১৮১২ সালের ৫ আইনের ১৫। ১৬ ধারার এবং ১৮৪৬ সালের ১০ আইনের নিন্দিষ্টমতে সেই ব্যক্তি আপনার প্রতিকার পাইতে পারে না অতএব সদর বোর্ড রেবিনিউর সাহেবেরা আদেশ কবিতেছেন যে তোমার এলাকার প্রত্যেক জিলার মধ্যে বাকী খাজানার নিমিত্ত ক্রোককরেণিয়। যে রীতানুসারে সম্পত্তি ক্রোককরে এবং প্রকৃতপ্রস্তাবে ক্রোক হয় এতনর্থ কালেক্টির সাহেব যেই উপার ধার্য্য করিয়াছেন তাহা নিশ্চয় করিয়া রিপোর্ট কর্।

कि स्थिष्म। स्माक्कोही।

সদর বোর্ড রেবিনিউ। ফোর্ট উলিরম ১৮৪৭। ১৬ জুলাই।

३४ समृत्।

অমুক এলাকার রাজকের জীযুত কমিস্যানর নাহেবের প্রতি সদর বোর্ড রেবিনিওর জীযুত দেক্রেটারী সা-হেবের প্র।

গত ১৯ মে তারিখের ৮ নয়রী সরকালর অউরের ও দফার শেষ ভাগের উপলক্ষে দদর বোর্ড রেবিনিউর সাহেবেরা ছকুম করিতেছেন যে তোমার এলাকার নানা কালেক্টর সাহবকে এইমত আদেশ কর যে উক্ত সর-কুলের অর্ডরের নিন্দিট ফেরফারের বিষয়ে লাবং বাজলা দেশের গবর্ণমেন্টের আকেকান্টেন্ট সাহেবের ছানে তী-হারা আপনারদের কার্যানিবাহের নিমিলে বিশেষ উপদেশ না পান্ ভাবং ঐ ফেরফার কর্ণ বিষয়ে তীহারা কোন উদ্যোগ না করেন।

২। এইরূপ ত্রুম দেওরা সুতরাং পূর্রাবধি মানস ছিল কিন্ত বোর্ডের সাহেবেরদের নিকটে যে পত্র পত-ছিরাছে তদ্বারা দুফ হইতেছে বে তছিবর কর্মাকারকের। উপযুক্তমতে অবগত ছিলেন না।

बि द्शीष्टन। दमदक्रोबी।

সদর বোর্ড রেবিনিউ। ফোর্ট উলিয়ম। ২৮৪৭। ২৭ জুলাই।

JOHN C. MARSHMAN, Bengalee Translator.

CIRCULAR ORDERS OF THE SUD-DER DEWANNY ADAWLUT.

No. 21.

To the Civil Judges in the Lower Provinces.

The Court are pleased to direct that an additional column, headed "Law Expences," be inserted immediately before the last column of the Statement of Pauper Suits, the transmission of which to the Collector was prescribed by the Circular Orders of the 24th April and 2d October, 1846.

W. Kirkpatrick, Deputy Register. Fort William, the 18th June, 1847.

No. 22.

To the Civil Judges in the Lower Provinces.

1st. The Court having observed that considerable misapprehension exists as to the right construction of Paragraph 4 of the Circular Order No. 205, of the 10th January, 1842, direct me to communicate to you the following remarks and instructions for future guidance.

2d. The object of the Rule adverted to was to lay down a general principle for the guidance of the Judicial Authorities, in deciding upon claims to property attached in execution of decrees of Court. The principle was that possession was the sole point to be looked to and determined in the Miscellaneous departments. This however did not contemplate that execution was to be stayed, if, for instance, the heir of a debtor, who died after judgment given, was in possession of the Estate of the deceased, nor indeed did it contemplate any thing but an actual bona fide possession (as far as that could be summarily ascertained) under a title adverse to the right of the debtor, and therefore such a right as would bar execution of the decree obtained; nor was it intended to deprive the Courts of Justice of that discretionary power vested in them to decide upon the fact according to the evidence adduced, as to whether the claim of the objector rested upon an actual and bonâ fide possession, or involved merely the allegation of a fictitious and fraudulent transaction.

3d. The Court therefore desire that in adjudicating such claims, the Judicial Authorities will still act upon the principle laid down in the Rule adverted to, the application of the principle must be left to the discretion of the Courts, with reference to the merits of each particular case.

W. Kirkpatrick, Deputy Register. Fort William, the 21st May, 1847.

No. 23.

To the Civil Judges in the Lower Provinces.

With reference to Construction, No. 1308, which declares that Moonsiffs are incompetent to receive supplementary plaints or answers, the Court promulgate, for general information, that the

ममत्र (म छत्रांनी आमानटकत मत्रकूानत अर्डत ।

३० मस्त् ।

বাঙ্গলাপ্রভৃতি দেশের তীবুত দেওরানীর জন সাহেব ব্রাব্রেষ্।

সদর দেওরানী আদালত থকুম করিছেছেন যে পাপরের মোকলমার যে কৈছিনত কালেক্টর সাহেবের
নিকটে পাচাইবার ছকুম ১৮৪৬ সালের ২৪ আপ্রিল
হারিও ও ২ অক্টোবর ভারিথের সরকালর অর্ডরে
দেওরা গিয়াছিল ভাহার শেষ ঘরের অব্যবহিত পূর্বে
এক নুতন ঘর করা যার এবং ভাহার শিরোভাগে "মোকলমার থব্চ" এই কথা লেখা যায়।

ডবলিউ কর্কপাত্রিক। ডেপুটা রেজিফার।

क्वार्डे डेनियम २४८९ । ३४ जुन ।

২২ নমুর ৷

বাললাপ্রভৃতি দেশের ত্রীযুত দেওরানীর জন্ম সাতেব বরাবরের।

১। সদর আদালতের সাহেবেরদের দৃষ্ট হইতেছে যে ১৮৪২ সালের ১০ জানুআরি তারিখের ২০৫ নম্বরী সরকালর অর্ডরের ৪ দফার প্রকৃত অর্থেই বিষ্টের অনেক ভুম হইয়াছে অতএব উত্তর কালে তোমার কার্য্য নির্বাহের নিমিত্তে তাঁহারা নীচের লিখিত মন্তব্য কথা ও উপদেশ তোমাকে জানাইতে আদেশ করিয়াছেন।

২। উক্ত বিধির অভিপ্রায় এই ছিল যে আদালভের ডিক্রী জারীক্রমে ক্রোকহওয়া সম্পদ্ধির উপর যেং দাও-য়া হয় তাহার নিষ্পত্তি করণার্থ আদালতসম্পর্কীয় কার্য্য-কারকেরদের কার্য্য নির্বাহের নিমিত্তে এক সাধারণ নিরম নিশিষ্ট হয়। সেই নিরম এই যে মৃৎফর্ককা দি-রিশভার যে বিষয়মাত্র বিবেচনা ও নির্দ্ধার্য করিতে হয় তাহা সম্পরির দখল । কিন্তু ঐ সরকালর অর্ড-রের এইমত অভিপ্রায় ছিল না যে ডিক্রীহওনের পর যে থাতক মরে যদি তাহার সম্পত্তি তাহার উত্তরাধিকারির দখলে ছিল তবে ডিক্রীজারী স্থগিত হইবেত। তাহার এইমাত্র অভিপ্রায় ছিল যে যেপর্যান্ত সরাসরীমতে নিশ্চর হইতে পারে সেইপর্যান্ত খাত-কের স্বত্যের বিক্ষা পাট্টাক্রমে মেই সম্পত্তি প্রকৃত প্রস্তাবে অন্য ব্যক্তির দখলে থাকন যেতেতক এইমত বজা থাকিতে প্রাপ্ত ডিক্রা জারী হইতে পারে না। এবং ঐ সর-কালর অর্ডবের এই অভিপ্রায় ছিল না যে ওজরদারের দাওয়া প্রকৃতপ্রয়াব দখলের উপর নির্ভর আছে কিয়া কোন কৃতিম এবং চাত্রী ঘটিত কার্যোর এঞ্চার্মাত্রের উপর নির্ভর আছে এই বিষয় উপস্থিত হওয়া সাক্ষোর বারা নিশ্চয় করিতে দেওয়ানী আদালতের যে ক্ষমতা আছে তাহা রহিত হয়।

ও । অতএর সদর আদালতের সাহেবেরা ছকুদ করিতেছেন যে সেই প্রকার দাওয়ার নিক্ষান্তি করণেতে আদালতের কর্মাকারকেরা উক্ত বিধির নির্দিষ্ট নিয়মানুশ সারে পূর্য্বাহ কার্য্য করেন কিন্তু ঐ নিয়ম থাটাওনের বিষয়ে দেওয়ানী আদালত প্রত্যেক বিশেষ মোকদমার দোরপ্রথ দৃট্টে আপনারদের বিবেচনামত কার্য্য করি-বেন।

ডবলিউ কর্মপাত্রিক। ডেপুটা রেজিউর। ফোর্ট উলিরম। ১৮৪৭। ২১ মে।

२० नश्त्र।

বাললাপ্রভৃতি দেশের ত্রীযুত দেওয়ানীর জল সাহেব ব্রাহরেষু।

১৩০৮ নগুরী আইনের অর্থে ছকুম আছে যে মুনদে-ফেরা অবশেষ আরক্ষী অথবা অবশেষ জওয়াব লইডে পারেন না দেই আইনের অর্থের উপলক্ষে দদর আদাল-তের সাহেবেরা এক্ষণে দর্ম দাধারণ লোককে জানাইবার নিমিত্তে প্রকাশ করিতেছেন যে আরক্ষী অথবা জওয়াবে

[Government Gazette, 3d August, 1847.]

rectify evident errors in plaints or answers.

2d. According to Section 5, Regulation IV. 1793, (corresponding with Section 5, Regulation III. 1803.) the supplemental plaint or answer is intended to supply "any thing material to the suit," which "from mistake, inadvertence, or other cause," the plaintiff or defendant "shall have omitted to insert" in the plaint or answer. But an omission to insert is different from an evident mistake in regard to that which has been inserted. For instance if a plaintiff had omitted to sue for the interest as well as the principal of a debt, he could not be allowed, in the Moonsiff's Court, to supply the omission, but having sued for both principal and interest, he ought to be allowed to correct an evident error of calculation.

W. KIRKPATRICK, Deputy Register. Fort William, the 3d June, 1847.

(Copy.)

Resolution of the Presidency Court of Sudder Dewanny Adawlut, under date the 16th July, 1847.

R. H. Rattray, C. Tucker, and A. Dick, Esqs, and Sir R. Barlow, Bart. and

J. Hawkins, Esq. Tempy. Judges.

Adverting to the practice, adopted in frequent instances of applications for the admission of special appeals, of urging pleas on the grounds of informality and departure from the law of procedure in the Court of First Instance, which have not been urged in the Court of First Appeal, the Court

Resolve.

That, as a general principle, the Court will not consider, as a sufficient ground for the admission of a special appeal, any plea urged upon the ground of mere informality or departure from the law of procedure occurring in the Court of First Instance, unless the same shall have been urged in the Court of First Appeal, and unless the certificate endorsed on the petition shall specify that such plea was urged in and rejected by such Court.

Ordered.

That a copy of this Resolution be laid before the Judges of the Court, and a translate furnished to the Serishtadar and Peishkars, and copy and translate be hung up in the Court House, and that a copy be forwarded to the Western Court for their information,

B. J. COLVIN, Register.

ORDERS BY THE SUDDER DEWANNY ADAWLUT:

APPOINTMENTS.

The 23d July, 1847.

Sheikh Wujeecoddeen, Acting Moonsiff of Ky-

[গ্রন্থেন্ট গেটেট। ১৮৪৭। ৩ আগফী I]

restriction does not extend to petitions designed to | স্পাইডঃ যে জুল হইয়াছিল তাহা সংশোধিত কর্ণার্থ যে দ্র্থার দেওরা যার ভাতার বিষয়ে ঐ নিষেধ খাটে লা।

२। ১৭৯७ माल्यत ८ आहेरनद व धातास अवर মোতাবেক ১৮০৩ সালের ও আইনের ৫ ধারায় যে जरागम जारको जर्थरा উत्तरत दिसंग लिशा जाएक ভাহার অভিপ্রায় এই যে ফরিয়াদী অথবা আদাগ্রী বিষ্ঠিক্রমে অথবা অপর কোন হেডতে আপন দাও-য়ার আবশ্যক কোন মর্মা আরম্ভীতে না লিখিলে তাহা ঐ অরশেষু-আর্জীতে লিখিতে পারে। কিন্ত কোন কথা না লিখন এবং যাহা লেখা গিয়াছে তা-शत कार्केडः ज्ल এই দৃই जिज्ञार दिश्य। यथा यमि ফরিয়ানী মুনদেফের আদালতে কর্জের আদল টাকার विषय गालिण करिया. गुरमद विषय गालिण करत गाइ ভবে দেই ব্যক্তি দেই জটি প্রধরাইতে পারিবেক না কিন্তু यमि जामल होका छ मुस्तत विषय मालिन कहिया धारक কিন্ত সুদ কশিতে কিছু ভুল হইয়াছিল তবে ভাছা সং-শোধন করিতে ভাহাকে অনুমতি দেওয়া ঘাইতে পারে।

ডবলিউ কর্মপাত্রিক। ডেপুটা রেজিফার।

कार्षे डेलियम। ১৮৪१। ७ खून।

(नकला)

कलिकाडां समात सिंडवानी आमालाउत मार्ट्दिन-নের ১৮৪৭ সালের ১৬ জুলাই তারিখের নির্দারণ। वर्डशान।

জীবৃত আর এচ রেটরি সাহেব ও প্রীয়ত সি টকর সাহেব এবং আয়ত এ ডিক সাহেব ও প্রীযুত সর রাবর্ট বার্লো সাহের

250 প্রীয়ত ডবলিউ জাকসন সাহেব ত। প্রীয়ত জে হকিন্স সাহেব

থাস আপীল গ্রাহ্য করণের বিষয়ে যে দর্থান্ত হয় ভাহাতে বার্যার এই রীতি হইতেছে যে যে আ-দালতে মোক্দমা প্রথমে উপস্থিত হইয়াছিল সেই আ-দালতে বেদাড়ার এবং কার্যোর নিয়মের বিরুদ্ধের লেভ ধরিয়া যে আপত্তি প্রথম আপীল আদালতে উপস্থিত হইল না সেই আপতি হউতেছে অভএর সদর আদালত এই নির্দ্ধারণ করিয়াছেন যে

থাস আপীল গ্রাহা হওনের যদি এই হেড উপস্থিত করা যায় যে,যে আদালতে মোকদ্মার প্রথম অননি হয় সেই আদালতে কোন বেদাড়া কর্ম হইয়াছিল বা কার্য্যের নির্মের বিক্র কার্য্য হইয়াছিল এবং ঘদি ঐ আপত্তি প্রথম আপীল আদালতে না করা গিয়াছিল এবৎ যদি দর্থান্তের পূর্ণ্টে এমন্ত সর্টিফিকট ন। থাকে বে ঐ আপত্তি ঐ আদালতে উপস্থিত হইয়া নামপুর হইয়া-ছিল তবে দেই আপত্তি খাস আপীল গ্রাহ্য করণের মাতবর হেতৃ জ্ঞান হইবেক না।

ছকুম হটল।

যে এই নির্দ্ধারণের এক নকল আদালতের ভঙ্গ মা-হেবেরদের সমাথে রাখা যায় এবং ভাহার এক মকল সিরিশ্তাদারতে ও পেশ্তার্দিগতে দেওয়া যায় এবং নিস্থারণ ও ভর্জমার নকল আদালত ছবে লট্কান যাব ও পশ্চিম দেশের সদর আদালতের বিজ্ঞাপনার্থ তথায় এক নকল পাঠান যায়।

বি জে কলবিন। বেজিফীর। JOHN C. MARSHMAN, Bengalee Translator.

मनत (म अतानी जामान एउत एक्मा

बिटवान ।

३४८१ माल २० जुनाहै।

আবৃত মনোআর আলী কর্ম করিতে অপারক হর্মী thee, Zillah Beerbhoom, to be Moonsiff of that sta- স্থানাতর হওলতে জিলা হারভূমের কাইলীর এক্টিং



গবর্ণমেণ্ট গেজেটের ক্রোড়পত্র।

গবণমৈণ্টের আজ্ঞাক্রমে প্রকাশিত।

CALCUTTA, TUESDAY, AUGUST 3, 1847.

কলিকাতা মঙ্গলবার ১৮৪৭ সাল ৩ আগফী।

INSOLVENT COURT. ASSIGNEE'S OFFICE—NOTICE.

PURSUANT TO ACT NO. XXVII. OF 1841.

[First Insertion.]

In the matter of the Petition of William Fairlie Clarke, William Melville, John Gilmore and William Frederick Fergusson, Insolvent Debtors.

NOTICE is hereby given, that at the expiration of one year from the date of this advertisement an application will be made to the Court for the Relief of Insolvent Debtors at Calcutta, pursuant to the Act No. XXVII. of 1841, for an order that the Accountant General of the East India Company, with the privity of the Accountant General of the said Court, do repay to the Assignee of the Estate and Effects of the abovenamed Insolvents, the balance which shall then be in the hands of the first mentioned Accountant General of the unclaimed Dividends, which were paid to him under an order of the said Court, bearing date the 2nd day of July, 1842, and the said unclaimed Dividends when so repaid as aforesaid be re-distributed pursuant to the provisions of the said Act No. XXVII. of 1841, passed by the Right Honourable the Governor General of India in Council.

The following is a statement containing the names and descriptions (as contained in the Schedule of the said Insolvents,) of all parties in respect of whose claims the said Unclaimed Dividends were reserved, together with the amounts of such claims respectively, and also shewing whether any former Dividend or Dividends has or have been paid or proof made in respect thereof respectively as required by the aforesaid Act No. XXVII. of 1841.

Names and Descriptions as contained in the Schedule of the parties in respect of whose claims Dividends are reserved.	Amount of respective claim:	as per Schedule.		Unclaimed Dividends.	Amount of respective un claimed Dividends in the Accountant General? hands.	Whether any former Dividends have been paid.	Whether any proof shal have at any time been made of the debt whereby any Dividends may have accrued.
R. Aubrey, W. Armstrong,	6 1293	5 9	1 9.	6th ditto	0 1 19 6	6 Not paid. 4 ditto	Not Proved. Do.
Annundo Chunder Mooker- jee,	779	2	6	ditto .	11 11	1st, 2d, 3d, 4th and 5th Dividends paid.	Proved.
jee,	12,506	14	3	ditto	187 9	7 ditto	Do.
Wm. Adam, Mariner,	23	0	0	ditto	0 5	6 1st, 2d, 3d and 4th Dividends paid.	Proved.
John Blackburn,	2	2	4	ditto	0 0	6 Not paid.	Not Proved.
Becharam Chatterjee,	1087	5	7	ditto	16 4 1	0 1st, 2d and 3d Dividends paid.	Proved.
Mrs. Eliza Briggs, A. G. Battersby,	6 18	10	9	ditto ditto	0 1 0 4	6 Not paid.	Not Proved. Do.
Wm. Barrett, #	2063	2	3	Litto	30 15	1 1st, 2d, 3d and 4th Dividends paid.	Proved.

Government Gazette, 3d August, 1847.]

Names and Descriptions as contained in the Schedule of the parties in respect of whose claims Dividends are reserved.	Amount of respective claims as per Schedule.	Unclaimed Dividends:	Amount of respective un- claimed Dividends in the Accountant Gene- ral's hands.	Whether any former Dividends have been paid,	Whether any proof shall have at any time been made of the debt whereby any Dividends may have accured.
				The second second	
J. Bergin (Private H. M. 11th Dragoons,)	36 2 9	6th	0 8 7	Not paid.	Not Proved.
E. A. Blundell, Penang,	1301 0 8	ditto	19 8 3	dends paid.	Proved.
N. B. Broughton,	72 5 7	ditto	1 1 4	Not paid. 1st, 2d and 3d Divi-	Not Proved.
I. K. Brien, Surgeon,	527 4 3	ditto	7 14 6	dends paid.	Proved.
Wm. Bastard (acot. of Estate of Mr. Carrau,)	3419 3 11	ditto	51 4 6	1st, 2d, 3d, 4th and 5th Dividends paid.	Do.
C. W. Bastard,	111 14 2	• ditto	1 10 9	ditto	Do.
Alexander Beattie, Surgeon,	57 15 4	ditto	0 13 10	1st, 2d and 3d Divi- dends paid.	Proved.
F. Bonnaffee and Co.,	490 15 6	ditto	7 5 9	Not paid.	Not Proved.
G. Boyd, (in trust for heirs of H. D'Cruz.)	2873 3 5	ditto .	43 1 6	ditto	Do.
W. Betson, Pay Serjt. 11th Dragoons,	112 10 2	ditto	1 11 0		Do.
Mary Buchan,	800 2 0	ditto	12 0 0	1st, 2d, 3d and 4th Dividends paid.	Proved.
Bhoobun Mohun Ghose,	107 12 0	ditto	1 9 10	Not paid.	Not proved.
Captain C. W. Birch,	85 10 6	ditto	1 4 6	1st, 2d, 3d and 4th Dividends paid.	Proved.
Mrs. Adolphina Bell,	42 6 6	ditto	0 10 1	A4	Not proved.
W. Braddon (acet. of H. Cornish,)	596 0 11	ditto	8 15 0	1st, 2d, 3d and 4th Dividends paid.	Proved.
Ensign H. M. Barwell,	799 6 2	gias.	11 15 9	1st, 2d and 3d Divi-	Do.
	San Land		Year alging	dends paid. 1st, 2d, 3d, 4th and	Do.
D. Brown, Surgeon,	385 15 8	1	5 12 7	5th Dividends paid.	Do.
W. Bastard, K. Barnes, 11th Dragoons,	3851 8 10 29 10 2	1	0 7 1	Not paid.	Not proved.
T. M. K. Cameron,	462 14 3	V	6 15 0	1st, 2d, 3d and 4th Dividends paid.	Proved.
Lieut, K. Campbell, 43d Regt. N. I.,	4 12 0		0 1 1	Not paid,	Not proved.
CITTO	459 15 5	ditto	6 14 4	1st, 2d, 3d, 4th and	Proved.
		5 TE 18	San Relation	5th Dividends paid. 1st, 2d, 3d and 4th	Do.
Major F. A. Cobbe,	62 14 0	ditto	0 15 0	Dividends paid. 1st, 2d, 3d, 4th and	
Children of D. McDonald,	5090 9 0	ditto	76 5 9	5th Dividends paid.	以对于国家国际
James Coghlam, George Catania,	4 2 2 161 10 2	ditto	0 1 0 2 6 9	1 2 W - C 7 S A SECTION 100 A 100 B 100 TO 100 A 100 B 100 A 100 A 100 B 100 A 100 B 100 A 100 B 100 A 100 B	Not proved. Proved.
Charles Carey (acct. of					Not proved.
Children of C. Purdy, de-	268 3 10	ditto	4 0 4		
ceased, Children of Serjeant	146 12 2	ditto	2 3 3	ditto	Do.
Kauntze,	136 12 2	ditto	2 0 9	ditto	Do.
George Christopher and	173 9 6	ditto	2 9 7	ditto	Do.
H. Donaldson, Surgeon,	1607 5 4	ditto	24 1 9	1st, 2d, 3d, 4th and 5th Dividends paid.	Proved.
Doordanah Begum, S. A	1191 3 0	ditto	17 13 10	Not paid.	Not proved.
F. Dwyer, Surgeon, decd.,	1009 9 5	ditto	17 1 9	1st, 2d, 3d, 4th and 5th Dividends paid.	ASSESSMENT OF THE PARTY OF THE
Miss F. Duburgh,	504 13 9	ditto	7 9 1	The state of the last of the state of the st	Do.
Alexander Davidson, Surgeon,	7 10 0	ditto	0 1 9 6 15 8	CONTROL MEN NO TROSPERSON PROBLEMS OF THE PROB	Not proved.
W. G. Day,	463 10 7	ditto	18 11 1	1st, 2d, 3d and 4th	GENERAL STREET, STREET
Mrs. A Davidson, Fraser Elson,	1246 7 9 12 7 6	ditto ditto		Dividends paid. Not paid.	Not proved.
Mrs. M. A. Emerigne, now	659 6 0	ditto	9 14 3	1st, 2d, 3d, 4th and	Proved.
Shaw, N. D. Ellies,	1564 2 0		23 7 4	5th Dividends paid. Not paid.	Not proved.
Estate of James Maxwell,	29 11 5	CO. 10 1756/50 CO.	0 7 1		Do.
一个 有一个 的 一个 一个 一个 一个		Control of the last			

Names and Descriptions as contained in the Schedule of the parties in respect of whose claims Dividends are reserved.	spect	Unclaimed Dividends.	Amount of respective un- claimed Dividends in the Accountant Gene- ral's bands.	Whether any former Dividend or Dividends have been paid.	hether any proof shall have at any time been made of the debt whereby any Dividends may have accrued.
Estate of Burnson, P	3 5 0	6th	0 0 9	Not paid.	Not proved.
Estate of Fraser, G. G., Estate of Major J. A. Schalch,	120 5 9 449 10 6	ditto	6 11 10	1st. 2d. 3d and 4th	Do. Proved.
Estate of B. Stewart, Lieut. J. B. Forbes,	641 5 0 4 8 6	ditto ditto	9 9 10 0 1 0	Not paid.	Not proved.
John French,	5318 14 0	ditto	79 12 6	1st, 2d, 3d, 4th and 5th Dividends paid.	Proved.
J. R. Fraser,	17 1 1	ditto	0,40	1st, 2d and 3d Divi- dends paid.	Do.
Thomas Fergusson, Private, Andrew Fay, Conductor of	1408 7 11	ditto	21 2 0	1st, 2d, 3d and 4th Dividends paid. *	. Do.
Ordnance,	8 7 1	ditto	0 2 0	Not paid. 1st, 2d and 3d Divi-	Not proved.
John Franks, James Fair,	39 3 0 331 12 0	ditto	0 9 4	dends paid.	Proved.
Wm. C. S. Fane,	178 7 5	ditto	2 10 9	1st Dividend paid.	Do.
R. Foster, Serjt. •	320 2 3	ditto	4 12 9	lst, 2d, 3d and 4th Dividends paid.	Do.
Lieut. J. C. C. Gray,	78 5 3	ditto	1 2 9	1st and 2d Dividends paid.	Do.
Mrs. M. Gomes,	1794 10 4	ditto	26 14 7	1st, 2d, 3d, 4th and 5th Dividends paid.	Do.
Lieut. G. Green, H. M. 38th Regt J. B. D. Gahan,	8 1 6 85 15 10	ditto ditto	0 1 10 1 4 7		Not proved. Do.
Major R. Gordon,	1662 7 9	ditto	24 15 0	11st, 2d and 3d Divi-	Proved.
Lieut. H. J. Guyon, J. A. Hessing,	11 14 6 114 13 2	ditto ditto	0 2 9	Not paid.	Not proved.
J. Harcourt, Surgeon,	127 0 2	ditto	1 11 6	4th Dividend paid.	Proved.
Mrs. H. Harrison, Mrs. E. Hamilton,	567 10 0	4 7 3	8 8 3	Dividends paid.	20.
Mrs. E. Hall,	9 12 9 81 2 0	ditto	0 2 5	ditto	Not proved. Do.
Major Thomas Hall,	3403 0 6	ditto	51 0 9	our soundends bard.	Froved.
Major J. Herring, Miss M. C. Harrington,	23 13 7 7 6 2	ditto	0 5 9 0 1 9		Not proved. Do.
Lieut. Rowly Hill, Ensign C. Hagart,	27 11 11 21 2 2	ditto	0 6 7		Do. Do.
Inche Le Nynne,	2785 8 0	ditto	41 12 6	ditto	Do.
A. H. Intveld,	1648 15 7	ditto	24 11 9	1st and 2d Dividends paid.	Proved.
J. Innes, Surgeon,	407 5 4	ditto	6 1 9	1st, 2d and 3d Divi- dends paid.	Do.
G. Jackson, Cornet,	13 12 7	ditto	0 3 3	ditto	Do.
Captain James Johnson, Lieut. H. Johnson, 26th	1565 15 9	ditto	23 7 9	1st, 2d, 3d and 4th Dividends paid.	Do.
Regt.,	1191 8 8	DOLLING 1527 /WHAT CAPANICS FOR	17 13 10	ditto	Do.
Captain J. W. Jones, C. H. Johnson,	7263 15 8 284 10 4	ditto ditto	108 15 4	TO THE REAL PROPERTY AND ADDRESS OF THE PROPERTY OF THE PROPER	Do. Do.
Ensign B. W. R. Jenner,	59 13 8	ditto	0 14 3	1st, 2d and 3d Divi- dends paid.	Do.
Mrs. S. Johnson,	406 3 3	ditto	6 1 6	ditto	Do.
Ensign W. H. Lomer,	48 15 3 41 15 9	ditto ditto	0 11 9 0 10 0	Not paid.	Not proved. Do.
Miss Sarah Limond, Exix. of M. Limond, deceased,	16,118 7 1	ditto	241 12 4	1st, 2d, 3d and 4th Dividends paid.	Proved.
R. C. S. Loughnan,	168 0 0		288	1st, 2d and 3d Divi- dends paid.	Do.
J. M. Loughnan,		ditto	3 12 3	ditto	Do.
Julian Leotard,	2024 14 10	ditto	30 6 0	lst, 2d, 3d and 4th Dividends paid.	Do,

Names and Descriptions as contained in the Schedule of the parties in respect of whose claims Dividends are reserved.	Amount of respective claims as per Schedule.	Unclaimed Dividends.	Amount of respective un- claimed Dividends in the Accountant Gene- ral's hands.	Whether any former Dividend or Dividends have been paid.	Whether any proof shall have at ony time been made of the debt whereby any Dividends may have accured.
Captain P. La Touche,	8339 13 11	6th	125 1 6	1st, 2d, 3d, 4th and 5th Dividends paid.	Proved.
Lieut. Pat. Meik,	988	ditto	0 2 3	ditto	Do.
Major George Muriel,	253 9 0 40 7 8	ditto	3 12 9	Not paid.	Not proved. Do.
Ensign F. C. Maitland, Captain A. Mackinnon,	25 12 6	ditto	0 6 1	ditto	Do.
Miss Margaret Mosee,	935 9 0	ditto	14 0 6	ditto 1st, 2d and 3d Divi-	Do.
Lieut. D. Melish,	. 59 7 0	ditto	0 14 3	dends paid.	Troveu.
Major D. H. Macdowall,	364 12 0	ditto	5 7 6	I'st and 2d Dividends paid.	10.
R. and T. O. Morell,	255 13 9 5 15 0	ditto ditto	3 13 4	Not paid.	Not proved.
Major Thomas Maddeck,	416 2 7	ditto	6 3 10	1st, 2d, 3d and 4th	The state of the s
	183 7 11	ditto	2 12 0	Dividends paid.	Do.
Ponah Senang Charee,	8463 12 5	ditto.	51 15 8	Not paid.	Not proved.
Ogilvy,	838 7 9	ditto	12 9 1	ditto o	Do.
S. A. Nichterlein,	9 15 3	ditto	0 2 4	1st, 2d, 3d and 4th	Do.
Nund Kee,	407 13 9	ditto	6 1 10	Dividends paid.	I roved.
R. Nicholson, Ensign J. N. O'Halloran,	72 3 4 1079 0 4	ditto	1 1 3	Not paid. 1st Dividend paid.	Not proved. Proved.
D. O'Brien, Surgeon,	2172 13 3	ditto	32 9 6	1st, 2d, 3d and 4th Dividends paid.	 In the Control of the C
Alexander Ogilvy, Mariner,	1775 8 10	ditto	26 10 1	1st, 2d and 3d Divi- dends paid.	Do.
Robert Orr,	1728 4 0	ditto	25 14 9	ditto	Do.
Lieut. T. B. R. Oldfield,	357 8 2	ditto	5 5 9	Not paid. 1st, 2d, 3d and 4th	Not proved. Proved.
Thomas Oxborough, Officers of the 8th Regt.	22 13 9	ditto	0 5 6	Dividends paid.	Troveu.
N. I.,	313 14 0	ditto	4 11 3	ditto	Do.
Officers of the Mess 10th Regt. N. I.,	17 6 3	ditto	0 4 1	1st and 2d Dividends paid.	Proved.
Officers of the Mess H. M	62 2 9	ditto	0 14 10	Not paid.	Not proved.
Officers of the Mess 60th	66 12 3	ditto	1 0 0	1st, 2d and 3d Divi-	Proved.
Regt. N. I., Officers of the Mess H. M.	22, 4, 3	ditto	0 5 3	dends paid. 1st, 2d, 3d, 4th and	Do.
Officers of the Mess 22d		A L		5th Dividends paid.	and the second
Regt, N. I.,	49 4 9	ditto	0 11 9		Not proved,
Major H. L. Playfair,	150 4 6		2 4 0	lot 9d 3d and 5th	Do. Proved.
Provincial Grand Lodge,	1130 7 4	ditto	16 15 3	Dividends paid.	1 TOYOU.
Lieut. John Robertson,	901 0 8	ditto	13 8 3	1st, 2d and 3d Divi- dends paid.	Do.
Rajah Dudar Hossein,	283 9 4	ditto	4 4 0	Not paid. 1st, 2d, 3d and 4th	Not proved.
Ramsing Jemadar,	49 6 8	ditto	0 11 9	Dividends paid.	Truved.
A. Ricarde, H. S. Robinson,	325 11 2 48 5 7	ditto	4 14 1 0 11 6	Not paid.	Not proved.
F. W. Robertson,	3356 7 0	ditto	50 5 6	ditto	Do.
George Robinson,	115 9 0	ditto	1 11 9	lst and 2d Dividends paid.	Proved.
E. C. S. Smith,	21 12 1	ditto	0 5 1	Not paid.	Not proved.
K. Snook,	33 6 6	ditto	0 8 0	1st, 2d and 3d Divi- dends paid.	Proved.
William Speirs,	1586 14 4	ditto	23 12 9	1st, 2d, 3d, 4th and 5th Dividends paid.	Do.
Major W. Slarck, Serjt C. C. J. Scott,	100 9 11 355 5 7	ditto ditto	1 8 1 5 5 8	A STATE OF THE PARTY OF THE PAR	Do. Not proved.
Thomas Sloss,	26 11 8	ditto	0 6 4	1st, 2d and 3d Divi-	NAME AND ADDRESS OF THE OWNER, WHEN PERSONS AND ADDRESS O
				dends paid.	

Names and Descriptions as contained in the Sche- dule of the parties in respect of whose claims Dividends are reserved.	Amount of respective claims as per Schedule.		Unclaimed Dividends.	Amount of respective un-	Accountant General's	nands.	Whether any former Dividend or Dividends have been paid.	Whether any proof shall have at any time been made of the debt whereby any Dividends may have accrued.
Capt. J. D. Stokes, Major A. Shouldham,	43 3 78 5	3	6th	0	9	10	1st Dividend paid.	Proved.
Sabn. for the family of		3	ditto	1 15	14	9	Not paid. 1st, 2d, 3d and 5th	Not proved.
Wm. Jones, deceased, Ensign Robert Shaw,	4 3		ditto	0	1	0	Dividends paid. Not paid.	Not proved.
John Spellissy,	80 13	6	ditto	1	3	4	1st, 2d and 3d Divi-	Proved.
Sutor and Company,	66 5	0	ditto		15	10	dends paid. Not paid.	Not proved.
H. P. Saunders,	39 15	9 6	ditto	0	9	6	ditto	Do.
	112 14	657)	ditto		11	0	lst, 2d, 3d, 4th and	Do.
Shumbhoonath Mookerjee,	17,573 14	3	ditto	263		9	5th Dividends paid.	Proved.
Shaik Khurreem, J. A. and Wm. Reynolds	1545 8	0	ditto	23	2	10	ditto	Dot
Stansburry, Trustee un- der M. Setlt. of Mrs. E.	105 1	11	dia				N	
Rendall, now Mrs. E.	A Company of the Comp		ditto	3	4	9	Not paid.	Not proved.
J. S. Sullivan, Surgeon,	126 12	2	ditto				,	
Trust for Creditors of J. G.	126 12	-	ditto	1	14	4	ditto	Do.
Phillip and Co.,	680 14			10		4	Not paid.	Not proved.
Mrs. E. Turner, Capt. C. M. Thomas,	50 15 123 15	3	ditto		12 13	9	ditto ditto	Do. Do.
Trustees for St. John's Box of Lodge Industry and	1 143 1	6	ditto		2		1st, 2d and 3d Divi-	Proved.
Perseverance,	1 140 1		ditto	2	22	0	dends paid.	Froved.
Trustees for Mrs. O'Hal- leran and Children,	569 0	6	ditto	8	8		Not noted	Not proved.
Trustees of Mrs. J. Hog-	369 0	Ü	QILLO	0	0	6	Not paid.	Not proved.
gans,	316 14	3	ditto	4	12	0	ditto 1st, 2d, 3d and 4th	Do.
Trustees of Mrs. E. Dows,	10,038 8	11	ditto	150	9	3	Dividends paid.	Proved.
Trustees for Mrs. E. M. Temples,	678 8	5	ditto	10	2	0	Not paid.	Not proved.
Trustees for Mrs. E. Peters,	1684 12	3	ditto	25	4	3	1st, 2d, 3d and 4th	
Capt. J. H. Vanrenen,	31 8	1	ditto	0	7	6	Dividends paid. Not paid.	Not proved.
Capt. T. A. Vanrenen,	21,187 10	0	ditto			0	1st, 2d, 3d and 4th	
J. Van Genkel,	374 6	6	ditto	5	9	9	Dividends paid. Not paid.	Not proved.
J. B. Viles, Mariner,	625 7	8	ditto	9	6	0	1st, 2d and 3d Divi-	Proved.
George Waddell, Assistant				1			dends paid. 1st, 2d, 3d and 4th	
Surgeon,	824 7	1	ditto	12	5	9	Dividends paid.	D0.
Captain C. D. Wilkin-	8 15	0	ditto	0	2	10	1st, 2d and 3d Divi- dends paid.	Do.
Misses H. and A. Whish,	92 13	6	ditto	1	6	3	Not paid.	Not proved.
Miss C. F. Warden,	82 15	4	ditto	1		10	lst, 2d, 3d, 4th and	Do.
William Wilson, Surgeon,	1705 14	5	ditto	28	9	4	5th Dividends paid.	Froved.
Lieut. Robert Warburton,	48 6	4	ditto	0	11	7	Not paid. 1st, 2d, 3d and 4th	Not proved.
Joseph Wells,	31 12	2	ditto	0	7	7	Dividends paid.	Proved.
Mrs. C. Baldock, Mrs. M. E. Carnegie, Exix. of Major General N.	1181 10 296 1	6	ditto	17	7	6	1st, 2d and 3d Divi-	Not proved.
Carnegie, Major T. Champayne,	149 0	4	ditto	9	0	4	dends paid.	Not proved
P. Chiene,	143 6 284 14	2	ditto	2 4	2 4	3	Not paid.	Not proved. Do.
Misses Corbett,	48 4	9	ditto	0	11	6	ditto	Do.
Hubert Cornish,	3000 0	0	ditto	45	0	0	1st, 2d, 3d and 4th Dividends paid.	Proved.
Captain Wm. Conway,	20,343 8	2	ditto	305	2	4	1st, 2d, 3d, 4th and 5th Dividends paid.	Do.
		OWNERS OF THE PERSON NAMED IN				955555	were were a referred to best of the	THE RESERVE OF THE PARTY OF THE

				A WA		
	1 1		1 11	-90	i.e.	ay e e
	Amount of respective claim as per Schedule.		0 8	95		2 4 8
Names and Descriptions as	re	REPUBLICATION OF	tir	XII.	ngu	me me
contained in the Sche-	ale	Unclaimed	respective Dividends	800	former	pro ti de la
dule of the parties in	spe ed	Dividends.	Se L	in .	15	ied with
respect of whose claims	Sch		4	Accountant hands.	any or Div tid.	1 2 1
Dividends are reserved.	r S	Market 1	nount c	har	P E E	a con
	D di		nin Bin	l's	hether vidend been pa	hether have made by an
	mo		Amount	2 2	Vhether vidend been pa	EVE
			40			CHARLES TO SERVICE STATE OF THE PARTY OF THE
				TE 4	1st, 2d, 3d, 4th and	
Estate of Sir A. Seton,	24 13 9	6th	0	5 10	5th Dividends paid.	Proved.
Estate of Wm. Kinlock,	37 11 9	ditto	0	9 0	Not paid.	Not proved.
Estate of William Ford,	434 8 3		6	8 3		Do.
Focke and Brandenburgh,	771 4 9	ditto		9- 0	A. O. C. C. S. C. S. C. S. C. S.	Do.
J. O. Fairlie, S. A	750 15 11	ditto	11	4 3		Do.
Lieut. John Frederick, Mrs. M. E. Hay,	529 11 9 821 6 2	ditto		15 1 5 1	ditto ditto	Do.
H. and W. Todd Heath, in		ditto	12	Maria .		
Trust for Nenang Senang	DE MISSELS, SWIMBERSON NO 22/MAR	ditto	81 1	10 7	1st, 2d, 3d and 4th	Proved.
Charie,					Dividends paid.	
Frederick Halliberton,	8708 12 8	ditto	130 1	0 0	1st, 2d and 3d Divi-	Do.
		162 Mail Co.) - 1988	9三、图10	10.8	dends paid.	19 日 東海海岸
Robert Hamilton,	414 8 8	ditto	6	3 6	ditto	Do.
Mrs. E. Hillhouse, (late	499 0 0	3704	7	7 9	Not paid.	Not proved.
Wallace,)	499 0 0	ditto	7.5		1st, 2d, 3d, 4th and	MA PARK THE STREET
J. Half, Surgeon,	30,884 11 0	ditto	463	4 8	5th Dividends paid.	Proved.
Lieut. Col. Geo. Marley,	10 4 10	ditto	0	2 4	Not paid.	Not proved.
Lieut. T. Mackison,	28 5 0	ditto		6 9	ditto	Do.
Mhow Book Club,	36 6 8	ditto	0	8 9	ditto	Do.
Lieut. Col. H. O'Don-		Half Eller Gill				Do.
uel, Owners of Ship Coroman-	5 0 0	ditto	0	1 1	ditto	
del,	34 0 0	ditto	0	8 1	ditto	Do.
LIBROR MEDICAL CONTRACTOR		YOU WEST AND A STATE OF		Office (II)	1st, 2d, 3d and 4th	N. CHARLES CHARLES AND AND ASSOCIATION OF THE PARTY OF TH
Owners of Ship Catherine,	6979 10 .9	ditto .	104 1	1 0	Dividends paid.	A TOVEG.
Owners of Ship Coroman-						
del,	1047 11 3	ditto	15 1	100 T-01 T-01	ditto	Do. Do.
Owners of Ship Palmyrah,	13,557 7 0	ditto	203	5 9	lst, 2d and 3d Divi-	10.00
James Paterson, Lieut.,	760 15 4	ditto	11	6 7	dends paid.	Do.
Pensioner of A. Dunbar,	12.830 12 2	ditto	192	7 4	Not paid,	Not proved.
Captain Henry Ralfe,	394 10 7	ditto of	5 1	4 7	ditto	De.
J. B. Stell,	40 3 5	ditto		9 7	ditto	Do.
L. Seton, Lady,	43 12 7	ditto	0 1	0 6	1st, 2d, 3d, 4th and	Proved.
		A CHARLES			5th Dividends paid.	
Trustees for Mrs. R. Gra-	10,055 13 4	ditto	164	9 10	1st, 2d and 3d Divi- dends paid.	Do.
R. A. Wilson,	2479 12 2	ditto	37	3 1	ditto	Do-
SAME TO SECURE OF A PROPERTY OF THE PARTY.			8967317FS	0.000	1st, 2d, 3d and 4th	Do.
Smith, Elder and Co.,	675, 2 3	ditto	10	2 0	Dividends paid.	
Alexander Fraser,	293 11 6	ditto		6 4	ditto	Do.
Captain H. Beecher,	551 12 3	ditto		4 4	ditto	Do.
D. Guiestier,	656 4 7	ditto		3 6	ditto	Do. Do.
Daniel Button,	1117 7 6	ditto		2 1	1st Dividend paid. 1st, 2d and 3d Divi-	
Major William James,	843 8 9	ditto	12 1	0 4	dends paid.	Do.
Miss E Delevel	1004 1 0		or	4	1st, 2d, 3d, 4th and	Do.
Miss F. Duburgh,	1684 1 6		White State of the	4 1	5th Dividends paid.	N. William V.
John Mellenish,	1121 11 5	ditto	16 1	3 1	ditto	Do.
Captain A. H. Wood,	233 9 11	ditto	3	8 0	1st, 2d and 3d Divi-	Do.
		to the second		Visa.	dends paid.	A FRANK
William Darling,	2337 13 4	ditto	35	1 0	1st and 2d Dividends paid.	Do.
T W P C	400				1st, 2d, 3d and 4th	
Lieut. H. B. Smith,	409 0 0	SECRETARY TO SECOND	6	2 1	Dividends paid.	
Mrs. Josephine Motel,	763 11 9	ditto	11	7 3	ditto	Do.
		AVIVAL TERM	1	DOM:	CHARLE DE ASSESSMENT	THE REPORT

R. O'DOWDA,

Assignee of Fergusson and Co.

যোত্রহীনেরদের আদালত। আদৈনির দত্তরখানা। হিভাপন। ১৮৪১ সালের ২৭ আইনানুসারে।

যোত্রহীন উলিরম ফের্লি ক্লার্ক সাহেব ও উলিরম মেলবিল সাহেব ও জান গিলছোর সাহেব ও উলিরম ফ্রেন্থিক ফর্মনন সাহেবের দর্থান্তের বিষয়ে।

নয়ালীদেওয়া যাইতেছে যে এই ইশ্ভিহারের তারিখের এক বংসরের পরে কলিকাতার যোত্রহীন প্রণিরদের উপকারার্থ আদালতে ১৮৪১ দালের ২৭ আইনক্রমে এই বাবতে দরখান্ত হইবেক যে ঐ আদালতের আক্রেটনেন্ট দেনরল সাহেবের জাতসারে ভারতবর্ষের কোম্পানির আকেন্টনেন্ট দ্রেনরল সাহেবের জাতসারে ভারতবর্ষের কোম্পানির আকেন্টনেন্ট দ্রেনরল সাহেবের এইমত স্থকুম দেওয়া যায় যে তিনি আপন হাতে মৌজুদ নীচের লিখিত দাওয়া না হওয়া তিরিডেওের টাকা উক্ত যোত্রহীনেরদের ইক্টেট ও সম্পত্তির আশিন মাহেবেকে ফিরিয়া দেন্ ঐ সকল তিরিডেও উক্ত আদালতের ১৮৪২ দালের ২ জুলাই তারিখের ত্রকুমক্রমে উক্ত আক্রেটনেন্টনিট জেনরলইসাহেবের হাতে অর্পণ হইয়াছিল এবং যোত্রহীন আদালতে আরে। এই বিহয়ে প্রার্থনা করা যাইবেক যে ঐ দাওয়া না হওয়া তিরিডেও এইয়পে ফিরিয়া দেওয়া গেলে উক্ত যোত্রহীনেরদের যে মহাজনের। উক্ত ইক্টেটের উপর যথ দাওয়া সাব্যন্ত করিয়াছেন তাঁহারদের মধ্যে ভারতবর্ষের ব্যবস্থাপক কৌলেনের জারী করা উক্ত আইনের বিধির অনুসারে বিতরণ করা যায়।

উক্র ইনশালবেটেরদের তক্সীলের মধ্যে যেই ব্যক্তির দাওয়া পরিশোধ করিবার নিমিত্ব নীতের লিখিত দাওয়া না হওয়া ডিবিডেও গাছিত হইয়াছিল তাঁহারদের নাম ও ঠিকানা এবং প্রত্যেক জনের দাওয়ার সংখ্যা নীচের লিখিত কৈফিয়তের মধ্যে লেখা আছে এবং তাহাতে আরো নির্দিট্ট আছে যে উক্ ১৮৪১ সালের ২৭ আইনের ছকুমানুসারে কোন সাবেক এক বা ততোধিক ডিবিডেও দেওয়া গিয়াছে কি না এবং তাহার বিষয়ে প্রমাণ দেওয়া লিয়াছে কি না।

যে ব্যক্তিরদের উপলক্ষে ডি- বিডেও রাখা গিয়াছে তাহার- দের ডফদীলে লিঝিত নাম ও বেওরা	110.3	দাওয়া না হওয়া ডিবিডেও	আবেক্টাকেউ জেনরল সা- হেবের হাতে প্রভ্যেক জনের দাওয়া না হওয়া ডিহডেঙ	পুৰ্বে কোন ভিবিডেও দে- ওয়া গিয়াছে কি না	বে ডিবিডেওপ্রফুক্ত কর্জ হুদ্ধায়ে তাহার কোন প্রমাণ দেওয়া গিয়াছে কিনা
আর অবি 🔐 🔐	01/5	8	22	দেওয়া যায় নাই	প্রমাণহয় নাই
ত্বলিউ আর্মান্ট্	PERSONAL PROPERTY.	4	22 10/8	3	Tall text and
আনন্দচন্দ্ৰ মুখ্যা	99200	Ē	22110	5 12101816	ON THE REPORT OF THE PERSON NAMED AND THE PERSON NA
	2 7 7 1 1 1 1		A decision of the second	বিডেও দেওয়া গেল	
আনদহন্দ্ৰ মুখ্যা	22000000	1	349W9	All and a supplied that	3
उदलिखे आडम्। नादिक	201	Ē	νδ	३ । २ । ० । । । जिति	
Surveys of Parthetic art and	of the same			उडि प्रदेश द्रान	8
सान द्वाकरर्व	248	E	(8	দেওয়া যায় নাই	প্রমাণহয় নাই
বেচারাম চাট্য্যা	302979	2 000	30 150		
	10 1941	the Landing	TO THE CHARGE		প্রমাণ তইজ
বিবি ইলাইজা ব্রিগ্স	\$110/2	À	. 10		প্রমাণহয় নাই
ध कि दावेर्गिद	32	A	10	a	à
ভবলিউ বারেট	200000	à	00 Ma/5	১।২।৩।৪ডিবি	1
(A)	NEW PARTY		ri alarya.	ডেও দেওরা গেল	প্রমাণ হটল
ছে বর্গিন ১১ ডুগুনের গোরা	2902	à de	119	দেওয়া যায় নাই	श्रमान रस माडे
ই এ রভেল। পিনাল	20026	Ē	22 110	১। ২। ৩ ডিবিডেও	
TO BE SEED TO SEED THE			1.71	দেওয়া গেল	প্ৰমাণ হইল
এন বি ব্রেটিন	921/9	à	-5/8	দেওয়া যায় নাই	প্রমাণ হর নাই
জে কে ব্রাএম। চিকিৎসক	659 10	<u>a</u>	9400	১। ২। ৩ ডিবিডেও	
AND THE PROPERTY OF THE PARTY O	AND DESCRIPTION OF THE PARTY OF		SEDERAL PROPERTY.	দেওয়া গেল	প্রমাণ হউল
কেরো সাহেদের ইফেটের জন্যে	2822022	à	es 15	> 12101810 छ	and all ends
ডবলিউ বম্বীর্ড	State Class			বিডেও দেওয়া গেল	à .
দি ভবলিউ বাফীর্ড	222 1493	B	2 110/2	<u>a</u>	B
আলেক্ছাওর বেটি। চিকিৎসক	e 9 hu/8	2	W50	১ । ২। ৩ ডিবিডেও	
THE PROPERTY OF THE PARTY OF THE PARTY.		5 7 75		দেওরা গেল	à
अक तमांकि टकार	82.49	鱼	91/2	দেওরা যায় নাই	প্রমাণ হয় নাই
क जिंकुम मारहरतत उँ हताथि-					
कातितरमत के एक कि दश्य	SHOOLE	ब	80/6	à	à
जरनिष्ठे त्रहेमन आधानत्रामत					
১১ প্রতিনের হক্শী	225110/5	à l	> 11d	à	B
मित्र दूकाम	pood	à	25/	३।२।०।८ जिति	
				ডেও দেওয়া গেল	প্রমাণ হউল
ভূবনমোহন ছোব · · · ·	>0460	å	21/20	मिश्रा याग्र नाहे	প্রমাণ হয় নাই
কান্তান সি ডবলিউ বর্চ	re 11/3	i	5 18	১।২।৩।৪ডিবি	
				(एउ (मुख्या (शन	প্রমাণ হইল
[Government Gazette, 3d An	igust, 1847.]	[69)		

বে ব্যক্তিরদের উপলক্ষে ডিবি- ডেও রাখা গিয়াছে ভাহারদের ভফ- সালে লিখিত নাম ও বেওরা	उष्टमीनचनुमार्त्र शब्हाक खत्मद्र मस्टिश	দাওয়া না হওয়া ডিবি- ডেগ্ড	चारक्योरकेले स्माइन मारहादत् हार्ड श्रांडाक अस्माद्र मान्डा मा हुङ मा डि	পূর্বো কোন ডিবি ডেও দেওগা গিয়াছে ক্রিনা	্ৰে ডিবিডেওপ্ৰবৃক্ত কৰ্চ হুইৱাছে ভাহার কোন প্ৰমাণ কেণ্ডৱা গিয়াছে কি না
বিবি এডলফিনা বেল এচ কর্নিস সাহেবের জন্যে ডবলিউ	83 169		1142	দেওয়া যায় নাই ১।২।৩।৪ ডিবি	প্ৰমাণ হয় নাই
3184	026622	ď	"למשל	ডেও দেওয়া গোল	প্রমাণ হরল
এনসাইন এচ এম বার্ওএল	१२३ १४२	à	22472	১ ৷ ২ ৷ ৩ ডিবিডেও দেওয়া গেল	3
ভি ব্রৌন। চিকিৎসক ··· •··	०४६५०४	à	e 49	১ 1২ 10 18 1৫ ডিবি ডেগু দেগুৱা গোল	3
ডবলিউ বাইটর্ড • ১	01621120	B	e948	. a was n	a
क बावल जास्यावतात्र ३३ अव्येन	र के श <i>े</i> र	B	1/5	सिखता यात्र नाहे	প্ৰমাণ হয়নাই
টি এম কে কাম্রিশ	832 No.0	à	ড Visi	১ ৷২ ৷৩ ৷৪ডিবিডেঙ নেওয়া গোল	প্রমাণ হইল
रलाल्पेरमसे क कारमल ४७ शन्पेम	She	3	13	দেওয়া যায় নাই	প্রমাণ হয় নাই
কাপ্তান এচ ডি কক্ষ	862446	À	৬ দে ৪	১ ৷২ ৷৩ ৷৪ া৫ ডিবি	
•	કરમન	À	V _b	ডেও দেওয়া গোল ১ ৷ ২ ৷ ৩ ৷ ৪ ডিবি	প্রমাণ হ'ইল
ভি মাক্ডনাল্ড সাহেবের ছেলেরা	0.201/	à,	98 1/2	ডেঙ দেওয়া গেল ১ ৷ ২ ৷ ৩ ৷ ৪ ৷ ৫ ডি	প্রমাণ হটল
	NUMBER OF		The Control of the Co	বিডেও দেওয়া গেল	প্রমাণ হউল
एक म्म क शल म	89/2	E E	1.	(मञ्जा यात्र नाई	প্রমাণ হয় নাই
জর্জ কাটানিয়া	2921195		2 10/2	১ ডিবিডেও দেওয়া গেল	প্রমাণ হইল
মহাজনেরদের জন্যে চার্লস কেরি	200000	à	8(8	দেওয়া যায় নাই	প্রমাণ হল নাই
মৃত সি পর্তি সাহেবের ছেলেরা	>854°2	3	200	à	à
সারজন কাউস সাহেবের ছেলেরা	succe	3	363	B	and surface and
ভর্জ কৃষ্টকর ও পুজোরা	29011/5	B	211/9	à de la companya de l	3
এচ ভনাল্ডসন। চিকিৎসক	27.41/8	4	28/5	১ I২ Iও I ৪ I ৫ ডি বিডেও নেওয়া গোল	প্ৰমাণ হইল
দুর্দানা বেগম। হত্ত হিসাব 🗼 \cdots	הככככ	à	594/50		FIGS 1111 (FIRE THE STATE OF TH
মৃত এফ ভূজায়র। চিকিৎসক	500511/6	à	59/5	১ I হ I ত I ৪ I ৫ ডি বিভেণ্ড দেওয়া গেল	
মিস এক ডুবর্গ	e.84/2	à	91/5	à man	4
এ ভেবিভসন। চিকিৎসক	9 11	à	/>	रमध्या यात्र नाहे	প্ৰমাণ হয় নাই
ভবলিউ জি ডে	१५०११०७३	à	onio	à	À
বিবি এ ভেবিভগন	25861/2	à	25,1M2	১।২।৩।৪ ডিবি ডেও দেওয়া গেল	প্রমাণ হইল
এফ এলস্ম	25 199	À	y.	দেওয়া যায় নাই	প্রমাণ হয় নাই
বিবি এম এ এমেরিন একণে বিবি	969 M	à	chuc	३ १२ १० । ८ । ६ कि	
in				বিভেণ্ড দেওয়া নোল	THE RESERVE OF THE PARTY OF THE
अम जि हेलाइम	26984	3	50198	দেওয়া যায় নাই	প্রমাণ হয় নাই
टिक्स्म शाक्यू अटिल हे हिस्से हैं	39 मिक	à	142	and the plant	à
शि वर्गमदम्ब इत्छेषे	01/	E	(3	à	. 4
মি জি ফ্রেক্রের ইন্টেট	520 1/5	B I	2420	à c	
মেজর জে এ শক সাহেবের ইন্টেট	882 16/5		@ 11J20	১।২।৩।৪ ডিবি ভেও দেওয়া গেল	
हि खुँबार्टिंद हैरकेंहें	885 1/	ď	211/20	দেওয়া যায় নাই	প্ৰমাণ হয় নাই
जिल्ली स्व वि कर्रम	8 113	B	/•	à	B
জান হেঞ্ছ	post md	<u>a</u>	८४८२	२।२।०। ४। व फि विस्डिड सम्बद्धा लिन	প্রমাণ হইল
ভে আর ফ্রেম্বর	39/3	à	r	১ ৷২ ৷ ৩ ডিবিডেণ্ড দেওয়া গেল	প্রমাণ হউল

বে বাজিরদের উপলক্ষে ডিবি- ডেও রাখা গিয়াছে ভাষারদের ডফসীলের লিখিত নাম ও বেওরা	তক্ষসীলঅনুসারে প্রভ্যেত জনের দাওয়া	माक्सा ना हक्सा हिदित्छथ	ज्यारककोरकेके (अन्द्रम सा- व्हाद्य होटि श्रीकाक असम्ब्रह्म माङ्गा ना हुख्ना व्हिन्छित्र	পুৰ্বে কোন ডিবিডেণ্ড দে- ওয়া গিয়াছে কি না	ধে ডিবিডেওপ্রকুক কঞ্চ হইরাছে ভাহার কোন প্রমাণ দেওয়া গিয়াছে কি না
ট্টি ফর্মসন। গোর।	28.4 1922	•	250	১ ৷ ২ ৷ ৩ ৷ ৪ ডিবি	প্ৰমাণ হইল
चास्य करा कथक्षेत्र	בעו ע ייי	3	1.	ডেও দেওয়া গেল দেওয়া যায় নাই	শ্ৰমাণ হয় নাই প্ৰমাণ হয় নাই
জান ফ্রান্তস	020	ā	11/8	১ ৷ ২ ৷৩ ডিবিডেগু	SA14 52 415
				टम छन्ना दशन	প্রমাণ হইল
क्ष्यम स्क्त	000 No	À	8403	৪ ডিবিডেও দেওয়া	
				গেল	à
उदिनि जै न अम रक्न	sar ive	à	3 110/2	ই ডিবিডেও দেওরা	
新型型型型工作工作			Made 19	গেল	. 2
আরু ফটার সারজন	05000	Ŕ	842	३।२।०। इ जिलि	
				ডেও দেওয়া গেল	à
लि ल्लें रन है जि मि छा	95110	à	303	> 1२ डिविट्ड ७ टन	
CC	303011-10			ওয়া গেল	à
বিবি এম গোমেদ	29281148	à	२७४०	३ १२ १० । 8 IE जि	
(मरकेरनके बि श्रीन ob अक्रेन	6/4			বিডেও দেওয়া গেল	4
লেপ্টেনেক জি গ্রান ৩৮ প্রত্যন জে বি ডি গেহন	rendo.	A A	/50	म्बिश यात्र मारे	প্রমাণ হয় নাই
মেজর আর গর্ডন	३७७२ १७३	3	> 19	à	Æ
			28 NJ	১ ৷ ২ ৷ ৩ ডিবিডেগু	
লেপ্টেনেন্ট এচ জে গায়ন	Sonds	à	100	দেওয়া গেল	d
জে এ হেসিৎ	3384/2	à	d>	দেওরা যার নাই	প্ৰমাণ হয় নাই
ছে হার্কোর্ট । চিকিৎসক	329(2	à	5 HJ 8	৪ ডিবিডেণ্ড দেওয়া	
			2008	গেল	প্রমাণ হইল
বিবি এচ হারিসন	@39 110	3	P 110	১।২।৩।৪ডিবি	
		last encur	Contactores in a	८५७ मिड्या श्रम	3
ধিবি ই হামিল্টন	242	Ŕ	10	দেওয়া যার নাই	প্রমাণ্ডয় নাই
বিবি ই হল	429	à	298	B	à
যেজর ভামস হল	08.00	É	65(5)) राया शाक कि	
THE PLEASE OF SAME THE SAME			2000年基份企业	বিডেণ্ড দেওয়া গেল	প্রমাণ হইল
মেজর জে হেরিং	२०५/१	ď	1/5	দেওয়া যায় নাই	প্রমাণ হর নাই
মিস এম সি হারিৎটন	9 10/2	ď	/>	£ L	à
लि एके दिन हिन	२९॥७३	g	169	3	a a
এনসাইন সি হেগার্ট	5295	<u>a</u>	1/•	4	à
वैक्षित्रा निर्मि	5446110	Ā	82 49	E .	à
अ अठ हेलेरवल्ड	2988499	ď	581192	১। ২ ডিবিডেণ্ড দে	
->		2		গুরা গেল	প্রমাণ হইল
জে ই,নিদ। চিকিৎসক ,	8.91/8		6/5	১।২।৩ ডিবিডেও	
জি জাকদন। কর্ণেট '		3		দেওয়া গেল	3
	2000 m/2	3	06	3	国际
প্রান জেম্স জানসন	26.06 115.2		50 172	১।২।৩।৪ ডিবি ডেও দেওয়া গেল	à
लाल्केरनके अठ क्राममम २७ शक्येन	2222114	à	391030	देख दम्बद्धा दम्म	3
কাপ্তান ক্লে ডবলিউ ক্লোন্স	SECTION AND ADDRESS OF THE PARTY OF THE PARTY.	3	304418	à	à
नि এচ জासमस	3481168	à	8 10	<u> </u>	3
এনসাইন বি ডবলিউ আর জেনর		À	Con	১।২। ৩ ডিবিডেও	
				দেওয়া গোল	à
বিবি এস জানসন	80300	a	0/0	3	3
কাঞ্চিদাস	85440	à	IIJ>	দেওয়া যায় নাই	প্রমাণহয়নাই
এনদাইন ডবলিউ এচ লোমর	83412	à	110/	à	a.
মৃত এম লিমণ্ডের অছি মিস সেরা				3 121018 15	
	בען שבבפב	ब्रे	28548	বিডেও দেওয়া গেল	Otota & Ber

যে বাক্তিরদের উপলক্ষে ডিবি- ডেও রাখা গিরাছে তাহারদের তফ- সীলের লিখিত নাম ও বেওরা	ভূফসীলঅনুসারে প্রভ্যেত স্বনের দাওগ	দাওয়া না হওয়া ডিবি- ডেও	আক্রেট্ডের জেন্ডল সাহেবের হাডে প্রভাত জনের সাওয়ানা হওয় ডি বিডেও	পূর্কে কোন ডি বিডেও দেওয়া দিয়া ছে কি মা	्य डिविएएथअयुक्त कक्ष इहेशाङ्क छाहाद्व दकास ध्र याभ तम्बद्धाशिवाह्य कि मा
আর সি এস লফনন	200	•	2110	১। ২।৩ ডিবিডেও দেওয়া গেল	প্রমাণ হইল
জ্ব এম লফনন জ্বিন লঙ্গুটার্ড	55295	À	ono	4	
ब्राणस्य ।लंडणंड	2.58 No.20	4	00 10	১।২।৩।৪ ডিবি ডেও দেওয়া গেল	3 700
কাপ্তান পি লাটুশ,	rooph/22	à	520/5	১। ২। ৩। ৪। ৫ ডি বিডেও দেওয়া গেল	3
লেপ্টেনেন্ট পি মিক	2114	À	06	à	3
মেজর জর্জ মুরিএল	11005	ā	cue	দেওয়া যায় নাই	প্রমাণহয়নাই
এনসাইন এফ সি মেটলাও কাপ্তান এ মাকিনন	80 194	ā	11/9	à	ğ
6	2649	Ĭ.	10/5	ğ	8
লেপ্টেনেক্ট ডি মেলিস · · · ·	14 CD	ā ā	280	ঞ ১।২। ৩ ডিবিডেগু	The state of the state of
	4 % IV		con	দেওয়া গেল	প্রমাণ হ'ইল
মেজর ডি এচ মাকডোরেল	998 No	À	@ 10/3	১।২ ডিবিডেও দে গুয়া গোল	TO SHEET A
ल्ला कि कारक शि	2000/2	ă	04/8	দেওয়া যায় নাই	প্রমাণ হর নাই
আর এবং টি ও মরেল	ehi	à	/8	À	à
মেজর ভাষ্য মাডক	85309	à	9050	১।২।৩।৪ডিবি	() () () () () ()
জে মাকটিরর				ডেও দেওরা গেল	প্রয়াণ হইল
নোনা সিনাৎ চারি	2890MG	Ē	८० ५००	ঞ দেওয়। যায় নাই	এ প্রমাণ হয় নাই
জে ওগলবির দানপত্তে পাওনিয়া নানি ··· ··· ··· ···					
এস এ নিকটরলিন	בחו אסא	A .	5211/5	ते ते	E .
सन्म कार्ड	2000 809W2	a a	9/30	১।২।৩।৪ডিবি	A
			9/30	ডেও দেওরা গেল	প্রমাণ হইল
আরু নিকলদন	92.08	2	3/0	দেওয়া যায় নাই	প্রমাণ হয় নাই
এনসাইন জে এন ওহালরন	200068	à	2248	১ ডিবিডেও দেওয়া	
ডি গুৱাইন। চিকিৎসক				গেল	প্রমাণ হইল
ाउँ उदाहर । जिंकदमक	25924/0	à	0511/0	১।২।৩।৪ ডিবি ডেও দেওরা গেল	
এ ওগলবি। गाविक	59961150	à		১।২।৩ ডিবিডেও	3
			29110/5	দেওয়া গেল	à
রাবর্ট আর		à	20400.	ā	à
लार के कि वि आह अन् अक्षिम् अ		à.	@ V>	मिख्या यात्र नाहि	প্ৰমাণ হয় নাই
তামদ অক্সবরা	२२५/३	बे	Vo	১।২।৩।৪ডিবি	
৮ পল্টনের দেনাপতিরা	Sound			ডেও দেওৱা গেল	প্রমাণ হইল
১ পল্টমের ভোজের সেমাপতিরা	MILE HOUSE PROPERTY OF THE	ते वे	8 11/0	ঐ ১।২ ডিবিডেণ্ড দে	A STREET
মহারাণীয় ১৪ পাল্টনের ভোজের	TO MEST		15	ওয়া গেল	3
দেনাপতিরা		à	40/30	দেওয়া যায় নাই	প্ৰয়াণ চৰ নাই
৬ পল্টনের ভোজের সেনাপতিরা	cnee	3	31	১ ৷ ২ ৷ ৩ ডিবিডের	
				দেওরা গেল	প্রমাণ হউল
মহারাণীর ১৩ পল্টনের ভোজের		à	1/0)।२।०।८। ० डि	
সেনাপৃতিরা ২২ পুল্টনের ভোজের সেনাপতিরা	* 1 m / 2 m			विष्डं प्रश्रा पान	à
ट्याक्षत क्षेत्र क्षेत	A STREET WATER TO STREET	a a	310	দেওয়া যায় নাই	প্ৰমাণ হয় নাই
শহরীর গ্রাও লব্দ		3	SUNS	31210101	A LEGIS COMPANIES WAS THE RES
	1			विद्युष्ठ दम् छत्र। दशन	A STATE OF THE PARTY OF THE PAR

	grens	जितिएक अ	अन्यत्व मा- ड थाउँ। । मां इंदेश	A 68	क कर्फ हर्दे (त्काम थी- शिशाक्ट कि
त्य वाक्तित्रामत् उपानाक जिति-	to. 10.		8 6 -	जितिएक अ इ. कि. मा	をしま
ভেও রাখা গিয়াছে ভাহারদের ভফ	##	इत्स	15 PM	HURSON COOKSELLER BY TO SECURITION	उथ्रथ्य काश्रह मन्द्रत
मीलंद निश्चिष्ठ माम ও दरअद्रा	ोन क्षूनार्ड स्टनड् मार्डड	7	165 F 20	किस शिक्षा	जिल्ला कार्या त्रम दल
STATE OF THE STATE	重量	माङ्ग	त्क्रकोत्ले व्हरवत्र झत्मत्र म	A THE RESERVE THE PARTY OF THE	विदिया सारक मा
	9.00	Ť.	आरक्कोरकेके त्हरवंत्र हा अत्मत्र मधि	शुरक् अस्त	মে ডিবিডেঙপুরুক্ত য়াছে কাহার । মাণ দেওয়া গি
त्ल (॰ हें दन के बान हाय हमन	2026	•	20110	১।২।৩ ডিবিডেও	
		2		दम छ ग्रा दशन	প্রমাণ হইল
রাজা দদার হুদেন	37011/8	जे जे	8 10	দেওয়া যায় নাই	প্রমাণ হয় নাই
রামসিৎ জ্মানার	85 10/5		1103	১।২।৩।৪ ডিবি ডেও দেওয়া গেল	প্রমাণ হ'ইল
এ রৈকার্ড	05 G 1195	g	8403	मिड्या यात्र मारे	প্রমাণ হয় নাই
এচ এস রাবিন্স্ন	871/9	E	11/5	3	A
এফ ডবলিউ রাবর্টসন	0069 IN	Ĭ.	a. 1/9		À
জিরাবিন্সন•	22611	à	311/2	১'। ২ ডিবিডেও দে গুয়া গেল	প্রমাণ হইল
ই সি এস ফিথ	52 42	<u>a</u>	VS	मिड्डा यात्र नाडे	প্রমাণ হর নাই
त्व युव	00 100	à	п.	১।২।৩ডিবিডেও	
直接 医肾髓管 医阴道管 医肾髓管				দেওয়া গেল	প্রমাণ হইল
উলিয়ম্ निপর্স	2643498	à	२०५३	215121816	THE TANK OF STREET
				বিডেও দেওয়া গেল	
মেজর ডবলিউ মার্ক । শার্জন	2001/22	À	2112	E CONTRACTOR	4
निनिक्त करें	0001/9	ब्रे	010	দেওয়া যায় নাই ১।২।৩ডিবিডেও	প্ৰমাণ হয় নাই
তামদ সদ	२७॥७४	4	10/8	দেওয়া গেল	প্রমাণ হইল
কাপ্তান জে ডি কৌক্স \cdots 🗼 ···	8270	à	N 20	১ ডিবিডেও দেওর। গেল	3
মেজর এ সুলভাম	901/	3	3/8	(मछत्र) यात्र नाहे	প্রমাণ হয় নাই
মৃত ভবলিউ জোন্সের পরিবারের	2000 100	ž.	se has	३ १२ १० १६ छिति	24
कत्म कामा			and the same of	ডেও দেওয়া গেল	প্রমাণ হইল
এনসাইন রাবর্ট শা	8./5	à	10	दम् अता यात्र नार	প্রমাণ হর নাই
बान स्मानिम	204/0	3	2/8	১।২।৩ডিবিডেও	THE RESERVE OF THE PARTY OF THE
				দেওয়া গেল	প্রমাণ হইল
দুটর কোৎ	331/	Ā	nd>*	দেওয়া যায় নাই	প্রমাণ হর নাই
এচ পি मार्थर्म	CUNCO	E	11/5	2	3
বিবি ই লিৎক্লের	225 MAR	· ঐ	2 110	১ ৷২ ৷৩ ৷৪ ৷৫ডিবি	11-1200 FEB. AT 1000 00000
गबुनाथ मृथुरा।	3989340	À	590 N.2	ডেও দেওয়া গেল	প্রমাণ হইল
বিধি ই রেডালু এক্ষণে বিধি ই বিয়					
র্ডের যৌতুক খনের টুফি জে এ	7.		No.		
এবং ডবলিউ রেনাল্ডস ফাল-	12000000000000000000000000000000000000				
বরি	226/22	à	दारु	দেওয়া যায় নাই	প্রমাণ হয় নাই
अत्र मलियन। ठिकि॰मङ	SNOSC	ã	> 40/8	à	à
জে জি ফিলিপ কোম্পানির মহাজ-					
्रावदाप्त पुष्टे,	Pro NO	ā	2.98	A DELIGITATION	1 3
विवि हे हेर्न्द्र	6.498	À	NS	3	1 3
কাপ্তান সি এই তামস · · · ·	SONOSC	à	SWS	d .	9
ইণ্ডফ্রি ও পর্মিবিরর্জ নামক লজের দেউজান বক্সের টুফ্টি	580/6	ă	200	১। ২। ৩ ডিবি ডেণ্ড দেওয়া গেল	প্রমাণ হত্ত
বিবি ওহালরন ও ছেলেরদের					
文章	69260	à	P 110 8	দেওয়া যার নাই	প্রমাণ হয় নাই
বিবি জে হগন্সের টুট্টি ···	029490	à	84.	· à	à
বিবি ই ডৌসের টুফি	20000 1122	3	26.11.0	১।২।৩।৪ডিবি ডেও দেওয়া গেল	
विवि हे अब रिम्मन्त्मत् पुर्खे	397 He	E	2000	দেওয়া যায় নাই	
বিবি ই পিটলের টুফি		à	2010	3121018	
No.		. 3	Towns ?	বিডেও দেওয়া গেল	CONTRACTOR OF THE PARTY OF THE
কাপ্তান জে এচ বানরেনেন	1 02112 1	• এ	1 . Ws	लिख्या यात्र नाहे	व्ययागर्श माड

	<u> </u>	िडिदिएक्ट	(क्षमहूल मा- क श्रीरहार्क ना मा हुं हहा	कि मा	फिरिएफअथ्रुक् कर्क गट्ट डोहाड़ त्याम भ तमक्षा शिवाएड
य राक्तित्रमत् डेभनक्त डिरि-	माउस माउस	五	ISC HOSE DESIGNATION		SIETS GREET FO
তেও রাধা গিয়াছে তাহারদের	F F	ह 6 म	हैं के एक होएक होएक हो हो	কাম ডিবি গিয়াছে	500
তফদীলের লিখিত নাম ও বেওরা	डक्नील अनुमार्द ब्रह्मह मोडिह	F	THE RESERVE OF THE PARTY OF THE	重	The state of the s
	(F 10	माठया	त्वस्त्रहोत् त्वत्त्रहे शत्त्रहे	भूति अज्ञा	(1) (1) (1) (1) (1) (1) (1) (1) (1) (1)
	1 2	ŧ	8	F	
কাপ্তান টি এ বানরেনেন	52284 IN	٠	0594/0	३। २। ७। ৪ ডি	
				विराज्य दमख्या दशन	প্রমাণ হটল
জে বানগেছেল	NO PRINTED AND A CONTRACT OF THE PARTY.	i i	6 N/2	मिछ्या यात्र नाहे	প্রমাণ হয় নাই
त्व दि देवल्य । नादिक	. 856 INA		2 19	১।২।৩ ডিবিডেও দেওরা গেল	প্ৰমাণ হইল
ক্লি ওয়াডেল। আসিফান্ট চিকিৎসব	P58 192	à	25 1/2	১। ২। ৩।৪ডি বিডেও দেওয়াগেল	
কাপ্তান সি ডি উইলকিনসন ••	- bud	à		১। ২৫৩ ডিবিডেও দেওয়া গেল	3
যিল এচ এবং এ উইল	SZWO	É	2 10/0	দেওয়া যায় নাই	প্ৰমাণ হয় নাই
भिम मि अक स्थार्टिम	THE REAL PROPERTY OF THE PERSON NAMED IN	E E	2020	à	A
७र्जिं उड्डनम्म । ठिकिश्मक	. sq oa hore	ğ	₹₩1/8	১ 1২ 1৩ 18 1৫ ডি বিডেও দেওয়া গেল	প্ৰমাণ হটল
लिट्लिया चाद श्राह्य	84 198	à	1129	দেওয়া যায় নাই	প্রমাণ হয় নাই
८व ७ थवान	2.0.	· K	109	১। ২। ৩। ৪ ডিবি	
				ডেও দেওয়া গেল	প্রমাণ হইল
বিবি সি বাল্ডক মেজর জেনরল এন কার্ণগির অভি	Company of the Compan	À	29 11/9	দেওয়া যায় নাই	প্ৰমাণ হয় ৰাই
বিবি এম ই কাণ্ডি	Married or Anappare 1 to 1975	3	8 10	১।২।৩ ডিবিডেও	ALL STATES
				দেওয়া গেল	প্রমাণ হইল
মেজর টি সাম্পেন	280 10/8	À	₹ 8	मिख्या यात्र नाह	প্ৰমাণ হয় নাই
পি চিএম	HEAVIER STEEL STEEL	E	8 10	A STORY	à
মিস কর্মেট		A >	84	३। २।०।८ डि	à l
हिडेदर्के कर्निम	2000/			বিডেও দেওয়া গেল	
কাপ্তান ডবলিউ কনওএ	5 . 080 IS	à	0.698	১ 12 10 18.1¢ ডি বিডেণ্ড দেওয়া গেল	3
কাপ্তান জান ডেবিস	PSP 1922	2	32 103	১ ৷ ২ ৷ ৩ ডিবিডেণ্ড	
				टम्ख्या दशन	B
मह अ मिष्टेरनत वैदक्षेष्ठे	२८५/२	À	N2.	১।২।৩।৪।৫'ডি বিডেও দেওয়া গোল	A STATE OF THE RESIDENCE OF THE PARTY OF THE
ডবলিউ কিনলকের ইফেট	6/11 PC	À	11/	मिख्या यात्र माहे	T CHOOSING PSYSTEM CONTROL OF THE CO
ভবলিউ ফোর্ডের ইফেট		B	0110	à	a
ফক ও ব্রাণ্ডেনবর্গ		A A A	27 II	à	म
स्त छ स्कर्ति। चडच हिमाद	9804/55		22 10	à	à
ल्लाक्ष्रेमके बान क्षिक		À	32 US	a	a
दिवि अम हे दह		a			3
নিনা পিনা চারির টুটে এর এবং ভবলিউ টভ ছিথ	8 STUDENSKERING	4	23 16/9	১।২।৩।৪ ডিবি	
			7400	ডেও দেওয়া গেল	প্রমাণ হইল
এक्ष शांजियकेंग	P40PNP	à	200 119	১।২।৩ ডিবিডেও দেওয়া গেল	3
আর হামিল্টন	828 11	à	808	4	3
दिवि दे हिलाहोन भूटर्स विदि छहा					
लिम	822/	a a	9 100	দেওয়া যায় নাই	প্ৰমাণ হয় নাই
८इ रल। ठिकि॰ नक	00 8 A 8 40 0	À	89010	১।২।৩।৪।৫ডি বিডেও দেওরা গেল	প্রমাণ হউল
ल्ला कि कर्नि कि मात्रि	3.15.	à	√8	रम अता सात्रं साह	
ज्ला कि माकिमन	The second of th	à	Wa	ā	à
মহ পুত্তক সভা	05 105	E	112	3	g
		12.5			

যে ব্যক্তিরদের উপলছে বিডেও রাখা গিয়াছে তা দের তফদীলের লিখিত ন বেওরা	তক্ষদীলভানুসারে প্রডাত জনের দাওয়া	দাওয়া না হওয়া ডিবি ডেণ্ড	আক্রেক্টিক্ট জেন্বল দা- হেবের হাতে প্রড্যেক জনের দাওয়া না হওয়া ডিহিডেড	भूरके टिकाम डिबिटडिंग एक- डहा ज़िहाएड कि मा	মে ডিবিডেওপ্রমুক্ত কর্জ হইরাছে ভাষার কোন প্রমাণ দেওয়া গিলাছে কিনা	
स्मरण्डेरमधे कर्न्न कर छ उ		•				
कत्यात्थल काशक्षत्र माल		@ \	5	12	দেওয়া যার নাই	প্রমাণ হয় নাই
		087	· i	112	à	a
कार्यवाजन स		द्रथा द्रष्टि	ā	7.819	১। ২। ৩। ৪ ডিবি	
कर्याएक के के	N in				ভেও দেওয়া খেল	প্রমাণ হইল
	•••	2084119	à	201198 ·	. 3	4
পালময়রা ঐ ঐ লেপ্টেনেন্ট জে পাট্রসন		71 623CC	à	5.00 NZ	à .	A
ट्लंटफरम्स्ड टब्र शास्त्रज्ञ		930408	Ē	22 194	১ । ২ । ৩ দ্বিভেণ্ড দেওরা গেল	à
এ ডনবারের বৃত্তিভোগী		25400 45	à	322 148	দেওয়া যায় নাই	প্রমাণ হয় নাই
কাপ্তান হেনরি রাল্ফ		0>8110/9	à	e 40/9	e e e e e e e e e e e e e e e e e e e	è
ছে বি টেল		8000	à	1/9		3
दिवि अन मिणेन	***	8049	à	110/5	3 12101816	Sulf thereby, in St.
是在2000年的1900年1月1		War was	E	resident in	বিডেও দেওয়া গেল	প্রমাণ হইল
विवि आत श्रादासत पुष्ठि		20008M8	a .	>98 IV> >	১। ২। ৩ ডিবিডেও	
আর এ উইল্সন		200242			দেওয়া গেল	3
ক্ষিথ অলুভর কোৎ	•••	२८१३ भर	, à	09/5	a .	ğ
the major call		396%	3	204	३। २। ७। ४ छिटि	
এ ফুেব্র				。	ডেও দেওয়া গেল	À
কাপ্তান এচ বিচর	***	5201199	E	8 10/8	S.	3
ডি গিএফিয়র	•••	CHESS	A	F 18		E
A CONTRACTOR OF THE PARTY OF TH		Se5 19	B	5000	d	R
(2) 新国民主义(1) (2) (2)		2229 198	मे	29402	১ ডিবিডেও দেওয়া গেল	à
মেজর ডবলিউ জেম্স	•••	F80 112	A	251148	১। ২।৩ ডিবিডেও	
					দেওরা গেল	. 3
মিদ এফ ডুবর্গ	-0	3388/3	B	26.12	312101816	多可用 通常
	ME.				বিডেও দেওয়া গোল	B
जान प्रालिनिम		2252 11/4	a la	384/3	3	E
কাপ্তান এ এচ উড		2001/22	à	0110	১ । ২ । ৩ ডিবিডেগু	
阿里利斯斯斯斯斯	THE S		50 集市科学	Challeton ban	দেওয়া গোল	Ē
উनियम डार्नि॰	•••	8 MPCOS	3	190	১।২ ডিবিডেও দেও	
	D. 100			ADDED TO	हा दशन	à
ल्लाको वह वि विश्व		8.51	à	80/5	১ ৷ ২ ৷ ৩ ৷ ৪ ডিবি	10% 建建设金
	Sydia		DISTRICT.		ডেড দেওয়া গেল	ā
विदि खारमिक सार्छेल	Casa	95011/2	3	35 100	g cos chours char	3

আর গুড়ৌডা। ফরগদন কোম্পানির আদৈনি। [Government Gazette, 3d August, 1847.] [75]



গ্ৰৰ্ণফোন্ট গোজেট

গ্রণ্মেণ্টের আজ্ঞাক্রমে প্রকাশিত।

CALCUTTA, TUESDAY, AUGUST 10, 1847.

কলিকাত। মঙ্গলবার ১৮৪৭ সলে ১০ আগ্রই।

COUNTANT GENERAL.

No. 729.

To the Post Masters of the Bengal Presidency.

I have the honour to annex for your information copy of a letter from the Under Secretary to the Government of Bengal, to the address of the Accountant, dated the 21st ultimo, with its enclosure, and to request that on being called upon to employ Banghy Burdars for the purpose of conveying packets belonging to any public office, you will be pleased to include the expense that may be incurred by you in a separate Bill for submission to the Civil Auditor.

2d. 'This Bill when audited you will transfer by a charge to "Post Office Remittances," to the Collector of your District, who will exhibit its amount in his Treasury Account to the debit of the proper Department.

(Signed) W. MAPLES,

Offy. Ex. A. Accett to the Govt. of Bengal. Fort William, Accountant's Office,

The 26th July, 1847.

(Copies.)

No. 809.

From the Under Secretary to the Govt. of Bengal, to R. Walker, Esq., Accountant to the Govt. of Bengal, dated Fort William, the 21st June, 1847.

I am directed to transmit for your information the accompanying copy of a letter this day addressed under the Orders of Government to the Post Muster General.

(Signed) A. R. Young,
Under Secretary to the Govt. of Bengal.

[Government Gazette, 10th August, 1847.]

আক্টোণ্টেণ্ট জেনরল সাহেবের সরকালর পত্র

१२२ नमूह्।

বাদলাপ্রভৃতি দেশের জীযুত ডাকের অধ্যক্ষ সাহেব হরাবরের ।

শ্রীযুত আকেনাকেট সাহেবের প্রতি বাললা দেশের গবর্ণমেন্টের শ্রীযুত ছোট সেক্ষেটারী সাহেব গত মালের ২১ তারিথে যে পত্র পাঠাইরাছিলেন তাহার ও তাহার সঙ্গে প্রেরিড লিপির নকল তোমার বিজ্ঞাপনার্থ পাঠাইরা আদেশ করিতেছি যে কোন সরকারী সিরিশ্ভার পুলিন্দা বহনের জন্যে যথন বাঞ্চীবরদারকে নিযুক্ত করিতে ভোনার প্রতি জ্বুম হর তথন তাহাতে তুমি যাহা বায় কর তাহা সিবিল স্মাডিটর সাহেবের নিকটে পাঠাইবার জন্য আলাহিদা বিলে লেখা।

২। এই বিল আডিট হইলে পর তুমি ডাক্ছরে প্রেরিড টাকার বাবং খার্ড লিখিয়া ভোমার জিলার কালেক্টর সাহেবের নিকটে পাঁচাও তিনি আপন খাজানাখানার হিলাবে তাহা উপযুক্ত দিরিশ্ভার খারতে লিখিবেন।

প্রা এটা এটা স্থা তথ্যতি মেপ্রাস ।

বাঞ্চলা দেশের গবর্ণনেটের আক্রেটনেটট ,
সাহেবের এক্টিৎ অভিরিক্ত আদিষ্টাট ।
ফোর্ট উলিন্নম। আক্রেটনেটট সাহেবের দক্তর্থানা।
১৮৪৭। ২৬ জুলাই।

(নকল।)

৮০৯ ন্যুর।

বাদলা দেশের গবর্ণমেন্টের আকেন্টেন্ট জীবুত আর ওয়াকর সাহেবের প্রতি বাদলা দেশের গবর্ণ-মেন্টের শ্রীমৃত ছোট সেক্টোরী সাহেবের পত্র। ফোর্ট উলিয়ম ১৮৪৭। ২১ জুন।

গবর্ণমেন্টের ত্রুমক্রমে ডাকের প্রধান অধ্যক্ষ লাহে-বের প্রতি আলা যে পত্র পাঠান গেল তাহার নীচের লি-থিত নকল ভোমার বিজ্ঞাপনার্থ পাঠাইতে ত্রুম পাই-য়াছি।

এ আর ইরৎ।
 বাঙ্গলা দেশের গবর্ণমেন্টের ছোট সেক্রেটারী।

No. 776.

From the Under Secretary to the Govt. of Bengal, to W. Tayler, Esq., Post Master General, dated Fort William, the 21st June, 1847.

I am directed to acknowledge the receipt of your letter, No. 9, dated the 27th ultimo, with enclosures, and in reply to state that in any case in which Extra Banghy Burdars are employed especially for the purpose of conveying packets belonging to any public office, the Deputy Governor is pleased to authorize you to debit to the Department to which the Office belongs, the Extra charge thereby incurred, instead of to the Post Office as heretofore.

(Signed) A. R. Young,
Under Secy. to the Govt. of Bengal.

(True Copies.)
(Signed) W. Maples,
Offg. Ex. A. Acctt. to the Govt. of Bengal.

No. 730.

To the Collectors of the Districts of Moorshedabad, Hooghly, Bhaugulpore, Durrung, Dinagepore, Beerbhoom, Behar, Patna, Lukhimpore, Gowalparah, Midnapore, Kamroop, Rajshahye, Bullooah, Sarun, Nowgong, Purneah, Rungpore, Sylhet, Backergunge, Bograh, Maldah, Monghyr, Mymensing, Jorehaut, Tirhoot, Tipperah, Pubnah, Chittagong, Jessore, Burdwan, Cuttage, N. D., Cuttack C. D., Cuttack S. D., Bancoorah, Dacca, Furreedpore, Cachar, Nuddea, Shahabad, Aeng, Akyab, Singbhoom Dn., Lohardugga Dn., Moulmein, Hazareebaugh.

I have the honour to annex for your information copy of a Circular this day issued by me, to the Post Masters of the Bengal Presidency with its enclosures, and to request, that when audited Bills for expenses incurred by the Post Master in employing Extra Banghy Burdars for conveying packets belonging to the Revenue, Judicial, Military, or any other Department, are forwarded to your Office, you will have the goodness to credit their amounts in your Treasury Accounts, under the head of "Post Office Remittances," and debit them per Contra to their appropriate heads, supporting the debits with the Audited Bills.

(Signed) W. MAPLES,

Offg. Ex. A. Acett. to the Gort. of Bengal.

Fort William, Accountant's Office,

The 26th July, 1847.

No. 729.

To the Post Masters of the Bengal Presidency.

I have the honour to annex, for your information, copy of a letter from the Under Secretary to the Government of Bengal, to the address of the Accountant, dated the 21st ultimo, with its enclosures, and to request that on being called upon to १९७ नमूत्।

ডাকের প্রধান অধ্যক্ষ আযুত ডবলিউ টেলর সাহেতের প্রতি বাঙ্গলা দেশের গবর্ণমেটের আযুত ছোট সেক্তে-টারী সাহেতের পত্র। ফোর্ট উলিরম ১৮৪৭।২১ জন।

ভোমার গত মানের ২৭ তারিখের ৯ নম্বরী পত্র ও তাহার সঙ্গে প্রেরিত লিপি প্রছিয়াছে এবং তাহার এই উত্তর দিতেছি থে দরকারী কোন দিরিশ্তার পুলিন্দা বহনের জনো বিং নিরুপে কোন অতিরিক্ত বাদীবরদারকে যথন নিযুক্ত করিতে হয় তথন প্রীযুত ভেপুটা গবর্নর্ দাহের তকুম করিয়াছেন যে এখানপর্যন্ত তুম ঐ অতিরিক্ত বার যেমন ভাকঘরের থরতে লিখিয়াছ ভেমন না লিখিয়া ঐ দিরিশ্তা যে ভিপার্টমেন্টদপ্রকীয় হয় দেই ভিপার্টমেন্টের নামে থরত লিখিবা।

এ আর ইয়ং। বাঙ্গলা দেশের গবর্ণমেন্টের ছোট সেক্রেটারী। (যথার্থ নকল।)

ডবলিউ মেপলুস। বাঙ্গলা দেশের গবর্থমেন্টের আবেকান্টেন্ট সাহেবের এক্টিৎ অতিরিক্ত আসিফান্ট।

१०० नमुद्रा

মুরশিদাবাদ ও হুগলী ও ভাগলপুর ও দরক ও দিনাজপুর ও বীরভূম ও বেহার ও পাটনা ও লক্ষ্মীপুর ও
গোজালপাড়া ও মেদিনীপুর ও কামরূপ ও রাজশাহী
ও বলুজা ও সারণ ও নওগা ও পূর্ণিরা ও রঙ্গপুর ও
ছিলট ও বাকরগত্ম ও বওড়া ও মালদহ ও মুদ্দের ও
মরমুনসিংহ ও যোড়হাট ও ত্রিহুত ও ত্রিপুরা ও
পাবনা ও চাটিগাঁ ও মশোহর ও বর্দ্ধমান ও কটকের
উত্তর অংশ ও কটকের মধাম অংশ ও কটকের
দক্ষিণ অংশ ও বাঁকুড়া ও ঢাকা ও ফরিদপুর ও কাছাড় ও নদীরা ও শাহাবাদ ও কারেজ ও আকাাব ও
দিংহভূম এলাকা ও লোহারডগা এলাকা ও মৌলমেন
ও হাজারীবাগ জিলার ত্রীবৃত্ব কালেক্টর সাহেব
বরাবরের।

বাদলাপ্রভৃতি দেশের প্রযুত ডাকের অধ্যক্ষ দাহেবেরদের প্রতি আমি অদ্য যে সর্বু্যুলর পত্র পাঠাইরাছি ভাহার ও ভাহার দক্ষে প্রেরিড লিপির নকল ভোমার বিজ্ঞাপনার্থ নীতে লিথিয়া আদেশ করিতেছি যে
রেবিনিউ কিয়া জুডিসিয়ল অথবা মিলিটারী কি অন্য
কোন ডিপার্টমেন্টের পুলিন্দা পাঠাইবার জন্যে অভিরিক্ত
বাদীব্রদারকে নিযুক্তকরণেতে ডাকের অধ্যক্ষ দাহেবের
যে থরচ হয় ভাহার আডিট হওরা বিল যদি ভোমার
দক্তরে পাঠান যায় ভবে তুমি আপন থাজানাথানার
হিসাবে "ডাক ঘরের প্রেরিড টাকার বাবং" এই শিরোভাগের নীচে ভাহা জনা কর এবং ঘথানাম ডিপার্টযেন্টে ভাহার থরচ লেখ এবং দেই থরচ আডিটহওয়া
বিলের ঘারা সাব্যস্ত কর ।

ভবলিউ মেপল্স।
বাদলা দেশের গবর্ণমেন্টের আকেটান্টেট
শাহেবের এক্টিং অভিরিক্ত আদিট্টান্ট কোর্টি উলিয়ম। আকেটান্টেন্ট সাহেবের দক্তর্থানা।
১৮৪৭। ২৬ জুলাই।

৭২৯ নয়র। বাললাপ্রভৃতি দেশের আবুত ডাকের অধ্যক্ষ দাহেব ব্যাব্যেবু।

শ্রীযুত আকেকান্টেন্ট সাহেবের প্রতি বাঙ্গলা দেশের গবর্ণমন্টের শ্রীযুত ছোট সেক্রেটারী সাহেব গত মাসের ২১ তারিখে যে পত্র পাঠাইরাছিলেন তাহার ও তাহার সঙ্গে প্রেরিত লিপির নকল তোমার বিজ্ঞাপনার্থ পাঠাইরা আদেশ করিতেছি বে কোন সরকারী সিরিশ্তার

[शवर्वामके शासके। ३४८१। ३० आंशके।]

employ Extra Banghy Burdars for the purpose of conveying packets belonging to any public office, you will be pleased to include the expense that may be incurred by you in a separate Bill for submission to the Civil Auditor.

2d. This Bill when audited you will transfer by a charge to "Post Office Remittances," to the Collector of your District who will exhibit its amount in his Treasury Account to the debit of the proper Department.

(Signed) W. Maples,
Offg. Ex. A. Acctt. to the Govt. of Bengal.
Fort William, Accountant's Office,
The 26th July, 1847.

No. 809.

200

From the Under Secretary to the Govt. of Bengal, to R. Walher, Esq., Accountant to the Govt. of Bengal, dated Fort William, the 21st June, 1847.

I am directed to transmit for your information the accompanying copy of a letter this day addressed under the Orders of Government to the Post Master General.

> (Signed) A. R. YOUNG, Under Secy. to the Govt. of Bengal.

> > No. 776.

From the Under Secretary to the Goot. of Bengal, to W. Tayler, Esq., Post Master General, dated Fort William, the 21st June, 1847.

I am directed to acknowledge the receipt of your letter, No. 9, dated 27th ultimo, with enclosures, and in reply to state that in any case in which Extra Banghy Burdars are employed especially for the purpose of conveying packets belonging to any public office, the Deputy Governor is pleased to authorize you to debit to the Department to which the Office belongs, the Extra charge thereby incurred, instead of to the Post Office as heretofore.

(Signed) A. R. Young,

Under Secy. to the Govt. of Bengal.

(True Copies.)

(Signed) W. Markes,
Offig. Ex. A. Acett. to the Govt. of Bengal.

CIRCULAR ORDERS OF THE SUD-DER DEWANNY ADAWLUT.

No. 24.

To the Civil Judges, Lower Provinces.

I am directed by the Court to transmit to you, for your information and guidance, the subjoined extract from the Orders of Government and from the Report of the Superintendent of Legal Affairs, regarding the supply of Stationery from your Office to the Government Vakeel, and the occasional assistance of a Mohurir for copying papers required from him by public Officers.

[Government Gazette, 10th August, 1847.]

পুলিনা বহনের মনো যথন অতিরিক্ত বাদীবর্দারকে নিযুক্ত করিতে তোমার প্রতি তকুম হয় তথন তাহাতে তুমি যাহা বায় কর তাহা সিবিল আডিটর সাহেবের নিকটে পাঠাইবার জনো আলাহিদাবিলে লেখা।

২। এই বিল আডিট হইলে পর তুমি "ডাক্ষরের প্রেরিত টাকার বাবং" প্রের লিথিয়া তোমার জিলার কালেক্টর সাহেবের ভিকটে পাঠাও তিনি আপন খাজানাথানার হিসাবে তাহা উপস্কু সিরিশ্তার থারচে লিথিবেন।

ভবলিউ মেপল্স।
বাঙ্গলা দেশের গবর্ণমেন্টের আবেকান্টেন্ট
সাহেবের এক্টিৎ অভিরিক্ত আসিট্টান্ট।
ফোর্চ উলিরম। আবেকান্টেন্ট সাহেবের দন্তর্থানা।
১৮৪৭। ২৬ জুলাই।

৮०५ सम्बर्धा

বাঙ্গলা দেশের গ্রহণ্মেটের আক্রেটটেন্ট প্রিযুত আর ওয়াকর সাহেবের প্রতি বাঙ্গলা দেশের গ্রহণ-মেন্টের প্রযুত ছোট সেক্রেটারী লাহেবের পত্র। ফোর্ট্ উলিয়য় ১৮৪৭। ২১ জুন।

গবর্ণমেক্টের অকুমক্রমে ভাকের প্রধান অধ্যক্ষ দা-হেবের প্রতি আদ্য যে পত্র পাঠান গেল তাহার নীচের লিখিত নকল তোমার বিজ্ঞাপনার্থ পাঠাইতে অকুম পাইয়াছি।

এ আর ইরৎ। বাঙ্গলা দেশের গবর্ণমেক্টের ছোট সেক্রেটারী।

৭৭৬ নযুর।

ডাকের প্রধান অধাক এবুত ডবলিউ টেলর সাহেবের প্রতি বাঙ্গলা দেশের গবর্ণমেটের এবুত ছোট সেক্রে-টারী সাহেবের প্র। ফোর্ট উলিরম ১৮৪৭।২১ জন।

ভোষার গত মাদের ২৭ তারিখের ম নম্বরী পত্র ও তাহার দলে প্রেরিত লিপি পঁছছিরাছে এবং তাহার এই উত্তর দিতেছি যে সরকারী কোন নিরিশ্তার পুলিদ্দা বহনের জন্যে বিশেষরূপে কোন অতিরিক্ত বাদীবরুদারক কথন নিযুক্ত করিতে হর তথন শ্রীযুত ডেপুটা গবরুনর লাহেব জ্কুম করিরাছেন যে এখনপর্যান্ত তুমি ঐ অতিবিক্ত বার যেমন ডাক্তঘরের খরুচে লিখিয়াছ তেমন না লিখিয়া ঐ দিরিশ্তা যে ডিপার্টমেন্টসম্পকীয় হয় সেই ডিপার্টমেন্টের নামে খরুচ লিখিয়া।

এ আর ইরং। বাঙ্গলা দেশের গ্রহণ্মেন্টের ছোট দেক্রেটারী। (যথার্থ নকল)।

ড রলিউ মেপল্স। বাললা দেশের গ্রথমেন্টের আকেরটেন্ট সাহেবেরু এক্টিৎ অভিরিক্ত আসিফান্ট। John C. Marshman, Bengalee Translator.

मन्त (म उत्रांभी जानानरजत मत्कानत जर्जत।

২৪ নয়র। বাললাপ্রভৃতি দেশের আহুত দেওরানীর জল সা-হেব বরাবরের।

তোমার দক্তর্থানাহইতে সরকারের উকীলকে লিঞ্চিন্তর কাগজ দেওনের বিষয়ি এবং সরকারী কর্মকারকের। তাহার স্থানে থৈ কাগজগত্র চাহেন ভাষার নকল কর্থের জন্যে তাহার মধ্যে সুক্রীরের ছার। সাহায্য কর্থের বিষয়ি গ্রন্থিকের ছকুষের এবং খোকজ্মার সুপ্রিটেণ্ডেন্ট সাহেরের রিপোর্টের নীচের লিখিত চুষ্ক ভোমার বিজ্ঞান বিজ্ঞাপন ও উপদেশের নিমিত্রে পাঠাইতেছি।

Extract from para, 111 of the Report of the Superintendent and Remembrancer of Legal Affairs for the Year 1845-46.

'If the objection to an increase of Salary is insuperable, I would request that orders may at least be issued to supply the Pleaders with writing materials from the Judge's Office, and that either the Judge or Collector may be directed to furnish a Mohurir when necessary, for the purpose of taking copies of documents required for the use of this and other Offices.'

Extract (para. 3) from a letter from the Government of Bengal to the Court, No. 389, dated 19th May, 1847.

'His Honor having been pleased to approve of the propositions contained in para, 111 for an allowance to the Vakeels of stationery, and also of the occasional services of a Mohurir, I am directed to request that the Court will issue to the Zillah Judges the necessary instructions on the subject.'

W. Kirkpatrick, Deputy Register. Fort William, the 2nd July, 1847.

No. 25.

To the Zillah Judges in the Lower Provinces.

The Civil Statement No. 1, having been so modified, as to exhibit separately the decisions of the Principal Sudder Ameens in suits above and below 5000 Rupees, the Note prescribed by Circular Order No. 71, dated 28th February, 1840, is no longer required, and the Circular in question may be considered as rescinded.

W. Kirkpatrick, Deputy Register.
Fort William, the 21st June, 1847.

CIRCULAR ORDER OF THE SUDDER NIZAMUT ADAWLUT.

No. 7.

To the Criminal Authorities in the Lower Provinces.

The direction in Clause 5, Section 14, Regulation XX. 1817, to ascertain the length, breadth, and depth of wounds on the bodies of wounded or deceased persons, having been considered to authorize Police Officers to probe wounds, the Court are pleased to prohibit the practice, and to intimate that Police Officers are expected to report merely, from inspection, the apparent length breadth, and depth of wounds.

W. Kirkpatrick, Deputy Register. Fort William, the 25th June, 1847.

ERRATUM.

In the Bengales Government Gazette, P. 453, Circular No. 22, 21st May, 1847, 1st Para. for 10th January, 1842, read 10th June, 1842.

B. J. COLVIN, Register.

১৮৪৫। ৪৬ সালের মোকদমার মুপরিকেডেট ও রিমেয়ালার সাহেবের রিপোর্টের চুষ্ক অর্থাৎ ১১১ দকা।

ষাহিয়ানার বৃদ্ধির বিষয়ে যে আপত্তি আছে তাহা যদি কোন প্রকারে থণ্ডন হইতে পারে না তবে আমি নিবেদন করি যে নিদানে জন্ধ শাহেবেরদের দক্তর্থানাহইতে উকীলদিগকে লিখিবার সর্প্থাম দেওয়া যায় এবং এই দস্তর ও অন্যান্য ভিতরের নিমিত্তে যেই দলীলের আব-শাক হয় তাহার হকল করিবার জন্যে আবশ্যকমতে এক মুত্রীরকে দিতে জন্ধ শাহেব অথবা কালেক্টর শাহেবের প্রতি তুকুম হয়।

সদর আদালতের প্রতি বাজলা দেশের গবর্ণমেটা ১৮৪৭ সালের ১৯ মে তারিথের ৩৮৯ নমুরী যে পত্র লিখিলেন ভাহার চুমুক অর্থাৎ ৩ দফা।

সরকারী উজীলদিগকে লিখিবার কাগন্ত দিবার বিষয়ে এবং মধ্যেই তাঁহারদিগকে এক মুহুরীর দেওনের বিষয়ে ১১১ দফার তুমি যে প্রস্তাব করিয়াছ ভাহাতে জ্বীষ্ত সমত হইয়াছেন অভএব আদেশ করিতেছি যে তদ্বিষয়ে সদর আদালভ নানা জিলার জন্ধ সাহেবদিগকৈ যে আজার আবশ্যক হয় ভাহা প্রেরণ করেন্।

ডবলিউ কর্কপাত্রিক। ডেপুটা রেজিইটর ফোর্ট উলিয়ম ১৮৪৭। ২ জুলাই।

२० समृत्।

বাঙ্গলাপ্রভৃতি দেশের ত্রীযুত জিলার জজ সাহেব বরাবরেষু।

১ নমূরী দেওয়ানী কৈফির্থ এইমত মতান্তর হইরাছে যে প্রধান সদর আমীন ৫০০০০ টাকার অধিক
কিয়া কম মূল্যের মোকজমার যে ফরসলা করেন্ তাহা
আলাহিদা করিয়া দশীন যার অভএব ১৮৪০ সালের
১৮ ফেকুআরি ভারিখের ৭১ নমুরী সরকালর অউরের
নিশিষ্ট মন্তব্য কথার আর আবেশ্যক নাই এবং এ
সরকালর অর্ডর রদ হইল এমত জান করিতে হইবেক।

ডবলিউ কর্মপাত্রিক। ডেপুটা রেজিফ্টর। ফোর্ট উলিয়ম। ১৮৪৭। ২১ জুন।

JOHN C. MARSHMAN, Bengalee Translator.

সদর নিজামৎ আদালতের সরকালর অর্ডর।

9 नमुद्रा

বাঙ্গলাপ্রভৃতি দেশের আযুত ফৌজদারীর কার্যা-কারক সাহেব বরাবরেয়।

১৮১৭ সালের ২০ আইনের ১৪ ধারার ৫ প্রকরপেতে আঘাতি অথবা মৃত ব্যক্তির শরীরের ক্ষতের লয়াই
৪ চওড়াই ও গহর। ওহলীক করিবার অকুম আছে
ভাহাতে বোধ হইরাছে যে পোলীদের আমলা কতের
মধ্যে শলা দিতে পারে অতএব নদর আদালত দেই
ব্যবহার নিবারণ করিয়া অকুম করিতেছেন যে পোলীদের আমলারা কেবল ঘা দর্শন করিয়া যত লয়া ও
চওড়া ও গহরা দুই হয় ভাহার রিপোর্ট করিবেক।

ডবলিউ কর্কপাত্রিক। ডেপুটা রেজিইটর। ফোর্ট উলিয়ম ১৮৪৭। ২৫ জুন।

JOHN C. MARSHMAN, Bengalee Translator

অন্তন্ধবাধন।

বাজলা গ্রেণ্মেন্ট গেজেটের ৪৫৩ পৃষ্ঠার প্রকাশিত ১৮৪৭ সালের ২১ মে ভারিখের ২২ নমুরী সর্কালর অর্ডরের ১ দকার "১৮৪২ সালের ১০ জানুআরি ভারিব" এই কথার পরিবর্ত্তে "১৮৪২ সালের ১০ জুন ভারিব" পাঠ করিতে হইবেক।

वि एक यानविन दिविष्येहें।

[नर्ज्यान्डे काटकरे । ১৮৪৭ । ১० व्यानके ।]

NOTIFICATIONS.

ORDERS BY THE SUDDER DEWANNY ADAWLUT.

LEAVES OF ABSENCE.

The 30th July, 1847.

The leave of absence for two weeks granted on the 25th ultimo, to Baboo Mudoospodun Banerjee, Moonsiff of Attyah, Mymensingh, is cancelled at his own request.

Gholam Furreed, 1st Grade Moonsiff of Hurhurparab, Moorshedabad, for eight days from the 16th proximo.

B. J. COLVIN, Register.

वांककत्य निरंशांग।

বাদলা দেশের প্রযুক্ত অনরবিল ডেপুটা গবরনর সাহেবের হকুম।

• कृषी।

১৮৪৭ मान २७ खुलाहै।

পাটনা ও দানাপুরের ডাকের অধ্যক্ষ শ্রীযুত জে আর রুদ সাহেব (Mr. J. R. Ross,) আপন কর্মের ভার সিবিল চিকিৎসক প্রীয়ৃত ডাক্তর আর এচ অর্কিন সাহে-বের (Dr. R. H. Irvine,) প্রতি অর্পণ করিয়া চিকিৎ-মকের সটিফিকটক্রমে চারি মাসের ছুটা পাইয়াছেন।

১৮৪৭ সাল ২৭ জুলাই।

बिक्ट का है से बाकि खुँ है बीयुक है माधिम मारहर (Mr. E. Sandys,) शङ शारमत २ डातित्थ स कृषी भान् তাহা অতীতহওনের ভারিখঅবধি চিকিৎসকের সটি-ফিকটক্রমে দুই সপ্তাহের ছুটা পাইরাছেন।

বিজাপন ।

১৮৪৭ সাল ৩১ জুলাই।

ग्रानाकात (त्रिएफ के क्वीरमनत् ध्रियुक क प्रविषे সামও সাহের (Mr. J. W. Salmond,) গত মাসের ১০ তারিখে আপন কর্মের ভার পুনর্গ্রহণ করেন এবং এীযুত इरलिए कि लूडेम मारहर (Mr. W. T. Lewis,) के शारमद ১২ তারিখে পিনাঙ্গে আপন কর্মের ভার গ্রহণ করেন।

বাজলা দেশের প্রিয়ত অনরবিল ডেপুটা গবর্নর্ শাহেবের হুকুমক্রমে।

अक ख रानिए। বাঙ্গলা দেশের গবর্ণমেন্টের দেক্রেটারী।

5368 सम्बा বাজলা দেশের আযুত জানরবিল ডেপুটা গবর্নর্ সাহেবের হুকুম।

सिद्धांश ।

১৮৪৭ দাল ৪ আগফ।

धामनीम ८५ अन्हें ता व्याप्तिम अपूर्व कि धन প্ৰকৃষ সাহের (Lieutenant G. N. Oakes,) জন্ম প্ৰকৃষ না হওরাপর্যান্ত দক্ষিণ পশ্চিম অঞ্চলে আযুত গবর্নর্ জেনরল বাহাদুরের এজেন সাহেবের ছোট আনিফাণী কর্মা নির্বাহ করিবেন।

বাঞ্চলা দেশের প্রীয়ুত অনর্বিল ডেপুটা গ্রর্নর সা-द्दित्व छक्मज्यस्य।

अक एक शामिएए। बाल्ला (मरणब शवर्वामत्वेत (मरक्षेत्र)।

[Government Gazette, 10th August, 1847.]

বিজ্ঞাপন।

সদর দেওয়ানী আদালতের ত্তুম।

े एक किया निर्माण के विकास

১৮৪৭ সাল **৩**॰ জুলাই।

মরমুনসিংহের আটায়ের মুনসেফ প্রীবৃত বাবু মধুসুদন वीष्याकि शत भारमद २० जादित य मृष्टे मश्राहत ভুটা দেওয়া যায় ভাহা ভাঁহার প্রার্থনায় রহিত চট-

মুরশিদাবাদের হরিহরপাড়ার প্রথম শ্রেণীর মুনদেক প্রীযুত গোলাম ফরীদ আগামি মানের ১৬ তারিখাঅবধি আট দিনের ছটা পাইয়াছেন।

় বি জে কলবিন। বেজিফীর।

३७१३ नमूद्र।

বাঙ্গলা দেশের জীযুত অনরবিল ডেপুটা গবর্নর সাহেবের হকুম।

নিয়োগ ৷

১৮৪৭ मान २ जाशके।

বলুরার ডেপুটা কালেক্টরের আসিক্টান্ট প্রীয়ত ভব-निउ एक निश्चात मारहर (Mr. W. J., Longmore,) ১৮০১ मालের ৮ আইনের ২১ ধারার নির্দিষ্ট ক্ষমতা-প্রাপ্ত হইয়াছেন।

মুরশিদাবাদের মাজিট্রেট সাহেবের আসিফার্ট প্রিয়ত দি লিমণ্ড সাহেব (Mr. C. Limond,) ১৮২১ সালের ৩ আইনের ২ ধারার ৩ প্রকরণের নিদিট ক্ষমতাপ্রাপ্ত

ত্রিভতের মাজিট্টের সাহেবের আসিফান্ট প্রীয়ত এচ আরু মাডক্স সাহেব (Mr. H. R. Madocks,) ১৮২১ সা-লের ৩ আইনের ২ ধারার ৩ প্রকর্ণের নিষ্টিই ক্ষমতা-প্রাপ্ত হইরাছেন।

শাহাবাদের মাজিট্টেট সাহেবের আসিষ্টাণ্ট প্রীবৃত অকটেবিয়দ টপ্তভ সাহেব (Mr. Octavius Toogood,) ১৮২১ मालের ৩ আইনের ২ ধারার ৩ প্রকরণের নিশিক্ট ক্ষতাপ্রাপ্ত হইয়াছেন।

শ্রীযুত কমল ওরফে শ্রীযুত নালির। গোঁদাই অনা তকুম না হওনপর্যান্ত দেবক্রগড়ের সদর আমীন হই-বেন ।

১৮৪৭ দাল ৪ আগফ।

কলিকাভার আবকারীর সুপরিভেঁতেন্ট প্রীযুত সি এ লশিংটন সাহেব (Mr. C. A. Lushington,) গুড মানের ১৫ তারিএঅবধি ইফ্টাম্পের কালেক্টর হইবেন। ঐ তা-রিখে তিনি সেই কর্মের ভার গ্রহণ করেন্।

নীচের লিখিত ডেপুটা কালেক্টরেরা উচ্চ পদপ্রাপ্ত

वन् बाद विष्ठ सोनवी मनाश्योता। চাটিগার এযুত বাবু গৌরকিশোর রায় প্রথম শ্রেণী। ও এীবৃত বাবু রামদাস রার

ত্রিপুরার প্রীযুক্ত এল বার্বর মাহেব। } দ্বিতীয় শ্রেণী। (Mr. L. Barber,)

छुछ।

১৮৪৭ সাল ২ আগফা।

শান্তিপুরের ডেপুটা মাজিট্রেট আয়ত ডবলিউ টি ला मारहद (Mr. W. T. Law,) প्रस्तृ किराज कृषी शा-हेबाट्डम।

বাঙ্গলা দেশের প্রীয়ত অনরবিল ডেপুটা গ্ররনর সাহেরের ছকুমক্রমে।

এফ জে হালিডে। वाक्ला फ्रांन्ड गर्दर्श्याके कार्याकी ।

GOVERNMENT ADVERTISEMENTS.

SALT.

মাসকাবারী হিনাব মৌজুদ নমক মায় ৪ পর্সেন্ট গোলা জক্তি বাবং লাগাদ ৩১ জ্লাই ১৮৪৭ দাল প্রড্যেক এজেদীর ও শালিখার নমকের গোলালাডের

शवर्यालीत इन्डिश्व

28/94/20 9,00,099 11 3 holy 50 त्योखन नगरकत् >66649 24,938 40 Dh CAA'oC 0,84,0,8810 81 648.c.,P 200 16 4899 4,290/ 45,565/ · 1040'42 00,28,263/ 6 5, 08, by @ 40 s 3, 34,02440 25,438/ 1888,44,4 3,04,234/ 8,55,558 10 2,502/ 8,32,958 10 12,812/ ३४८७। ३९ माल 1642,05 5,84,063/ 2,34,234/ 2,92,992/ 3.02,480/ 3,38,393/ \$1 445'80'0 56569 PHE 88 1 9840 2,59,635 110 30 0 le 2,22,29011 6,209 110 41064,55,5 65,808 1808'AS 4,985/ 3,28,93240 0,40,6490 2,85,544/ का देश में देश (योक्स मगक रि: शक करके हेर बले । श्रुवादरक हैं 6,76610 8,000/8 HIE 38 1 8845 मन ३२,৫5 माल 48,58¢ lb /408'5 1458% Al 384'86 1408,59 1,92,298/ 3,23,269/ 1500,00,8 MH 88 1 6849 मन ३२६० माल মভাবকে ইং B, 08, 30240 र १,8764 13,20,996/ (A. 8'28'0 1802,94 MH 68 1 2845 000 मन ३२६३ मान a) 845,P श्रहादरक है, ol 680/05 1864'9 /ACD'CA'S 1864,95,4 मारहदद्व शहिला द्रक्य भीमा (बाइक। घाडे माजाकशभूत वाहित्तूमि। म्कि कानीमश्र विधि है। जिम शिक्षित शाजा। একুন। ভমলুক। পাঞ্লা নেমক। ঘটি নারায়ণপুর। दासियाहाते। त्छत्र शाहका। ক্রোকি নহক। 中の一日の日 शाष्ट्रा नश्रक । CSTRENT 1 (वंडडा। द्राधनशद्र। १ ८ व्यव्हाना | 対日日日 अरक्षकीत्र नाम।

प्रकाशिता स्वा श्रिक्ता स्वक्ता स्वक्ता स्वक्ता स्वक्ता स्वक्ता स्वक्ता स्वक्ता स्वक्ता स्वक्ता स्वक्ता स्वक्ता स्वक्ता स्वका स्वक्ता स्वका स्वका स्वका स्वका		भडादरङ है९ ১৮৪२ । ৪৩ माल	अडावटक हैं।	अस्ति है।	महादाक हैं।	B LOUIS	्या हुम सम्राज्ये -	
ज्ञाहित्या । ज्ञ	न्नामभूत्र याष्ट्रे त्याप्रसानि।		3,58,27046	2), 80, 96 . (4			ol 80 o '4 o '5	
ত্যালি ব্যাহ বিদ্যালয় ব	जातु होए। ब्यावाहिका	•		٠	•	50	2,44,334 Ho	
প্রতিনা । প্রক্রিক বিদ্ধান বিদ্ধান । প্রক্রিক বিদ্ধান বিদ্ধান । প্রক্রিক বিদ্ধান বিদ্ধান । প্রক্রিক বিদ্ধান । প্রক্রেক বিদ্ধান । প্রক্রিক বিদ্ধান । বিদ	ক্রোক নেমক।			8) 364'8C'C	9,26,663 le		4,00,00415	
स्क्रिया। व्याप्तिया।					.			
ক্রম্পুন্ন ।	একুন।	•	ग्रेपक्र-४२,8६,८	2,94,624 45	5,24,342 10		22,26,369 13	
্ত্ৰাৰি বেমক।	्रज्ञा ।							
स्कृत्या । अक्ष्मा । अक्षमा । अक्षम	1	•	•	•	3,29,12840		3,29,22840	
প্রত্ন। পর্ম। পর্ম। বিজ্ঞা বিজ্ঞ	ক্লোকি নেমক।		•	•	•	M5W		
কটক। কটক। কটক। কটক। কটক। কটক। কটক। কটক।	प्रकृत्।	 	.				1	
কটক। কটক। কটক। কান্দ্ৰতা। কান্দ্ৰতা কান্দ্ৰতা। কান্দ্ৰতা কান্দ্ৰলতা কানদ্ৰলতা কানদ্ৰ	आजिका ।			•	5,34,22840		3,29,23840	
বালেশ্রা। বিজ্ঞান বি	চুক।		5.8 a, 0 a b lo					(
বিজ্ঞান। ক্রিকা। ক্রিকা। ক্রিকা। ক্রিকা। ক্রিকা। ক্রিকা ক্রিকা। ক্রিকা ক্রিকা। ক্রিকা। ক্রিকা। ক্রিকা। ক্রিকা। ক্রিকা। ক্রিকা ক্রিকা। ক্রিকা ক্রিকা। ক্রিকা ক্রিক	• दारलगर्	1. 50. 90.5/0	94.830110	of 999 % of	5,42,922		6,46,68%	8
জিলক।।	त्थावमा ।			2,64,20 2 10	·# 654'66		8,40,82284	9
জ্ঞাৰ্য কিছা । জ্ঞাৰ্য কিছা । ত কোৰ্য ক্ৰম । ত কোৰ্য ক্ৰম । ত কোৰ্য ক্ৰম । ত কোৰ্য ক্ৰম । ক্ৰম কৰ্ম । ক্ৰম কৰ্ম । ক্ৰম ক্ৰম ন ক্ৰম ক্ৰম । ক্ৰম ক্ৰম ন ক্ৰম ন ক্ৰম ন ক্ৰম ন ক্ৰম ক্ৰম ক্ৰম ক্ৰম ন ক্নম ক্ৰম ক্ৰম ক্ৰম ক্ৰম ক্ৰম ন ক্ৰম ক্ৰম ক্ৰম ক্ৰম ক্ৰম ক্ৰম ন ক	जिलका।		7.000	* CAR'. >	82,062		03'08 · II o	9
্তান্ত কৰিব। বিদ্যাল ব্ৰহ্ম। তিৰুদ্ধান প্ৰদান প্ৰতিক্ৰা বিশ্ব ব্ৰহ্ম। তিৰুদ্ধান ব্ৰহ্ম ব্ৰহ্ম ব্ৰহ্ম ব্ৰহ্ম ব্ৰহ্ম ব্ৰহ্ম ব্ৰহ্ম ব্ৰহ্ম ব্ৰহ্ম ব্ৰহম ব	मिलांक अविकित्र अधिका प्रक्रम	5,5¢,55%	0011.7	\$, 23, 928 110	60,083 II.		CR8'64'6	のでは
প্রাহিত প্রাহ্ম বিহন । ১৯৯,৩২১ বি হন ১,১২১,৫৭২ বা ১৯৯,৫২২ বি হন ৪,৬২১ বি হন ৪,৯৯	Table of the second	•	• 2.4e./8c	85,83.	5,50,600		0,62,642 E.)
হিজ্যিত পায়। ভোকি কর্কচ। ভোকি কর্কচ। ভোকি কর্কচ। ভোকি কর্কচ। ভোকি নেমক। ভোকি নেমক। ভারাকিম। ভারকিম। ভারাকিম। ভারকিম। ভারাকিম। ভারাকিম। ভারাকিম। ভারকিম।		3,23,623 Ho	3,72,892 10	2,44,08440	A.b.bb		·II C 8 4.9 C / b	
জোকি কর্কচ। জোকি কর্কচ। জোকি লোক। জোকি লোক। জারাকিন। ভারাকিন। ভারাকিন। ভারকিন। ভারকি		•	48				48	
জোকি কর্কচ। জোকি নেম্ক। জোকি নেম্ক। জোকি নেম্ক। জারাকিন। অারাকিন। অারাকিন। অকুন। কুকুন। কুকুন। কুকুন। কুকুন। কুকুন। কুকুন। কুকুন।	মিশিত পাঙ্গা।	•	•		•	•	38,428 119	
জোকি দৈশ্বৰ। জোক নেয়ক। জোক নেয়ক। জোক নেয়ক। জারাকিন। অব্লায় অব্লায় অব্লান। অকুল। কিন্তুন। স্ক, ১৩, ২০, ৭৭ ৭ ।৭ সংগ্ৰহণ। স্কুলন।	ক্রোকি কর্কচ।		の特別の	•			•	
জোজি নেম্বজ। জারাজিম। অর্ম। অর্ম। অর্ম। অর্ম। বর্ম।	ক্ৰোকি সৈন্ধৰ।	•						
আর্বিল। প্রার্থিল। প্রত্ন। পর্জন। পর্জন। পর্জন। পর্জন। পর্জন। সং,১৫,১৫,৪৭,১৫,৭৫,৪৫ সং,১৫,১৫,৭৫। সং,১৫,৭৫৭। সং,১৫,১৫,৭৫। সং,১৫,৭৫৭। সং,১৫,৭৫৭। সং,১৫,৭৫৭। সং,১৫,১৫,৭৫৭। সং,১৫,১৫,৭৫৪। সং,১৫,১৫,৭৫৪। সং,১৫,১৫,৭৫৪। সং,১৫,১৫,৭৫৪। সং,১৫,১৫৪। সং,১৫৪। সং,১৪৪। স	ক্ৰোকি নেমক।		•	•	1000		•	
আর্বাহিন। ৪,৭৯,৭৫১ ॥৭ ৫,০৬,১১০ ৮,৯৮,৩৪০ ৫,৩৭,৩৬৫ ৪,২৭২২ । ৪,৭৯২,২২২ বাই একুল। ১৭,৯২,২২১৪৭,১২৪৭,১২৪৭,১২৪৭,১২৪৭,১২৪৭,১২৪৪৬০	(1) (1) (1) (1) (1) (1) (1) (1) (1) (1)							
গ্রাই একুল । ত্রুল । তরুল ।	जावाङिम । जावाङिम ।	8,42,463 114	6,06,550	oh 080'AC'A		55,423	8/8544882	
बाहर के						1-		
शा ८ क १ क १ क १ क १ क १ क १ क १ क १ क १ क			.		350		•	
3 (566) 21/46 = \$180 (68°) 8 20° 00° 00° 00° 00° 00° 00° 00° 00° 00°	प्रकृत -					.		
811267446 94805,84,05 811506,06,06,06,06,06,06,06,06,06,06,06,06,0	1000							
		61 666,96,96	39,080,460	39,20,208		श ८६५'७२'४६	** Chas (898, CP, CA	

[Government Gazette, 10th August, 1847.]

LAND ADVERTISEMENT.

ভূমিবিষয়ক ইশ্ভিছার।

সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে ১৮৪৫ মুনের ১ আইনের ৬ ধারার বিধিয়তে জিলে ঢাকা জালালপুরের নী-চের লিখিত মহাল সন ১২৫১ সনের ১ বৈশাখের তলবি পাওনা বাকী আদার কারণ ইংরেজী ১৮৪৭ সনের ২০ আগস্ট মোতাবেক ১২৫৪ সনের ৫ ভাদু অলবার কালেক্টর সাহেবের কাছারিতে বিনা ওজরে নীলামে ধরা যাইবেক এবং নিভান্ত বিক্রী ইইবেক ইভি সন ১৮৪৭ ইং ৩০ জুলাই।

त्यशेव नश्रुव	মহালের শ্রেণী	জিলার ভৌজীর মহালের নয়র	মহালের নাম	মহালের মালীক	সদর জমা	পাওনা বাকী	, মন্তব্য কথা
8	অন্য মহালের বা	2928	ब्रिल मोनड	वासक्या	201/8	202 148	এই মহাল সরকারি
	বৎ পাওনা বাকী		পুর তাৎ রাজ	ঘোৰ	Windows !		वास्त्रवाश्ची इत जिला
	भागधंबादीह नि		कृता त्याच				ফলার ইকারা পানা নার জনো নীলামতই
	মিত যে মহলের নীলাম হয় তাহা						বেক ইতি
316312				SUNGER		C Ton	empresant Collector

INSOLVENT COURT.

যোত্রহীনেরদের আদালত।

IN THE COURT FOR THE RELIEF OF INSOLVENT DEBTORS AT CALCUTTA.

In the matter of the petition of JOHN FRASER LANE, late of the Steamer Damodah, in the port of Calcutta, Mariner, adjudged entitled on Saturday, the sixth day of February, one thousand eight hundred and forty-six, to the benefit of the Act of the Ninth George the Fourth, Chapter Seventy-three,

entitled an Act to provide for the Relief of Insolvent Debtors in the East Indies.

NOTICE is hereby given, that by an order made in this matter on the thirty-first day of July, one thousand eight hundred and forty-seven, it was ordered that the said Insolvent be for ever discharged from all liability whatsoever for or in respect of the several debts due from him to the following persons, (that is to say,) Bulram Bisswas, D. Wilson and Co., Currie and Co., Mr. J. M. Edmond, Townsend, Smith and Co., Messrs. Mandy and Co., Weaver and Co., Pittar and Co., Lattey Brothers, Messrs. Hamilton and Co., Bright and Co., T. E. Thompson, Mrs. West or to Messrs. Goldsworthy and Co., Messrs. Willis, Earle and Co., Messrs. Mackenzie, Lyall and Co., Mrs. Carbery, Jervain and Co., Messrs. Willis, Earle and Co., their Assignee Mr. R. O'Dowda, Gilbert and Co., David and Co., Mr. MeNair, Mrs. Palmer, Mrs. Phipps, Bennet and Co., W. Spink, Esq., Mr. C. Keelan, Ramhurry Doss, Wallis and Co., Bindabun Paul and Co., Bon Mally Naun, Gobindchunder Seal, Sonatun Seal, Money Mohun Dutt, Bunkseder Ghose, Bhoobun Mohun Odegerry, Gungahurry Bose, Sibram Paul, Kullee Muddee, Muddoosooden Saia, Auley Chinaman, or Burgees Muckeedon Bodelis, Mr. E. J. Holmes, Surroopchunder Seal, Arson and Co., Bulloram Law, Ramchund Ghose, Shibchunder Seal, Kistnomohun Doss, Executor to the Estate of the late Minesty deceased, Nemechurn Paul, Syncarr Sing, Muddoo, Spence and Co., Mrs. Lowe, Meer Abdool Koodoo, Attorney for Prince Yaaseen Sooltan, Ram Ghose, Mr. J. M. Dove, Mr. Anderson, Messrs. DeSouza and Co., Samuel Smith and Co., and Messrs. Scott Thomson and Co., unless cause be shewn to the contrary on Saturday, the fourth day of September next.

Calcutta, 3d August, 1847.

R. GRAHAM, Insolvent's Attorney.

শহর কলিকাভার অক্ষম ঋণিরদিগের পরিত্রাণার্থ আদালত।

কলিকাতা নগরের দামোদরনামক বাষ্পীয় জাহাজের নাবিক জান ফ্রেজর লেন সাহেব ভারতবর্ষের ঘোর-হীন গুণিরদের উপকারার্থ আইননামক মৃত চতুর্থ জর্জ রাজার অধিকারের নবম বৎসরের আইনের হারা উপকার পাইবার যোগ্য আছেন এমত নির্ছার্ণ ১৮৪৬ সালের ৬ ফেব্রুআরি তারিও শনিবারে হইল।

তাহার বিষয়ে ইহার ছারা সম্থাদ দেওয়া যাইতেছে যে ১৮৪৭ সালের ৩১ জুলাই তারিখে ত্তুম হইয়াছিল যে আগামি সেপ্টেম্র মাসের ৪ তারিখ শনিবারে বিপরীত কারণ দর্শান না গেলে উক্ত ঘোরহান নীচের লিখিত মহাশ্রেরদের যে টাকা ধারেন তাহার সমন্ত দায়হইতে সম্পূর্ণরূপে মুক্ত হন বিশেষতঃ বলরাম বিষাদ, তি উইলসন কোণ, করি কোণ, ছে এম এডমণ্ড সাহেব, টোনগেণ্ড মিখ কোণ, মেণ্ডি কোণ, উইবর কোণ, পিটার কোণ, লাটি ব্রাদর, হামিল্টন কোণ, ব্রাইট কোণ, টি ই তামসন সাহেব, বিবি ওএই কিয়া গোল্মউরদি কোণ, উইলিস আরল কোণ, মাকেন্দ্রি লায়ল কোণ, বিবি কারবরি, জর্বন কোণ, হলোএ কোণ, মান্টিথ কোম্পানির আইদনি জ্বিত আর ওড়োড়া সাহেব, গিলবর্ট কোণ, ডেবিড কোণ, মাকনের সাহেব, বিবি পামর, বিবি কিপুন্দ বেনেট কোণ, ডবলিউ সিপন্ত সাহেব, গিলবর্ট কোণ, ডেবিড কোণ, মাকনের সাহেব, বিবি পামর, বিবি কিপুন্দ বেনেট কোণ, ডবলিউ সিপন্ত সাহেব, গিলবর্ট কোণ, রামহারি দাস, ওয়ালিম কোণ, বৃদ্ধারন পাল কোণ, বন্ধানী নান, গোবিল্টেল শীল, সনাতন শীল, মণিয়েহন দত্ত, বংশীধর হোষ, ভুবনমোহন অধিকারী, গলাহরি বসু, শিবরাম পাল, কালী মুদি, মধুসুদন সেন, আলিচীনা কিয়া বুর্গিস মন্ধানন বড়েলিস, ই ছে হোম্ব সাহেব সর্রপ্রচল্ল শীল, আর্মন কোণ, বলরাম লাহা, রামহান হোম, শিবচল্ল শীল, মৃত মীনেন্টির ইন্টেটের অছি ক্লামোহন দাস, নিমাইচরণ পাল, শহুর সিংহ, মধু, সেকল কোণ, বিবি লো, রাজা ইয়াসিন সুলভানের উকীল মীর আবদ্ধ কুদু, রাম ঘোহ, ছে এম ডব সাহেব, আওস্বন সাহেব, ডিমুজা কোণ, সামুএল শ্বিথ কোণ, এহণ কট ডামন্দ কোণ।

কলিকাতা ১৮৪৭। ২ আগঠ। [গবৰ্ণমেক গেডেট। ১৮৪৭। ১০ আগঠ।] আর গ্রেহাম। যোত্রহীনের উজীল।



গবর্ণফোন্ট গোজেট

গ্রণ্মেপ্টের আজ্ঞাক্রমে প্রকাশিত।

CALCUTTA, TUESDAY, AUGUST 24, 1847.

কলিকাতা মঙ্গলবার ১৮৪৭ সাল ২৪ আগই।

DRAFT OF ACT.

FORT WILLIAM, HOME DEPARTMENT, LEGISLATIVE,

THE 14TH AUGUST, 1847.

The following draft of a proposed Act was read in Council for the first time on the 14th of August 1847:

ACT No. ___ OF 1847.

An Act for curing the invalidity in the Registration of Deeds arising from the fact of having been registered by persons not duly appointed or on other than Court days.

Whereas instances have occurred of persons exercising the office of Register of Deeds, who have not been duly appointed, and whereas in some cases registration of Deeds has been made on other than Court days, that is, on days other than those on which the Zillah or City Court has been open for business, and doubts may therefore arise as to whether the registration of any Deed registered by such persons not duly appointed, or registered on other than a Court day, is valid in law:

I. It is therefore hereby enacted, that acts which may have been done in that capacity in any Zillah, subject to the Presidency of Bengal, by persons who have had charge of the office of Register of Deeds without being duly appointed to the said office, shall be and shall be taken to have always been as valid in law as such acts would have been if the said persons had been duly appointed to have charge of the said office.

II. And it is enacted, that all acts which may have been done on other than Court days by the Register of Deeds, or by the person having charge of the office without being duly appointed in any Zillah subject to the Presidency of Bengal, shall

আইনের মুদাবিদা

ফোর্ট উলিয়ম। দেশীয় ডিপার্টমেন্ট। লেজিসলেটিব।

हेक्द्रकी ১৮৪৭ मान ১৪ खाशके।

প্রস্তাবিত আইনের নীচের লিখিত মুদাবিদ। ইঙ্গরেলী ১৮৪৭ সালের ১৪ আগন্ট তারিখে হজুর কৌলেলে প্রথমবার পাঠ করা গেল।

हेक्द्रक्षी ১৮৪৭ माल - जाक्रे

রীভিমতে নিযুক্ত না হওয়া ব্যক্তিরদের দ্বারা কিয়া আ-দালতের দিবসভিম অন্য দিবদে দলীলদ্ব্যাবেজের রে-জিন্টরী হওনপ্রযুক্ত অসিজ্ঞার বে দোহ হইয়াছে ভাহা খণ্ডনের আইন।

যেহেতুক কোনং ব্যক্তি রীতিমতে নিযুক্ত না হইয়া
দলীলদন্তাবেজের রেজিউরী কর্মা নির্মাহ করিয়াছেন
এবং যেহেতুক কোনং গতিকে আদালতের দিবসভিন্ন
অর্থাৎ যেং দিবদে জিলা কিয়া শহরের আদালত কর্মের
নিমিরে খোলা ছিল এমত দিবসভিন্ন অনাং দিবসে
দলীলদন্তাবেজের রেজিউরী হইয়াছে এবং রীতিমতে
নিযুক্ত না হওয়া বাক্তিরদের ছারা রেজিউরীহওয়া কিয়া
আদালতের দিবসভিন্ন অনা দিবসে রেজিউরীহওয়া
কোন দলীলদন্তাবেজের রেজিউরী আইনমতে সিদ্ধ
জান হইতে পারে কি না এই বিষয়ে সন্দেহ হইজে
পারে।

১ ধারা। অতএব ইহাতে তুকুম হইল যে বাললা রাজধানীর অধীন কোন জিলাতে বাঁহার। রীতিমতে রেজিইটরী কর্মে নিযুক্ত না হইয়াও দলীলদভাবেজের রেজিইটরী কর্মের ভারপ্রাপ্ত হইয়াছেন এবং কোন দলীলদভাবেজের রেজিইটরী করিয়াছেন তাঁহারদের সেই কর্ম তাঁহারা রীতিমতে সেই পদে নিযুক্ত হইলে যেরপ আইনানুসারে দিয় হইত দেইরপ দিয় হইবেক এবং নিতা দিয় ছিল এমত জান হইবেক ইতি।

২ ধারা। এবং ইহাতে তকুম হইল যে আদালতের দিবসভিম অন্য দিবদে বাললা রাজধানীর অধীন কোন জিলাতে দলীলদস্তাবেজের রেজিউরের ছারা কিয়া রীতিমতে নিযুক্ত না হইয়া খাঁহারা ঐ কর্মের ভার পাইরাত্রন উহারদের ছারা যে সকল কর্ম হইয়াছে সেই সকল

be and shall be taken to have always been as valid | কর্মা, আদালতের দিবসে করা গোলে যেমন আইনমতে in law as such acts would have been if they had been done on a Court day.

Ordered, that the Draft now read be published for general information.

Ordered, that the said Draft be re-considered at the first meeting of the Legislative Council of India after the 14th day of October next.

G. A. BUSHBY,

Secy. to the Govt. of India.

সিদ্ধ হইত তেমন সিদ্ধ হইতেক ও নিত্য সিদ্ধ ছিল এমত আন হইবেক ইতি।

ত্তম হইল যে একণে পাঠকরা ম্লাবিদা মর্ম মাথা-রণ লোকতে দ্বানাইবার নিমিত্তে প্রকাশ হয়।

তক্ষ হইল যে আগামি ১৪ অকটোবর তারিখের পর ভারতবর্ষের ব্যবস্থাপক কৌলেলের যে প্রথম বৈঠক হয় ভাষাতে এই মুদাবিদ। পুনরায় বিবেচনা করা যায়।

> श्चि अ वृत्रवि । ভারতবর্ষের গবর্ণমেন্টের দেক্রেটারী। JOHN C. MARSHMAN, Bengalee Translator.

CIRCULAR ORDER OF THE SUDDER NIZAMUT ADAWLUT.

No. 9.

To the Session Judges, Magistrates and Joint Magistrates in the Lower Provinces.

With reference to Act XXVII. of 1845, the Court of Nizamut Adawlut for the Lower Provinces are pleased to prescribe the modification shewn below of the Magistrate's Statement No. 4, and to enjoin its adoption from the 1st January, 1848.

W. KIRKPATRICK, Deputy Register. Fort William, the 2d July, 1847.

等种种的数据 电影体明日报的

मम्त्र निजामः आमानर्छत् मत्कूानत् चर्छत्।

৯ मसूत्।

বাললাপ্রভৃতি দেশের শ্রীযুত দেশন জল সাহের ও শ্রীযুদ্ধ गाजित्युषे मारहर ও आयुड काहेले गाजित्युषे मारहर वकावदव्यु ।

১৮৪৫ সালের ২৭ আইনের উপলক্ষে বাঙ্গলাপ্রভঙ্জি দেশের নিজাম্থ আদালতের সাহেবেরা মাজিয়েটি মা-হেবের ৪ নমুরী কৈফির্থ নীচের লিখিতমতে মতান্তর করিয়া স্থক্ম করিতেছেন যে ১৮৪৮ সালের ১ জানুজারি ভারিঅঅবধি ঐ দংশোধিত কৈফিয়তের ব্যবহার হয়। ডবলিউ কর্মপারিক। ডেপুটা রেজিটার।

कार्षे উलियम ३५८१। र खुलाई।

AND STATE OF THE PROPERTY OF T

Abstract Statement of Summary Suits for Forcible Dispossession under Act IV. of 1840, decided and pending in the -

1	2	3	6,7 4 a	5	(. 6 04)	7	1 8	9	10	11	n 12
	Pending at the close of	Instituted during the month.	Received by transfer.	Total to be disposed of.	Decided on their merits.	Adjusted or withdrawn.	Dismissed on default.	Transferred.	Pending on the	Pending above three months.	Explanation of Fatries in Column 11.
Mr Mugte.	No.			01	to de dies receives	BOOK THE	pendul Maria	d win	dres.	COLDS	- books
Total,				RESTAUD	Ser James	re to play		1,4402	THEF.	No.	

(True Copy.)

W. Kirrpatrick, Deputy Register.

Audioce of September of the Control of the Control 7- 14- William to the Court of the Section of the Court had The state of the s Average as to have a been a second Carry of the Company to the Company of the Company

The boundary and the state on the Williams

[शदर्वामके श्राटकरें। २४८१। २८ व्यानके ।]

- 8 नमूत् ।

৯৮৪ - সালের ৪ আইনমতে বলকমে ভূমির বেদখলীর যে সরাসরী মোককমা অযুক আদালতে নিকারি হয় ও যুলতরী আছে ভাষার কৈফিয়তের চয়ক।

ত্ৰ ক্ৰান্ত নাহে ক্ৰান্ত লোহে মুলতহা — মাদের মহে উপস্থিত লোহে মুলতহা — মাদের মহে উপস্থিত — মাদের মহে কারা প্রাপ্ত করি নাম বি কারি ইউরেক ভাষার যোট ক্লাহ ওলা কি উঠান মোকদ্যা কটিপ্রক্র ডিনায়স হইল স্কোপদ্ধি হইল	> >-	22 25
অমুক মাজিট্টেট অমুক মাজিট্টেট	RING S	जिन शारमज्ञ च्यांथक गूनकदी ১১ चाद्रज्ञ जिथिक दिशस्त्रव विवड्डन

(যথাৰ্থ নকল ৷)

ডবলিউ কর্মপাত্রিক। ডেপুটা রেজিউর।

JOHN C. MARSHMAN, Bengalee Translator.

EDUCATION NOTICE.

The undermentioned subjects have been selected for the Senior English Scholarship standard in Literature, History, Pure and Mixed Mathematics, for the year 1848:

LITERATURE.

Prose.-Bacon's Essays.

Addison's Essays from the Spectator as far as No. 369, being the termination of the criticisms upon Milton's Paradise Lost. (Calcutta Edition.)

SHAKESPERE'S Tempest and Midsummer-Night's Dream.

Poetry.—As much of DRYDEN as is contained in Richardson's Selections.

Mental and Moral Philosophy.—Reid's Enquiry— Mill's Logic.

HISTORY.

England.—MACKINTOSH'S History of England, from the commencement to the accession of James the First.

Greece.—From the close of the Peloponessian war to the death of Philip of Macedon.

India.—Stewart's History of Bengal. (Calcutta Edition.

PURE AND MIXED MATREMATICS.

Algebraic Equations.

Analytical Geometry of two dimensions.

Analytical Geometry of three dimensions, as applied to straight lines and planes.

Mechanics, as treated of by Whewell.

विष्णाश्याशस्त्र विद्धाशन।

১৮৪৮ সালে গ্রন্থবিদ্যা ও পুরাবৃত্ত বিদ্যা ও একার্থ ও সমিলিত ভূমি পরিমাপক বিদ্যাতে ইঙ্গরেক্তী প্রধান ছাত্রের বৃত্তির জন্যে নীচের লিখিত পাঠ নিদিউ করা গিয়াছে।

शक्षिमा।

शमा ।--दिकत्नव अस्म

শোকটেটর নামক পুস্তকের ৩৬৯ নম্বরপর্যান্ত
আডিসনের এনে অর্থাৎ মিল্টনের "পারাউদ লক্ত" নামক পুস্তকের দোষাদোম বিবেচনার কথার শেষপর্যান্ত। (কলিকাভার ছাপা।)
নেকসপিররের "টেম্পেন্ট" ও " মিডসমর্স নৈট্স
ডিম" নামক শ্বত।

পদ্য ।—রিচার্ডদন সাহেবের সংগৃহীত পুস্তকে জৈডনের কাব্যহইতে যেপঠান্ত গৃহীত হইয়াছে।

বিবেক ও নীতি বিদ্যা।—রিড সাহেবের তত্তা ও যিল সাহেবের তক বিদ্যা।

श्रुतावृत्त ।

ইললও।—মাকিউন সাহেবের ইললও দেশের পুরার্থ বিবরণে আরম্ভ অবধি প্রথম জেম্ন রালার নিংহানন প্রাপ্ত হওয়াপ্র্যান্ত।

গ্রিস।—পিলোপনিসান যুক্ষ অবধি মাসিদন দেশের ফি-লিপ রাজার মরণপর্যান্ত।

ভারতবর্ষ।—ফুআর্ট সাহেবের বাজলা দেশের বিবরণ। (কলিকাভার ছাপা।)

একার্থ ও দম্মিলিত ভূমিপরিমাপক বিদ্যা।

Algebraic Equations.

Analytical Geometry of two dimensions.

Analytical Geometry of three dimensions, as applied to straight lines and planes.

Mechanics, as treated of by Whewell.

studied without the application of the Differential and Integral Calculus.

> (By order) FRED. J. MOUAT, M. D.,

Secretary.

Council of Education, August 2, 1847.

NORMAL AND MODEL SCHOOLS.

- 1. The Honorable the Deputy Governor of Bengal having resolved that a Normal Institution shall be forthwith established in Calcutta, those interested are hereby informed, that the said Institution will, in the first instance, consist of a Normal School composed of stipendiary and free students, together with an Elementary Model School.
- 2. The stipendiary Normal students will be allowed a monthly salary of Rs. 12 each, during the period of their attendance in the Normal Institution, which shall, in no case, exceed two years. They must be between the ages of 16 and 24 years, have no physical defects disqualifying them for the active duties of their future profession, must produce satisfactory testimonials as to conduct, character and qualifications, and must enter into an agreement to serve, if required in the educational department, for at least three years, at whatever station they may be appointed to under the Bengal Presidency, after obtaining their certificates of qualification.
- 3. The free students must conform to the same regulations as regards age, character, and qualifications, but will be allowed to dispose of themselves at their option after completing the prescribed course of study. Previous to the admission of any students of either class, an examination of all such candidates as may present themselves will be held by the Superintendent, of which due notice will be given.
- 4. The Elementary Model School will consist, at first, of seventy-five pupils, who will be classified according to the system at present prevalent in the school departments of the Government Colleges. Each pupil shall pay a schooling fee of Rs. 2 per

(By order of the Hon'ble President and Council of Education,)

FRED. J. MOUAT, M. D., Secretary.

Council of Education, August 2, 1847.

NOTIFICATIONS.

ORDERS BY THE SUDDER DEWANNY ADAWLUT.

> The 13th August, 1847. APPOINTMENTS.

Baboo Beneenath Bose, 1st Grade Moonsiff of Cuttack, to be Moonsiff of Maniktullah, Zillah 24-Pergunnahs.

[গবর্ণমেন্ট গেজেট। ১৮৪৭। ২৪ আগন্ট।]

Hydrostatics and Pneumatics, so far as they can be | Hydrostatics and Pneumatics, so far as they can be studied without the application of the Differential and Integral Calculus.

ञ्कूधक्रम ।

এফ জে মৌআট। সেক্রেটারী।

বিদ্যাখ্যাপনের কৌন্দেল। ১৮৪৭। ২ আগফ।

শিক্ষক প্রস্তুত করণার্থ ও আদর্শ পাঠশালা।

- ১। বাজলা দেশের প্রীয়ত অনরবিল ডেপুটা গ্রহ-নর সাতের স্থির করিয়াছেন যে শিক্ষক প্রস্তুত করণার্ধ বিদ্যালয় কলিকাতায় অবিলয়ে স্থাপন হয় অভএব এই বিষয়ে যাঁহারা অনুকূল তাঁহারদিগকে জানান যাই-टिए य से रिमानस अधिय निक्क श्रेष्ठ कर्मार्थ পাঠশালা হইবেক ভাহাতে বৃত্তিভোগী ও অবৈত্তিক ছাত্র শিক্ষা পাইবেন এবং মূল বিষয় শিক্ষার্থ আদর্শ পাঠশালাও হইবেক।
- ২। শিক্ষক বৃত্তিভোগি ছাত্রের। ঐ শিক্ষকপ্রস্কৃতকারি বিদ্যালরে যত কাল থাকেন তত কাল মাদিক ১২১ টাকা বেতন পাইবেন সেই বিদ্যালয়ে তাঁহারা দুই বংসরের অধিক থাকিবেন না ভাঁহারদের বঁয়দ ১৬ বংশর্অবধি ২৪ বৎসরপর্যান্ত এবং ভাঁহারদের উত্তর কালীন কর্ম নিক্পল করণের যাহাতে ব্যাঘাত হইতে পারে এমত শরীরের কোন দোষ থাকিবেক না এবং তাঁহারদের আ-চার ও ব্যবহার ও যোগাতার বিষয়ে ছাছোধ মত নিদর্শন পত্র আনিতে হইবেক এবং তাঁহারদের এমত বন্দোবস্ত করিতে হইবেক যে বিদ্যাখ্যাপনের ডিপার্টমেন্টে নিযুক্ত হইলে আমরা যোগাভার সটিফিকট প্রাপণের পরে বাজলা রাজধানীর যে কোন স্থানে নিযুক্ত হট সেই স্থানে অন্যন তিন বৎসরপর্যান্ত কর্মা করিব।
- ৩। অবৈত্রনিক ছাত্রেরদের বয়স ও আচার ওবা-বহার ও যোগ্যভার বিষয়ে দেই নিয়মমতে কার্যা করিতে হইবেক কিন্তু নিশিক্ট শিক্ষাবলি সমাপ্ত করিলে ভাঁহারা আপনারদের ইজামতে কর্মা করিতে পারেন ৷ ইরডনিক কিয়া অবৈতনিক কোন ছাত্রকে ঐ বিদ্যালয়ে গ্রহণ করণেয় পূর্বে ঐ বিদ্যালয়ে শিক্ষা করণাকাজ্জী যাঁহারা উপস্থিত হন নুপরিক্টেণ্ডেন্ট সাহেব তাঁহারদের প্রীক্ষা লইবেন এবং তদ্বিময়ের উপযুক্ত সমাদ দিন থাকিতে দেওয়া যাইবেক। •
- ৪। মূল বিষয় শিক্ষাকরণার্থ আদর্শ পাঠশালার প্রথমে ৭৫ জন বালক থাকিবেক এবং গ্রন্মেন্টের কা-लেक्ट्र वेकुल या निराम छलन आह्य मिरे निरामानुमाद তাহার। সম্পুদারেং নিযুক্ত হইবেক। প্রত্যেক বালক মাসে ২১ টাকা করিয়া দিবক।

প্রীযুত অনর্বিল প্রণীডেও সাহেব ও বিদ্যাখ্যাপনের কৌন্দেলের ছকুমক্রমে

अक स्म भागे।

विमाधानित्व कोच्नल । ३৮৪१। २ जानके।

acelo torio regulate in the

বিজ্ঞাপন।

A STATE OF THE PARTY OF THE PAR ममत (म उग्रामी আদালতের ছকুম। ১৮৪৭ সাল ১৩ আগফ ।

निद्यांश।

কটকে প্রথম শ্রেণীর মুনদেক প্রীয়ত হাতু বেশিনার্থ वमु खिला प्रक्षिमभावामात् भागिक छलात् मृनस्मक हरे द्यम। THE RESIDENCE OF THE LONDON AND ADDRESS OF THE PARTY OF T

Baboo Sheebpershad Sing, (who obtained a diof Cuttack.

LEAVE OF ABSENCE.

Baboo Rajnarain Roy, Moonsiff of Nasirnugger, Zillah Tipperah, for 16 days beyond the ensuing Dasserah Vacation.

B. J. Colvin, Register.

ब्रोक्क्ट्या निरद्वाभुग

बमत्रदिल एडभूमि शदत्रमङ् मार्ट्रत्व छक्म। 2926 नम्द्र जिट्यान । वाक्रना तर्मात्र श्रीयुक

े काशक दरमाम १८४५

শ্রমুক্ত ভাক্তর গ্রিম সাক্তেবের (Dr. Green.) পরিবর্জে হাবড়ার সিবিল আসিফান্ট চিকিৎসক শ্রমুক্ত এ সি त निरित थानिका के जिल्ला के बिर्ड भ नि नारहर (Mr. A. C. Macrae,) वे जिलारक अन् हाउ त्नोकाइ हाडा थान्ड काक्रिन होका राज कड्टनड क्षिक् त्यमुत्र क्षेट्रदम। 時には

विख्वाश्वा

क्षिता दक्षिणाष्ट्रोद नाटिं। दहंद मूनरमरकद ष्यातान बहे २४ সমর আমালতের প্রামশ্যতে বাজলা দেশের প্রিযুক্ত व्यमद्दिल उड्जूण शदद्रमद् मारहर छक्म कद्रिशाष्ट्रम त्य उम्हे आल ह जाशके।

मालहेशाङ्गा मालहेमश्रा অস্থিপাড়া। गाकृशाज् । व्यान्याच् । त्रोभाष्ट्र। । मुद्रमश्र । (शाव्य । जिल्हा । त्यागद्रवाष्ट्रिया। ठक खकीमशब् । **डकीम**श्र । श्रामिशाङ्गा दाक्षमा । প্রভাপপুর। महादश्व । विका।

অনর্বিল ডেপুদী গ্রহ্নর দাহেব ছকুম করিরাছেন বে জিলা চাটিগীর হাওলা ও পভিরাও দেয়াকের মুনদোফের-দের এলাকা সমান করণের জন্যে নীচের লিখিত গ্রাম मम्ह जामानाड्य भहाशभीश्र वामना तमान् बियुड এক চাকলাহইতে উটিয়া জান্য চাকলা ভূক্ত হয়।

त्यर श्राम नक्तिमार्केटक उतिमा राखनाकुक रम। চন্তর পোটুজা। রকাপুর। উত্তর শাযুরা। मलयाहै। दाशमधी । मिक्कि माध्याखात्। त्राज्ञानभाष्ट्र। में में व वाहन नम शील -श्रहाना । वुक्रमी।

देरिया हाडमाञ्च क हम । बाष्ट्रिकावा । त्रुक्त ब्रामा नहीयाङा । कानिमण्डा। (इसक्रम्मा तमवडमा । उक्रोद्रश्र । रेमदाछी । रेश्क्रम । अकाका। निक्रीमा 1-[#]SE त्यर श्रीय त्यवाभव्हेट्ड दलिय थी। हादिलाम होल। মুকুনেত। ठंद शिषित्रभूत । भारेक्राफ्या । कड्वाथाइम । 5व कना≅ । अक्रिक्त मधी। त्डाकाहा । (वन्त्रम्त्री। मटल का छलीन । मिन्छ।।

কটকে নোগাভার পরপ্রাপ্ত জামুক বাবু শিবপ্রাস मिश् कमें एक गुमानक क्षेट्रम।

150

জিলা ত্রিপুরার নাজিরনগরের মুনদেক আনুত বাবু জনারায়ণ রায় আগোমি দশহ্রার বদের অতিরিক त्यान मित्नव कुमि शाहेबाएक्स। व्स्थाव्य

वि एक कलिन । त्विक्सित्।

त्यः श्राम तम्बान्ष्टें उतिमा अस्तिमञ्जूक हत।

द्रकेषानाका। शावाहकड़ा। श्रेक किमाता। कानिकामा। क्रविमा-(शहरता। शिष्ठ्रमा ।

田野町 名1章五一 चावित्रमा। दालशाहन। दाविलग्ना। (श्रामात्ते। वाष्ट्रेका! 日本語を記

১৮৪৭ মাল ১১ আগফ । ভারতবর্ষের গ্রপ্রেজেট্র সম্ভিক্তমে বাকলা দেশের শ্রীমুভ অনর্বিল ডেপুটা গ্রহন্ত্ন র্লাহেব ভকুম করিরী। ছেন যে ন্রেইপুর গ্রাম জিলা পুর্ব বর্ষমানের ইরণা থানা-रहेट डेरिया किला क्रामीद कार्यानायाम थानाकुक रहा। दाक्ला त्मरण्ड बीवूड चान्ददिल उड्यूमी मार्ट्टत्त् छकुम्बन्म ।

दामला तम्मात् श्वनियत्केत् तमत्केतात्रो। अक त्म कामिएड ।

३४०० नहरा

त्छश्री शरह्मह् दाकला त्मरलंड श्रीयुक्त अमद्दिन मार्ट्रदं छक्त

1 151 1570

। काशक यर मास १८४८

अपूरु जाद तम दिहाईमम मारहद (Mr. R. J. Ri-chardson) हाकाटक दिमाधाभरमद क्षिष्टिक प्रभुद क्ट्रेट्स।

त्रियुक मि अफ कार्शक मारहद (Mr. C. F. Carnac,) जे रहेदवन । क्षिमार क

15

জিলা ফেরিদপুরে মাণিকগণ্ডের ডেপুটা মাজিফুট জীযুত সৈয়দ জৈনুদ্দীন ছদেনন ধান কমোপালাকে জিন ३४८९ माल ३३ ब्यानचे। ग्राटमत् कृति भाटिशाष्ट्रम ।

मिमाञ्जभूरदंद क्षथाम मम्द्र ष्यागीम श्रीवृक ध्योमदी त्शामात्र भाग कामणह मात्र कटमीनमाक प्रक्रशास्त्र कृषी थाङ्गारङ्ग ।

उम्हम आल ३८ व्यानके।

ष्णाहैनमन्तर्कार्वा कार्यात भूभित्रिक्षण्डे ६ तिरम्भान्तव स्थिष्ट हे च माभू अस्म मारहर (Mr. E. A. Samuells.) सीव कर्माभू अस्म मारहर (श. E. A. Samuells.) सीव कर्माभू अस्म मारहर हुने भाहित्राख्या। एकाई डिलियम कारमरक्षत्र स्मात्की स्थिष्ट कान्दास

जि कि प्रामील मारहद (Capt. G. T. Marshall,) बीझ कर्त्यापलरक रवाल क्रिलबू कृषी शाहेश्रारक्त।

3889 माल ३७ व्यान्ति।

शहरूनमिश्टइ श्रंथान समृद्र जागीन सीयुक्त मि गाकि माइट (Mr. C. Mackay,) जाशाभि मनश्राद यहमाद्र जाजिदिक शृत्मद क्रिंग कृषी शाहेशास्त्र । स्रोहालभूद्व स्टेस्टिशमाइक शिष्ठ त्योमदी रैमसम् हैद्र-

ফানালী ধীয় কর্মোপলকে তিন মানের ছুটা পাইয়াছেন। ১৮৪৭ সাল ১৭ আগফ্ট।

माइराश्त्र अक्षिय गाक्रियुक्त श्रिष्ट्र ह क्षाक्रमम मारब्ब

जिलाव कारलक्षेत्र श्रीपृष्ठ जि राष्ट्री मारहरदद (Mr. G. Battye.) প্রতি অর্পণ করিয়া চিকিৎসকের সটিফিকট-ক্রমে এক মাসের ছুটী পাইরাছেন। এযুত বাটী সাহেব আপন কর্মের অতিরিক্ত ঐ কর্মণ্ড নির্বাহ করিবেন। 🦠

১৮৪৭ माल ১৮ আগফ !

ছিলটের কালেক্টর প্রিযুত এ এদ আনাও সাহের (Mr. A. S. Annand,) আপন কর্মের ভার আদিটান্ট প্রীয়ত সি ডবলিউ মাকিলপ সাহেবের (Mr. C. W. Mackillop,) প্রতি অর্পণ করিয়া স্বীর কর্মোপলক্ষে এক भारमत् कृति लाहेशास्त्र ।

जिला इनलीट ३४०० मालद २ चाहेनानुमाद मि-যুক্ত অচিহ্নিত ডেপুটী কালেক্টর প্রীযুত বাবু কালীপদ ঘোষাল চিকিৎদকের সটিফিকটক্রমে দুই মাদের ছুটা

বাঁকুড়ার আবকারীর সুপরিকেতেও প্রীযুত বাবু কা-লিনাস পালিত দীয় কর্মোপলকে পনের দিনের ছুটা পাইয়াছেন।

विकाशन।

১৮৪৭ माल ১৮ खाशसी।

* ঢাকার * সিবিল ও দেশন জল আযুত এচ সুইটনহাম मारहत (Mr. H. Swetenham,) दर्शान शारमत 20 ভারিঝে আপন কর্মের ভার পুনর্গ্রহণ করেন।

রঙ্গপুরের সিবিল ও দেশন জন্ম আযুত টি ওয়াইরেট দাহের (Mr. T. Wyatt,) বর্তমান মাদের ১২ তারিখো আপন কর্মের ভার পুনর্গ্র করেন্।

বান্ধলা দেশের জীযুত অনরবিল ডেপুটা গবর্নর লাহেবের ছকুমক্রমে।

> এফ জে হালিডে। वाक्रमा (मरमञ् शवर्व(घटले व म्याज्योत)।

> > ১৭৭° নমুর।

বাজলা দেশের এীযুত অনরবিল ডেপুটা গবর্মর্

সাহেবের হকুম। बिट्यांश ।

১৮৪৭ সাল ১৮ আগন্ট।

শাহারাদের ফডওরাদারক প্রীয়ন্ত মৌলরী মহরালী ছিল। শাহারাদে ১৮২১ সালের ৩ আইনের ২ ধারার ও প্রকরণের নিজিফী ক্ষমতাপ্রাপ্ত হইয়াছেন।

विला नतीतात कृषानशादत मूनामक वियुष्ठ वावू श्रका-নন বাঁড়ুয়া। প্রথম শ্রেণীভূক হইরাছেন।

३४८१ माल २३ व्यागके।

এদেশীয় ৬০ পল্টনের ব্রিবেট মেজর প্রীযুক্ত ভবলিউ বিষ্ণৰ পাতের (Brevet Major W. Riddell,) ১ সংখ্যক অর্থাৎ পাটনা এলাকার ঠগা ও ডাকাইতী নি-

(Mr. E. Jackson.) আপন মিরিশভার কর্মের ভার ঐ বারণার্থ আমিটান্ট মুপরিনেত্তেও হইবেন এবং ছিলা नाहाराम ও कन्नांत्र । छ मात्र छ বেহার छ नाहेश छ ত্রিছত ও মুদ্দের ও ভাগলপুর ও কাশীনদীর পশ্চিম मिर्श 'शूर्तिवात त्य अ९म डाशांड बाहे के माबित्कृतित ক্ষমতানুদারে কার্য্য করিবেন।

अमित ६ अल्डेरनत काश्वान श्रीयुक प्रतिष मि रह मारहर (Capt. W. C. Birch,) 8 मध्याक व्यर्थाय छलली अलाकात में में इहेर्द्रन अद॰ किला मूदिनाराम ଓ दीत जूम **९ दाँक्**ड़ा **९ वर्ष्ट्रमान ९ छशली ९ स्मिनीशृत ९ ननी**श ९ যশোহর ও বারাসভ ও চিরিলপরগনা ও হাবড়াতে জাইট মাজিট্রেটের ক্ষমতানুসারে কার্য্য করিবেন।

छूति।

১৮৪৭ माल ১৮ जाशके।

श्राहरत्त्र किठीय अधान मनत् आभीन क्रियुक वायु লোকনাথ বসু চিকিৎসকের সটিফিকটক্রমে এক মাসের

क्शलीव अधिविक ध्रधार ममत आभीन श्रीयुक स्मीलती रेमग्रम अमयानानी दीय कर्ब्याशनाक मुहे मिरनत कृषी পাইয়াছেন।

১৮৪৭ माल २३ जाशके।

বেহারের মাজিট্রেট আবৃত ই এফ লাটুর সাহের (Mr. E. F. Lautour,) शीम अकादिनाक कार्आाञ्चलक ইঙ্গলণ্ডে যাইতে এক বংশরের জুটা পাইয়াছেন।

কাছাড়ের সুপরিটেণ্ডেট জীয়ত কাপ্তান ই আরু লৈয়ন্দ मारहररक (Captain E. R. Lyons.) शुरु खुन गारमह ३३ তারিখের দেওয়া যে তিন মাদের ছুটার বিষয় গত ৬ জুলাই তারিখের গেজেটে প্রকাশ হয় তাহা চিকিৎসকের সটিফিকটক্রমে কেপে গমন করণার্থ ছূটী প্রার্থনা করিবার নিমিতে রাজধানীতে গমন করণার্থ ছিল।

বিজ্ঞাপন।

১৮৪৭ সাল ১৮ আগফী।

বাললা দেশের জীযুত অনরবিল ডেপুটা গবর্নর না-হেবের অদ্যকার নির্দ্ধারণে লিখিত হইরাছে যে জিলা মেদিনীপুরের প্রধান সদর অমীন জীয়ত রার অবৈত-প্রদাদ ঘোষ বিশ্বাদের অযোগ্য হইয়াছেন অভএব তা-হাকে পদ্যুত করা গেল।

১৮৪৭ माल २১ जामके।

শাহাবাদের কালেক্টর প্রীযুক্ত আর এন ফার্কদ্ন দা-তের (Mr. R. N. Farquharson,) সর্বাহান মানের ১২ তারিখে আপদকর্মের ভার পুনর্গ্রহণ করেন্।

वाक्रन। म्हान्य व्यापुर कानद्रदिन एड भूगि गरर्नह मा-

এফ ছে হালিডে। वाक्रला स्मरणव शवर्गस्य स्मरक्रियो।

GOVERNMENT ADVERTISEMENTS.

গবর্ণমেণ্টের ইশ্ভিছার।

LAND ADVERTISEMENT.

ভূমিবিষয়ক ইশ্তিহার।

The property of the second state of the second

1. 17 (A) 1. 14 (A) 1. 14

ইস্তাহার দেওয়া বাইতেছে যে দন ১৮৪৫ দালের প্রথম আইনের ১১ ধারার মন্মানুযায়ি জেলা মুর্শিদা-वारमञ् मेर्जास नीराव्य क्रमणीरमञ् वदान मन ১२৫० मारमञ्जाना कीसि कान्धरभद वास्तर बाकी जामीय কারণ সম ১৮৪৭ সালের ৩০ আগিউ মোডাবক সম ১২৫৪ সা.লর ১৫ ভাদু সোমবার জেলা মঞ্জুরের কালেক্টরি কাছারীতে অব্যর্থ ছানি নীলাম হউবেক ইতি দন ১৮৪৭ দালের তারিথ ১১ আগন্ট মোতাবক দন ১২৫৪ দাল

[शदर्वाम्बे कारके । ३४८१ । २८ व्यानके ।]

লেণীর মহালের প্রক ময়র	ার ভৌজির নয়র	মাম মহাল	नाम अभीनाद	সদর জয়া কোম্পানি	বকী খাজানা লাৎ ফাল্পণ	কৈফিয়ৎ
		OFFICE BOOK	erd rest or	海世界 24000 湖门园 古春歌	सम ३२०७ माल	97 (1984) - 197 (1984)
১ কাএমি বন্দো প্রকাশ সমস্থান		গীসমত ইন- রাকপুর	নারকানাথ ও রাধাহিনোদ পাঁড়ে ও ধৈ-	95 11/8	511/8	
winds amount	e front or s	Ass 2 da sicion Collega a se se	र्याशिक त्मया	直接 (2016) 60 省 (2016)	R. F. Hodoson,	Collector.

INSOLVENT COURT.

যোত্রহানেরদের আদালত।

IN THE COURT FOR THE RELIEF OF INSOLVENT DEBTORS AT CALCUTTA.

That by an order of the said Court, the matters of the Petition and Schedule of JOHN PINTO BIALE, late of Joratollao Street in the Town of Calcutta, and late a Master Mariner, is appointed to be BIALE, late of Joratolno Street in the Town of heard on Saturday, the 2d day of October next.

The names of the creditors of the said JOHN PINTO BIALE appear in a Schedule filed in the Office of the Chief Clerk of the said Court, to which any creditor may refer.

E. Panioty, Insolvent's Attorney.

শহর কলিকাতার অক্ষম ঋণিরদিনের পরিত্রাণার্থ আদালত।

কলিকাতা নগরের যোড়াতালাওর রাজানিবাসী ও পূর্বে মাউর মারিনর জান পিন্টো বিএল সাহেবের দর্থার ও তফ্সীলের মর্মা উক্ত আদালতের ত্তুমক্রমে আগামি অক্টোবর মানের ২ তারিথ শনিবারে তন।

উক্ত জান পিকৌ বিএল সাহেবের মহাজনেরদের নাম ওফদীলে লিখিত হইয়া উক্ত আদালতের প্রধান ক্লার্ক সাহেবের সিরিশতায় দাখিল হইয়াছে মহাজনেরা তাহা দেখিতে পারেন।

কলিকাতা ১৮৪৭।১২ আগন্ট।

ই পানিওটি। যোত্তীনের উঠীল।

La divine it a manage of the state of the st

In the matter of ALEXANDER COLVIN and others, Insolvents.

NOTICE is hereby given, that Saturday, the fourth day of September next, is appointed for further hearing in this matter for the purpose of declaring a dividend, and that an account in detail of the receipts and disbursements of the Assignee from the first day of July, 1843, until the 31st day of July, 1847, has been filed and may be inspected in the Office of the Chief Clerk. Any Creditor or other person interested who may intend to establish or oppose any claim upon the Estate of the said Insolvent will be heard, Notice having been given at the Office of the Chief Clerk three clear days before the Hear-Assignee's Office, 19th August, 1847. ing.

ষোত্রহীন আলেক্জাণ্ডর কলবিনপ্রভৃতির বিষয়ে

ইছার দারা সমাদ দেওয়া যাইতেছে যে ডিবিডেও প্রকাশকরণের জন্যে এই বিষয়ের অননি আগামি সেপ্টেম্বর शास्त्र 8 लाहिच समिवाद्य भूमहात्र ईहेटवक अवर ১৮৪० मालह ३ खुलाहे लाहिचाव्यवि ১৮৪৭ मालह ०১ জ্লাই ভারিশ্রপর্যাস্ত আদৈনি সাহেরের সকল জমাশ্রুচের বিস্তারিত হিসাব দাশিল হইয়াছে প্রধান ক্লাক্ট সাংহরের মিরিশতার দেখা যাইতে পারে। যে কোন মহাজন কিয়া এবিষয়ে লিপ্ত জন্য যে কোন ব্যক্তি উক্ত যোত্রহীনের ইটোটের উপর কোন দাওয়া স্থাপন কি প্রতিবল্পকতা করিতে চাহেন তিনি তরিষয়ে অননির দিবদের তিন দিবস পুরুষ প্রধান ক্লার্ক সাহেরের সিরিশতায় সমাদ দিলে তাঁহার বাক্য শুনা যাইরেক।

আদৈনির দফুর্থানা। ১৮৪৭। ১৯ আগষ্ট।

In the matter of JOHN FRASER LANE, an Insolvent.

NOTICE is hereby given, that Saturday, the 4th day of September next, is appointed for further Hear-NOTICE is hereby given, that Saturday, the 4th day of September next, is appointed for further Hearing in this matter for the purpose of declaring a dividend, and that an account in detail of the receipts and disbursements of the Assignee, from the 22d day of June, 1847, until the 31st day of July last, has been filed and may be inspected in the Office of the Chief Clerk. Any Creditor or other person interested who may intend to establish or oppose any claim upon the Estate of the said Insolvent will be heard, Notice having been given at the Office of the Chief Clerk three clear days before the Hearing.

Assignee's Office, 21st August, 1847.

याज्यीन जान रक्षत लान मार्ट्स्त विषय

ইহার ছারা স্থাদ দেওয়া ঘাইতেছে যে ডিবিডেও প্রকাশ করণের জন্যে এই বিষয়ের স্থননি আগামি मिल्ले सूद शारमत 8 **जातिश मनिदादि शूनता** इडेटरक धद९ ১৮৪৭ मालित २२ जून जातिश्र अर्थ शृनाहे মাদের ৩১ তারিঅপ্র্যান্ত আসৈনি সাহেবের সকল জমাথরচের বিস্তারিত হিসাব দাভিল হইরাছে তাং। প্রধান কার্ক সাহেবের মফুর্থানার দেখা হাইতে পারে। যে কোন মহাজন কিয়া এই বিহয়ে লিপ্ত অন্য যে কোন ব্যক্তি ইক বোরহীনের ইফেটের উপর কোন দাওয়া স্থাপন কি প্রতিবস্তকতা করিতে চাহেন তিনি অননির দিবসের তিন দিন পূর্বে প্রধান ক্লার্ক সাহেত্তের সিরিশ্তায় ভবিষয়ের সমাদ দিলে তাঁহার কথা স্তনা যাইতেক।

আদৈনির দত্তর্থানা। ১৮৪৭। ২১ আগফ।

[Government Gazette, 24th August, 1847.]

The like notice in the matter of SAMUEL WOODWARD, an Insolvent, wherein the account of the Assignee is filed from the 19th day of January, 1847, until the 31st day of July last.

याबहीन मामुजन উভওরার্ড দাহেবের বিষয়ে উক্ত প্রকার मয়াদ দেওলা ঘাইতেছে। এই বিষয়ে আদৈরি সাহেবের হিসাব ১৮৪৭ সালের ১৯ জানুআরি ভারিথঅবধি গত জুলাই মাসের ৩১ ভারিথপর্যান্ত দাখিল

The like Notice in the matter of NETERVILLE HENRY ALEXANDER CAMPBELL, an Insolvent, wherein the account of the Assignee is filed from the 29th day of August, 1846, until the 31st day of July last.

যোএহীন নেটরবিল হেনরি আলেক্জাওর কায়েল সাহেবের বিষয়ে উক্ত প্রকার সম্বাদ দেওয়া যাইতেছে। এই বিষয়ে আদৈনি সাহেবের হিদাব ১৮৪৬ দালের ২১ আগন্ট তারিখঅবধি গত জুলাই মাদের ৩১ তারিখ-প্ৰয়ন্ত দাখিল হইয়াছে ইতি।

PROBATE of the last Will and Testament of KISTNOMOHUN SEAL, late of Chinsurah in the District of Hooghly, in the Province of Bengal, Banker, deceased, having been this day granted by the Supreme Court of Judicature at Fort William in Bengal, in its Ecclesiastical Jurisdiction, to Sree Mutty Horeemoney Dossee, of the same place, the only Child and Daughter of the abovenamed Kistnomohun Seal, deceased, and Nundolaul Burraul, of the same place, the only Child and Son of the said Sree Mutty Horeemoney Dossee, the Executrix and Executor named in the said last Will and Testament of the said Kistnomohun Seal, deceased. All persons having claims on the said Estate are requested to make the same known, and those indebted thereto to pay their respective debts to the said Executrix and Executor forthwith.

Calcutta, 20th day of Angust, 1847.

HIGGINS, DENNAN and Angust, Province.

Calcutta, 20th day of August, 1847.

HIGGINS, DENMAN and ABBOTT, Proctors.

বাঙ্গলা দেশের জিলা হুগলীর চুটড়ানিবাসি পোদার মৃত কৃক্ষমোহন শীলের উইল ৪ দানপতের প্রোবেট বাঙ্গলা দেশের ফোর্ট উলিয়ম রাজধানীর সুপ্রিম কোর্টের এক্লিমিএফ্টিকেল এলাকাহইতে উক্ত উইল ও দানপত্রের লিখিত অছি উক্ত কৃষ্ণমোহন শীলের একিমাত্র কন্যা ঐ স্থাননিবাদি এমতী হরিমণি দাদী এবং উক্ত এমতী হরিমণি দাসীর একি পুত্র ঐ স্থাননিবাসি নন্দলাল বড়ালকে অদ্য দেওয়া গেল। উক্ত ইফেটের উপর হাঁহারদের কোন দা-ওয়া থাকে তাঁহারা সেই বিষয় উক্ত অছিদিগকে অবিলয়ে মানাইবেন এবং যাঁহারা উক্ত ইন্টেটের কোন কর্ম ধারেন তাঁহার। সেই টাকা অবিলয়ে উক্ত আছদিগকে দিবেন ইতি।

ছিগিল ডেনমান ও আবট। প্রকৃটর।

কলিকাতা। ১৮৪৭ সাল ২০ আগফ । [গবর্ণমেন্ট গেজেট। ১৮৪৭। ২৪ আগফী।]

আরামপুরের যন্ত্রালয়ে জীয়ত জান কাশমন সাহেবকর্ত্ব মৃদ্ভিত হইল।

CONTRACTOR OF THE STATE OF THE

PARTIE STATE OF THE STATE OF TH THE TAX OF THE PARTY OF THE PAR

AND SUPPLIED TO THE REAL PROPERTY OF THE PARTY OF THE PAR

The state of the s



গ্ৰণমেণ্টের আজাক্রমে প্রকাশিত।

CALCUTTA, TUESDAY, AUGUST 31, 1847.

কলিকাতা মঙ্গলবার ১৮৪৭ সাল ৩১ আগম্ট।

ACTS.

FORT WILLIAM, HOME DEPARTMENT, LEGISLATIVE,

THE 28TH AUGUST, 1847.

Act X. of 1847 is republished with a elerical error corrected, Act XXIV. of 1843 having been mentioned therein instead of XIV. of 1844.

By order of the Honourable the President in Council.

> G. A. Bushby, Secy. to the Govt. of India. ACT No. X. OF 1847.

Passed by the Honourable the President of the Council of India in Council on the 19th of June, 1847, with the assent of the Right Honourable the Governor General of India.

An Act for amending Act XXX. of 1836.

It is hereby enacted, that within the Territories subject to the Government of the East India Company whenever any Court not included under the provisions of Act XIV. of 1844 shall sentence any offender to imprisonment for life under the provisions of Act XXX. of 1836, it shall at the same time sentence such offender to transportation beyond sea for life, unless there should be special reasons inducing the Court to think such prisoner not a proper subject for transportation, which special reasons the Court is hereby directed to record.

> G. A. Bushby, Secy. to the Goot. of India.

FORT WILLIAM, HOME DEPARTMENT, LEGISLATIVE,

THE 21st AUGUST, 1847.

The following Act is passed by the Hon'hle the

चार्न।

কোর্ট উলিরম। দেশীয় ডিপার্টমেন্ট। लिखिमलिधित।

हेक्द्रकी ३৮८१ मान २५ खांशको।

১৮৪৭ দালের ১০ আইনে "১৮৪৪ দালের ১৪ আইন" এই কথা না লিখিরা ১৮৪৩ সালের ২৪ আইন লিখিত হইয়াছিল। অতএব তাহা সংশোধনপূর্বক পুনরায় প্রকাশ হইতেছে।

रख्द कोल्नलात औषुड अनत्रित श्रेमीएको मार्ट-বের ত্রুমক্রমে।

জি এ বশবি। छात्रखर्धित शवर्वामध्येत स्माक्षाती ।

हेक्द्रकी ১৮৪৭ माल ১० छाहिन।

ভারতবর্ষের ভীষ্ত গ্রব্নর জেন্ত্রল বাহান্ত্রের স্ম তিক্রমে ভারতরর্যের হজুর কৌন্সেলের প্রীয়ত অনুরবিল প্রদীডেন্ট দাহেব হজুর কৌন্দেলে এই আইন ১৮৪৭ দালের ১৯ জুন ভারিখে জারী করেন।

্ ১৮৩৬ সালের ৩০ আইন সংশোধনের আইন।

ইহাতে তক্ম হইল যে কোম্পানি বাহাদরের শাসিত দেশের মধ্যে যথম ১৮৪৪ দালের ১৪ আইনের বিধা-নের অসম্পর্কীয় কোন আদালত ১৮৩৬ সালের ৩০ আইনের বিধিক্রমে কোন অপরাধিকে যাবজ্জীবন করেদের দভের তক্ম দেন তথান ঐ অপরাধি ব্যক্তিকে দীপান্তর প্রেরণের উপযুক্ত পাত্র বোধনা করিবার বি-শেষ কারণ না থাকিলে ঐ আদালত ঐ অপরাধিকে যাবজ্জীবন দ্বীপান্তর প্রেরণের ত্তৃম দিবেন এবং ঐ হিশেষ কারণ রোরদানের মধ্যে লিখিতে ঐ আদালভকে ইহার ভারা তকুম দেওয়া গোল।

জি এ বুশবি। छात्रकरार्वत शर्वायात्मेत्र माजनीती।

रकार्षे उलिश्य। मिनीस डिलाई सब । লেজিসলেটিব।

है अद्वर्की ১৮৪৭ माल २३ आश्रेष्ट ।

ভারতবর্ষের আয়ত গবরুনর জেনরল বাহাদরের সমা-President of the Council of India in Council on the | তিক্রমে ভারতবর্ষের হজুর চৌলেলের প্রযুভ আনরবিদ্ধ Hon'ble the Governor General of Iudia, which has been read and recorded.

Ordered, that the Act be promulgated for general information.

ACT No. XII. OF 1847.

An Act for repealing the Law which authorizes the imposition of fines on Moonsiffs and Sudder

Whereas it was enacted, by Clause 3, Section 9, Regulation XXIII. of 1814, of the Bengal Code, that in cases of misconduct and neglect of duty which might not be of a nature to require the suspension or dismissal of a Moons if from his office, the Judge should be authorized to impose on the Moonsiff a fine not exceeding Twenty Rupees in amount, and that the order of the Judge in such case should be final :

And whereas by Section 67 of the said Regulation the provision above recited, was declared amongst other things to be applicable to the office of Sudder Ameens, as well as to that of Moonsiffs :

And whereas the provision above recited, is no longer adapted to Moonsiffs and Sudder Ameens, in the more elevated Judicial position which they now occupy :

It is therefore hereby enacted, that Clause 3, Section 9, Regulation XXIII. of 1814, and Section 67 of the said Regulation, so far as it declares the said Clause to be applicable to Sudder Ameens, are

> G. A. BUSHBY, Secy. to the Gort. of India,

FORT WILLIAM. HOME DEPARTMENT, LEGISLATIVE, .

THE 21st AUGUST, 1847.

The following Act is passed by the Hon'ble the President of the Council of India in Council on , the 21st of August, 1847, with the assent of the Right Hon'ble the Governor General of India, which has been read and recorded.

Ordered, that the Act be promulgated for general information.

ACT No. XIII. or 1847.

An Act for repealing Act XIV. of 1839 so far as it relates to the Emigration of Natives of India to the Island of Ceylon.

1. Whereas by Act XIV. of 1839 it was enacted, that every person who should make with any Native of India any contract for labor to be performed in any British or Foreign Colony without the Territories of the East India Company, or who should knowingly abet or aid any Native of India in emigrating from the said Territories for the purpose of being employed as a laborer, should be liable on conviction before a Magistrate or Justice of the

21st of August, 1847, with the assent of the Right | প্রদীডেও সাহের হলুর ভৌলেলে নীচের লিখিত আইন ১৮৪৭ সালের ২১ আগফ তারিখে ছারী করিলেন। আযুত্ত গতর্নর জেনরল বাহাদুরের ঐ সমাভিপত পাঠ হইয়া द्वीत्मालत वहीएड कर्मन हहेगाएड।

> छक्म हरेल या अहे आहेन मर्क माधावन लाकरक জানাইবার নিমিত্তে প্রকাশ হয়।

रेक्ट्रजी ১৮৪৭ माल ১২ আইন।

रा आहेत्वत बाद्दा मुनत्मक अ मनत आधीत्नवतनत खही-भामा कत्रावत क्रमण मिछता निवाद छात्रा दम कत्रावत विषयि आहमे।

যেহেত্ক বাজলা দেশের চলিত ১৮১৪ সালের ২৬ আইনের ৯ ধারার ৩ প্রকরণে তকুম আছে যে " মুন-দেফেরদিগহইতে আপন্য ভাবের কর্মা নির্মাহ করণের মধ্যে কর্মাহইতে তগীর কি দলেপও না হইতে পারিবার মত আরুং প্রকার বিক্সাচরণ ও শৈথিলা হটলে এক সাহেবের ক্ষমতা আছে যে ২০১ কড়ি টাকার অধিক মা হর এমত জরীমানা তাঁহারদিগের স্থানে লন্ও এমত ২ গতিকের বিষয়েতে জল সাহেব যে ছকুম দিবেন ভাহাই **हुज़ांख इहेदिक।**"

এবং যেতেত্রক ঐ আইনের ৬৭ ধারানুসারে অন্যান্য বিষয়ের মধ্যে এই ছক্ম হইয়াছিল যে ঐ বিধান ষেমন मुनामरकत दिवास थाएँ उसिन ममन आशीरनत विवास খাটান যায়।

এद९ स्थार्ड्ड मृनस्मरकत्राहत छ मन्त्र आभीरमहरम्ब পর্ব্বাপেক্ষা বিচারকরণসম্পর্কীর যে উচ্চ পদ একণে হউ-রাছে তদ্যে ঐ বিধান তাঁহারদের বিষয়ে উপযুক্তমতে আর থাটে ন।

अडअत देशांड खुकुम दहेल रम 1828 मारलात ३० बाहित्त व धारात ७ श्रकत्व अव९ के बाहित्तत ७१ ধারার যে ভাগে লেখে যে এ প্রকরণ সদর আমীনের বিষয়ে খাটে সেই ভাগ রদ হইল ইতি।

> कि अ दुगति। . ভারতবর্ষের গ্রপ্থেটের সেক্টোরী।

ফোর্ট উলিয়ম। দেশীর ডিপার্টমেন্ট ৷ लिखिमलियि।

हेम्रदेवकी ১৮৪৭ नाल २১ जानके।

ভারতবর্ষের প্রীয়ত গবসুনর জেনরল বাহাদরের সমা-তিক্রমে ভারতথ্যের হলর কৌনেসলের আঘত অনরবিল প্রদীতেন্ট সাহের হজুর কৌন্দেলে নীচের লিখিত আইন ১৮৪৭ मालत २১ आशक्षे छादित्य खादी कहित्लम। জীবৃত গবর্নর জেনরল বাহাদুরের ঐ সমাভিপাত পাট इहेश कोल्मलात दहीए अर्थन हहेशास्त्र ।

छक्म रहेल य এই আইন मर्स माधात्व लाकक ভানাইবার নিমিত্তে প্রকাশ হয়।

डेकटतकी ১৮৪৭ माल ১৩ आहेस। ১৮৩৯ সালের ১৪ আইন যেপঠান্ত সিৎহল দীপে ভারতবর্ষনিবাদি ব্যক্তির্দের গমনের বিষয়ে খাটে म्हिश्री छ छ। इस क्रांश्त आहेत।

১ ধারা। যেহেতক ১৮৩৯ মালের ১৪ আইনে এমত জক্ম হইল যে ভারত্রমীয় কোম্পানি বাহাদরের রা-জোর বাহিরে কোন ইঞ্চলণীর কি ভিন্নাধিকারির বসতিতে কর্মা করিবার নিমিত্তে ভারতবয়ীর কোন ব্যক্তির সহিত ষে কেছ চুক্তি করিবেক কি মন্তুরের ন্যায় খাটিবার নি-মিতে ঐ বাভাহইতে ভারতবহীয় কোন ব্যক্তিকে গমনার্থে জানিয়া শ্বনিয়া প্রবৃত্তি দিবেক বা ভাতার সাতাম্য করিতেক দেই ব্যক্তির অপরাধ কোন মাজিট্টেট কিয়া জুটিন व्यक नि शीम मारहरत्व मधीरश मादाख हहेरल अस्मिनी । Peace, to a fine not exceeding 200 Rupees for every Native so contracted with, aided or abetted, and in default of payment of such fine, should be liable to be imprisoned for a term not exceeding three months:

Provided always that nothing in that Act contained should be taken to apply to any Native Seaman who should of his own free will contract to navigate any Vessel, or who should embark on board such Vessel in pursuance of such contract, or to any person who should contract to serve as a Menial Servant only, or who should embark as such Menial Servant:

And whereas the Island of Ceylon geographically, historically and socially considered, is analogous to the Countries subject to the Government of the East India Company:

It is hereby enacted, that Act XIV. of 1839, in so far as it makes liable to penalties every person who shall make with any Native of India any contract for labor to be performed in the said Island, or who shall knowingly aid or abet any Native of India in emigrating from the Territories subject to the Government of the East India Company to the maid Island, is repealed.

II. But whereas the said Island is not subject to the Legislative power of the Governor General of India in Council, so that the said Governor General in Council is unable to make Laws for the protection of such Natives of India as may emigrate to the said Island against the evils which might attend the emigration of such Natives of India from the said Island to any British or Foreign Colony:

It is therefore hereby enacted, that this Act shall not come into operation until the Governor General of India in Council shall be duly certified that the Legislature of the said Island has made such Laws as the said Governor General in Council shall think sufficient for the protection of such Natives of India so emigrating to the said Island against the evils aforesaid, and shall notify in the Gazette that he has been so certified.

G. A. Busuar, Secy. to the Govt. of India.

CIRCULAR ORDER OF THE AC-

No: 791.

To the Collectors of the Districts of Aeng, Akyab, Beerbhoom, Behar, Backergunge, Bhaugulpore, Burdwan, Bancoorah, Bograh, Bullooah, Chittagong, Cuttack N. D. Balasore, S. D. Pooree, C. D., Dacca, Durrung, Dinagepore, Furrecdpore, Gowalparah, Hooghly, Lohardugga D., Maunbhoom D., Jessore, Jorehaut, Mymensing, Midmapore, Monghyr, Moorshedabad, Maldah, Nuddea, Patna, Purneah, Rojshahye, Rungpore, Ramree,

যে প্রত্যেক হাজির সজে চুক্তি করা গিয়াছে কি যাহার সাহায়। করা গিরাছে বা ঘাহাকে প্রবৃদ্ধি দেওরা গিয়াছে দেই প্রত্যেক হাজির নিমিত্তে ঐ অপরাধি বাজি ২০০১ দুই শত উভার অনধিক জরীমানার যোগা হউবেক এবং ঐ জরীমানার টাকা না দেওৱা গেলে তিন মাদের অনধিক মিরাদে করেন থাকনের যোগা হউবেক ইতি।

কিল এদেশীর যে কোন নাবিক যেজাজেয়ে কোন জাহাজের কর্মা করিতে চুক্তি করে কি সেই চুক্তির অনু-সারে সেই জাহাজে আরোহণ করে কিয়া যে কেহ কেবল দাস্য কর্মা করিতে চুক্তি করে অথবা সেই প্রকার দাসের ন্যার জাহাজে আরোহণ করে দেইই হাক্তির বিহরে এই আইনের লেখা কোন কথা যে খাটে এমত রোধ করিতে হইবেক না।

এবং যেতেতুক সিংহলন্দ্রীপ ভূগোলসম্পর্কে ও পুরাবৃষ্ধ-সম্পর্কে এবং জাতিসম্পর্কে কোম্পানি বাহাদুরের শাসিত দেশের সদৃশ।

অতএব ইহাতে তকুম হইল যে ঐ দ্বীপে কর্ম করিবার নিমিন্তে ভারতবর্ষীয় কোন ব্যক্তির সহিত যে ব্যক্তি কোন চুক্তি করে কি কোম্পানি বাহাদুরের শাসিত্ব দেশহইতে উক্ত দ্বীপে গমনার্থ কোন ব্যক্তিকে জানিয়া শ্রনা প্রবৃত্তি দেয় বা ভাহার সাহায়্য করে সেই ব্যক্তি ১৮৩৯ সালের ১৪ আইনের যে ভাগের হারা দণ্ডের যোগ্য হয় দেই ভাগে রদ হইল ইতি।

২ ধারা। কিন্তু যেতেতুক উক্ত দ্বীপ ভারতবর্ষের

শীযুত গবর্নর জেনরল বাহাদুরের হজুর কৌন্দেলের
বাবস্থাপক ক্ষমতার অধীন নহে এবং ভারতবর্ষের যে
লোকেরা ঐ দ্বীপে গমন করে তাহারা ঐ দ্বীপ ছাড়িরা
কোন ইললভীয় বা ভিয়াধিকার দেশীয় বসতিতে
গমন করিলে যে অনিইট হইতে পারে সেই অনিইটইইতে তাহারদিগকে বক্ষা করণার্থ উক্ত শীযুত গবর্নর্
জেনরল বাহাদুর হজুর কৌন্দেলে আইন করিতে পারেন্
না।

অঙএব ইহাতে অকুম হইল যে যাবে প্রীয়ৃত গবরনর্ জেনরল বাহাদুরকে হজুর কৌন্দেলে এইমত জাত না করা যায় যে এ দ্বীপে গমনশীল ভারতবর্ষের এ লোকের-দের পূর্বোক অনিউহইতে রক্ষার জন্যে প্রীয়ৃত গবর্নর্ জেনরল বাহাদুরু হজুর কৌন্দেলে যে২ আইন উচিত বোধ করেন দেই২ আইন ঐ দ্বীপের ব্যবস্থাপক কৌ-ন্দেল নিদ্দিট করিয়াছেন এবং দেইরপ সম্বাদ পাইবার বিষর গেজেটে এক্তেলা না দেন তাবং এই আইন আ-মলে আদিবেক না ইতি।

জি এ বৃশবি।

ভারতবর্ধের গবর্ণমেকের সেক্টোরী। John C. Marshman, Bengalee Translator.

আস্ট্রেণ্টেণ্ট জেনরল সাহেবের সরক্যুলর পত্র।

१०३ मध्व।

নীচের লিখিত এলাকার প্রীযুত কালেক্টর সাহেব বরাবরেষু অর্থাৎ আরেক্ষ ও আক্যার ও বারভ্র ও বেহার ও বাকরগঞ্জ ও ভাগলপুর ও বর্জমান ও বাঁকুড়া
ও বপ্ডড়া ও বলুআ ও চাটিগা ও ক্টকের উত্তর অংশ
বালেম্বর ও দক্ষিণ অংশ পুরী ও মধ্যম অংশ ও
চাকা ও দরক ও দিনাজপুর ও ফরিদপুর ও গোআলপাড়া ও জনলা ও লোহার্ডগার এলাকা ও মানজুম
এলাকা ও হংশাহর ও যোড়হাট ও মহমুনসিংহ ও
মেদিনীপুর ও মুদ্দের ও মুর্গিনাবাদ ও মালদ্ধ ও